गोल सीढ़ी

("THE CIRCULAR STAIRCASE" by Mary Roberts Rinehart)

मूल लेखिका
मेरी राबर्ट्स राइनहार्ट

अनुवादक
सुखबीर

पर्ल पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, बम्बई, १

मूल्य : ५० नये पैसे

प्रथम पर्ल संस्करण १९६०

प्रकाशक : **जी. एल. मीरचंदानी**, पर्ल पब्लिकेशन्स प्राइवेट लि.,
२४९, डा. दादाभाई नवरोजी रोड, बम्बई १
मुद्रक : **बा. ग. ढवळे**, कर्नाटक मुद्रणालय, चिराबाजार, बम्बई २

१

मेरा देहाती मकान

यह एक अधेड़ उम्र की अविवाहित स्त्री की कहानी है कि कैसे वह पागल हुई, कैसे उसने शहर में अपने घर वालों को छोड़ा, गार्मियाँ बिताने के लिए शहर के बाहर एक सजा हुआ घर लिया और स्वयं को एक ऐसे रहस्यमय अपराध में फँसा हुआ पाया, जिस पर हमारे समाचारपत्रों और जासूसी एजेंसियों की प्रसन्नता और सम्पन्नता निर्भर है। वास्तवमें यह मेरी अपनी कहानी है। बीस वर्ष तक मैंने पूर्णरूप से सुखी जीवन बिताया। बीस वर्ष तक हर बार मेरी खिड़कियों पर रखे फूलों के गमले वसंतऋतु में महकते रहे, गालीचे उठाये गये, वितान लगाये गये और भूरे रंग के लिनेन से फर्नीचर ढँका गया। बीस वर्ष तक हर ग्रीष्मऋतु में मैंने अपने मित्रों से विदा ली और उनके चेहरों की आखिरी झलक देखते हुए कस्बे के एक सुखद और एकांत स्थान में रहने लगी, जहाँ पर दिन में तीन बार डाक आती थी और पानी के लिए छत पर लगी टाँकी के भरोसे नहीं रहना पड़ता।

तब मुझ पर पागलपन सवार हुआ। जब मैं कस्बे में 'सनी साइड' नामक घर में बीते समय पर दृष्टिपात करती हूँ, तो मुझे आश्चर्य होता है कि अखिर मैं बची कैसे रह गयी! जैसे जैसे यह सब हुआ, उसका मैं अपने कटु अनुभवों के आधार पर वर्णन करती हूँ। इस समय मेरे बाल बहुत सफेद हो गये हैं। अभी कल ही लिड्डी ने मेरा ध्यान उनकी ओर आकर्षित किया था। उसने कहा था कि पानी में थोड़ा-सा नील डाल कर धोने से मेरे बाल, जो अब पीले से बन गये हैं, चाँदी से सफ़ेद बन जायँगे। मुझे घृणा है कि कोई मुझे कड़वी बातों की याद दिलाये, सो मैंने उसे डांट कर चुप करा दिया।

"नहीं," मैंने रुखाई से कहा, "मैं इस उम्र में बालों को नील नहीं लगाऊँगी।"

उस भयानक ग्रीष्मऋतु के बाद से ही लिड्डी का दिमाग खराब हो गया है, परंतु फिर भी वह कुछ संभली हुई है और जब वह कभी नाराज़गी से मुहँ फुला लेती है, तो मुझे उसे मनाने के लिए बस इतना भर कहना पड़ता है कि हम कस्बे में 'सनीसाइड' वाले घर वापस चले जायेंगे। तब वह एक दम डर जाती है।

इससे आप अनुमान लगा सकते हैं कि वहाँ बिताये गर्मी के दिन कितने भयानक थे।

समाचारपत्रों के वृत्तान्त बहुत गलत और अधूरे होते हैं। उनमें से एक ने मेरा केवल एक ही वार जिक्र किया है और वह भी उस समय रहने वाले एक किरायेदार के रूप में। इसलिए मैं अपना कर्तव्य समझती हूँ कि जो कुछ हुआ उसे बताऊँ। जासूस जेमिसन ने स्वयं कहा है कि वह मेरी सहायता के बिना कुछ भी न कर पाता, यद्यपि लिखित रूप में उसने मुझे बहुत ही कम महत्व दिया है।

अपनी कहानी शुरू करने के लिए मुझे कई वर्ष पीछे जाना होगा—ठीक तौर पर देखा जाय तो तेरह वर्ष पीछे। उस वक्त मेरा भाई अपने दो बच्चों को मेरे पास छोड़ कर स्वर्ग सिधार गया था। तब हालसे ग्यारह वर्ष का था और गर्टरूड सात वर्ष की। अकस्मात् मातृत्व का पूर्ण उत्तरदायित्व मुझ पर आ पड़ा था। वास्तव में मातृत्व के उत्तरदायित्व को पूर्णतया निभाने के लिए ठीक उतने ही वर्ष चाहिए, जितने वर्ष का बच्चा हो; फिर भी जो कुछ हो सकता था, मैंने अच्छे से अच्छा किया। जब गर्टरूड बचपन की उस आयु को पार कर गयी, जबकि अभी बालों में रिबन बाँधे जाते हैं, और हालसे पतलून पहनने लगा, तो मैंने उन्हें अच्छे स्कूलों में दाखिल करवा दिया। इसके पश्चात् मेरी ज़िम्मेदारी सिर्फ़ इतनी ही थी कि हर ग्रीष्म ऋतु में तीन महीने उसके वस्त्रों को आलमारियों में सजाती, उसकी जरूरत की चीज़ों की सूचियों को देखती और नौ महीनों के एकांत में से अपने उपमातृत्व को लेकर बाहर निकलती।

जब कुछ समय के पश्चात् वे बोर्डिंग-स्कूल और कालेज में अपने मित्रों के साथ ही अधिकांश छुट्टियाँ बिताने लगे, तो गर्मियों में मेरा और उनका जो संग रहता था, वह समाप्त हो गया। मैंने देखा कि मेरे पत्रों से भी अधिक अब उन्हें मेरी ओर से भेजे जाने वाले चैकों की प्रतीक्षा रहती थी, यद्यपि मैं उन्हें चैक निश्चित समय पर भेजती ही रहती थी। परन्तु जब हालसे ने अपना बिजली का कोर्स पूरा कर लिया और गर्टरूड ने अपना बोर्डिंग स्कूल छोड़ा और दोनों घर रहने के लिए आये तो अचानक ही चीज़ों का रुख बदल गया। सार्दियों में मैं काफ़ी रात गये तक बैठी गर्टरूड की प्रतीक्षा करती रहती। कई बार उसे स्वयं जाकर वापस घर लाती। उसे दर्ज़ी के पास लेकर जाती और उन अयोग्य युवकों से उसे बचाती, जिनके पास यदि धन अधिक था, तो बुद्धि कम थी और यदि बुद्धि अधिक

थी, तो धन कम था। मैंने कई नयी चीज़ें भी सीखीं—जैसे कि कई वस्त्रों को नये नामों से पुकारना, जिन्हें मैं पहले और नामों से पुकारती थी। हालसे को व्यक्तिगत देखभाल की आवश्यकता नहीं थी। उस जाड़े की ऋतु में जब दोनों को उनकी माँ की जायदाद मिल गयी, तो मेरी केवल नैतिक जिम्मेदारी ही रह गयी। हालसे ने मोटरकार खरीदी और मैंने यह सीखा कि अगर मोटर के नीचे किसी का कुत्ता आ जाय तो मोटर को रोकना नहीं चाहिए, क्योंकि लोग अपने कुत्तों के बारे में नाराज हुए बिना नहीं रहते।

मेरी शिक्षा में जो वृद्धि हुई उसने मुझे पूर्ण रूप से सिद्धहस्त बना दिया और बसंत ऋतु आने तक तो मैं और भी बहुत कुछ सीख गयी। आखिर जब गर्मियों में हालसे एडिरनडैक्स जाना चाहता था और गर्ट्रूड बार हार्बर, तो हम अंत में इस बात पर सहमत हुए कि किसी अच्छे गांव में घर लेकर रहा जाय, परन्तु वह बहुत दूर न हो। बस इतना दूर हो कि वहाँ से मोटर में बैठकर आसानी से शहर आ जा सकें और वहाँ डाक्टर को बुलाने के लिए टेलीफ़ोन की सुविधा हो। इस प्रकार हम सनीसाइड नाम के मकान में गये।

हम सनीसाइड को देखने निकले। वास्तव में वह मकान अपने नाम के ही अनुकूल था। उसके सुहाने दृश्य को देखकर उसके असाधारण होने का भान नहीं हुआ। केवल एक बात मुझे असाधारण लगी : घर का रखवाला, कुछ दिन पहले उस घर को छोड़कर माली के घर में रहने चला गया था। माली का घर उस घर से इतनी दूर था कि यदि कहीं दुर्भाग्यवश घर में आग लग जाती या चोरी हो जाती, तो माली के आते-आते घर का सफ़ाया हो सकता था। जायदाद काफ़ी बड़ी थी। घर पहाड़ की एक चोटी पर था, जिसकी ढाल घास के बड़े हरे मैदान की ओर थी और कतरी हुई झाड़ियाँ सड़क तक फैली हुई थीं। घाटी के उस पार लगभग दो मील दूर ग्रीनवुड नाम का क्लब था। गर्ट्रूड और हालसे देखकर बहुत ही खुश हुए।

"यही सब कुछ तो है जो हमें चाहिए।" हालसे ने कहा, "दृश्य, हवा, अच्छा पानी और अच्छी सड़कें। जहाँ तक घर का सवाल है, वह इतना बड़ा है कि अस्पताल बनने लायक है।"

निःसन्देह हमने इस स्थान को अपनाया। यहाँ पूरा आराम मिलने की कल्पना नहीं थी, क्योंकि यह बहुत बड़ा घर था और इतना एकांत में था कि नौकर आसानी से नहीं मिल सकते थे। फिर भी इसका श्रेय मैं स्वयं ही लेती

हूँ। तब से जो कुछ हुआ उसके लिए मैंने हालसे और गर्टरूड को दोष नहीं दिया कि वे मुझे क्यों यहाँ लेकर आये। एक बात और भी है– यदि वहाँ एक के बाद एक हुई दुर्घटनाओं ने और कुछ नहीं किया तो उन्होंने मुझे एक बात ज़रूर सिखायी कि मुझ में किसी चीज़का पीछा करने की एक प्रवृत्ति है। शायद यह प्रवृत्ति अपने उन पूर्वजों से विरासत में चली आयी हो, जो कुछ कुछ सभ्य बन रहे थे और भेड़ों की खाल का लिबास पहना करते थे और शिकार की खोज में भटकते रहते थे। यदि मैं पुरुष होती तो जानवरों को जाल में फँसाने का काम करती और उनका इस निर्दयता से पीछा करती जैसा कि मेरे पूर्वज जंगली रीछ का पीछा किया करते थे। परन्तु एक अविवाहित स्त्री होने और अपनी मर्यादाओं के बन्धनों के कारण अपराध से मेरा प्रथम परिचय शायद मेरा अंतिम परिचय था।

वह मकान पाल आर्मस्ट्राँग के कब्जे में था। आर्मस्ट्राँग ट्रेडर्स बैंक का अध्यक्ष था। उन दिनों जब कि हमने वह घर लिया तो वह अपनी पत्नी, पुत्री और परिवार के डाक्टर वाकर के साथ कैलेफोर्निया गया हुआ था। हालसे उसकी बेटी लुई आर्मस्ट्राँग को जानता था, वल्कि पिछली सार्दियों में उसके प्रति उसकी ख़ास दिलचस्पी भी रही थी; परन्तु चूँकि हालसे की हमेशा ही किसी न किसी के प्रति खास दिलचस्पी रहती थी, मैंने इसके बारे कभी गंभीरता से नहीं सोचा था। वैसे मैं जानती थी कि वह बड़ी सुन्दर लड़की है। मैं आर्मस्ट्राँग को बैंक से संबंधित होने के कारण ही जानती थी, क्योंकि उसी बैंक में बच्चों की अधिकतर पूँजी जमा थी; या फिर मैं उसे उसके पुत्र आर्नल्ड आर्मस्ट्राँग के कारण जानती थी, जिसके बारे में मशहूर था कि उसने बैंक के किसी काग़ज़ पर क़ाफी बड़ी रकम के लिए अपने पिता के जाली हस्ताक्षर किये थे। वैसे देखा जाय तो इस कहानी में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं थी।

मैंने हालसे और गर्टरूड को किसी घर में पार्टी पर भेजा और स्वयं पहली मई को सनीसाइड चली गयी। सड़कों की हालत अच्छी नहीं थी। परन्तु वृक्ष पत्तों से भरपूर थे और घर के इर्द-गिर्द अभी तक फूल खिले हुए थे। स्टेशन से आने वाले एक मील के रास्ते पर जब मोटर कीचड़ में फँस गयी, तो मैंने वहाँ एक किनारे पर छोटे-छोटे फूलों की कतारें देखीं। पक्षी झाड़ियों में चहचहा रहे थे। मैं उनकी अलग-अलग किस्में नहीं जानती। वास्तव में सभी पक्षी मुझे एक से ही लगते हैं, जब तक कि उनमें किसी चमकदार रंग की निशानी न हो। हर वस्तु शांत थी। सूरज छिपने पर जब चारों ओर से झींगुरों की आवाज़ें आने लगीं, तो पक्के मकान में पली-पोसी लिड्डी कुछ डरने लगी।

पहली रात काफ़ी शांति से बीत गयी। मैं सदैव उस एक रात की शांति के लिए आभारी हूँ। इससे अनुमान लग सकता है कि अनुकूल परिस्थितियों में वह देहात कैसा लगता होगा। उस रात के पश्चात् कभी भी मैं इस विश्वास के साथ न सो सकी कि सुबह उठने पर मेरा सिर कंधों पर सही-सलामत होगा।

दूसरे दिन लिड्डी और घर की देखभाल करने वाली श्रीमती राल्टसन में झगड़ा हो गया और राल्टसन ग्यारह बजे की गाड़ी से चली गयी। दोपहर के भोजन के कुछ देर बाद बर्क नाम के बावर्ची के शरीर में अचानक दर्द हुआ और मुझे पता लगने तक हालत इतनी खराब हो गयी कि उसे शहर के अस्पताल में भेज दिया गया। उसी रात बावर्ची की बहन ने एक बच्चे को जन्म दिया। संक्षेप में दूसरे दिन दोपहर तक घर में केवल मैं और लिड्डी ही रह गयीं—उस घर में जिसके बाईस कमरे थे और पाँच गुसलखाने।

लिड्डी उसी समय शहर जाना चाहती थी, पर दूध लाने वाले लड़के ने बताया कि आर्मस्ट्राँग का थामस जान्सन नामक हब्शी बावर्ची, जो ग्रीनवुड क्लब में वेटर के तौर पर काम करता था, शायद वापस आ जाय। इसलिए मैंने जान्सन के लिए क्लब में कहला भेजा और लगभग आठ बजे वह मुझसे मिलने आया।

हाँ, मैंने उसी समय थामस को काफ़ी अच्छी तनखाह पर रख लिया और उसके कहने पर उसे माली के घर में सोने की इजाजत दे दी, जो कि इस घर के किराये पर चढ़ जाने के बाद से खाली पड़ा था। वह बूढ़ा आदमी था। उसके बाल सफेद थे और शरीर कुछ झुका हुआ था, परन्तु उसका व्यक्तिगत गौरवभरा नहीं था। उसने हिचकिचाते हुए मुझे यहाँ न सोने का कारण बताया।

"मैं यहाँ रहता मिस रैचेल" उसने दरवाज़े की मूठ को पकड़े हुए कहा, "पर इन पिछले कुछ महीनों से यहाँ बहुत कुछ होता रहा है! कभी कुछ होता है और कभी कुछ। कभी यहाँ दरवाजा चरमराता है, कभी वहाँ खिड़की खुलती है। और जब दरवाजे और खिड़कियाँ नाचने कूदने लगती हैं और यहाँ पास में कोई नहीं होता तो थामस जान्सन को कहीं और जाकर ही सोना पड़ता है।"

लिड्डी, जो उस रात डर के कारण मुझ से अलग नहीं हो रही थी और अपनी परछाईं को देखकर भयभीत हो रही थी, चीख पड़ी। उसका चेहरा पीला पड़ गया। पर मैं आसानी से डरने वाली नहीं थी।

व्यर्थ ही मैंने थामस से कहा कि हम अकेले हैं, इसलिए वह रात में यहीं रहे। उसने बड़ी नम्रता से इन्कार किया, लेकिन कहा कि वह अगले दिन जल्दी ही

सुबह आ जायगा और अगर मैं उसे चाभी दे दूँ, तो वह नाश्ते के ठीक समय पर पहुँच जायगा। मैं बड़े बरामदे में खड़ी उसे पाँव घसीटते हुए उस छायादार रास्ते पर जाते देखती रही। मेरे दिमाग में कई प्रकार के मिले-जुले विचार थे। मैं उसकी भीरुता पर खीझ रही थी। मुझे यह बताने में शर्म नहीं है कि अन्दर जाने पर मैंने बड़े कमरे के दरवाजे में दोहरा ताला लगा दिया।

"लिड्डी, तुम बाकी घर को बन्द कर दो और सोने चली जाओ।" मैंने सख्ती से कहा—"क्या डर रही हो? तुम्हारी उम्र की स्त्री को ज्यादा समझदार होना चाहिए।" अपनी उम्र का ज़िक्र लिड्डी को प्राय: अच्छा नहीं लगता। वह अपनी उम्र चालीस वर्ष की बताती है, जो कि सरासर गलत है। उसकी माँ मेरे दादा का खाना बनाया करती थीं, सो लिड्डी कम से कम मेरी उम्र की तो ज़रूर होगी। परन्तु उस रात उसने उसकी पुष्टि न होने दी।

"मिस रैचेल आप मुझे ताले लगाने को कह रही हैं!" उसने काँपते हुए कहा, "बैठक और बिलियर्ड खेलने के कमरे के एक तरफ एक दर्जन खिड़कियाँ हैं और उनमें से प्रत्येक ड्योढ़ी की ओर खुलती है। और मेरी एन कहती थी कि कल रात जब उसने रसोईघर का दरवाज़ा बन्द किया तो अस्तबल के पास एक आदमी खड़ा था।"

"मेरी एन मूर्ख है," मैंने सख्ती से कहा, "यदि वहाँ कोई आदमी होता, तो वह अपनी आदत से लाचार उसे रसोईघर में बुला लेती और रात के भोजन में से जो कुछ बचा होता, उसे खिलाती। अब मूर्ख नहीं बनो। घर को बन्द करो और सोने जाओ। मैं ज़रा पढ़ूँगी।"

परन्तु लिड्डी ने अपने होंठ भींच लिये और वहीं जमकर खड़ी रही।

"मैं सोने नहीं जाऊँगी," उसने कहा, "मैं सामान बाँधने जाती हूँ और कल मैं छोड़कर यहाँ से जा रही हूँ।"

"तुम नहीं जाओगी।" मैंने ज़ोर से कहा। लिड्डी और मैंने कई बार अलग होना चाहा है, परन्तु कभी नहीं हो सकीं। "अगर तुम्हें डर लगता है, तो मैं तुम्हारे साथ चलती हूँ। पर ईश्वर के लिए इस प्रकार मेरे पीछे-पीछे छिपने की कोशिश न करो।"

वह घर विशेष प्रकार का गर्मियों का निवास-स्थान था, जो बहुत दूर तक फैला हुआ था। पहली मंजिल पर जहाँ तक संभव था, शिल्पकार ने मेहराबों और खम्भों का उपयोग किया था, जिससे वहाँ काफ़ी खुली और ठंडी जगह थी, पर

वह आरामदेह नहीं थी। जब मैं और लिड्डी एक एक कर सभी खिड़कियों के पास गयीं, तो हमारी आवाज़ें भयानक रूप में प्रतिध्वनित होकर हमारी ओर आने लगीं। रोशनी काफ़ी थी। यह रोशनी हमें गाँव में बने बिजली के कारखाने से प्राप्त होती थी और जब मैंने वहाँ पालिश किया हुआ, बड़े आकार का चमकदार फर्श देखा और शीशों में से झांकते हुए अपने प्रतिबिंब देखे, तो मुझे लगा, जैसे लिड्डी की कुछ मूर्खता मुझमें आ गयी है।

घर बहुत लम्बा और आयताकार था, जिसके लम्बाई वाले भाग में एक मुख्य दरवाज़ा था। एक छोटे हाल तक ईंटों का एक रास्ता था, जिसके दायीं ओर एक बहुत बड़ा कमरा था और बीच में खंभों की पंक्ति थी। उसके दूसरी तरफ बैठक थी और अन्त में बिलियर्ड का कमरा था। बिलकुल दायीं तरफ ताश खेलने का कमरा था, जिसमें से एक दरवाज़ा पूर्वी बरामदे की ओर खुलता था और वहाँ से ऊपर जानेवाली एक सकरी सीढ़ी थी। हालसे उसे देख कर बहुत खुश हुआ था।

"देखिये चाची रैचेल," उसने खुश होकर कहा, "जिस शिल्पकार ने यह बनाया है, वह कुछ चीज़ों के बारे में बहुत बुद्धिमान होगा। आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग और उसके मित्र यहाँ बैठ सकते हैं और रात भर खेलने के बाद सुबह होते होते अपने बिस्तरों पर जा सकते हैं।"

लिड्डी और मैं ताश खेलनेवाले कमरे तक गयीं और हमने सारी बत्तियाँ जला दीं। वहाँ मैंने एक छोटा-सा दरवाज़ा खोला, जो बरामदे में खुलता था और खिड़कियों को देखा। हर वस्तु सुरक्षित थी। कुछ-कुछ घबरायी हुई लिड्डी ने मुझे दिखाने के लिए धूल से सने हुए लकड़ी के फ़र्श की खस्ता हालत की ओर इशारा किया ही था कि अकस्मात बत्तियाँ बुझ गयीं। हमने एक क्षण प्रतीक्षा की। मेरा ख़्याल है कि लिड्डी भय के कारण आवाक् रह गयी थी, वरना वह चीख उठती। और तब मैंने उसकी बाहें पकड़ी और ड्योढ़ी में खुलने वाली एक खिड़की की ओर संकेत किया। इस आकस्मिक परिवर्तन से खिड़की एक धुंधले से आयताकार प्रकाश के रूप में उभर कर हमारे सामने आयी और हमने देखा कि वहाँ एक व्यक्ति खड़ा अन्दर झाँक रहा था। मेरे उधर देखने पर वह झट बरामदे में से होता हुआ अन्धकार में लुप्त हो गया।

२

कफ़ बटन की ज़ंजीर

ऐसा लगा कि लिड्डी की टांगें जवाब दे जायेंगी। बिना कुछ कहे वह बैठ गयी और मैं आश्चर्यचकित खिड़की की ओर देखती रही। तब वह बहुत धीमी आवाज़ में कराहने लगी। मैंने अपनी घबराहट में नीचे झुक कर उसे हिलाया।

"चुप रहो," मैंने धीमे से कहा, "वह तो एक स्त्री है। शायद आर्म-स्ट्राँग की नौकरानी हो। उठो और दरवाज़ा ढूँढ़ने में मेरी सहायता करो।" वह फिर कराहने लगी। "अच्छी बात है" मैंने कहा, "आवाज़ करती हो, तो मैं तुम्हें यहीं छोड़े देती हूँ। मैं जा रही हूँ।"

इस पर वह उठी। उसने मेरी बाँह पकड़ ली और हम अपना रास्ता ढूँढ़ती, कई जगह टकराती हुई बिलियर्ड के कमरे से होकर बैठक में पहुँचीं। तभी बत्तियाँ जल उठीं और खुली हुई खिड़कियों में मुझे ऐसा लगा कि प्रत्येक खिड़की के पीछे से एक एक चेहरा झाँक रहा है। वास्तव में जो कुछ बाद में हुआ, उसे देखते हुए पूर्ण विश्वास है कि उस भयानक शाम के समय हम पर किसी की निगरानी थी। हमने जल्दी जल्दी बाकी के ताले भी लगाये और जितनी जल्दी हो सकता था, सीढ़ियों पर चढ़ कर ऊपर चली गयीं। मैंने सारी बत्तियाँ जलती छोड़ दीं। हमारे कदमों की आवाज़ जैसे किसी गुफा में से प्रतिध्वनित होती रही। दूसरे दिन सुबह लिड्डी ने पीछे की ओर देखा भी नहीं और कमरे में जाने से इनकार कर दिया।

"मुझे अपने सिंगार-कमरे में रहने दीजिए रैचेल," उसने प्रार्थना की, "अगर आप इजाज़त नहीं देंगी, तो मैं दरवाज़े के बाहर बड़े कमरे में बैठ जाऊँगी। मैं नींद में ही कत्ल होना नहीं चाहती।"

"अगर तुम्हें कत्ल होना ही है," मैंने जवाब दिया, "तो इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा कि तुम सोयी हुई हो या जग रही हो। पर अगर तुम पलंग पर लेट जाओ तो तुम सिंगार-कमरे में रह सकती हो। जब तुम कुर्सी पर सोती हो, तो खर्राटे लेने लगती हो।"

वह ऐसी अवस्था में थी कि उसे गुस्सा न आया। परन्तु कुछ देर के बाद वह दरवाज़े के पास आयी और उसने अन्दर देखा, जहाँ मैं 'ड्रमांड' की पुस्तक 'स्पिरिच्युल लाइफ़' पढ़ती हुई सोने की तैयारी कर रही थी।

"वह स्त्री नहीं थी मिस रैचेल," उसने अपने जूते हाथ में पकड़े हुए कहा, "वह लम्बा कोट पहने हुए एक पुरुष था।"

"कौन-सी स्त्री पुरुष थी?" मैंने विना उधर देखे लापरवाही दिखाते हुए कहा और वह वापस पलंग पर चली गयी।

जब मैं सोने लगी तो ग्यारह बज गये थे। लापरवाही का रवैया अख़्तियार करने के बावजूद मैंने बड़े कमरे का दरवाज़ा बन्द कर दिया और यह देखकर कि दरवाज़े की सिटकनी नहीं लग रही है, मैंने सावधानी से एक कुर्सी दरवाज़े के सामने रख दी और लिड्डी को जगाने की ज़रूरत न समझते हुए ऊपर चढ़कर एक छोटा-सा दर्पण सिटकनी पर रख दिया, ताकि दरवाज़े के थोड़ा-सा हिलने पर वह नीचे गिरकर टूटने की आवाज़ पैदा करे। तब स्वयं को सुरक्षित पाकर मैं लेट गयी।

मुझे उसी समय नींद नहीं आयी। ज्यों ही मेरी आँखें बन्द होने लगीं कि लिड्डी ने अंदर आकर पलंग के नीचे झांकते हुए मुझे जगा दिया। चूँकि पहले उसे डाँट पड़ चुकी थी, इसलिए वह बोलने से डर रही थी। वह वापस लौट गयी और दरवाज़े में ही रुककर डर के मारे आह भरने लगी।

नीचे किसी कमरे में घड़ी ने अपनी सुरीली आवाज में साढ़े ग्यारह, पौने बारह और फिर बारह की घंटियाँ बजायीं। तब अंतिम आवाज़ पर बत्तियाँ बुझ गयीं। "कैसानोवा इलेक्ट्रिक कंपनी" वाले आधी रात होने पर ही दफ़्तर बन्द कर देते हैं और अपने अपने घर चले जाते हैं। जब किसी घर में पार्टी होती है, तो मेरा ख़्याल है कि कंपनीवालों को कुछ चढ़ावा चढ़ाया जाता होगा, ताकि वे कॉफ़ी पीकर दो घंटे और जग सकें। परन्तु उस रात बत्तियाँ बुझ गयीं। मुझे पता था कि लिड्डी सो जायगी। उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता था कि कब उठकर बिना ज़रूरत के बातें करने लग जाये और कब जब उसकी ज़रूरत हो तो ऊँघने लग जाये। मैंने उसे एक दो बार बुलाया, पर वह ऐसे जोर से खर्राटे ले रही थी कि उनसे उसकी श्वासनली को भी खतरा था। तब मैंने उठ कर एक मोमबत्ती जला ली।

मेरा सोने का कमरा और सिंगार-कमरा दोनों पहली मंज़िल पर बैठक के ऊपर थे। दूसरे सिरे तक एक लम्बा बरामदा था और कमरों के दोनों ओर दरवाज़े थे। बगलों में छोटे बरामदे थे, जो कि बड़े बरामदे से मिलते थे। बड़ी सीधी-सी योजना थी। और ज्यों ही मैं फिर बिस्तर पर लेटी मैंने स्पष्ट रूप से

पूर्वी भाग से आती हुई एक आवाज़ सुनी, जिसने मुझे स्तब्ध बना दिया। यह किसी धातु के खड़खड़ाने की आवाज़ थी और वह उस खाली बड़े कमरे में से इस प्रकार प्रतिध्वनित हुई मानो प्रलय आ गया हो। ऐसा प्रतीत हुआ, जैसे कोई भारी लोहे का टुकड़ा ताश खेलने वाले कमरे से लगी लकड़ी की सीढ़ियों पर से लुढ़कता हुआ घड़घड़ाहट की कर्कश आवाज़ के साथ नीचे गिरा हो।

इसके पश्चात् जो स्तब्धता छायी उसमें लिड्डी फिर से खर्राटे लेने लगी। मुझे गुस्सा आने लगा। पहले उसने मुझे अपनी घबराहट के कारण सोने नहीं दिया और अब जब उसकी ज़रूरत पड़ी, तो वह जैसे घोड़े बेच कर सो गयी। मैंने जाकर उसे हिलाया और मेरे बुलाने पर उसने पूर्ण रूप से आँखें खोल दीं।

" उठो, " मैंने कहा, " अगर तुम नींद में ही कत्ल होना नहीं चाहती। "

" क्यों ? कैसे ? " वह चीखी और उछल कर खड़ी हो गयी।

" घर में कोई आदमी है, " मैंने कहा, " उठो हमें टेलीफ़ोन करना चाहिए। "

" बड़े कमरे में तो नहीं जाना होगा ! " वह हाँफने लगी, " आह, मिस रैचेल बड़े कमरे में नहीं। " वह मुझे रोकना चाह रही थी। पर मैं लिड्डी जैसी डरपोक स्त्री नहीं हूँ। हम किसी तरह दरवाज़े तक गयीं। मैंने सुनने की कोशिश की और कुछ न सुनायी देने पर मैंने दरवाज़े को थोड़ा-सा खोल कर कमरे में देखा। वहाँ अन्धकारमय शून्यता थी, जिसमें से भयानकता झांक रही थी। मेरी मोमबत्ती ने उस भयानकता को और बढ़ा दिया। लिड्डी चीख पड़ी और उसने मुझे पीछे की ओर खींचा। और ज्यों ही दरवाज़ा हिला वह दर्पण जो मैंने सिटकनी पर रखा था गिरा और लिड्डी के सिर पर पड़ा। उसने हमें पूर्णतः हतोत्साह कर दिया। मैं कुछ समय के पश्चात् ही लिड्डी को मनवा सकी कि उस पर पीछे से किसी चोर ने हमला नहीं किया है और जब उसने दर्पण को फ़र्श पर चकनाचूर हालत में देखा तो ही उसकी हालत सुधरी।

" आज किसी की मौत होगी ! " उसने रोकर कहा, " ओह, मिस रैचेल, आज किसी की मौत होगी। "

सो हम वहाँ सुबह तक बैठी रहीं और डरती रहीं कि कहीं मोमबत्ती प्रातः-काल के पहले ही न बुझ जाय। वहाँ बैठी हम शहर जाने के बारे में योजना बनाती रहीं कि किस गाड़ी से जायेंगी। काश, कहीं हम अपने फैसले पर कायम रहतीं और वहाँ से वापस चली गयी होतीं !

"हाँ, ज़रूर होगी," मैंने सख़्ती से कहा, "अगर तुम चुप नहीं रही, तो ज़रूर मौत होगी।"

आखिर सूरज निकला और अपनी खिड़की में से मैंने वृक्षों को देखा। वे वृक्ष जो पहले सड़क के साथ-साथ एक धुँधला-सा आकार लिये हुए थे, अब हौले-हौले अपना भूतों का-सा रूप बदलने लगे और भूरे रंग के बन कर अन्त में हरे रंग के बन गये। ग्रीनवुड क्लब घाटी के उस पार पहाड़ी के सामने एक सफ़ेद धब्बा-सा दिख रहा था और एक-दो रॉबिन पक्षी इधर-उधर ओस में फुदक रहे थे। लेकिन जब तक दूधवाला लड़का नहीं आया और सूरज पूरी तरह से नहीं चढ़ा, मैंने बड़े कमरे का दरवाज़ा खोलकर चारों ओर देखने का साहस नहीं किया। हर वस्तु पूर्ववत ही अपने स्थान पर पड़ी थी। इधर-उधर वृक्षों के तनों के ढेर लगे हुए थे। आखरी सिरे की खिड़की में से, जिसके काँच पर धब्बे थे, धूप की एक लाल और पीले रंग की चमकती हुई किरण ने प्रवेश किया। नीचे दूध वाले लड़के की आहट आ रही थी और दिन शुरू हो गया था।

थामस जान्सन लगभग साढ़े छ: बजे सड़क पर धीरे धीरे चलता हुआ आया। वह खिड़कियों को खोल रहा था और उसके कदमों की आवाज़ हम सुन सकती थीं। मुझे लिड्डी को ऊपर उसके कमरे में ले जाना पड़ा। उसे पूर्ण विश्वास था कि वहाँ वह किसी अद्भुत वस्तु को देखेगी। परन्तु वहाँ जब उसने ऐसी कोई वस्तु न देखी और दिन का समय होने पर अब जब उसमें साहस भी आ गया था, तो उसे निराशा हुई।

हाँ, उस दिन हम शहर वापस नहीं गयीं।

बैठक की दीवार पर से नीचे गिरे हुए एक छोटे-से फोटो को देखकर लिड्डी को संतोष हो गया कि रात जो आवाज़ हुई थी, इस फोटो के गिरने की ही आवाज़ थी। परन्तु मुझे पूर्ण विश्वास नहीं हुआ। यह जानते हुए भी कि रात के समय छोटी–छोटी आवाज़ें भी बड़ी प्रतीत होती हैं ऐसी कोई संभावना नहीं थी कि फोटो ने इस प्रकारकी आवाज़ें की होंगी जैसी कि मैंने सुनी थीं। यह देखने के लिए मैंने उस फोटो को फिर से नीचे गिराया। वह अपनी लकड़ी के फ्रेम की आवाज़ करता हुआ गिरा और इस हद तक टूट गया कि मरम्मत के लायक न रहा। मैंने यह सोच कर संतोष कर लिया कि यदि आर्मस्ट्रांग ने चित्रों को सुरक्षित रूप में नहीं टाँगा और उस घर को जिसमें भूत रहते हैं किराये पर दिया है, तो जो भी नुकसान होगा, उसकी ज़िम्मेदारी उसी पर होगी, मुझ पर नहीं।

मैंने लिझी को चेतावनी दी कि जो कुछ हुआ है, उसके बारे में किसी से कुछ न कहे। मैंने शहर में नौकरों के लिए टेलीफोन किया। तब सुबह के नाश्ते के बाद, जिसने कि थामस के दिमाग की अपेक्षा उसके दिल को अधिक फायदा पहुँचाया, मैं निरीक्षण करने के लिए एक छोटा-सा चक्कर लगाने चली गयी। आवाज़ें पूर्व की ओर से आयी थीं। सो मैं कुछ घबरायी हुई-सी उधर ही पता लगाने गयी। वहाँ मुझे पहले कुछ न मिला। तब से आज तक मेरी निरीक्षण शक्ति में बहुत विकास हुआ है। परन्तु तब तो मैं बिलकुल अनभ्यस्त थी। ताश खेलने वाले छोटे-से कमरे में कोई विघ्न नहीं पड़ा था। मैंने पैरों के निशानों की खोज की, जो कि मेरे विचार में एक रस्मी-सी क्रिया है, यद्यपि मेरा अनुभव यह रहा है कि केवल कहानियों में ही हाथों और पावों के निशान सूत्र रूप में अधिक सहायक होते हैं, पर वहाँ की सीढ़ियों ने ज़रूर कुछ बताया।

सीढ़ियों के शिखर पर बाँस की बनी एक ऊँची पिटारी रखी हुई थी, जो कस्बे से मँगायी गयी लिनन से भरी थी। यह सबसे ऊपरी सीढ़ी पर रखी थी और पूरी तरह रास्ता रोके हुई थी। उसके नीचे की सीढ़ी पर एक लम्बा और ताज़ा खरोंच का निशान था। तीन सीढ़ियाँ नीचे तक वही निशान था, जो कि हौले-हौले मन्द पड़ता गया था, मानो वहाँ से कोई वस्तु गिरी हो और गिरते समय प्रत्येक सीढ़ी पर टकरायी हो। आगे चार सीढ़ियों पर कोई निशान नहीं था। नीचे की पाँचवीं सीढ़ी पर एक गोल निशान था। बस यही था सब कुछ। और यह बहुत कम प्रतीत हुआ। हाँ, इस बात का मुझे निश्चय था कि ये निशान एक दिन पहले वहाँ नहीं थे।

मैंने सोचा कि कोई धातु की बनी वस्तु सीढ़ियों पर से नीचे गिरी होगी। चार सीढ़ियों पर उस वस्तु का कोई निशान नहीं था। मैंने तर्क करते हुए सोचा, लोहे की कोई लम्बी सलाख ही ऐसी क्रिया कर सकती है कि उसका एक सिरा दो तीन सीढ़ियों पर टकराये और फिर कुछ सीढ़ियाँ फाँद कर ज़ोर की आवाज़ करता हुआ नीचे पड़े।

लेकिन लोहे की सलाखें सीढ़ियों पर से स्वयं ही नहीं गिरतीं। बरामदे में जो आकृति दीखी थी, हो सकता है उसी के द्वारा सलाख ऊपर से गिरी हो। परन्तु जिस बात ने मुझे सबसे ज़्यादा उलझन में डाला, वह यह थी कि उस सुबह सभी दरवाज़े बन्द किये गये थे, खिड़कियाँ भी किसी ने नहीं खोलीं थीं और ताश खेलने वाले कमरे के बाहर बरामदे में खुलने वाले मुख्य दरवाज़े पर जो ताला लगा था, उसकी चाबी मेरे पास थी, जो चुरायी नहीं गयी थी।

मैंने सोचा कि किसी ने सेंध लगाने की कोशिश की होगी। यह विचार मुझे सबसे अधिक स्वाभाविक लगा और उस सेंध लगाने की कोशिश में सलाख छूट कर नीचे गिर गयी होगी, जिसकी आवाज़ ने मुझे जगा दिया था। फिर भी दो बातें मैं नहीं समझ सकी कि सब ताले लगे होने पर भी चोर कैसे बचकर भाग गया और वह छोटा-सा चाँदी का टुकड़ा क्यों छोड़ गया जो कि बावर्ची की अनुपस्थिति में उस रात नीचे पड़ा था।

उस स्थान के बारे में और अधिक जानने के बहाने सुबह थामस जान्सन ने मुझे सारे घर और तहखानों में फिराया, परन्तु परिणाम कुछ न निकला। प्रत्येक वस्तु यथा स्थान पड़ी हुई थी। घर के निर्माण पर दिल खोल कर धन ख़र्च किया गया था। घर में हर प्रकार की सुविधा थी और ऐसा कोई कारण नहीं था कि मुझे पश्चाताप होता कि मैंने घर क्यों किराये पर लिया है, सिवाय इसके कि रात फिर आयेगी। रातें स्वभावतः आती रहेंगी और पुलिस स्टेशन से हम बहुत दूर थे।

दोपहर के बाद नौकरों को लिये हुए एक गाड़ी कैसानोवा से आयी। कोचवान नौकरों को लेकर घर के सामने आया, जहाँ मैं उनकी प्रतीक्षा कर रही थी।

नौकरों के इस गिरोह की उपस्थिति में मेरी हिम्मत वापस आ गयी। दोपहर ढले गर्टरूड का संदेश भी आया कि वह और हालसे उस रात ग्यारह बजे घर पहुँचेंगे। अब कोई डर नहीं था। आखिर मैंने फैसला किया कि प्रकृति के इस आँचल में रहना ही ठीक है।

जब मैं रात के भोजन के लिए तैयार हो रही थी, तो लिड्डी ने दरवाज़ा खटखटाया! वह अभी पूरी तरह होश में नहीं आयी थी। परन्तु मेरा ख़याल है कि उसे सबसे ज्यादा चिंता दर्पण के टूटने और भविष्य में होने वाले किसी अपशकुन की थी। जब वह आयी, तो उसके हाथ में कोई चीज़ थी और उसने सावधानी से उसे सिंगार मेज़ पर रख दिया।

"मुझे यह लिनन की पिटारी में मिली है," उसने कहा, "यह हालसे की होगी। पर हैरानी है कि यह वहाँ कैसे गयी।"

यह अजीब किस्म के 'लिंक कफ़ बटन' का आधा भाग था। मैंने उसे बड़े ध्यान से देखा।

"यह कहाँ थी? पिटारी के नीचे?" मैंने पूछा।

"नहीं, बिलकुल ऊपर," उसने उत्तर दिया—"अच्छा हुआ कि यह कहीं रास्ते में नहीं गिर गयी।"

जब लिङ्वी चली गयी तो मैंने उस कफ़ बटन की जंजीर को बहुत ध्यान से देखा। मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा था। मुझे विश्वास था कि यह हालसे की नहीं है। यह किसी इटली के कारीगर के हाथ की बनी हुई थी, जिसके साथ-मोती लगे हुए थे और उनके मध्य में एक लाल रंग का पत्थर था। वह सस्ती कीमत की लगती थी। मेरे लिए उसका महत्व इस बात में था कि लिङ्वी ने उसे उस पिटारी के ऊपर रखा पाया था, जो कि पूर्व की ओर की सीढ़ियों का रास्ता रोके हुए थी।

उस दिन दोपहर के बाद आर्मस्ट्राँग के घर में काम करने वाली एक कम उम्र की सुन्दर स्त्री ने श्रीमती राल्टसन के स्थान के लिए अर्जी दी और मुझे उसे रखने में काफ़ी खुशी हुई। लगता था कि चमकदार काली आँखों और भारी जबड़े वाली यह स्त्री लिङ्वी जैसी एक दर्जन स्त्रियों की बराबरी कर सकती थी। उसका नाम एनी वाट्सन था। और मैंने उस शाम तीन दिनों में पहली बार भोजन किया।

३

श्री जान बैले का आगमन

नाश्ता करने के कमरे में मैंने रात का खाना खाया। पता नहीं क्यों उस विशालकाय भोजनालय से मैं खिन्न सी हो रही थी और दिन भर खुश रहने वाला थामस भी सूर्यास्त होते ही अपना उत्साह खो बैठा था। उसकी आदत थी कि वह कमरों के कोनों की ओर झांकता रहता। मोमबत्ती मेज़ पर जलने के कारण वे कोने अन्धकारमय थे। इस रात के भोजन में आनंद न आया।

भोजन के पश्चात् मैं दूसरे कमरे में गयी। बच्चों के आने के पहले मेरे पास तीन घंटे का समय था और मैं अपनी बुनती ले बैठी। अपने साथ मैं विभिन्न आकारों की जुराबों के दो दर्जन जोड़े लायी थी। मैं हमेशा क्रिस्मस पर 'वृद्ध महिला निवास' (ओल्ड लेडीज़ होम) को बुनी हुई जुराबें भेजती हूँ। और अब मैंने निश्चय किया कि गत रात जो कुछ हुआ है, उसके बारे में कुछ न सोचूँगी। मैं उनके धागों को अलग-अलग करने लगी। पर मेरा मन काम में नहीं लग रहा था। आधे घंटे के पश्चात् मैंने देखा कि हल्के पीले रंग की

जुराबों में मैंने नीले रंग का धागा लगाना शुरू कर दिया था। आखिर मैंने उन्हें रख दिया।

मैंने कफ़ की जंजीर उठायी और उसे लेकर भंडार-घर में गयी। थामस चांदी की चीज़ों को साफ़ कर रहा था। वहाँ की वायु तम्बाकू के धुएँ से बोझिल बनी हुई थी। मैंने उस वायु को सूँघा और चारों ओर देखा, परन्तु वहाँ कहीं चुरुट दिखाई न दिया।

"थामस" मैंने कहा, "क्या तुम चुरुट पी रहे थे?"

"नहीं मैडम," जैसे उसे बुरा लगा हो, उसने अपने भोलेपन में कहा, "वह तो मेरे कोट की जेब में है। वहाँ क्लब में कुछ सज्जन......"

परन्तु थामस अपना वाक्य पूरा नहीं कर पाया। भंडारघर अकस्मात् जलते हुए कपड़े की गंध से भर गया। थामस ने अपना कोट उतारा और पानी की ओर दौड़ा। उसने बाल्टी भरी और जल्दी से कोट की जेब में पानी उंडेल दिया!

जब कि वह शर्म से सिर झुकाये फ़र्श को साफ़ कर रहा था, तो मैंने कहा, "थामस, तम्बाकू पीना एक गंदी और हानिकारक आदत है। यदि तुम्हें तम्बाकू पीना ही है तो ज़रूर पिओ, पर अपनी जेब में फिर से जलता हुआ चुरुट न रखना। तुम अपने शरीर के मालिक हो, अगर चाहो तो उसे स्वाहा कर सकते हो; परन्तु यह घर मेरा नहीं है और मैं नहीं चाहती कि यह घर आग की भेंट चढ़ जाये। क्या तुमने इस कफ़ की जंजीर को पहले कभी देखा है?"

उसने कहा कि उसने वह जंज़ीर कभी नहीं देखी, परन्तु वह उसकी तरफ विचित्र ढंग से देखने लगा।

"मुझे यह बड़े कमरे में मिली है," मैंने लापरवाही जताते हुए कहा। उस बूढ़े व्यक्ति की घनी भौहों के नीचे छिपी हुई आँखों में एक तीखी चमक थी।

"मिस इनेस, यहाँ विचित्र घटनाएँ हो रही हैं," उसने अपना सिर हिलाते हुए कहा, "ज़रूर कुछ न कुछ होगा। क्या आपने नहीं देखा कि बड़े कमरे की घड़ी बन्द है?"

"क्या बेवकूफ़ी है!" मैंने कहा, "चाबी न देने पर घड़ी बन्द हो जाती है।"

"उसमें चाबी दी गयी है," उसने गंभीरता से कहा, "और फिर जब से आर्मस्ट्रांग की पहली पत्नी की मृत्यु हुई है, अर्थात् पन्द्रह वर्ष से, यह घड़ी कभी नहीं [illegible] हुई। यही नहीं पिछली तीन रातें मैं यहाँ सोया हूँ और जब बिजली की [illegible]याँ बुझ जाती थीं, तो मुझे डर लगता था। मेरा दिया तेल से भरा रहता था,

परन्तु मेरे लाख जतन करने पर भी वह बुझ जाता। बस ज्यों ही मैं आँखें बन्द करता, दिया गुल हो जाता। मौत का कोई निश्चित लक्षण नहीं है। बाइबल में लिखा है कि अपनी रोशनी को जलता रखो। जब कोई अनदेखा हाथ आपकी रोशनी को बुझा जाता है, तो इसका अर्थ है कि जरूर मौत होगी!"

बूढ़े व्यक्ति के कथन में दृढ़ विश्वास था। मेरे शरीर में एक सिहरन-सी दौड़ गयी और मैं उसे बड़बड़ाते हुए छोड़कर चली गयी। बाद में मैंने भंडारघर में किसी वस्तु के गिरने की आवाज़ सुनी। पूछने पर लिड्डी ने बताया कि जब थामस प्लेटों से भरी हुई ट्रे उठा रहा था, तो 'ब्यूलाह' नाम की काले रंग की बिल्ली थामस के सामने से तेज़ी से गुजरी और इस अपशकुन को देखकर उसके हाथ से ट्रे गिर पड़ी।

पहाड़ी पर चढ़ती हुई मोटरकार की आवाज़ मुझे प्रिय लगी। काफ़ी अर्से के पश्चात् मैंने यह जानी-पहचानी आवाज़ सुनी थी। और सचमुच अपने सामने गर्टरूड और हालसे को देखकर मुझे लगा कि मेरी सारी परेशानियाँ दूर हो गयी हैं। गर्टरूड बड़े कमरे में मुस्कराती हुई खड़ी थी। उसका हैट एक तरफ़ को झुका हुआ था और उसके बाल गुलाबी रंग के फीते से बँधे हुए थे। गर्टरूड बड़ी प्यारी लग रही थी, चाहे उसका हैट कैसा भी था। और मुझे आश्चर्य नहीं हुआ जब हालसे ने एक सुन्दर युवक को मुझसे मिलाया, जिसने मुझे अभिवादन किया और गर्टरूड की ओर देखा।

"चाची मैं अपने साथ एक मेहमान लाया हूँ," हालसे ने कहा, "मैं चाहता हूँ कि आप इसे अपने स्नेह का पात्र बनायें और शनिवार से सोमवार तक इसे यहाँ रखें। यह है जान बैले। आप इसे जैक कहें। बस आपको कुछ समय में यह चाची कह कर पुकारने लगेगा।"

हमने हाथ मिलाये और मैंने बैले को एक नजर देखा। उसका कद लम्बा था, शायद तीस की आयु थी और छोटी-छोटी मूँछें थीं। उसके इतने सुन्दर चेहरे को देखकर मुझे हैरानी हुई और जब वह मुस्कराया तो मैंने देखा कि उसके दाँत साधारण व्यक्तियों के दाँतों से कहीं अच्छे थे। वह बड़ा साहसी लग रहा था। उसकी सीधी और साफ़ दृष्टि मुझे पसंद आयी। मैं बैले के बारे में विशेष रूप से यह लिख रही हूँ, क्योंकि बाद में जो कुछ हुआ उसमें उसका विशेष भाग है। गर्टरूड सफ़र के कारण थकी हुई थी। सो वह बहुत जल्द सोने के लिए ऊपर चली गयी। मैंने फ़ैसला कर लिया था कि अगले दिन तक उन्हें कुछ नहीं ब

ऊँगी। अपनी इस उत्तेजना के कम हो जाते ही उनको सब कुछ बताऊँगी। आखिर मुझे क्या बताना था?—एक चेहरे का खिड़की में से अन्दर झाँकना, रात के समय किसी वस्तु के गिरने की आवाज़, सीढ़ियों पर एक या दो निशान और कफ़ की जंजीर। यही तो बताना था। जहाँ तक थामस और उसके साथ हुए अपशकुन का प्रश्न था, वह तो खैर अन्धविश्वास वाली बात थी।

शनिवार की रात थी। दोनों व्यक्ति बिलियर्ड खेलनेवाले कमरे में गये। मैं सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर जाते वक्त उनकी बातें सुन सकती थी। मुझे ऐसे लगा कि हालसे ग्रीनवुड क्लब पर पेट्रोल लेने के लिए ठहर गया था और वहीं उसे जैक बैले मिला था। इतवार होने के कारण उस दिन वहाँ काफ़ी भीड़ थी। बैले को मनाना कठिन नहीं था। शायद गर्टरूड इसका कारण जानती थी। और वे उसे अपने साथ ले आये थे। मैंने उनके खाने का प्रबन्ध करने के लिए लिड्डी को ही जगाया, क्योंकि उस समय थामस लाज में था, जहाँ से उसे बुलाना कठिन था। उठने पर लिड्डी के मन में रसोई के कमरे का जो डर था, उसकी ओर मैंने ध्यान नहीं दिया। तब मैं सोने चली गयी। जब मैं ऊँघने लगी, तब भी लोग बिलियर्ड के कमरे में थे और जो अंतिम चीज़ मुझे याद है, वह यह कि घर के सामने एक कुत्ता भोंक रहा था। उसका वह प्रतिपल बढ़ता हुआ आर्तनाद रह रहकर गूँज रहा था।

सुबह तीन बजे रिवाल्वर के चलने की आवाज़ ने मुझे जगा दिया। ऐसा लगा जैसे यह आवाज मेरे दरवाजे के बाहर ही हुई है। एक क्षण के लिए मैं हिल भी न सकी। तब मैंने अपने कमरे में गर्टरूड के चलने की आहट सुनी और दूसरे क्षण उसने साथ वाले दरवाज़े को खोल दिया।

"ओह, चाची,!" वह पागलों की तरह चिल्लायी, "किसीका खून हो गया है, खून!"

"चोर!" मेरे मुँह से निकला—"शुक्र है ईश्वर का कि आज रात घर में आदमी हैं।" मैं अपने स्लीपर और गाउन पहन रही थी और गर्टरूड कांपते हुए हाथों से लैंप जला रही थी। तब हमने बड़े कमरे का दरवाजा खोला। वहां सीढ़ी के ऊपर नौकरानियाँ जमा थीं। उनके चेहरे उड़े हुए थे और वे कांप रही थीं। वे नीचे देख रही थीं। उनके आगे लिड्डी थी। वहाँ पहुँचते ही कई धीमी चीखों से मेरा स्वागत हुआ। मैंने उन्हें शान्त करने का प्रयत्न किया। गर्टरूड एक कुर्सी पर गिर पड़ी और वहां बैठी कांपने लगी।

मैं उसी समय बड़े कमरे में से होती हुई हालसे के कमरे की ओर गयी और वहाँ मैंने दरवाज़े पर दस्तक दी। फिर मैंने धकेलकर दरवाजा खोला। कमरा खाली था। बिस्तर पर कोई नहीं था।

"वह बैले के कमरे में होगा," मैंने उसी उत्तेजना मे कहा और लिड्डी को अपने साथ लेकर बैले के कमरे में गयी। हालसे के कमरे की तरह वह भी खाली था। अब गर्टरूड उठ खड़ी हुई थी, परन्तु वह सहारे के लिए दरवाजे के साथ लग कर खड़ी थी।

"वे मारे गये हैं," उसने हाँफते हुए कहा। तब उसने मुझे बाँह से पकड़ा और सीढ़ी की ओर ले गयी। "उन्हें शायद चोट लगी हो। हमें उन्हें ढूँढ़ना चाहिए," उसने कहा। उसकी आँखें उत्तेजनावश बाहर निकली हुई थीं।

मुझे याद नहीं कि हम सीढ़ियाँ उतर कर नीचे कैसे आयीं। हाँ, मुझे याद है कि हर क्षण हमें मारे जाने की शंका थी। रसोइया ऊपर के कमरे में ग्रीनवुड क्लब को टेलीफोन कर रहा था। लिड्डी मेरे पीछे थी। उसे आगे बढ़ने से डर लग रहा था और पीछे रहने की भी उसकी हिम्मत नहीं थी। हमने देखा कि बैठक और दूसरे कमरों में कोई विघ्न नहीं पड़ा था। पता नहीं क्यों मुझे लग रहा था कि ताश खेलने के कमरे या सीढ़ियों पर हमें खतरे का सामना करना पड़ेगा। लेकिन इस डर से कि हालसे खतरे में है, मैं आगे ही आगे बढ़ती गयी। हर कदम पर मुझे लग रहा था कि मेरी टाँगे जवाब दे जायेंगी। गर्टरूड मेरे आगे-आगे जा रही थी और ताश खेलने वाले कमरे में वह रुक गयी। वहाँ उसने अपने हाथ में पकड़ी हुई मोमबत्ती ऊपर उठायी। तब उसने बड़े कमरे के दूसरी ओर दरवाज़े की तरफ इशारा किया। वहाँ फ़र्श पर एक आदमी पड़ा हुआ था, उसका चेहरा नीचे की ओर था और उसकी बाहें फैली हुई थीं।

गर्टरूड एक गहरी साँस भरकर उस तरफ़ दौड़ी। "जैक," वह चीखी—"हाय, जैक!"

लिड्डी चिल्लाती हुई भाग गयी थी। और वहाँ केवल हम दोनों ही रह गयी थीं। आखिर गर्टरूड ने उस व्यक्ति को सीधा किया और हमने उसके सफेद रक्त-हीन चेहेरे को देखा। गर्टरूड गहरी साँस भर कर अपने घुटनों के बल निर्बल सी बैठ गयी। वह किसी ऐसे व्यक्ति का शव था, जो रात के भोजन के समय का कोट और सफ़ेद रंग का वेस्टकोट भी पहने था और जिस पर खून के दाग़ थे। इस व्यक्ति को मैंने पहले कभी नहीं देखा था।

४

हालसे कहाँ है ?

गर्टरूड ने आश्चर्य से उस व्यक्ति के चेहरे की ओर टकटकी लगा कर देखा। तब उसने आँखें मूँदकर उसे अपने हाथों से पकड़ लिया और मुझे लगा कि अब वह बेहोश हो जायगी।

"उसने इसे मार डाला है!" वह अस्पष्ट शब्दों में बड़बड़ायी। और चूँकि मैं स्वयं अपने होश खो रही थी, मैंने उसे खूब हिलाया।

"आखिर तुम्हारा क्या मतलब है?" मैंने पागलों की सी हालत में कहा। उसकी आवाज़ में गहरा दुख था और विश्वास की दृढ़ता थी। मेरे हिलाने पर किसी प्रकार उसमें हिम्मत आयी और उसने अपने आपको वहाँ से हटाया। परन्तु उसके मुख से कोई शब्द न निकला। वह वहाँ खड़ी एकटक उस भयानक आकृति को देखती रही, जो नीचे फ़र्श पर पड़ी थी। उस समय लिड्डी जो अपने भाग जाने पर लज्जित थी और अकेले वापस आने से घबरा रही थी, अपने साथ तीन भयभीत नौकरानियों को लेकर बैठक में आयी।

बैठक में एक बार गर्टरूड गिर पड़ी और उसे रह रह कर मूर्छा आने लगी। मैं अपनी पूरी कोशिश से उसे लिड्डी से बचाती रही कि वह उसे होश में लाने के लिए कहीं उस पर घड़ों पानी न डाल दे। नौकरानियाँ कोने में खड़ी थीं और उनसे किसी लाभ की आशा नहीं रखी जा सकती थी। यद्यपि उस समय ऐसा लग रहा था, मानो घंटों बीत गये हैं, पर कुछ ही समय में एक कार बड़ी तेज़ी से वहाँ आयी और एनी वाट्सन ने, जो कपड़े पहनने के लिए रुक गयी थी, दरवाज़ा खोला। ग्रीनवुड क्लब से आनेवाले तीन व्यक्ति जल्दी जल्दी अन्दर आये। मैंने केवल मिस्टर जर्विस को ही पहचाना। दूसरों से मैं अपरिचित थी।

"क्या बात है?" जार्विस ने पूछा। उस समय निस्सन्देह हमारी विचित्र दशा थी। "किसी को चोट तो नहीं आयी?" वह गर्टरूड की ओर देख रहा था।

"इससे भी बुरा हुआ है मिस्टर जर्विस!" मैंने कहा, "मेरे ख़्याल में यहाँ ख़ून हो गया है।"

यह सुनते ही हलचल मच गयी। रसोइया चिल्लाने लगा और श्रीमती वाट्सन कुर्सी से टकरा गयी। सभी व्यक्तियों पर इसका प्रभाव स्पष्ट दिख रहा था!

"घर के किसी व्यक्ति का तो नहीं?" मिस्टर जर्विस ने साँस लेते हुए पूछा।

"नहीं" मैंने कहा और लिड्डी को गर्टरूड का ध्यान रखने के लिए कह कर, मैं लैंप लेकर रास्ता दिखाती हुई ताश खेलने वाले कमरे की ओर गयी। उन में से एक व्यक्ति ने आश्चर्य प्रकट किया और वे सभी जल्दी जल्दी मेरे पीछे पीछे आये। मिस्टर जर्विस ने मेरे हाथ से लैंप ले लिया और तब मैंने अपने आपको विचारशून्य और कुछ हल्का-सा अनुभव करते हुए आखें मूँद लीं। जब मैंने आखें खोलीं, तो उनका संक्षिप्त निरीक्षण हो चुका था और मिस्टर जर्विस मुझे कुर्सी पर बैठाने का प्रयत्न कर रहे थे।

"आप ऊपर जाइये," उसने दृढ़ता से कहा, "और मिस गर्टरूड, आप भी। बहुत भयंकर घटना घटी है और वह भी आर्मस्ट्रांग के अपने घर में।"

मैंने उस मृत व्यक्ति को न पहचानते हुए उसकी ओर एक टक देखा। और मैंने बड़ी कठिनाई से पूछा "यह कौन है?" मेरे गले के इर्द गिर्द जैसे कस कर पट्टी बाँध दी गयी थी।

"यह आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग हैं," उसने मेरी ओर आश्चर्य से देखते हुए कहा- "और उसकी हत्या हो गयी है — उसके पिता के ही घर में।"

एक मिनिट के पश्चात् मैंने अपने आपको सँभाला और मिस्टर जर्विस मुझे कमरे में ले गया। लिड्डी गर्टरूड को ऊपर ले गयी और क्लब से आने वाले दोनों अपरिचित व्यक्ति वहीं मृत शरीर के पास खड़े रहे। इसकी बहुत भयानक प्रतिक्रिया हुई। मेरे हाथ पाँव जवाब देने लगे और तब मिस्टर जर्विस ने मुझ से एक प्रश्न पूछा, जिसने मेरे भटकते हुए विचारों को एक स्थान पर केन्द्रित कर दिया।

"हालसे कहाँ है?" उसने पूछा।

"हालसे!" अकस्मात् गर्टरूड का भयभीत चेहरा मेरे सामने साकार हुआ। ऊपर उसका कमरा खाली था। हालसे कहाँ था?

"वह यहीं था। क्या यहाँ नहीं था?" मिस्टर जर्विस ने जोर देकर पूछा। "वह आते समय क्लब में रुक गया होगा।"

"मुझे नहीं पता वह कहाँ है," मैंने क्षीण–सी आवाज में कहा।

क्लब से आये व्यक्तियों में से एक अन्दर आया और उसने टेलीफोन के लिए पूछा। मैं फोन पर उसकी उत्तेजित आवाज सुन सकती थी। वह पुलिस के अधिकारियों और जासूसों आदि के बारे में बोल रहा था। मिस्टर जर्विस मेरी ओर झुका।

"आप मुझ पर विश्वास कीजिए मिस इनेस," उसने कहा, "जो कुछ भी मैं कर सकता हूँ, ज़रूर करूँगा। लेकिन मुझे सारी बात बताइये।"

मैंने सारी बात बतायी और जब मैंने जैक बैले का ज़िक्र किया कि रात वह घर में था, तो उसने लम्बी साँस ली।

"काश वे दोनों यहाँ होते," उसने मेरी बात खत्म होने पर कहा, "कौन सा दुर्भाग्य उन्हें यहाँ से ले गया? अच्छा होता यदि वे यहाँ होते। ख़ासकर–"

"ख़ासकर क्या?"

"ख़ासकर इसलिए कि जैक बैले और आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग एक दूसरे के दुश्मन बने हुए थे। यह बैले ही है, जिसने गत वसंत ऋतु में आर्नल्डको मुसीबत में फँसाया था – बैंक के सिलसिले में। और फिर—"

"हाँ कहिये," मैंने कहा, "अगर कोई और भी बात है तो मैं जानना चाहूँगी।"

"बस यही बात है," उसने टालते हुए कहा, "केवल एक चीज़ है, जिस पर हम भरोसा कर सकते हैं मिस इनेस। देशभर में कोई भी अदालत उस व्यक्ति को बरी कर सकती है, जो रात के समय अपने घर में किसी के ज़बर्दस्ती घुस आने पर उसे मार देता है। अगर हालसे—"

"नहीं! क्या आप सोचते हैं यह हालसे ने किया है?" मैंने कहा और मुझे अपने ऊपर एक विचित्र प्रकार की बेहोशी आती हुई प्रतीत हुई।

"नहीं नहीं, बिल्कुल नहीं," उसने चेहरे पर ज़बर्दस्ती ख़ुशी लाते हुए कहा, "आइये, मिस इनेस, आपकी यह क्या हालत बन गयी है। मैं लापको ऊपर ले चलता हूँ और नौकरानी को बुलाता हूँ। यह आपके लिए असह्य है।"

लिड्डी ने बिस्तर पर लेटने में मेरी सहायता की और इस डर से कि कहीं ठंड के कारण मैं जम कर मर ही न जाऊँ, उसने गर्म पानी की एक बोतल मेरी छाती पर रखी और दूसरी मेरे पावों पर। तब वह चली गयी। अब प्रातःकाल का समय था और अपनी खिड़की के नीचे आवाज़ों को सुनकर मुझे संदेह हुआ कि मिस्टर जर्विस और उनके साथी इधर उधर घूमते हुए निरीक्षण कर रहे हैं। मन के सभी द्वार खोले मैं बिस्तर पर ही लेटी रही। हालसे कहाँ चला गया था? वह कैसे चला गया था? निस्सन्देह वह उस हत्या के पहले ही चला गया था। परन्तु इस पर किसे विश्वास होगा? यदि उसने या जैक बैले ने किसी व्यक्ति को घर में घुसते हुए देखा या सुना था और उसे गोली मार दी थी, तो वे भाग् क्यों गये थे? यह सारा मामला बहुत ही भयानक था और किसी प्रकार भी इसे भुलाना असंभव था।

लगभग छः बजे गर्टरूड आयी। वह पूर्णरूप से वस्त्रों से सज्जित थी और मैं घबरायी हुई उठ बैठी।

"ओह, चाची!" उससे कहा, "कैसी भयानक रात आपने काटी है!"

वह आगे बढ़ी और बिस्तर पर बैठ गयी। मैंने देखा कि वह बहुत थकी हुई है और परेशान नज़र आ रही थी।

"क्या कोई नयी बात हुई है?" मैंने उत्सुकता से पूछा।

"नहीं। पर कार चली गयी है। ड्राइवर वार्नर लॉज पर है और इस सम्बन्ध में कुछ नहीं जानता!"

"यदि इस समय मैं हालसे को पा सकती तो उसे मैं तब तक न छोड़ती, जब तक कि उसे कुछ ज़रूरी बातें न बता देती। अब तो इससे छुटकारा मिलते ही मैं वापस शहर चली जाऊँगी ताकि शांति मिल सके। गत दो रातों जैसी एक और रात मेरा खात्मा कर देगी। लानत है गाँवों की इस शांति पर!"

इस पर मैंने गर्टरूड को गत रात को आने वाली आवाज़ों के बारे में बताया और उस आकृति का ज़िक्र किया, जो मैंने घर के पूर्वी भाग के बरामदे में देखी थी। बाद में कुछ सोचकर मैंने मोतियों वाली कफ़ की ज़ंजीर निकाली।

"अब मुझे कोई संदेह नहीं है" मैंने कहा, "कि परसों की रात में भी यह आर्नल्ड आर्मस्ट्राँग ही था। निःसन्देह उसके पास चाभी थी। पर यह मैं नहीं समझ सकती कि वह अपने पिता के घर में चोरी से क्यों आया। वह बड़ी आसानी से मुझसे पूछकर आ सकता था। खैर अब रात को जो भी व्यक्ति आया था, वह यह निशानी छोड़ गया है।"

गर्टरूड ने एक नज़र उस कफ की ज़ंजीर को देखा और उसके साथ लगे मोतियों के रंग की तरह उसका चेहरा सफ़ेद पड़ गया। उसने चारपाई के पाये को कसकर पकड़ लिया और एकटक देखने लगी। मुझे भी उससे कम आश्चर्य नहीं हुआ।

"यह आपको कहाँ मिली?" उसने अन्त में शांत होने का निष्फल प्रयत्न करते हुए पूछा और जब मैंने उसे बताया, तो वह खिड़की में से बाहर देख रही थी। उस समय उसके चेहरे पर ऐसे भाव थे कि पता लगाना कठिन था कि उसके मन में क्या है। जब श्रीमती वाट्सन ने दरवाज़ा थपथपाया तो हमने सुख की साँस ली। वह मेरे लिए चाय और टोस्ट लायी थी। उसने बताया कि रसोइया बिस्तर पर पूर्णतः भयभीत बना हुआ पड़ा है और लिड्डी, जिसमें अब दिन चढ़ने पर कुछ साहस आ गया था, घर में इधर-उधर पावों के निशान ढूँढ़

रही थी । श्रीमती वाट्सन स्वयं डरी हुई थी । उसके होंठ नीले और सफ़ेद बने हुए थे और उसके एक हाथ पर पट्टी बँधी हुई थी । उसने बताया कि वह घबराहट में सीढ़ियों पर से नीचे गिर पड़ी थी । निःसन्देह यह स्वाभाविक ही था कि इस घटना से उसे धक्का पहुँचा था, क्योंकि वह कई वर्षों से आर्मस्ट्रॉंग के घर में रहती आयी थी और मिस्टर आर्नल्ड आर्मस्टॉंग को बहुत अच्छी तरह जानती थी ।

जब मैं श्रीमती वाट्सन से बातें कर रही थी, तो गर्टरूड चुपके से वहाँ से चली गयी थी । मैंने कपड़े पहने और नीचे गयी । बिलियर्ड और ताश खेलनेवाले कमरों में तब तक ताले लगे रहे, जब तक कि पुलिस के अधिकारी और जासूस वहाँ नहीं आ गये । क्लब के लोग रस्मी कपड़े पहनने के लिए वापस चले गये थे ।

मैं भंडारघर में थामस को बोलते हुए सुन सकती थी, जो कभी मिस्टर आर्नल्ड को पुकारते हुए रो रहा था और कभी उन चीजों का जिक्र कर रहा था, जो हत्या होने के पहले उसने देखी थीं । इस घर में मेरी साँस घुट रही थी । मैंने शाल ओढ़ी और बाहर रास्ते में चली गयी । घर के पूर्वी मोड़ पर मुझे लिड्डी मिली । उसका स्कर्ट घुटनों तक ओस से भींगा हुआ था और उसके बालों में अभी तक क्लिप लगे हुए थे ।

"अभी जाओ और अपने कपड़े बदलो," मैंने डाँटकर कहा, "यह कैसी सूरत बना रखी है ? और फिर अपनी इस उम्र में !"

उसके हाथ में गोल्फ़ खेलने की छड़ी थी । उसने बताया कि यह छड़ी उसे मैदान में मिली है । यह कोई असाधारण बात नहीं थी, परन्तु मुझे लगा कि यह गोल्फ़ खेलने वाली छड़ी हो सकती है, जिसका कि एक सिरा धातु का बना हुआ है, जिसके निशान सीढ़ियों पर पड़े होंगे । मैंने छड़ी उससे ले ली और उसे कपड़े बदलने के लिए ऊपर भेज दिया । दिन के समय उसके साहस, आत्मविश्वास और इस रहस्य में उसकी इतनी दिलचस्पी देखकर मुझे बहुत गुस्सा आया । उसके जाने पर मैंने मकान का चक्कर लगाया । हर वस्तु ज्यों की त्यों पड़ी थी । सुबह के सूर्य के प्रकाश में घर ऐसा शांत लग रहा था, जैसा कि उस दिन था, जब मैं इसे लेने पर बाध्य हुई थी । बाहर ऐसी कोई बात न थी, जिससे पता लगे कि घर के अंदर कोई छिपा हुआ रहस्य और हिंसा थी और अचानक मौत की दुर्घटना थी ।

घर के पीछे फूलों की क्यारी में एक काले रंग का पक्षी प्रकाश में चमक रही किसी वस्तु पर चोंच मार रहा था । मैं सावधानी से ओस में से होती हुई वहाँ गयी

और झुक कर देखा। वहाँ नर्म मिट्टी में धँसा हुआ एक रिवाल्वर था। मैंने अपने जूते की नोक से उसके इर्द-गर्द से मिट्टी हटायी और उसे उठाकर अपनी जेब में डाल दिया। जब तक मैं अपने सोने के कमरे में नहीं चली गयी और रिवाल्वर को ताले के अंदर बन्द नहीं कर दिया, मेरा साहस न हुआ कि एक बार उसका निरीक्षण भी करूँ। एक ही नज़र काफ़ी थी। यह हालसे का रिवाल्वर था। एक दिन पहले मैंने इसे पैकेट में से खोला था और उस स्थान पर रख दिया था, जहाँ हालसे दाढ़ी बनाया करता था। यह मुझे पूरी तरह याद है। उसकी मूठ पर छोटी-सी रुपहली प्लेट पर उसका नाम था।

मुझे लगा कि मेरे लड़के के चारों ओर एक जाल बिछा हुआ है। लेकिन वह कितना मासूम था। रिवाल्वर से मुझे डर लगता है, परन्तु उस दिन मैं जिस प्रकार चिंतित थी, उसने मेरी हिम्मत बँधायी कि मैं उसकी नाली में देखूँ। मैंने देखा, रिवाल्वर में अभी तक दो गोलियाँ थीं। मैंने ईश्वर को धन्यवाद देते हुए सुख की साँस ली कि इसके पहले कि वहाँ कोई जासूस आता, मुझे रिवाल्वर मिल गया था।

मैंने निश्चय किया कि जो सूत्र मुझे मिले थे—कफ की ज़ंजीर, गोल्फ़ खेलने की छड़ी और रिवाल्वर—उन्हें किसी सुरक्षित स्थान पर रखूँगी, जब तक कि उन्हें बाहर निकालने का कोई विशेष कारण नहीं दिखता। कफ़ की जंजीर मैंने पहले ही अपने शृंगार मेज पर एक छोटी–सी डिबिया में रख दी थी। लेकिन अब जब मैंने डिबिया खोली तो वह खाली थी। उसमें से कफ़ की ज़ंजीर गायब थी।

५

गर्टरूड की सगाई

दस बजे कैसानोवा से आने वाली गाड़ी में तीन व्यक्ति आये। उन्होंने अपना परिचय देते हुए बताया कि उन में से एक कोरोनर (अपमृत्यु का कारण जाँचने के लिए नियुक्त अधिकारी) है और दो जासूस हैं। कोरोनर झट घर के उस भाग की ओर चल पड़ा जो बन्द था और एक जासूस की सहायता से शव और कमरों का निरीक्षण करने पर घर के बाहर के भाग की देखभाल करने में लग गया। जब वे पूरी तरह निरीक्षण कर चुके, तो उन्होंने मुझे बुलाया।

मैंने अपने कमरे में उनका स्वागत किया और उन्हें जो बातें बतानी थीं, उनके बारे में मैंने निश्चय कर लिया। मैंने बताया कि मैंने गर्मियों के लिए यह घर लिया था। तब भी आर्मस्टॅाग परिवार सहित कैलेफोर्निया में थे। यद्यपि घर में होने वाली विचित्र आवाजों के बारे में नौकर चर्चा करते रहते थे, फिर भी पहली दो रातों में कुछ नहीं हुआ। तीसरी रात मुझे लगा कि कोई घर में था। मैंने किसी चीज़ के गिरने की आवाज़ सुनी थी, पर एक ही नौकरानी के साथ अकेली होने पर मैंने इसका पता नहीं लगाया था। सुबह घर में ताला लगा हुआ था और देखने पर निर्विघ्न लगा था।

तब जितना स्पष्ट रूप से मैं बता सकती थी, मैंने बताया कि गत रात गोली के चलने की आवाज़ ने हमें जगा दिया था और जब मेरी भतीजी और मैं इसके बारे में पता लगाने के लिया उठीं तो हमने कमरे में किसी व्यक्ति के मृत शरीर को पाया, जिसे मैं बिलकुल नहीं जानती थी। जर्विस ने क्लब से आने पर मुझे इसके बारे में बताया। लेकिन मुझे कोई ऐसा कारण समझ में नहीं आता कि अर्नाल्ड आर्मस्टॅाग को क्यों अपने पिता के घर में रात के समय चोरी से घुसना पड़ा। मेरी ओर से उसे किसी भी समय आने की स्वतंत्रता होती और में उसके आने पर खुश ही होती।

कोरोनर ने पूछा, " मिस इनेस, क्या आप यह समझती हैं कि आपके घर के किसी व्यक्ति ने आर्मस्टॅाग को चोर समझा हो और अपने बचाव में उसे गोली मार दी हो?"

" नहीं मैं ऐसा नहीं समझती," मैंने शांतिपूर्वक कहा।

" तो क्या आपका सिद्धांत है कि कोई दुश्मन आर्मस्ट्रॅाग का पीछा कर रहा था और जब वह घर में घुसा तो उसे गोली मार दी गयी?"

" मैं नहीं समझती कि मेरा कोई सिद्धांत है," मैंने कहा। " जिस बात ने मुझे उलझन में डाल दिया है, वह यह है कि क्यों लगातार दो रात मिस्टर आर्मस्ट्रॅाग चोर की तरह घर में घुसा जब कि उसके केवल कहने भर से ही उसे अन्दर आने की इजाजत मिल सकती थी।"

कोरोनर बहुत शांत स्वभाव का व्यक्ति था। इसके बाद उसने अपनी कापी में कुछ लिखा। वह दूसरी गाड़ी से ही वापस जाने के लिए उत्सुक था। उसने आने वाले शनिवार से इस अन्वेषण का कार्य करना शुरू करना नियत किया। फिर उसने दोनों जासूसों में से जो कम उम्र और बुद्धिमान दिखनेवाला जीसूस था और जिस का नाम मिस्टर जेमिसन था, उसे कुछ हिदायतें दीं और मेरे साथ बड़ी गंभीरत

से हाथ मिलाकर और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर शोक प्रकट करते हुए दूसरे जासूस को साथ लेकर चला गया।

मैंने अभी सुख की साँस ली ही थी कि मिस्टर जैमिसन जो खिड़की के पास खड़ा था मेरे पास आया।

"परिवार में केवल आप ही हैं मिस इनेस ?"

"मेरी भतीजी यहाँ है," मैंने कहा।

"आप और आपकी भतीजी के अलावा और कोई नहीं है?"

"मेरा भतीजा है," मुझे अपने होठों पर जबान फेरनी पड़ी।

"ओह, भतीजा है। मैं उससे मिलना चाहूँगा, अगर वह यहाँ हो।"

"वह इस समय यहाँ नहीं है," मैंने पूर्ण शांत भाव से कहा, "वह आता ही होगा।"

"मेरा ख़्याल है, वह कल शाम यहीं था?"

"नहीं—हाँ।"

"क्या उसके साथ कोई मेहमान नहीं था? कोई अन्य व्यक्ति ?"

"वह अपने साथ इतवार बिताने के लिए एक दोस्त को लाया था, जिसका नाम मिस्टर बैले है।"

"मिस्टर जान बैले, जो कि मेरे ख़्याल में ट्रेडर्स बैंक का ख़ज़ांची है।" मैं जानती थी कि उसे ग्रीनवुड क्लब में इसके बारे में किसी ने बताया था। "वे यहाँ से कब गये?"

"सुबह बहुत जल्दी ही। मैं ठीक समय नहीं बता सकती।" मिस्टर जैमिसन अचानक मुड़ा और उसने मुझे देखा।

"कृपया ज़रा ज़्यादा साफ़ तौर पर बताइये," उसने कहा। "आप कहती हैं कि मिस्टर बैले और आपका भतीजा गत रात घर में थे और फिर भी आप और आपकी भतीजी ने ही कुछ नौकरानियों के साथ मृत शरीर को देखा। उस समय आपका भतीजा कहाँ था?"

अब तक मैं पूर्णतया हतोत्साह हो चुकी थी। मैंने चीख कर कहा, "मुझे नहीं पता, पर विश्वास कीजिए कि हालसे को इसके बारे में कुछ भी पता नहीं है और इस सिलसिले में कितने भी सबूत क्यों न हों, एक निर्दोष व्यक्ति को दोषी साबित नहीं कर सकते।"

"बैठ जाइये," उसने कुर्सी आगे खींचते हुए कहा, "कुछ बातें हैं जो मुझे आपसे कहनी हैं और उनके बदले में कृपया आप वह सब कुछ बताइये जो आप

जानती हैं। मुझ पर विश्वास कीजिए कि कोई चीज़ छिपी नहीं रहती। हाँ तो, सबसे पहले मिस्टर आर्मस्ट्रॉंग को किसी ऊँचे स्थान पर से गोली मारी गयी है। गोली नज़दीक से चलाग्री गयी है। गोलीं कंधे के निचले भाग से होकर दिल को चीरती हुई कमर के नीचे से बाहर निकली है। दूसरे शब्दों में मेरा निश्चय है कि खूनी ने सीढ़ियों पर खड़े होकर गोली चलायी है। दूसरे, बिलियर्ड खेलने की मेज़ के एक सिरे पर मुझे एक सिगार मिला है, जिसका कुछ भाग जला हुआ है और एक सिगरेट मिली है, जो काफ़ी जली हुई है। इन दोनों को अभी सुलगाया ही गया था। बाद में वहाँ रख कर जैसे भुला दिया गया। क्या आपको पता है कि क्यों आपके भतीजे और मिस्टर बैले ने अपने सिगार और सिगरेट को तथा अपने खेल को बीच में ही छोड़ दिया और बिना ड्राइवर को बुलाये कार लेकर चले गये? और यह सब सुबह तीन बजे के पहले हुआ।"

"मुझे नहीं पता," मैंने कहा, "पर विश्वास कीजिए मिस्टर जैमिसन, हालसे स्वयं ही लौटने पर यह सब बता देगा।"

"मुझे पूर्ण विश्वास है," उसने कहा, "मिस इनेस, क्या आप यह सोचती हैं कि मिस्टर बैले इसके बारे में कुछ जानता है?"

गर्टरूड नीचे आ गयी थी और ज्यों ही मिस्टर जैमिसन बोला, वह अन्दर आ गयी। मैंने उसे अचानक रुकते हुए देखा, जैसे उसे धक्का लगा हो।

"वह नहीं जानता," उसने ऐसी आवाज़ में कहा जो उसकी अपनी आवाज नहीं लगती थी। "मिस्टर बैले और मेरा भाई इसके बारे में कुछ नहीं जानते। तीन बजे हत्या हुई। वे पौने तीन बजे ही घर से चले गये थे।"

"आप यह कैसे जानती। हैं?" मिस्टर जैमिसन ने हैरानी से पूछा, क्या आप ठीक तौर पर जानती हैं कि वे किस समय गये?"

"हाँ, मैं जानती हूँ" गर्टरूड ने दृढ़ता से कहा। पौने तीन बजे मेरा भाई और मिस्टर बैले घर के मुख्य रास्ते से गये। मैं—वहाँ थी।"

"गर्टरूड," मैंने उत्तेजित होकर कहा, "तुम सपना तो नहीं देख रही? क्यों पौने तीन बजे!-"

"सुनिये," उसने कहा, "ढाई बजे नीचे टेलीफोन की घंटी बजी। मैं अभी सोयी नहीं थी। मैंने घंटी सुनी। तब मैंने फोन पर हालसे को बातें करते हुए सुना और कुछ ही मिनिटों में वह ऊपर आया और उसने मेरे दरवाज़े पर दस्तक दी। हम—हमने एक मिनिट के लिए बात की। तब मैंने अपना ड्रेसिंग गाउन और स्लीपर पहने और उसके साथ नीचे गयी। मिस्टर बैले बिलियर्ड के कमरे

में था। हम—हम सबने शायद दस मिनिट तक बातचीत की। तब यह फैसला हुआ कि—कि वे दोनों चले जायँ।"

"क्या आप और अधिक स्पष्ट रूप से नहीं बता सकतीं?" मिस्टर जेमिसन ने पूछा, "वे क्यों चले गये?"

"मैं केवल यह बता रही हूँ कि क्या हुआ, यह नहीं कि कैसे हुआ।" उसने समभाव से कहा, "हालसे कार लेने गया और बजाय इसके कि उसे घर लाकर घर वालों को उठाता, वह नीचे वाली सड़क से चला गया। मिस्टर बैले को मैदान में जाकर उससे मिलना था। तब मिस्टर बैले गया—"

"किस रास्ते से?" मिस्टर जैमिसन ने पूछा।

"मुख्य दरवाज़े से। जब वह गया तो पौने तीन बजे थे। मैं निश्चित रूप से कह सकती हूँ।"

"बैठक की घड़ी बन्द है मिस इनेस!" जैमिसन ने कहा। उससे कोई वस्तु छिपी हुई नहीं थी।

"उसने अपनी घड़ी देखी थी," गर्टरूड ने कहा। और मैंने देखा जैमिसन की आँखों में अचानक एक चमक पैदा हुई। मानो उसे किसी बात का पता लग गया हो। इस सारी बात-चीत के दौरान में मैं आश्चर्य में डूबी रही।

"एक निजी सवाल पूछने के लिए मुझे माफ़ करें," उसने कहा। मुझे लगा कि पूछने में वह कुछ कठिनाई अनुभव कर रहा था। "मिस्टर बैले से आपका—आपका क्या सम्बन्ध है?"

गर्टरूड झिझकी। तब वह मेरे पास आयी और उसने बड़े प्यार से अपना हाथ मेरे हाथ में दे दिया।

"मेरी उससे सगाई हुई है," उसने सरल भाव से कहा।

मुझे आश्चर्यजनक चीजों की ऐसी आदत पड़ चुकी थी कि मैंने केवल एक हल्की-सी सांस ली, लेकिन गर्टरूड का हाथ जो मेरे हाथ में था, तप रहा था।

"और—उसके बाद," मिस्टर जैमिसन ने फिर कहना शुरू किया, "आप सीधे बिस्तर पर चली गयीं?"

गर्टरूड हिचकिचायी।

"नहीं" उसने आखिर कहा, "जब मैंने बत्ती बुझा दी तो मुझे याद आया कि मैं बिलियर्ड खेलने के कमरे में कोई चीज़ छोड़ आयी हूँ। सो मैं वहाँ अंधेरे में ही वापस गयी।"

"क्या आप बता सकती हैं कि वह क्या चीज़ थी, जिसे आप वहाँ भूल गयी थीं?"

"मैं नहीं बता सकती," उसने धीमे से कहा, "मैं—मैं उसी समय बिलियर्ड के कमरे से वापस नहीं आयी।"

"क्यों?" जासूस ने पूछा, "यह बिलकुल महत्वपूर्ण है मिस इनेस!"

"मैं रो रही थी," गर्टरूड ने धीमी आवाज में कहा—"जब बैठक की घड़ी में तीन बजे तो मैं उठी और तब मैंने पूर्वी भाग की ड्योढ़ी में ताश खेलने वाले कमरे के बाहर किसी के कदमों की आवाज़ सुनी। कोई चाबी से दरवाज़े का ताला खोल रहा था! मैंने सोचा कि निःसन्देह यह हालसे ही होगा। जब हमने घर लिया था, तो उसने उसी को अपना आने—जाने का रास्ता बनाया था और तब से वहाँ की चाबी उसके पास ही रही है। दरवाजा खुला और मैं अभी पूछने ही वाली थी कि वह क्या भूल गया है कि वहाँ एक चमक दिखायी दी और किसी भारी भरकम शरीर के गिरने की आवाज आयी। भय के कारण मैं ऐसी सुधबुध खो बैठी कि मुझे नहीं पता, कैसे मैं बैठक में से भागती हुई सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर आयी।"

वह कुर्सी पर बैठ गयी। मेरा ख़याल था कि मिस्टर जैमिसन ने बात ख़त्म कर ली है, पर उसकी बातें अभी बाकी थीं।

"आप बड़ी होशियारी से अपने भाई और मिस्टर बैले को बचा रही हैं," उसने कहा, "यह गवाही बहुत कीमती है, ख़ास कर यह देखते हुए कि आपके भाई और मिस्टर आर्मस्ट्राँग का कुछ समय पहले काफ़ी झगड़ा हो चुका था।"

अब मैं बोली, "मामला पहले ही काफ़ी खराब चुका है, मिस्टर जैमिसन। अब दुर्भावना पैदा करने की क्या आवश्यकता है जब कि उसकी गुंजाइश ही नहीं रही? गर्टरूड, मेरा ख़्याल नहीं कि हालसे इस मृत व्यक्ति को जानता था। जानता था क्या?"

पर मिस्टर जैमिसन को अपनी बात पर विश्वास था।

उसने ज़ोर देकर कहा, "मिस गर्टरूड, मेरे ख़्याल में यह झगड़ा आपके प्रति आर्मस्ट्राँग के दुर्व्यवहार के कारण था।"

और मैंने पहले कभी इस आदमी को नहीं देखा था!

जब उसने 'हाँ' में सिर हिलाया, तो मुझे उस सारी घटना में छिपी हुई बहुत बड़ी संभावनाएँ दिखीं। अगर जासूस यह साबित कर देता है कि गर्टरूड इस मृत व्यक्ति को बुरा समझती थी, उससे डरती थी और मिस्टर आर्मस्ट्राँग का उसके प्रति व्यवहार ठीक नहीं था और संभवतः उसके पीछे लगा हुआ था, तो गर्टरूड की इस स्वीकारोक्ति के साथ मिलकर कि वह हत्या होने के अवसर पर बिलियर्ड के

कमरे में उपस्थित थी, सारी बात स्पष्ट हो जाती है। अपने परिवार की होनेवाली बदनामी को देखते हुए यह जरूरी था कि हत्यारे का पता लगाने की पूरी कोशिश की जाय, वरना निश्चित रूप से हमारे बारे में उल्टी-सीधी बातें होने लगेंगी।

मिस्टर जैमिसन ने अचानक अपनी नोटबुक बन्द की और हमें धन्यवाद दिया।

"मेरा ख़्याल है," उसने कहा, "हत्यारा यहीं कहीं है। नीग्रो नौकर का कहना है कि तीन महीने पहले जब आर्मस्ट्रॉंग-परिवार यहाँ से गया तो घर में से अजीब किस्म की आवाज़ें आनी शुरू हुईं, जैसे घर में कोई भूत हो। लेकिन अब शायद वे हट जायँ।"

इससे ज्ञात होता है कि उसे इस सम्बन्ध में कितनी जानकारी थी। भूत का पता नहीं लगा था, बल्कि आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग की हत्या से उसमें नया उत्साह भर गया था।

तब मिस्टर जैमिसन चला गया और उसी समय गर्टरूड के ऊपर चले जाने पर मैंने बैठकर उस सब के बारे में सोचा, जो मैंने अभी सुना था। उसकी सगाई कभी बड़ी महत्वपूर्ण समस्या थी, किन्तु अब उसकी कहानी के सामने उसका महत्व कम होने लगा। अगर हालसे और जैक बैले इस हत्या से पहले ही चले गये थे, तो फूलों की क्यारी में हालसे का रिवाल्वर कहाँ से आ गया? उनके इस प्रकार अचानक चले जाने में क्या रहस्य था? गर्टरूड बिलियर्ड के कमरे में क्या छोड़ आयी थी? कफ़ की ज़ंजीर का क्या महत्व था, और अब वह कहाँ थी?

६

पूर्वी बरामदे में

जब जासूस गया तो उसने घर में हर व्यक्ति से इस हत्या को पूर्णरूप से गुप्त रखने का आदेश दिया। ग्रीनवुड क्लब वालों ने भी इस सम्बन्ध में किसी से बात न करने का वादा किया और चूँकि इतवार के दिन शाम के समय समाचार-पत्र नहीं छपते, इस हत्या का भेद सोमवार तक किसी पर प्रकट न हुआ। कोरोनर ने स्वयं आर्मस्ट्रॉंग परिवार के वकील को इस सम्बन्ध में सूचित किया और वह शाम के पहले लौट आया। मैंने सुबह से जैमिसन को नहीं देखा था, पर मैं

जानती थी कि वह नौकरों से जानकारी प्राप्त कर रहा था। गर्टरूड सिर-दर्द के कारण अपने कमरे में पड़ी थी। इसलिए मैंने अकेले में भोजन किया

वकील, जिसका नाम मिस्टर हार्टन था, छोटे से कद का पतला-सा व्यक्ति था। और उसे देखने पर लगा, मानों उसने उस दिन अपने काम में रुचि न दिखायी हो।

"यह बड़े दुर्भाग्य की बात है मिस इनेस," उसने मुझसे हाथ मिलाते हुए कहा, "बहुत ही दुर्भाग्य की बात है—और रहस्य भरी भी। जब कि आर्नल्ड के माता-पिता बाहर गये हुए हैं, तो इसकी सारी जिम्मेदारी मुझ पर ही आती है, और जैसा कि आप जानती हैं इस जिम्मेदारी को निभाने का फ़र्ज़ कड़वा ही है।"

"निःसन्देह," मैंने अन्यमनस्क होकर कहा, "मिस्टर हार्टन, मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछना चाहती हूँ और मुझे आशा है कि आप उनके उत्तर देंगे। मैं अनुभव करती हूँ कि इस सम्बन्ध में मुझे कुछ जानकारी की आवश्यकता है, क्योंकि मैं और मेरा परिवार इस समय बड़ी उलझन में फँसे हुए हैं।"

कह नहीं सकती कि वह मेरी स्थिति समझ सका या नहीं। उसने अपनी ऐनक उतारी और उसके शीशों को साफ़ करने लगा।

"मुझे बहुत खुशी होगी," उसने पुराने ढंग के रस्मी लहजे में कहा।

"धन्यवाद! मिस्टर हार्टन, क्या मिस्टर आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग जानता था कि 'सनी साइड' को किराये पर दिया गया है?"

"हाँ, वह जानता था। वास्तव में इसके बारे में मैंने स्वयं उसे बताया था।"

"और वह जानता था कि उसमें रहने वाले किरायेदार कौन हैं?"

"हाँ!"

"मेरा ख़्याल है, वह कुछ वर्षों से अपने परिवार के साथ नहीं रह रहा था।"

"नहीं। दुर्भाग्यवश आर्नल्ड और उसके पिता के बीच कुछ गड़बड़ रही है। दो वर्ष तक वह क़स्बे में रहा था।"

"तब क्या यह नहीं हो सकता कि वह गत रात यहाँ अपनी किसी चीज़ को लेने आया हो?"

"मेरे ख़्याल में यह संभव नहीं है," उसने कहा, "सच पूछा जाय तो मिस इनेस, उसके यहाँ आने का मुझे कोई ऐसा कारण नहीं दिखता। मिस्टर जर्विस ने मुझे बताया है कि गत सप्ताह से वह घाटी के उस पार बने क्लब हाऊस में रह

रहा था। लेकिन इसी से यह पता चलता है कि वह यहाँ कैसे आया। हाँ यह नहीं पता चलता कि वह क्यों आया। यह बहुत ही अभागा परिवार है। "

उसने निराशा में अपना सिर हिलाया और मैंने अनुभव किया कि इस सूखे हुए छोटे-से व्यक्ति में बहुत-सी बातें भरी पड़ी हैं, जो उसने मुझे नहीं बतायीं। उससे और जानकारी प्राप्त करने का प्रयत्न मैंने छोड़ दिया और हम उस मृत शरीर को देखने गये। उसे उठाकर बिलियर्ड खेलने की मेज़ पर रख दिया गया था और उस पर एक कपड़ा डाला हुआ था, वरना और सब कुछ ज्यों का त्यों था। एक नर्म हैट उसके पास पड़ा था और उसके कोट का कालर अभी तक ऊपर की ओर उठा हुआ था। आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग का सुन्दर मुरझाया हुआ चेहरा, जिस पर की कुरूप रेखाएँ मिट चुकी थीं, अब केवल दयनीय लग रहा था। जब हम अन्दर गये तो श्रीमती वाट्सन ताश खेलने वाले कमरे के दरवाज़े पर दिखायी दी।

"आओ, श्रीमती वाट्सन," वकील ने कहा। पर उसने अपना सिर हिलाया और पीछे हट गयी। घर में केवल वही थी, जिसे आर्नल्ड की मौत का अफ़सोस था, वैसे अफ़सोस के बजाय उसे उसकी मौत का धक्का ज्यादा लगा था।

गोलाकार सीढ़ी के नीचे दरवाजे के पास मैं गयी और उसे खोलकर मैंने बाहर देखा। काश मैं हालसे को रास्ते पर आते हुए देख सकती! काश, मैं उसकी मोटर की आवाज़ सुन सकती! तो, मैं अनुभव करती कि मेरी मुसीबतें टल गयी हैं। पर वहाँ धूप चमक रही थी और एक नीरवता व्याप्त थी। दूर सड़क पर जैमिसन हौले–हौले चल रहा था। कभी वह सड़क पर झुक जाता था, जैसे सड़क का निरीक्षण कर रहा हो। जब मैं लौटी तो मिस्टर हार्टन एक तरफ़ मुहँ किये अपनी आँखें पोंछ रहा था।

" प्रायः पिता का किया बच्चों को भरना पड़ता है," उसने कहा और मैं उसके उसके इस कथन के बारे में सोचने लगी।

जाने के पहले मिस्टर हार्टन ने मुझे आर्मस्ट्रॉंग परिवार के बारे में कुछ बातें बतायीं। पाल आर्मस्ट्रॉंग का, जो कि आर्नल्ड का पिता था, दो बार विवाह हुआ था। आर्नल्ड पहले विवाह से था। जो स्त्री दूसरे विवाह में उसकी पत्नी बनी, वह विधवा थी। उस समय उसकी एक नन्ही-सी बेटी थी, जो अब लगभग बीस वर्ष की हो गयी थी। उसका नाम लूई आर्मस्ट्रॉंग था और अब वह परिवार के साथ कैलिफोर्निया में थी।

"शायद वे बहुत जल्द लौट आयेंगे!" उसने कहा, "और मैं यहाँ यह पता लगाने आया हूँ कि आप यह स्थान उन्हें दे सकेंगी या नहीं?"

"हमें कुछ ठहर कर देखना चाहिए कि वे आना चाहते है या नहीं?" मैंने कहा। "शायद वे न आयें। और मेरा कस्बे में जो घर है, उसकी इन दिनों मरम्मत हो रही है।" इस पर उसने बात वहीं खत्म हो जाने दी, पर बाद में उसका परिणाम काफ़ी बुरा निकला।

छः बजे मृत शरीर को ले जाया गया और कुछ जल्दी ही खाना खा कर मिस्टर हार्टन साढ़े सात बजे चला गया। गर्टरूड नीचे नहीं आयी थी। न हाल्से की कोई खबर मिली थी। मिस्टर जेमिसन ने गाँव में अपना निवास कर लिया था। मैंने उसे दोपहर के बाद से नहीं देखा। मेरे ख्याल में लगभग नौ का समय था, जब घंटी बजी और वह अंदर आया।

"बैठिये!" मैंने गंभीरता से कहा। "क्या आपको कोई सूत्र मिला है, जिससे आप मुझे दोषी ठहरा सकते हैं, मिस्टर जेमिसन?"

वह बेचैन दिख रहा था। "नहीं," उसने कहा। "अगर आपने आर्मस्ट्राँग का खून किया होता, तो आप कोई सूत्र न छोड़तीं। आप काफ़ी सावधानी बरततीं।"

इसके पश्चात् हम अच्छी तरह पेश आये। उसने जेब में हाथ डालकर खोजते हुए कुछ देर के बाद कागज़ के दो टुकड़े निकाले। "मैं क्लब हाऊस गया था," उसने कहा। "और मिस्टर आर्मस्ट्राँग की अन्य चीजों में मुझे ये कागज़ मिले हैं। एक विचित्र है, दूसरा उलझन में डालने वाला है।"

पहला टुकड़ा क्लब का कागज़ था, जिस पर बार बार 'हाल्से बी. इनेस' नाम लिखा हुआ था। यह हाल्से के हस्ताक्षर थे, पर उनमें हाल्से की कलम का सरल बहाव नहीं था। वे हस्ताक्षर जो कागज के निचले भाग में किये हुए थे, ऊपर के हस्ताक्षरों से कहीं अच्छे थे। मिस्टर जेमिसन मेरे चेहरे की ओर देखकर मुस्कराया।

"उसकी पुरानी चालाकियाँ," उसने कहा। "कागजका यह टुकड़ा विचित्र-स है, पर यह दूसरा टुकड़ा, जैसा कि मैंने कहा है, उलझनमें डालने वाला है।"

कागज़ का दूसरा टुकड़ा जिसकी कई तहें लगी हुई थीं, बहुत छोटा-सा लगता था। कई तहों में मुड़ा होने के कारण उसकी लिखावट कुछ स्थानों में खराब हो गयी थी। यह एक पत्र का भाग था — उसका निचला भाग। यह टाइप नहीं किया हुआ था, बल्कि शिकस्ता हाथ का लिखा हुआ था। उसमें लिखा था —

'— योजनामें परिवर्तन करनेपर — कमरे, सम्भव हो सकता है। मेरे ख़्याल में सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि — योजना — कमरों में एक में — चिमनी।

बस इतना ही था ।

"तो," मैंने ऊपर देखते हुए कहा । "इसमें तो कुछ नहीं हैं । क्या आपके ख़्याल में कुछ है ? किसी भी व्यक्ति के लिए यह संभव होना चाहिए कि वह बिना दूसरों की शंका का पात्र बने अपने घर की योजना में परिवर्तन कर सके ।"

"कागज़ में तो ज्यादा कुछ नहीं है", उसने स्वीकार किया । "लेकिन आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग का उसे लिये लिये फिरने से क्या मतलब है, जब तक कि उसमें कोई खास बात न हो ? उसने कभी घर नहीं बनाया, आप इस पर विश्वास करें । अगर इस कागज़ में लिखे घर को लें, तो इसका कुछ भी अर्थ हो सकता है, एक गुप्त कमरे से लेकर —"

"एक फ़ालतू गुसलखाने तक," मैंने गुस्से से कहा । "क्या आपके पास अँगूठे की भी निशानी नहीं है ?"

"हाँ, है," उसने मुस्कारा कर कहा, "और फूलों की क्यारी में एक पाँव का निशान भी है । और दूसरी भी कुछ चीजे हैं । सबसे विचित्र बात तो यह है मिस इनेस, कि अँगूठे का निशान शायद आपका है और पाँव का निशान तो निश्चय ही आपका है ।"

उसकी धृष्टता ही ऐसी चीज़ थी, जिसने मुझे बचा लिया । उसकी मुस्कराहट ने मुझे साहस प्रदान किया और जवाब में मैंने कहा, "आखिर मैंने उस क्यारी में पाँव क्यों रखा ?"

"आपने कुछ उठाया था," उसने धीमे से मुस्करा कर कहा । "जिसके बारे में आप मुझे शायद बतायेंगी ।"

"सच ?" मैंने आश्चर्य प्रकट करते हुए नम्रता से कहा । "मैं चाहूँगी कि आप अपनी इस आश्चर्यजनक दृष्टि से मुझे यह भी बतायेंगे कि मैं अपनी चार हज़ार डालर की कीमत वाली मोटरकार कहाँ पा सकती हूँ ?"

"मैं इसी की तरफ़ आ रहा था," उसने कहा । "आप उसे यहाँ से तीस मील की दूरी पर पा सकती हैं । एण्ड्रूज़ नाम के स्टेशन पर वह एक लोहार की दूकान में है, जहाँ उसकी मरम्मत हो रही है ।"

मैंने अपने हाथ की बुननी को रख दिया और उसकी ओर देखा ।

"और हाल्से ?" मेरे मुँह से किसी तरह निकला ।

"अच्छा हो, अगर हम एक दूसरे से जानकारी का तबादला कर लें," उसने कहा । "मैं आपको हाल्से के बारे में बताऊँगा, जब आप मुझे यह बतायें कि आपने फूल की क्यारी में से क्या उठाया था ।"

हमने एकटक एक दूसरे की ओर देखा। इस देखने में कोई कलुष भाव नहीं था। हम केवल अपनी ताकत का अन्दाज़ा लगा रहे थे। तब वह हल्का-सा मुस्कराया और उठ खड़ा हुआ।

"आपकी इजाज़त से," उसने कहा, "मैं फिर से ताश खेलने वाले कमरे और सीढ़ियों का निरीक्षण करना चाहूँगा। इस दौरान में आप मेरे प्रस्ताव पर विचार कर लें।"

वह बैठक में से होता हुआ गया और मैं उसके कदमों की धीमी पड़ रही आवाज़ को सुनती रही। मैंने बुनाई करने का बहाना छोड़ा और कुर्सी का सहारा लेकर गत अड़तालीस घंटों में जो कुछ हुआ था, उसके बारे में सोचने लगी। मैं—रैचेल इनेस, एक अधेड़ उम्र की स्त्री, जान इनेस की पौत्री, जिनका संबन्ध क्रांति के दिनों से था—एक घिनौनी किस्म की हत्या के सिलसिले में फँसी हुई थी; यहाँ तक कि कानून को धोखा देने की कोशिश भी कर रही थी। निःसंदेह मैंने साफ़ और सीधे रास्ते को छोड़ दिया था।

जब मैंने बैठक में से आते हुए मिस्टर जेमिसन के तेज़ कदमों की आवाज सुनी तो मेरा ध्यान टूटा। वह दरवाज़े पर आकर रुका।

"मिस इनेस," उसने जल्दी में कहा, "क्या आप मेरे साथ चलकर पूर्वी बरामदे की बत्ती जलायेंगी? मैंने ताश खेलने वाले कमरे की सीढ़ियों के पास छोटे कमरे में किसी को बन्द कर दिया है।"

मैं एकदम उठी।

"क्या हत्यारे को?" मैंने पूछा।

"शायद!" उसने शांति से कहा और हम एक साथ सीढ़ियों पर जल्दी जल्दी चढ़े। "जब मैं वापस गया, तो सीढ़ियों पर किसी की आवाज़ सुनी। मैंने बुलाया, पर जवाब देने के बजाय वह व्यक्ति मुड़कर ऊपर दौड़ा। मैंने उसका पीछा किया। वहाँ अंधेरा था। पर जब ऊपर जाकर मैं नुक्कड़ पर मुड़ा तो कोई व्यक्ति झट इस दरवाज़े में घुसा और उसने दरवाज़ा बन्द कर लिया। मैंने दरवाज़े को धक्का दिया, पर वह न खुला।" अब हम ऊपर के बड़े कमरे में थे। "आप मुझे बिजली का बटन बता दें मिस इनेस, और आप बाहर अपने कमरे में ही रहें।"

यद्यपि मैं काँप रही थी, मैंने निश्चय किया कि मैं दरवाज़े को खुलते हुए देखूंगी। पता नहीं मुझे किस बात कर डर लग रहा था। परन्तु, उस समय तक इतनी भयानक चीज़ें हो गयी थीं कि उनके परिणाम के बारे में सोचते हुए डर लग रहा था।

" मैं बिलकुल शांत हूँ, " मैंने अपने आप से कहा, " मैं यहीं रहूँगी । "

बरामदे के उस सिरे पर अचानक प्रकाश हुआ । जहाँ बड़े कमरे का रास्ता छोटे कमरे के रास्ते से मिलता था, वहाँ से गोल सीढ़ी ऊपर जाती थी और उस कोने के पास छोटे-से बरामदे में वह दरवाज़ा था, जिसका मिस्टर जेमिसन ने जिक्र किया था । मैं अभी तक इस घर से अपरिचित थी और मुझे इस दरवाज़े का पता था । मेरा दिल ज़ोर ज़ोर से धक-धक कर रहा था । उसकी आवाज़ मेरे कानों में गूँज रही थी । पर मैंने सिर के इशारे से मिस्टर जेमिसन को आगे जाने के लिए कहा । मैं लगभग आठ-दस फुट दूर थी और तब उसने कुण्डी खोली ।

" बाहर आ जाओ, " उसने शांत भाव से कहा । पर कोई जबाब न आया । " बाहर आ जाओ, " उसने फिर दुहराया । मेरा खयाल है कि उसके पास रिवाल्वर था, पर मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकती । तब उसने दरवाज़ा खोल दिया और एक तरफ हट गया ।

जहाँ मैं खड़ी थी, वहाँ से मैं दरवाज़े के आगे नहीं देख सकती थी । पर मैंने मिस्टर जेमिसन के चेहरे पर परिवर्तन देखा और उसे कुछ बोलते हुए सुना । तब वह एक साथ तीन-तीन सीढ़ियाँ नीचे उतरा । जब मेरी टाँगों की कँपकँपी रुकी, तो मैं घबरायी हुई धीमे धीमे आगे बढ़ी, जब तक कि मुझे दरवाज़े के उस तरफ का कुछ भाग दिखाई न दिया । पहले तो वह खाली लगा । जब मैंने निकट से उसे देखा तो मेरे अंदर एक सिहरन दौड़ गयी और मैं वहीं रुक गयी । वहाँ फर्श के स्थान पर एक शून्यता थी और अन्धकार था । वहाँ तहखाने में से ऐसी सीली सीली बदबू आ रही थी कि उसका वर्णन नहीं किया जा सकता ।

मिस्टर जेमिसन ने किसी को तहखाने में, जहाँ कपड़े आदि रखने का कमरा था, बन्द कर दिया था । जब मैंने झुक कर देखा तो लगा जैसे मैंने किसी के कराहने की आवाज़ सुनी है-या क्या वह हवा थी ?

७

मोच खाया हुआ टखना

मैं भय के कारण हतबुद्धि थी। जब मैं बरामदे में से होती हुई दौड़ी तो मुझे विश्वास था कि हत्यारे का पता लग गया है और वह नीचे मरा पड़ा होगा या मरने के किनारे होगा। मैं किसी प्रकार सीढ़ियों पर से नीचे उतरी और रसोई में से होती हुई घर के निचले भाग की सीढ़ियों पर गयी। मिस्टर जेमिसन मुझ से पहले वहाँ था। दरवाजा खुला पड़ा था। लिड्डी रसोई घर में खड़ी थी और उसके हाथ में कड़छी थी, जिसे उसने एक शस्त्र के रूप में पकड़ रखा था।

"नीचे मत जाना," जब उसने मुझे नीचे की सीढ़ियों की ओर जाते हुए देखा तो चिल्ला कर कहा। "आप वहाँ न जाइये मिस रैचेल। जेमिसन वहाँ नीचे गया हुआ है। वहाँ केवल भूतों की दुनिया है। वे मनुष्य को नीचे ऐसे गड्ढे में खींच कर ले जाते हैं, जिसका कोई तल नहीं है और इसी प्रकार की और चीज़ें होती हैं वहाँ पर। न जाइये मिस रैचेल! न जाइये–" जब मैं उसके पास से गुज़री तो उसने कहा।

मिस्टर जेमिसन के वहाँ लौट आने पर वह बोलते बोलते रुकी। वह एक साथ दो दो सीढ़ियाँ चढ़ा और उसका चेहरा गुस्से से तमतमा रहा था।

"सब जगह ताले लगे हुए हैं," उसने गुस्से में कहा। "लांड्री की चाबी कहाँ है?"

"वह दरवाजे में ही है," लिड्डी ने कहा। "तहखाने का यह भाग बन्द रखा जाता है, ताकि कोई कपड़े न चुरा ले और तब चाबी दरवाजे के ताले में ही छोड़ दी जाती है, ताकि कोई चोर सीधा अन्दर चला जाय, बशर्ते कि वह कुछ जासूसों जैसा अन्धा न हो।"

"लिड्डी!" मैंने तीखे स्वर में कहा, "हमारे साथ आओ और सभी बत्तियाँ जला दो।"

जैसा कि प्रायः हुआ करता है, उसने वहीं खड़े खड़े इन्कार किया। पर मैंने उसकी बाँह पकड़ ली और वह साथ-साथ चलने लगी। उसने सभी बत्तियाँ जला दीं और सामने वाले दरवाजे की ओर संकेत किया।

"वह रहा दरवाजा!" उसने उदासीनता से कहा, "चाबी उसी में है।"

पर चाबी उसमें नहीं थी। मिस्टर जेमिसन ने उसे हिलाया। वह एक भारी दरवाजा था और उसमें मजबूत ताला लगा हुआ था। तब वह झुका और चाबी लगानेवाले छेद में पेंसिल का सिरा डालकर घुमाने लगा। जब वह खड़ा हुआ, तो उसके चेहरे पर अतीव प्रसन्नता थी।

"यह अन्दर से बन्द है," उसने धीमी आवाज़ में कहा। "अन्दर कोई है?"

"ईश्वर करे!" लिड्डी ने साँस खींच कर कहा और भागने के लिए मुड़ी।

"लिड्डी!" मैंने कहा, "घर भर में चक्कर लगाओ और देखो कि कोई व्यक्ति गायब तो नहीं है। इसके बारे में हमें इसी समय पता लगाना होगा। मिस्टर जेमिसन यहाँ रहें, मैं लाज में जाकर वार्नर को देखती हूँ। थामस किसी काम का नहीं है। वार्नर और आप मिलकर शायद दरवाजा खोल सकेंगे।"

"बहुत अच्छी बात है," उसने समर्थन में कहा, "लेकिन जो खिड़कियाँ हैं, उनके रास्ते अन्दर वाले व्यक्ति को बाहर निकलने से कैसे रोका जा सकता है?"

"तब तहखाने की सीढ़ियों का ऊपरी दरवाजा बन्द कर दीजिए," मैंने सलाह दी, "और बाहर से घर की निगरानी कीजिए।"

हम इस बात पर सहमत हुए और मुझे लगा कि सनीसाइड का रहस्य अब खुलने ही वाला है। मैं जल्दी जल्दी सीढ़ियाँ उतरकर बाहर की ओर दौड़ी। मोड़ पर मैंने देखा कि कोई व्यक्ति मेरे समान ही घबराया हुआ जा रहा है। और जब मैंने कदम कुछ धीमे किये तो मैंने पहचाना कि यह तो गर्टरूड थी। उसी समय उसने भी मुझे पहचान लिया।

"ओह चाची," उसने आश्चर्य से कहा, "क्या बात है?"

"लांड्री में कोई व्यक्ति बंद है!" मैंने हाँफते हुए कहा, "हाँ अगर वह निकलकर भाग न गया हो। क्या तुमने किसी व्यक्ति को मैदान में से जाते हुए या घर के इधर-उधर घूमते हुए तो नहीं देखा?"

"मेरे ख़्याल में हमारे दिमागों में ही कुछ खराबी है," गर्टरूड ने खिन्न होकर कहा।

"नहीं, मैंने किसी को नहीं देखा, सिवाय थामस के जो भंडारघर की छान बीन कर रहा है। लांड्री में किसे बन्द किया है?"

"मेरे पास समझाने का समय नहीं है," मैंने उत्तर दिया, "मैं लाज में से वार्नर को लेने जा रही हूँ। यदि तुम बाहर हवा खाने आयी हो, तो तुम्हें बड़े बूट पहनने चाहिए थे।" और तब मैंने देखा कि गर्टरूड हल्का सा लँगड़ा रही थी जिसके कारण वह दर्द महसूस करती हुई बहुत धीमे-धीमे चल रही थी।

"क्या तुम्हें चोट लगी है?" मैंने तीखे स्वर में पूछा।

"मैं गिर पड़ी थी," उसने बताया।

"मेरा ख़्याल था कि मैं शायद हाल्से को घर आते हुए देख सकूँगी। उसे—उसे यहाँ होना चाहिए था!"

मैं जल्दी जल्दी आगे बढ़ी। लाज घर से कुछ दूर वृक्षों के झुंड में था, जहाँ पर कि यह रास्ता गाँव के रास्ते से मिलता था। अन्दर जाने वाले रास्ते पर पत्थर के दो सफ़ेद खंभे थे, लेकिन लोहे का फाटक, जिसे कभी लाज में रहने वाला दरबान बंद रखता था,अब हमेशा के लिए खुला था। मोटरों का ज़माना आ गया था। अब किसी को बन्द फाटक और दरबान की ज़रूरत नहीं थी। सनी साईड का लाज अब एक तरह से नौकरों के रहने के लिए ही था। बड़े घर की अपेक्षा यहाँ अधिक शांति और सुख था।

रास्ते में चलते हुए मैं विचारों में लीन थी। वह कौन हो सकता है, जिसे मिस्टर जेमिसन ने तहखाने में बन्द कर रखा है? क्या वह ज़ख्मी हालत में होगा या मर गया होगा? आश्चर्य है कि जो ऊपर से गिरा है, वह लांड्री के दरवाज़े को अन्दर से बन्द कर सका है। यदि यह व्यक्ति घर के बाहर से आया है, तो वह अन्दर कैसे जा सका? यदि वह घर का ही कोई व्यक्ति है तो वह कौन हो सकता है? और फिर--एक भयानक विचार ने मुझे पकड़ लिया। गर्टरूड और उसका मोच खाया हुआ टखना! उस समय जब मेरा ख़्याल था कि गर्टरूड बिस्तर पर सो रही होगी, वह धीमे-धीमे लँगड़ाती हुई रास्ते पर जा रही थी।

मैंने इस विचार को दिमाग में से निकालने का प्रयत्न किया, पर वह निकल नहीं रहा था। यदि उस रात गोल सीढ़ी पर गर्टरूड थी, तो वह मिस्टर जेमिसन को देखकर भाग क्यों गयी थी? यह विचार यद्यपि उलझन में डालनेवाला था, पर किसी हद तक सही भी लग रहा था। जिस व्यक्ति ने सीढ़ियों में शरण ली होगी, वह ज़रूर घर या तहखाने की स्थिति से परिचित रहा होगा। यह रहस्य लगातार गहन होता जा रहा था। आखिर हाल्से और गर्टरूड का आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग की हत्या से क्या सम्बन्ध हो सकता था? और फिर भी मैं चाहे किसी ओर से भी सोचती थी, इस हत्या से उनके सम्बन्धित होने की संभावना मुझे रह रह कर दीख रही थी।

कुछ आगे जाकर यह रास्ता दूर तक ढलवाँ था और लाज के गिर्द घूम गया था। वहाँ जगमगाती हुई बत्तियाँ वृक्षों में से झाँक रही थीं। ऐसा लग रहा था,

जैसे कोई लैंप लेकर इधर उधर चल रहा हो। मैं स्लीपर पहने ही चुपचाप आ गयी थी। एक आदमी के साथ, जो लम्बा कोट पहने हुए था, मैं ज़ोर से टकरायी जो रास्ते के पास छाया में खड़ा था। उसकी पीठ मेरी ओर थी और वह रोशन खिड़कियों को देख रहा था।

"अन्धे हो क्या?" वह गुस्से में बोला और मेरी ओर घूमा। जब उसने मुझे देखा, तो वह मेरे कुछ कहने से पहले ही गायब हो गया। हाँ सचमुच ही गायब हो गया। उसका कुछ पता ही न लगा कि वह कहाँ गया। मैं उसके चेहरे की एक झलक ही देख सकी। उस व्यक्ति की अपरिचित मुखाकृति और उसकी टोपी की एक धुँधली सी झलक ही मैं पकड़ पायी। और उसी क्षण वह गायब हो गया।

मैं लाज में पहुँची और दरवाजे को थपथपाया। थामस को उठाने के लिए मुझे दो तीन बार दरवाज़ा खटखटाना पड़ा और जब उसने दरवाज़ा खोला तो केवल थोड़ा-सा ही खोला।

"वार्नर कहाँ है?" मैंने पूछा।

"मेरा —— मेरा ख़्याल है कि वह सो रहा है, मैडम!"

"उसे उठाओ," मैंने कहा, "और ईश्वर के लिए दरवाजे को खोलो थामस। मैं यहाँ वार्नर की प्रतीक्षा करती हूँ।"

"वह नज़दीक ही है, मैडम!" उसने आज्ञा का पालन करते हुए कहा। और उसके दरवाजा खोलने पर मैंने अनुभव किया कि कमरे का भीतरी भाग ठंडा और आरामदेह है। "आप ड्योढ़ी में बैठकर आराम कीजिए।"

स्पष्ट था, थामस नहीं चाहता था कि मैं अन्दर आऊँ।

"वार्नर से कहना कि बहुत जल्द आये," मैंने दोहराया और मैं छोटी-सी बैठक में जाने के लिए मुड़ी। सीढ़ियाँ चढ़ते हुए थामस की आवाज़ मैं सुन सकती थी। फिर मैंने उसे वार्नर को उठाते हुए सुना और अन्त में जल्दी जल्दी कपड़े पहन रहे ड्राइवर के कदमों की आवाज सुनी। पर मेरी दृष्टि नीचे कमरे में ही लगी हुई थी।

कमरे के बीच में रखी मेज़ पर चमड़े का बना हुआ एक सफ़री थैला था। वह खुला पड़ा था और सुनहले ढक्कनों वाली बोतलों और ब्रशों से भरा हुआ था। उसमें से मानो ऐश्वर्य झाँक रहा था। यह यहाँ कैसे आया? मैं अभी स्वयं से यह पूछ ही रही थी कि वार्नर तेज़ी से सीढ़ियाँ उतरता हुआ कमरे में आया। वह पूरी पोशाक में था। परन्तु उसके कपड़े कुछ बेढंगे से लग रहे थे और उसका

चेहरा, जिस पर से लड़कपन झाँक रहा था, घबराया हुआ था। वह गाँव में रहने वाला लड़का था। बहुत ही सीधे स्वभाव का और विश्वसनीय। वह अच्छा पढ़ा-लिखा था, और बुद्धिमान दीखता था। वह उन अमरीकी युवकों में से था, जिनकी मोटरों की मरम्मत आदि के काम में स्वाभाविक दिलचस्पी होती है और जो इस धंधे में अच्छे पैसे कमा लेते हैं।

"क्या बात है, मिस इनेस?" उसने उत्सुकता से पूछा।

"लांड्री में कोई व्यक्ति बन्द है," मैंने कहा। "मिस्टर जेमिसन ताला तोड़ने में तुम्हारी मदद चाहता है। वार्नर यह थैला किसका है?"

अब तक वह दरवाज़े में चला गया था और उसने न सुनने का बहाना किया।

"वार्नर," मैंने बुलाया, "यहाँ आओ। यह किसका थैला है?"

तब वह रुका, पर मुड़ा नहीं।

"यह—यह थामस का है," उसने कहा और जल्दी जल्दी रास्ते पर चल पड़ा।

थामस का! ऐसा थैला जिसमें मुँह देखने के शीशे थे और शृंगार आदि की ऐसी चीज़ें थीं, जिनके बारे में थामस कभी सोच भी नहीं सकता था कि वे किस काम आती हैं! खैर, मैंने थैले को कुछ देर के लिए दिमाग से निकाल दिया। मेरा दिमाग ऐसे तथ्यों से भरता जा रहा था, जो बिखरे हुए थे और साधारण तौर पर देखनें से जिनका आपस में कोई सम्बन्ध नहीं जुड़ता था। और मैं वार्नर के पीछे पीछे घर की ओर चली।

लिड्डी वापस रसोईघर में आ गयी थी। घर से निचले भाग की सीढ़ियों का दरवाज़ा दोहरी तरह बन्द था। उसके सामने धकेल कर एक मेज़ रखी हुई थी और उस मेज़ पर रसोई का अधिकांश सामान पड़ा हुआ था।

"क्या तुमने पता लगाया कि घर से कोई गायब है?" मैंने उस सामान की ओर ध्यान न देते हुए उससे पूछा।

"रोज़ी नहीं है," लिड्डी ने कहा। उसने शुरू में ही रोज़ी के बारे में एतराज़ किया था। "श्रीमती वाट्सन उसके कमरे में गयी और देखा कि वह बिना अपनी हैट के ही चली गयी है। वे लोग, जो शहर से इतनी दूर विभिन्न प्रकार के घरों में आकर उन नौकरों पर विश्वास कर लेते हैं, जिन्हें कि वे जानते नहीं होते, उन्हें यह देखकर आश्चर्य नहीं होना चाहिए, अगर किसी दिन सुबह उठने पर उनके गले कटे हुए हों।"

बड़ी सावधानी से व्यंग के साथ कही गयी बात के पश्चात् लिङ्गी के चेहरे पर उदासी छा गयी। तब वार्नर कुछ छोटे-छोटे औज़ार लिये वहाँ आया और मिस्टर जेमिसन उसके साथ तहखाने में गया। आश्चर्य था कि मुझे घबराहट नहीं थी। अपने पूरे दिल से मैं हाल्से के लिए शुभकामनाएँ करने लगी। दरवाज़े के पास वार्नर ने अपने औज़ार रख दिये और ताले की ओर देखा। तब उसने हैंडल घुमाया। बिना किसी कठिनाई के दरवाज़ा खुल गया और सामने वह कमरा था, जहाँ कपड़े सुखाये जाते थे। वहाँ बिलकुल अंधेरा था।

मिस्टर जेमिसन ने निराश होकर आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा, "भाग गया। लानत है ऐसी असावधानी पर! काश मुझे पता लग जाता।"

यह काफ़ी हद तक सच था। आखिर हमने बत्तियाँ जलायीं और तहखाने के इस भाग के तीनों कमरों की पूरी तरह छानबीन की। हर वस्तु ज्यों की त्यों पड़ी थी। लांड्री में कपड़ों से ठसाठस भरी हुई टोकरी देखकर पता लगा कि भगोड़े को चोट क्यों नहीं आयी। टोकरी उल्टी हुई थी। और बस इससे अधिक कुछ नहीं। मिस्टर जेमिसन ने खिड़कियों का निरीक्षण किया। एक खिड़की खुली थी और वहाँ से निकल भागने का आसान रास्ता था। खिड़की या दरवाज़ा? किस रास्ते से भगोड़ा भाग गया था? शायद दरवाज़े के रास्ते ही गया हो। उस समय मेरे लिए यह सोचना बहुत ही असह्य था कि यह बेचारी गर्टरूड ही थी, जिसे अब हम अंधेरे में ढूंढ़ रहे थे। और फिर उस खिड़की के निकट ही तो मेरी गर्टरूड से मुलाकात हुई थी।

"वह यहाँ नहीं है," उसने कहा। "पर मैं इसके बारे में अधिक परवाह नहीं करती मिस इनेस। रोज़ी एक सुन्दर युवती है और शायद उसका कोई प्रेमी हो। अगर है तो अच्छा ही है। नौकरानियाँ घर में अधिक देर तक टिकती हैं अगर उनका ऐसा कोई प्रेमी हो।"

गर्टरूड वापस अपने कमरे में चली गयी थी। जब मैं कप में गर्म गर्म चाय पी रही थी, तो मिस्टर जेमिसन अन्दर आया।

"डेढ़ घंटा पहले हमने बात जहाँ छोड़ी थी, वहाँ से उसे फिरसे शुरू किया जाये," उसने कहा "लेकिन इसके पहले मैं एक बात बताता हूँ। लांड्री में से जो व्यक्ति भाग निकला है, वह एक स्त्री थी, जिसका पाँव दरमयाने आकार का है और अर्द्ध वृत्ताकार है। उसने अपने दायें पाँव में सिवाय एक जुराब के और कुछ नहीं पहना था और दरवाजा खुला होने पर भी वह खिड़की के रास्ते ही गयी।"

और मैंने फिर गर्टरूड के मोच खाये हुए टखने के बारे में सोचा। वह दायाँ था या बायाँ?

अन्त में मैं सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर गयी। मैं बहुत थकी हुई और हतोत्साहित थी। श्रीमती वाटसन और लिड्डी रसोईघर में चाय बना रही थीं। कई बार जीवन में सख्त बीमारी या मुसीबतों के साथ मनुष्य चाय में ही शरण पाता है। चाय मरते हुए व्यक्ति को भी दी जाती है। श्रीमती वाटसन ट्रे में मेरे लिए चाय रख रही थी और जब मैंने उससे रोज़ी के बारे में पूछा, तो उससे भी रोज़ी की अनुपस्थिति की ही पुष्टि हुई।

८

ज़ंजीर का दूसरा आधा भाग

"मिस इनेस," जासूस ने शुरू किया, "उस व्यक्ति के बारे में आपकी क्या राय है, जिसे आपने उस रात अपने पूर्वी बरामदे में देखा था, जब कि घर में आप और आपकी नौकरानी ही थीं।"

"वह एक स्त्री थी," मैंने निश्चयपूर्वक कहा।

"और फिर भी आपकी नौकरानी निश्चयपूर्वक कहती है कि वह कोई पुरुष था।"

"बकवास करती है," मैंने कहा। "डर के कारण लिड्डी की आखों पर तो पर्दा पड़ जाता है। ऐसे समय वह हमेशा आखें बन्द कर लेती है।"

"और आपने कभी नहीं सोचा कि बाद में उस रात जो व्यक्ति घर में घुसा, वह एक स्त्री ही हो सकती है। वही स्त्री जिसे आपने बरामदे में देखा था।"

"इसके भी कुछ कारण हैं कि मैंने उसे क्यों पुरुष समझा," मैंने मोतियों वाली कफ की ज़ंजीर के बारे में सोचते हुए कहा।

"अब हम असली बात की तरफ आ रहे हैं। आपके ऐसा समझने के क्या कारण हैं?"

मैं हिचकिचायी।

"अगर आप यह समझती हों कि उस आधी रात के समय आने वाला आपका मेहमान मिस्टर आर्मस्ट्रॉंग था, तो आपको यह कहना चाहिए मिस

इनेस। हम किसी भी बात को विश्वस्त रूप में नहीं मान सकते। उदाहरणार्थ अगर घरमें घुसने वाला वह व्यक्ति जिसके हाथ से छड़ी गिरी और जिसके निशान सीढ़ियों पर पड़े—देखा आपने, मुझे इसके बारे में पता है—स्त्री थी तो यह क्यों नहीं हो सकता कि वही स्त्री अगली रात भी आयी हो, गोल सीढ़ी पर उसने मिस्टर आर्मस्टॉंग को देखा हो और घबराहट में उसे गोली मार दी हो?"

"वह पुरुष था," मैंने फिर दोहराया। और फिर चूँकि अपने कथन की पुष्टि के लिए मैं और कोई कारण नहीं सोच सकती थी, मैंने उसे मोतियों वाली कफ़ की जंजीर के बारे में बताया। वह बेहद दिलचस्पी ले रहा था।

"क्या आप मुझे वह ज़ंजीर देंगी?" उसने कहा। "या कम से कम दिखायेंगीं? मैं इसे सबसे महत्वपूर्ण सूत्र समझता हूँ।"

"क्या इसका वर्णन काफ़ी नहीं होगा?"

"उसे देखना कहीं बेहतर होगा।"

"मुझे बहुत अफ़सोस है।" मैंने पूर्ण शांतभाव से कहा। "वह खो गयी है। वह मेरे सिंगारमेज़ पर रखी डिबिया में से कहीं गिर गयी होगी।"

मैं जानती थी, उसे शक था। फिर भी मेरे उस कथन के बारे में उसने जो सोचा, उसने प्रकट नहीं किया। उसने मुझे ज़ंजीर का सही–सही वर्णन करने को कहा। मैं ज़ंजीर के बारे में बता रही थी, तो सुनने के साथ–साथ वह एक सूची को देख रहा था, जो उसने अपनी जेब से निकाली थी।

"कफ़ के बटनों का एक सैट, जिस पर नाम खुदा हुआ है," उसने पढ़ा, "सादे मोतियों की जंजीर का एक सैट, कफ के बटनों का एक सैट, स्त्री का सिर जिस पर हीरे और पन्ने जड़े हुए। ऐसी जंजीर के बारे में कोई जिक्र नहीं है, जैसा कि आपने बयान दिया है। फिर भी अगर आपका सिद्धांत सही है, तो मिस्टर आर्मस्ट्रॉंग अपने कफ़ों में एक में पूरी जंजीर और दूसरे में आधी ले गया होगा।"

यह ख़्याल मेरे लिए नया था। यदि यह मृत व्यक्ति वही नहीं था, जो उस रात घर में घुसा था, तो फिर और कौन हो सकता था?

"इस घटना से संबंधित बहुत–सी विचित्र बातें हैं," जासूस कहने लगा। "मिस गर्टरूड ने इस बात का प्रमाण दिया है कि उसने किसी को ताले में चाबी घुमाते हुए देखा, दरवाज़ा खुला और लगभग उसी समय गोली चली। अब मिस इनेस, यह इस घटना का एक विचित्र भाग है। मिस्टर आर्मस्ट्रॉंग के पास चाबी नहीं थी। ताले में भी चाबी नहीं थी। और न ही कहीं फर्श पर गिरी

पड़ी थी। दूसरे शब्दों में यह बात पूरी तरह साबित होती है कि मिस्टर आर्मस्ट्रॉंग को घर में से ही किसी ने अन्दर आने दिया।"

"यह असंभव है!" मैंने बीच में टोका, "मिस्टर जेमिसन, क्या आप जानते हैं कि आपके इन शब्दों का क्या अर्थ निकलता है? क्या आप जानते हैं कि गर्टरूड इनेस पर यह दोष लगा रहे हैं कि उसने उस व्यक्ति को अन्दर आने दिया?"

"नहीं, बिल्कुल नहीं," उसने अपनी मित्रताभरी मुस्कुराहट से कहा। "वास्तव में मिस इनेस, मुझे पूर्ण विश्वास है कि गर्टरूड ने उसे अन्दर नहीं आने दिया। लेकिन जब तक मैं आपसे और उससे इस सचाई के केवल कुछ अंशों के बारे में ही जानूँगा, तब तक मैं क्या कर सकता हूँ? मैं जानता हूँ, आपने फूलों की क्यारी में से कोई चीज़ उठायी है और आप उसे बताने से इन्कार कर रही हैं। मैं जानता हूँ कि मिस गर्टरूड लौटकर बिलियर्ड के कमरे में कुछ लेने गयी थी, लेकिन वह बताने से इन्कार कर रही है। कफ़ की ज़ंजीर कहाँ गयीं, इसके बारे में आपको शक है, पर आप मुझे बता नहीं रहीं हैं। अब तक मैं जिस चीज़ के बारे में निश्चित हुआ हूँ, वह यह है कि मैं नहीं मानता कि मिस्टर आर्मस्ट्रॉंग ही वह व्यक्ति था, जो आधी रात के समय आपके घर में घुसा और जिसने कोई चीज़—क्या उसे गोल्फ़ खेलने वाली छड़ी कहा जाय?—गिरा कर आपको चौंकाया। और मैं यह भी मानता हूँ कि जब वह आया तो उसे ज़रूर ही घर में से किसी ने अन्दर आने का रास्ता दिया। कौन जानता है, वह लिड्डी ही हो।"

मैंने गुस्से में अपनी चाय को हिलाया।

"मैंने हमेशा सुना है," मैंने रुखाई से कहा, "कि पुलिस के सहकारी हँसमुख युवक होते हैं। किसी व्यक्ति में मज़ाक का अंश उतना ही अधिक होगा, जितना अधिक गंभीर उसका पेशा है।"

"मनुष्य का मज़ाक बर्बर और नृशंस होता है, मिस इनेस!" उसने स्वीकार किया। "यह एक स्त्री के लिए उसी प्रकार है, जैसे एक रीछ किसी वस्तु को अपने नाखूनों से नोच ले। क्या तुम हो थामस? आ जाओ अन्दर।"

थामस जान्सन दहलीज में खड़ा था। वह घबराया हुआ और शक्की—सा लगता था। अकस्मात् मुझे लाज में देखे चमड़े के थैले का ख़्याल आया। थामस दहलीज़ से कुछ आगे बढ़ा और सिर झुकाये खड़ा हो गया। घनी सफ़ेद भौंहों के नीचे उसकी आखें मिस्टर जेमिसन पर गड़ी हुई थीं।

"थामस," जासूस ने नम्रता से कहा, "मैंने तुम्हें बुलाया है ताकि हमें बताओ कि जिस दिन मिस्टर आर्मस्ट्रॉंग यहाँ मरा हुआ पाया गया, उसके एक दिन पहले तुमने क्लब में साम बोहानन को क्या कहा था। हाँ तो तुम यहाँ शुक्रवार की शाम को मिस इनेस से मिलने आये। है न? और काम के लिए यहाँ शनिवार की सुबह को आये?"

थामस के मन पर से जैसे कोई बोझ उतर गया हो। "हाँ" उसने कहा, "बात यह है कि जब मिस्टर आर्मस्ट्रॉंग अपने परिवार के साथ यहाँ से चले गये, तो पीछे श्रीमती वाट्सन और मैं इस घर की देखरेख के लिए रह गये, जब तक कि यह किराये पर नहीं चढ़ गया। श्रीमती वाट्सन यहाँ काफ़ी अर्से से रह रही थी और वह डरती नहीं थी। इसलिए वह घर के अन्दर सोती थी। मैं लाज में सोता था। तब एक दिन श्रीमती वाट्सन मेरे पास आयी और उसने मुझे कहा, "थामस, तुम्हें बड़े घर में ऊपर सोना होगा। मुझे यहाँ बहुत डर लगता है, इसलिए मैं नहीं सो सकती।" लेकिन मैंने सोचा कि अगर वहाँ सोने से उसे डर लगता है, तो मुझे भी डर लगेगा। आखिर इसके बारे में फ़ैसला हुआ और श्रीमती वाट्सन रात के समय लाज में रहने लगी और में क्लब में कामकाज करने लगा।"

"क्या श्रीमती वाट्सन ने किसी ऐसी घटना का जिक्र किया था, जिससे उसे डर लगता था?"

"नहीं, वह यूँ ही डर गयी थी। जहाँ तक मुझे पता है, उस रात इससे ज्यादा कुछ नहीं हुआ। मैं घाटी के उस पार क्लब वाले रास्ते से आता हूँ और उसी रास्ते से घर जाता हूँ। वहाँ खाड़ी में मेरे पास से रोज़ एक व्यक्ति गुज़रता है। उस रात वह मेरी ओर पीठ किये खड़ा था और वह बिजली के तारों से कुछ कर रहा था। एक क्षण के लिए उन तारों में से रोशनी चमकती और दूसरे ही क्षण वह बुझ जाती। वह कुछ गड़बड़ कर रहा था। वहाँ से गुज़रते हुए मैंने उसकी सफ़ेद कमीज और टाई की एक झलक ही देखी मैं उसका चेहरा नहीं देख पाया। पर में जानता था कि वह मिस्टर आर्नल्ड नहीं था। वह मिस्टर आर्नल्ड से लम्बे कद का आदमी था। इसके आलावा जब मैं क्लब हाऊस गया तो मिस्टर आर्नल्ड वहाँ ताश खेल रहा था। वह सुबह से ही खेल रहा था।"

"और अगली सुबह तुम उसी रास्ते से आये?" मिस्टर जेमिसिन ने उससे पूछा।

"अगली सुबह मैं उसी रास्ते से आया और उस जगह जहाँ रात के समय मैंने उस आदमी को देखा था, वहाँ मुझे यह मिला।" थामस ने एक छोटी-सी वस्तु अपनी जेब से निकाली और मिस्टर जेमिसन ने वह ले ली। तब मुझे दिखाने के लिए उसने उसे अपनी हथेली पर रखा। यह उस मोतियों वाली कफ़ की ज़ंजीर का दूसरा आधा भाग था!

लेकिन मिस्टर जेमिसन ने उससे सवाल पूछने बन्द नहीं किये।

"सो तुमने क्लब में यह साम को दिखायी और उससे पूछा कि क्या वह किसी ऐसे व्यक्ति को जानता है, जिसके पास ऐसी ज़ंजीर हो? और उसने कहा—क्या कहा?"

"साम ने कहा कि मैंने ऐसे कफ बटनों की जोड़ी मिस्टर जैक बैले की कमीज में लगी हुई देखी है।

"मैं इस ज़ंजीर को कुछ समय के लिए अपने पास रखता हूँ थामस," जासूस ने कहा। "बस यही तुमसे पूछना था। अब तुम जा सकते हो।"

थामस के जाते ही मिस्टर जेमिसन ने तीखी दृष्टि से मुझे देखा।

"देखा आपने मिस इनेस," उसने कहा। "मिस्टर बैले इस चीज़ में जान बूझकर फँस रहा है। अगर उस शुक्रवार की रात को मिस्टर बैले मिस्टर आर्मस्ट्राँग को मिलने की आशा से यहाँ आया और उसे नहीं मिल पाया, तो क्या अगली रात उसे जाते हुए देख कर उसकी हत्या नहीं कर सकता था, जैसा कि उसने पहले हत्या करनी चाही थी?"

"लेकिन इसका कारण?" मैंने साँस खीचकर पूछा।

"मेरे ख़्याल में इसका कारण क्या था, साबित किया जा सकता है। आर्नल्ड आर्मस्ट्राँग और जान बैले उस समय से एक-दूसरे के प्रतिद्वन्दी चले आ रहे हैं, जब मिस्टर बैले ने ट्रेडर्स बैंक के खजांची की हैसियत से आर्नल्ड को कानून की पकड़ में लगभग फँसा ही दिया था। इसके अलावा आप यह मत भूलिये कि दोनों व्यक्ति मिस गर्टरूड में अपनी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। बैले का भाग जाना भी अच्छा नहीं है।"

"और आपका ख़्याल है कि हाल्से ने भागने में उसकी सहायता की?"

"बेशक!" भागने के अलावा और यह क्या है? मिस इनेस, उस शाम को कुछ हुआ, आइये उसका विश्लेषण करें। क्लब में बैले और आर्मस्ट्राँग झगड़ पड़े थे। इसका मुझे आज पता लगा। आपका भतीजा बैले को यहाँ ले आया। ईर्ष्या और क्रोध से भरा हुआ आर्मस्ट्राँग उनके पीछे-पीछे आया। जिस

तरफ बिलियर्ड का कमरा है, घर के उस भाग में वह घुसा। शायद उसने दरवाज़ा खटखटाया और आपकी भतीजी ने उसे अन्दर आने दिया। अन्दर आते ही उसे किसी ने सीढ़ियों पर से गोली मार दी। गोली चली और आपका भतीजा और बैले उसी समय घर छोड़कर चले गये। वे नीचे की सड़क से गये, जहाँ से उनके जाने की आहट नहीं लग सकती थी। जब आप और मिस गर्टरूड नीचे आयीं तो हर चीज़ शान्त थी।"

"पर गर्टरूड की कहानी?" मैंने रुक कर कहा।

"मिस गर्टरूड ने केवल अगली सुबह ही अपना बयान दिया। मुझे उस पर विश्वास नहीं है, मिस इनेस! यह एक प्यार करने वाली चतुर स्त्री की कहानी है।"

"और यह जो आज रात को हुआ है?"

"यह शायद इस मामले के बारे में मेरे पूरे दृष्टिकोण को बदल देगा। आखिर हमें हर छोटी से छोटी शंका का फ़ायदा उठाना होगा। उदाहरणार्थ, हम ड्योढ़ी पर देखी गयी आकृति की तरफ आयें। अगर वह स्त्री थी, जिसे कि उस रात आपने खिड़की से देखा था, तो हमें किसी और आधार पर सोचना होगा, वरना मिस इनेस का बयान हमें दूसरी दिशा में ले जायगा। यह संभव है कि उसने आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग को एक चोर समझ कर गोली मारी हो और बाद में डर के कारण भाग गया हो। खैर, किसी भी दशा में मुझे यह विश्वास है कि उसके जाने के पहले मृत शरीर यहीं था। मिस्टर आर्मस्ट्रॉंग चाँदनी रात में सैर करने के बहाने लगभग साढ़े ग्यारह बजे क्लब छोड़कर गया। जब गोली चली, उस समय तीन का समय था।"

मैं उलझन में पड़ गयी। मुझे लगा कि यह शाम महत्वपूर्ण घटनाओं से भरी हुई है। काश मेरे पास चाबी होती! चाबी होती! क्या गर्टरूड ही लांड्री में थी? लाज के पास रास्ते पर वह कौन व्यक्ति था और लाज की बैठक में मैंने जो सोने की कढ़ाई वाला थैला देखा था, वह किसका था?"

काफ़ी देर हो चुकी थी। जब मिस्टर जेमिसन जाने के लिए उठा, मैं उसके साथ दरवाज़े तक गयी और वहाँ हम एक साथ खड़े बाहर घाटी के उस पार देखने लगे। नीचे कैसानोवा नामक गाँव था, जिसके पुराने घर थे, टहकते हुए वृक्ष थे और वहां शांति विराजमान थी। घाटी के उस पार पहाड़ी पर ग्रीनवुड क्लब की रोशनियाँ थीं। उनके समानांतर मुड़ती हुई रोशनियों की एक पंक्ति भी दीख रही थी। यह "मैरेज रोड" की रोशनियाँ थीं। क्लब के बारे में मैंने जो अफ़वाहें

सुनी थीं, वे फिर मेरे दिमाग में घूमने लगीं—शराब पीना, जुआ खेलना और एक बार एक साल पहले उन्हीं रोशनियों के नीचे किसी की आत्महत्या !

मिस्टर जेमिसन गाँव की तरफ छोटे रास्ते से चला गया। मैं अभी तक वहीं खड़ी थी। यह ग्यारह बजे के बादका समय होगा। मेरे पीछे सीढ़ियों पर बड़ी घड़ी की उकताहट भरी टिक टिक की एकमात्र आवाज़ थी। तब मुझे लगा कि कोई रास्ते पर ऊपर की ओर दौड़ा आ रहा है ! खुले हुए दरवाज़े में से जो प्रकाश बाहर पड़ रहा था, उसमें एक स्त्री दिखायी दी और दूसरे ही क्षण उसने मेरी बाहँ पकड़ ली। वह रोज़ी थी। भय के कारण वह जैसे बेहोशी की सी हालत में थी और उसके हाथ में मेरे यहाँ की प्लेट थी और चाँदी का चम्मच था।

वह वहाँ खड़ी अपने पीछे के अंधकार को एकटक देखने लगी। वह अभी तक प्लेट को पकड़े हुए थी। मैं उसे घर में ले गयी और प्लेट को संभालकर रख दिया। तब मैंने उसकी ओर देखा। वह दरवाज़े के पास खड़ी काँप रही थी।

"हाँ, तो क्या तुम्हारे प्रेमी ने खाना नहीं खाया ?"

वह बोल न सकी। उसने चम्मच की ओर देखा, जो अभी तक उसके हाथमें था, लेकिन मुझे उसकी इतनी परवाह नहीं थी। वह कोई हथियार नहीं था। तब उसने मेरी ओर एकटक देखा।

"मुझे खुशी है कि तुम उसका इतना ख़्याल रखती हो," मैंने कहा।

"मेरा प्रेमी यहाँ नहीं है," अब वह कुछ संभल गयी थी और पहले की तरह घबरायी हुई नहीं थी। "मेरे—मेरे पीछे एक चोर लगा हुआ था, मिस इनेस !"

"क्या उसने घर से ही तुम्हारा पीछा किया ?"

रोज़ी रोने लगी—धीमे—धीमे नहीं, बल्कि ऊँची आवाज़ में पागलों की तरह मैंने उसे खूब झकझोरा और चुप कराया।

"आखिर बात क्या है ?" मैंने पूछा। "यहाँ बैठ जाओ और मुझे सब कुछ बताओ।"

तब रोज़ी बैठ गयी और उसने एक सिसकी ली।

"मैं रास्ते पर ऊपर आ रही थी," उसने कहना शुरू किया।

"तुम तब से शुरू करो, जब तुम रास्ते से नीचे जा रही थी," मैंने टोक कर कहा। पर उसकी उस नाजुक हालत को देखकर मैंने इस पर ज़ोर नहीं दिया। हाँ, तो तुम ऊपर आ रही थी"

"मेरी बाँह में प्लेटों और चाँदी के चम्मचों से भरी टोकरी लटक रही थी और मैं इस प्लेट को हाथ में पकड़े हुए थी, क्योंकि – क्योंकि मुझे डर था कि कहीं यह टूट न जाय! कुछ आगे जाने पर मैंने देखा, एक आदमी झाड़ियों में से बाहर निकला और उसने अपनी बाँह इस प्रकार आगे बढ़ायी कि मैं वहीं रुक गयी। उसने कहा – उसने कहा, जरा ठहरो, मैं देखना चाहता हूँ कि टोकरी में क्या है?"

"मिस इनेस," उसने कहा "यह वही आदमी होगा। जब उसने यह कहा तो मैं चिल्लायी और उसकी बाँह के नीचे से निकली। उसने टोकरी पकड़ ली और मैंने टोकरी को वहीं पटक दिया। मैं जितना तेज भाग सकती थी, भागी और वह पेड़ों तक मेरे पीछे आया। तब वह रुका। मिस इनेस, यह वही आदमी होगा, जिसने मिस्टर आर्मस्ट्राँग की हत्या की है।"

"मूर्ख मत बनो," मैंने कहा। "जिसने मिस्टर आर्मस्ट्राँग की हत्या की है, वह इस घर से जहाँ तक होगा दूर ही रहेगा। अब जाकर सोओ। और देखो, अगर तुमने यह बात दूसरी नौकरानियों से कही, तो मैं तुम्हारी तनख़्वाह में से इन सभी प्लेटों की कीमत काट लूँगी, जो तुमने रास्ते में तोड़ी हैं।"

जब रोजी ऊपर गयी और अंधकारमय स्थानों में से दौड़ कर गुज़रते हुए जब उसने दरवाज़ा बन्द कर लिया, तो मैं उसके कदमों की आवाज़ सुनती रही। तब मैं बैठ गयी और उस प्लेट और चाँदी के चम्मच की ओर देखने लगी। रोज़ी पर हँसने के बावजूद भी मैं उस सचाई से इन्कार नहीं कर सकती थी कि उस रात कोई व्यक्ति रास्ते में जरूर था, जिसका कि वहाँ कोई काम नहीं था। देखा जाय तो रोजी का भी वहाँ क्या काम था?

तब मुझे लिड्डी का ख़्याल आया। वह शुरू से ही रोजी के हक में नहीं थी? लिड्डी के सामने यदि कभी कोई भविष्यवाणी सच हो गयी, विशेषकर ऐसी भविष्यवाणी जो हानिकारक हो, तो वह हमेशा मुझे उसकी याद दिलाती रहेगी। मैंने सोचा कि सुबह वह जरूर उन टूटी हुई प्लेटों को देखेगी और अजीब अजीब बातें करेगी। इसलिए वे प्लेटें वहाँ से हटा देनी चाहिए। सो मैं दरवाज़ा खोलकर बाहर अंधकार में चल पड़ी। दरवाज़ा बन्द करने पर मुझे इसका अफ़सोस हुआ, पर मैं दृढ़ता से आगे बढ़ी।

जैसा कि मैंने पहले कहा है, मैं कभी भी डरपोक स्त्री नहीं रही हूँ। अंधकार में कुछ क्षण खड़े रहने पर मैं चीज़ों को काफ़ी साफ़ तौर पर देख सकी। ब्योलाह ने

अकस्मात् अपने शरीर को मेरे पाँव से रगड़ा और मैं चल पड़ी। तब हम दोनों साथ साथ नीचे की ओर गयीं।

वहाँ प्लेटों का कोई टुकड़ा नहीं था। पर जहाँ झाड़ियों का झुंड शुरू होता था, वहाँ से मैंने एक चाँदी का चम्मच उठाया। यहाँ तक तो रोज़ी की कहानी सच थी। मैं सोचने लगी कि इस प्रकार आधी रात के समय बाहर घूमना कहीं गलत तो नहीं है, जब कि मेरे बारे में बुरी अफ़वाहें फैली हुई हैं? तब मैंने किसी वस्तु को चमकते हुए देखा। वह कप की डंडी थी। और एक दो कदम आगे जाकर मैंने टूटी हुई प्लेट का टुकड़ा देखा। लेकिन सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात जो थी, वह यह थी कि वहीं टोकरी पड़ी हुई थी और उसमें टूटी हुई प्लेटों को बड़ी सफाई से रखा गया था और उन पर चम्मच, कांटे और दूसरी चीज़ें रखी हुई थीं! मैं वहाँ खड़ी देखती रह गयी। पर रोज़ी अपनी टोकरी कहाँ ले जा रही थी? और क्यों उस चोर ने, अगर वह चोर था, रास्ते पर से प्लेटों के टुकड़ों को चुन कर वहीं छोड़ दिया था?

मैं शायद बेहोश होकर गिरने ही वाली थी कि मुझे मोटर के हार्न की जानी-पहचानी आवाज़ सुनायी पड़ी। ज्यों-ज्यों वह आवाज निकट आयी, मुझे अपनी मोटर की बाहरी आकृति दिखायी दी और मैंने जाना कि हाल्से वापस आ गया है।

आधी रात के समय मुझे इस प्रकार बाहर देखकर हाल्से को भी आश्चर्य हुआ होगा। मैंने ओस से बचाने के लिए अपने गाउन को कंधों पर डाल लिया था। मेरी एक बगल में लाल और हरे रंग की टोकरी थी और दूसरी में काली बिल्ली। मुझे ऐसा लगा जैसे मेरे मन पर से बहुत बड़ा बोझ उतर गया है। मैं खुशी के मारे रोने लगी और उस उत्तेजना में मैंने व्योलाह के शरीर से ही अपनी आँखें पोंछ डालीं।

९
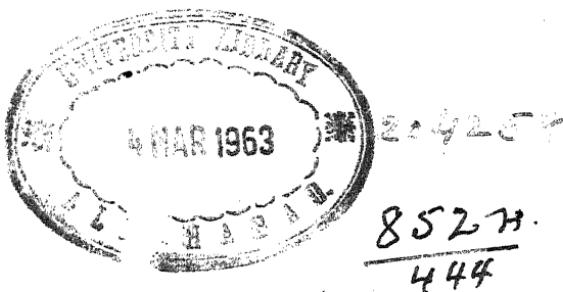
एक लड़की की तरह

"चाची," हाल्से ने, बत्तियों के पीछे जो अंधकार था, वहाँ से पुकारा "आप यहाँ क्या कर रही हैं?"

"सैर कर रही हूँ," मैंने शांत भाव से कहा। मेरा ख़्याल है, उस समय मेरा यह जवाब हममें से किसी को भी बेतुका नहीं लगा। "ओह हाल्से, तुम कहाँ थे?"

"पहले मैं आपको घर ले चलूँ!" वह सड़क पर आ गया था। उसी क्षण उसने मेरी बाहों के नीचे से टोकरी और बिल्ली को ले लिया। अब मैं साफ़ तौर पर मोटर को देख सकी। वार्नर स्टियरिंग पर था। वार्नर लम्बा चोगा पहने हुए था और उसके पाव में स्लीपर थे। जैक बैले वहाँ नहीं था। मैं कार में बैठी और हम आहिस्ता–आहिस्ता चढ़ाई चढ़कर घर तक गये।

हम बोले नहीं। हम जो कहने वाले थे, वह इतना महत्वपूर्ण था कि वहाँ नहीं कहा जा सकता था। इसके अलावा दोनों व्यक्तियों को कार को ऊपर ले जाने में हर तरह की कोशिश करनी पड़ रही थी। केवल उस समय जब हमने सामने का दरवाज़ा बन्द किया और बड़े कमरे में एक दूसरे के सम्मुख खड़े हुए तो हाल्से बोला। उसने अपनी मज़बूत बाँह मेरे कंधों पर रखी और मुझे घुमाकर मेरा चेहरा प्रकाश की ओर किया।

"आपकी यह हालत चाची!" उसने नर्मी से कहा। और फिर मैं रो पड़ी। "मैं–मैं गर्टरूड से भी मिलना चाहता हूँ। हम तीनों मिलकर बातें करेंगे।"

और तब गर्टरूड स्वयं ही सीढ़ियाँ उतर कर आ गयी। प्रकट है, वह सोयी नहीं थी। वह अभी तक वही लिबास पहने हुई थी, जो शाम के समय था और कुछ कुछ लँगड़ा रही थी। जब वह सीढ़ियों पर से आहिस्ता-आहिस्ता उतर रही थी, तो मेरे लिए एक चीज़ देखने का मौका था–मिस्टर जेमिसन ने कहा था कि वह स्त्री जो तहखाने से निकल कर भाग गयी थी, उसके दायें पाँव में जूता नहीं था। गर्टरूड का यह दायाँ टखना ही था, जो मोच खा गया था।

भाई और बहन का यह मिलन बहुत भावुकतापूर्ण था। पर दोनों में से किसी की भी आखों में आँसू न आये। हाल्से ने बहुत प्यार से उसे चूमा और मैंने देखा कि उन दोनों के चेहरों पर एक तनाव और चिन्ता थी।

"सब ठीक तो है?" गर्टरूड ने पूछा।

"हाँ, बिलकुल ठीक?" हाल्से ने चेहरे पर जबर्दस्ती खुशी लाते हुए कहा।

मैंने साथवाले कमरे की बत्ती जलायी और हम उसमें गये। केवल आधा घंटा पहले मैं इसी कमरे में मिस्टर जेमिसन के साथ बैठी थी और उसका गर्टरूड तथा हाल्से पर लगाया जा रहा इल्जाम सुन रही थी कि अधिक नहीं तो कम से कम आर्नल्ड आर्मस्ट्राँग की मृत्यु का उन्हें पता था। अब हाल्से स्वयं अपने बारे में बताने के लिए यहाँ था। मैं वह हर बात जानना चाहती थी, जिसने मुझे उलझन में डाल दिया था।

"मैंने आज रात समाचार-पत्र में इसके बारे में पहली बार जाना।" वह कह रहा था, "मैं अवाक् ही रह गया। मैं तो सोच भी नहीं सकता कि स्त्रियों से भरा यह घर हो और उसमें ऐसी घटना घटे!"

गर्टरूड का चेहरा अभी तक सफ़ेद था। "यहीं पर बस नहीं हाल्से!" उसने कहा, "तुम और जैक लगभग उसी समय यहाँ से गये, जब यह घटना घटी। यहाँ जासूस यह सोचता है कि तुम—कि हम—इसके बारे में कुछ जानते हैं।"

"लानत है उस पर!" हाल्से की आंखें एकटक देख रही थीं। "माफ करना चाची पर—वह आदमी तो पागल है।"

"मुझे सब कुछ बताओ, हाल्से!" मैंने प्रार्थना की," मुझे बताओ कि उस रात या कहो सुबह तुम कहाँ गये थे और क्यों गये थे? ये पिछले अड़तालीस घंटे हम सबके लिए बहुत भयानक साबित हुए हैं।"

वह वहाँ खड़ा मेरी ओर एकटक देखता रहा और मैं उसके चेहरे पर उस घटना का भयानक रूप देख रही थी!

"मैं नहीं बता सकता कि मैं कहाँ गया था चाची!" उसने एक क्षण रुककर कहा, "और क्यों गया था, इसके बारेमें आप जल्दी ही जान जायेंगी। पर गर्टरूड जानती है कि मैं और जैक इस भयानक हत्या की घटना के पहले ही घर से चले गये थे।"

मिस्टर जेमिसन मुझपर विश्वास नहीं करता।" गर्टरूड ने उदास लहजे में कहा, "हाल्से अगर इसका नतीजा अच्छा न निकला? अगर उन्होंने तुम्हें पकड़ लिया। तुम्हें बताना चाहिए।"

"मैं कुछ नहीं बताऊँगा," उसने अपनी आवाज़ में सख्ती लाते हुए कहा। "चची उस रात जैक और मेरे लिए घर छोड़ कर जाना जरूरी था। इस समय मैं नहीं बता सकता कि क्यों ज़रूरी था। और हम कहाँ गये थे, इसके बारे में भी मैं नहीं बता सकूंगा। यह सारा मामला ही वास्तव में मूर्खता से भरा हुआ है। खैर, इस में संभवतः खतरा नहीं है।"

"क्या मिस्टर बैले वापस शहर गया है?"

"कहीं भी नहीं। इस समय वह कहाँ है, मुझे नहीं पता।"

"हाल्से!" मैंने आगे झुकते हुए गंभीरता से पूछा, "क्या तुम्हें थोड़ा-सा भी संदेह है कि किसने आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग की हत्या की है? पुलिस का ख़्याल है कि उसे किसीने अन्दर से आने का रास्ता दिया और गोल सीढ़ी पर खड़े होकर उस पर किसी ने गोली चलायी है।"

"मुझे इसके बारे में कुछ भी पता नहीं है," उसने कहा। लेकिन मैंने गर्टरूड के चेहरे पर अचानक एक चमक देखी जो उसी समय बुझ गयी।

बहुत धैर्य और शांति से मैंने पूरी कहानी पर विचार किया—उस रात से लेकर, जब कि लिड्डी और मैं दोनों ही घर में थीं, रोज़ी के साथ बीती उस विचित्र घटना तक, जब कि किसी ने उसका पीछा किया था। टोकरी अभी तक मेज़ पर पड़ी थी—उस अंतिम रहस्यमयी घटना की बेज़बान गवाह।

"इसके अलावा कुछ और भी है," आखिर मैंने हिचकचाते हुए कहा। "हाल्से मैंने इसके बारे में गर्टरूड को भी नहीं बताया। इस हत्या के दूसरे दिन सुबह मुझे फूलों की क्यारी में पड़ा एक रिवाल्वर मिला था। वह तुम्हारा था हाल्से।"

कुछ देर हाल्से मेरी ओर देखता रहा। तब वह गर्टरूड की ओर मुड़ा।

"मेरा रिवाल्वर टूड!" उसने आश्चर्य से कहा, "क्यों मेरा रिवाल्वर जैक अपने साथ नहीं ले गया क्या?"

"ओह, ईश्वर के लिए यह न कहो!" मैंने विनयपूर्वक कहा, "जासूस का ख़्याल है कि जैक बैले वापस आ गया था और—और तब यह घटना हुई।"

"वह वापस नहीं आया," हाल्से ने सख़्ती से कहा। "गर्टरूड उस रात जब तुम रिवाल्वर जैक को देने के लिये लायीं, तो वह कौन-सा था? मेरा न?"

अब गर्टरूड निडर हो गयी थी।

"नहीं तुम्हारा भरा हुआ था और मुझे डर था कि जैक कुछ करने वाला है। मैंने उसे वह रिवाल्वर दिया, जो गत दो एक वर्ष से मेरे पास था। वह खाली था।"

हाल्से ने निराशा में दोनों हाथ हिलाये।

"क्या लड़कियों जैसी बात की है," उसने कहा। "जैसा मैंने कहा था, वैसा क्यों नहीं किया तुमने गर्टरूड? तुमने बैले को खाली रिवाल्वर देकर चलता किया और मेरा क्यारी में फेंक दिया। कोई और जगह नहीं मिली तुम्हें? मेरा ३८ कैलीबर का था। खोज करने पर निःसंदेह पता लग जायगा कि जिस गोली से आर्नल्ड मरा है, वह ३८ कैलीबर की ही थी। तब मेरा क्या होगा?"

"तुम भूलते हो," मैंने कहा, "रिवाल्वर मेरे पास है और उसका किसी को पता नहीं।"

लेकिन गर्टरूड गुस्से से उठ खड़ी हुई।

"मैं इसे सहन नहीं कर सकती। सब बात मेरे सिर ही आती है।" वह रो कर कहने लगी, "हाल्से, मैंने तुम्हारा रिवाल्वर क्यारी में नहीं फेंका। मेरा ख़्याल है कि तुमने खुद फेंका है।"

मेज़ के दोनों ओर बैठे हुए वे एक दूसरे को एकटक देखने लगे। उनकी दृष्टि कठोर और शकभरी थी। और तब गर्टरूड ने विनयपूर्वक अपने दोनों हाथ उसकी ओर बढ़ा दिये।

"नहीं इस समय नहीं," उसने दुखी आवाज़ में कहा। "इस समय जब कि इतना खतरा है, ऐसी बातें ठीक नहीं हैं। मुझे पता है, इसके बारेमें तुम उतने ही अनजान हो, जितनी मैं। मुझ पर विश्वास करो हाल्से!"

हाल्से ने उसे सांत्वना दी और उनके बीच में पड़ी हुई खाई भर-सी गयी। लेकिन जब मैं सोने के लिए चली गयी, उसके काफ़ी देर बाद वह अकेला ही कमरे में बैठा रहा। मैं जानती थी कि वह इस घटना पर विचार कर रहा था, जैसे जैसे उसने सुनी थी। कुछ बातें, जिनके बारे में मैं अनजान थी, वह उनके बारे में स्पष्ट रूप से जानता था। वह जानता था और गर्टरूड भी कि उस रात जैक बैले और वह क्यों यहाँ से चले गये थे। वह जानता था कि पिछले अड़तालीस घंटों तक वे कहाँ रहे हैं और जैक बैले उसके साथ वापस क्यों नहीं आया है। मैंने अनुभव किया कि इन दोनों बच्चों का—वे सदैव मेरे लिए बच्चे ही हैं—पूर्ण रूप से विश्वास जीते बिना मैं कभी भी उन बातों को नहीं जान सकती, जिनका उन्हें पता था।

जब मैं सोने की अंतिम तैयारी कर रही थी, तो हाल्से ऊपर आया और उसने मेरे दरवाज़े पर दस्तक दी। मैंने उसे अंदर आने के लिए कहा। वह एक क्षण दहलीज़ में रुका। वह बिलकुल ही चुप था। मैं बिस्तर के एक ओर बैठ गयी

और उस गंभीर मौनता में उसके बोलने की प्रतीक्षा करने लगी। पर उसकी हालत बिगड़ती ही गयी। जब वह कुछ सँभला तो वह मुझे बाँह से पकड़ कर शीशे के सामने लाया।

तब मैंने अपना चेहरा देखा। मैंने झुर्रियोंको हटाने वाली जो दवा लगायी थी, उसे उतारना भूल गयी थी और चेहरा बहुत ही भद्दा दीख रहा था। निस्सन्देह स्त्री को अपने सौंदर्य का ख़्याल रखना चाहिए, परन्तु यह भी ज़रूरी है कि किसी को इसका पता नहीं लगना चाहिए। जब मैंने चेहरा साफ़ किया, तो हाल्से फिर गंभीर बन गया और मैं उसकी कहानी सुनने लगी।

"चाची," उसने अपनी सिगरेट को मेरे हाथीदाँत के ब्रश पर दबा कर बुझाते हुए कहना शुरू किया, "मैं आपको सारी बात बताना चाहता हूँ। लेकिन मैं एक या दो दिन तक कुछ नहीं बता सकता। वैसे एक बात मुझे आपसे बहुत पहले बता देनी चाहिए थी। अगर आप उसे जानती होती तो आप मुझ पर आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग की हत्या के सम्बन्ध में किसी किस्म का शक न करतीं। ईश्वर जानता है कि साधारण परिस्थितियों में अगर मुझे डराया जाता और मेरे हाथ में बन्दूक होती तो मैं उस जैसे आदमी के साथ क्या करता। पर मुझे लुई आर्मस्ट्रॉंग का बहुत ख़्याल है चाची। मैं उससे शादी करने की आशा कर रहा हूँ। क्या यह संभव है कि मैं उसके भाई की हत्या करता?"

"उसका सौतेला भाई," मैंने उसे सुधारते हुए कहा। "नहीं बिलकुल नहीं। यह संभव नहीं है। तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया हाल्से?"

"इसके दो कारण थे," उसने धीरे से कहा। "एक तो यह कि आपने पहले ही मेरे लिए एक लड़की का चुनाव कर लिया था—"

"मूर्ख मत बनो," मैंने कहा और मुझे लगा कि मेरा चेहरा लाल हो उठा है। वास्तव में एक लड़की मेरी नज़र में थी—पर खैर, छोड़ो।

"और दूसरा कारण था," उसने कहा, "कि लुई के घर वाले मुझे कबूल न करते।"

इस पर मैं तन कर बैठ गयी और मैंने गहरी साँस ली।

"लुई के घर वाले!" मैंने दुहराया, "बूढ़े पीटर आर्मस्ट्रॉंग और तुम्हारे दादा का क्या मुकाबला है? पता है तुम्हारे दादा लड़ाई के दिनों में गवर्नर थे।"

"खैर, लड़ाई का गवर्नर तो अब इस संसार में नहीं है और उसका अब ब्याह-शादियों से कोई सम्बन्ध नहीं हो सकता," हाल्से ने बीच में रोक कर कहा। "इस समय तो मैं ही हूँ और लुई का पिता समझता है कि मैं लुई के योग्य नही हूँ।"

"अच्छी कही!" मैंने कहा, "तुम्हारी दृष्टि में तुम्हारी जो कीमत है, क्या दूसरे भी वही समझते हैं? याद रखो, हमारे परिवार के व्यक्ति इस प्रकार हमेशा अपनी हीनता प्रकट नहीं किया करते।"

"हाँ, हमेशा नहीं," उसने मुस्कराते हुए मेरी ओर देख कर कहा। "सौभाग्य से लुई अपने परिवार से सहमत नहीं है। वह मुझे कबूल करने को तैयार है, चाहे मैं गवर्नर हूँ या साधारण व्यक्ति। बस एक शर्त है कि उसकी माँ उसे इजाज़त दे दे। वह अपने सौतेले बाप को अधिक नहीं चाहती, पर वह अपनी माँ को पूजती है। आप देखती नहीं कि मैं किस तरह फँसा हुआ हूँ।"

"लेकिन यह सारा मामला मूर्खतापूर्ण है!" मैंने कहा, "और फिर गर्टरूड के इस कथन से कि तुम आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग के आने से पहले चले गये थे, तुम्हारा मामला साफ़ हो जाता है।"

हाल्से उठ खड़ा हुआ और कमरे में इधर-उधर घूमने लगा। उसकी सारी खुशी जाती रही।

"वह यह नहीं कह सकती," उसने अंत में कहा। "गर्टरूड की कहानी वहीं तक सच है, जहाँ तक उसने बतायी है, लेकिन उसने सब कुछ नहीं बताया। आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग यहाँ अढ़ाई बजे आया। वह बिलियर्ड के कमरे में गया और पाँच मिनिट में लौट आया। वह कोई चीज़ देने आया था।"

"हाल्से!" मैंने चीखकर कहा, "तुम मुझे पूरी बात बताओ। हर बार जब मैं तुम्हारे बचने का रास्ता देखती हूँ, तो तुम किसी न किसी रहस्यभरी बात से उसे बन्द कर देते हो। वह क्या लाया था?"

"बैले के लिए एक तार!" उसने कहा। "वह शहर के किसी खास कर्मचारी के हाथ आया था और बहुत ही महत्त्वपूर्ण था। बैले यहाँ के लिए चल पड़ा था और तार लानेवाला कर्मचारी वापस शहर चला गया था। नौकर ने उस तार को आर्मस्ट्रॉंग को दिया, जो दिन भर शराब पीता रहा था और सो नहीं सका था और उस समय सनीसाइड की तरफ सैर करने आ रहा था।"

"और क्या वह लाया?"

"हाँ"

"तार में क्या लिखा था?"

"बताता हूँ—जितनी जल्दी हो सके कुछ चीज़ों को सब पर प्रकट हो जान चाहिए। अब यह कुछ दिनों की ही बात है।"

"और टेलीफोन पर संदेश के बारेमें गर्टरूड का बयान?"

"बेचारी गर्ट्रूड !" उसने होंठों में कहा। "बेचारी नन्हीं-सी लड़की ! चाची, ऐसा कोई संदेश नहीं था। निस्सन्देह आपका जासूस इसके बारे में जानता है और गर्ट्रूड ने जो कुछ कहा है, उसे झूठ समझता है।"

"और जब वह वापस गयी तो क्या — तार लेने गयी ?"

"शायद !" हाल्से ने आहिस्ता से कहा। "जब आप ऐसी बातें सोचती हैं, तो यह हम तीनों के लिए अच्छा नहीं है और फिर भी मैं कसम खाकर कहता हूँ कि हम तीनों में से किसी ने भी आर्मस्ट्रॉंग की हत्या नहीं की।"

मैंने गर्ट्रूड के सिंगार-कमरे के बन्द दरवाज़े की ओर देखा और अपनी आवाज़ धीमी कर ली।

"बार बार वही भयानक विचार मेरे दिमाग में आ रहा है," मैंने कहा, "हाल्से, शायद गर्ट्रूड के पास तुम्हारा रिवाल्वर था। उसने उस रात उसका निरीक्षण किया होगा। जब तुम और जैक बैले चले गये तो क्या पता आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग वापस आया हो, और गर्टरूड ने — गर्ट्रूडने —"

मैं बात समाप्त न कर सकी। हाल्से अपने होंठ भींचे मेरी ओर देखता रहा।

गर्ट्रूड ने दरवाज़े पर उसकी आहट सुनी होगी। पुलिस का कहना है कि आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग के पास चाबी नहीं थी और यह सोचकर कि दरवाज़े पर तुम या जैक में से कोई है, उसने उसे अन्दर आने दिया होगा। अपनी गलती का पता लगने पर सीढ़ियों पर चढ़कर ऊपर दौड़ी होगी। एक दो सीढ़ियाँ चढ़कर घूमकर देखने पर डर के कारण उसने गोली चला दी होगी।"

मेरी बात समाप्त करने के पहले ही हाल्से ने अपना हाथ मेरे हाथों पर रख दिया और उस स्थिति में हम जड़वत् दृष्टि से एकटक एक दूसरे की ओर देखने लगे।

"रिवाल्वर — मेरा रिवाल्वर — फूलों की क्यारी में फेंका हुआ !" उसने अपने आप से कहा, "शायद ऊपरी खिड़की में से फेंका गया हो। आप कहती हैं कि वह गहरा धँसा हुआ था। गर्ट्रूड का तब से लेटे रहना — चाची, क्या आपका ख़्याल नहीं कि वह गर्ट्रूड ही थी, जो उस लॉंडरी में गिरी थी ?"

मैं केवल निराशा भरी स्वीकृति में अपना सिर ही हिला सकी।

१०

ट्रेडर्स बैंक

अगला दिन मंगलवार था। इतवार की सुबह आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग गोल सीढ़ी के पास तीन बजे मरा पाया गया था। उसको मंगलवार के दिन दफ़नाया जाना था, ताकि तब तक कैलेफ़ोर्निया से पाल आर्मस्ट्रांग आ जाय। मेरे ख़्याल में किसी को भी आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग की मौत का ज्यादा अफ़सोस नहीं था। परन्तु जिस ढंग से उसकी मौत हुई, उसने कुछ सहानुभूति अवश्य पैदा की और लोगों के लिए यह बहुत बड़ी हैरानी की बात थी। श्रीमती ओग्डेन फिटज़ुग ने, जो उसकी चचेरी बहन लगती थी, दफ़नाने का कार्य अपने जिम्मे लिया और फिर चारों ओर पहले की तरह ही एक शांत वातावरण फैल गया। मैंने थामस जान्सन और श्रीमती वाट्सन को आर्नल्ड के अंतिम संस्कार पर शहर जाने की इजाज़त दे दी, परन्तु किसी कारणवश उन्होंने जाने की परवाह नहीं की।

हाल्से ने दिन का कुछ भाग मिस्टर जेमिसन के साथ बिताया, परन्तु जो कुछ हुआ उसके बारे में उसने कुछ नहीं बताया। वह गंभीर और उत्सुक दिख रहा था और शाम के समय उसने गर्ट्रूड से देर तक बातचीत की।

मंगलवार की शाम को हम सब शांत थे और यह ऐसी शांति थी, जो किसी विस्फोट के पूर्व चारों ओर छा जाती है। गर्टरूड और हाल्से दोनों उदास और खिन्न से दिख रहे थे और लिड्डी ने प्लेटों के टूटने का पता लगा लिया था। वास्तव में किसी पुराने नौकर से कोई बात गुप्त रखनी असंभव है। मेरी अपनी तबीयत भी अच्छी नहीं थी। वार्नर सात बजे शाम की डाक और समाचार-पत्र लाया। मैं जानने के लिए उत्सुक थी कि देखें इन समाचार-पत्रों में हत्या के बारे में क्या लिखा है। हमने लगभग एक दर्जन संवाददाताओं को लौटा दिया था। पर 'गज़ट' के ऊपर आधे भाग में जो शीर्षक था, मैंने उसे दो बार पढ़ा। तब कहीं मैं उसे समझ पायी। हाल्से 'क्रानिकल' नामक समाचार-पत्र को खोले उसे एकटक देख रहा था।

"ट्रेडर्स बैंक का बन्द होना!" मैंने पढ़ा। फिर मैंने अख़बार रख दिया और हाल्से की ओर देखा।

"क्या तुम इसके बारे में जानते थे?" मैंने उससे पूछा।

"मुझे—इसकी आशा थी, पर इतनी जल्दी नहीं!" उसने उत्तर दिया।

"और तुम्हें?" मैंने गर्टरूड से पूछा।

"जैक ने—हमें—कुछ बताया था," गर्ट्रूड ने धीमी आवाज़ में कहा। "हाल्से, अब वह क्या करेगा?"

"जैक!" मैंने तिरस्कार से कहा, "तुम्हारे जैक के भाग जाने से सारी बात स्पष्ट हो जाती है। और तुमने उसकी सहायता की! तुम दोनों ने उसके भागने में सहायता की! यह चीज़ तुमने अपनी माँ से विरासत में ली है। यह इनेस परिवार की देने नहीं है। क्या तुम जानते हो कि तुम दोनों के पास जितना भी धन है, वह इसी बैंक में था?"

गर्टरूड ने बोलने का प्रयत्न किया, पर हाल्से ने उसे रोक दिया।

"यही सब नहीं है गर्टरूड," उसने शांतिपूर्वक कहा, "जैक पकड़ा गया है।"

"पकड़ा गया है!" गर्टरूड चीखी और उसने अपने हाथ से समाचार-पत्र को फेंक दिया। उसने एक बार उसे उठाकर उसमें के शीर्षक को देखा और फिर उसे तोड़—मरोड़ कर फर्शपर फेंक दिया। हाल्से का चेहरा सफेद पड़ गया था। उसने समाचारपत्र को उठाकर उसे साफ करते हुए पढ़ने की कोशिश की। गर्टरूड अपना सिर मेज पर पटक कर जोर जोर से सिसकियाँ ले रही थी।

समाचारपत्र का वह पुर्जा मेरे पास नहीं है, जिसमें कि जैक के पकड़े जाने की खबर थी, पर इस समय मुझे उसमें की खास खास बातें याद हैं।

सोमवार दोपहर के पश्चात् जब कि बैंक बन्द होने के समय वहाँ गरमा गरमी थी, दो और तीन बजे के बीच मिस्टर जैकब ट्राटमैन, जो कि पर्ल ब्रीविंग कंपनी के अध्यक्ष हैं, बैंक में कुछ रकम उधार लेने आये। सिक्यूरिटी के रूपमें उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्टीमशिप कंपनी ५ के तीन सौ बांड जमा कराये थे। जिनकी कुल कीमत तीन लाख डालर थी। मिस्टर ट्राटमैन ऋण देने वाले क्लर्क के पास गये और कुछ लिखा-पढी होने के बाद क्लर्क दूसरे कमरे की ओर गया। मिस्टर ट्राटमैन जो ऊँचे लम्बे कद के और दयालु स्वभाव के जर्मन थे, कुछ देर प्रतिक्षा में खड़े रहे। ऋण देने वाला क्लार्क वापस नहीं आया। कुछ समय बीतने पर श्री टाटमैन ने क्लर्क को कमरे से निकल छोटे खजांची के पास जाते हुए देखा। फिर दोनों जल्दी-जल्दी उस कमरे में गये। दस मिनट और बीत गये और छोटा खजांची श्री ट्राटमैन के पास आया। वह काँप रहा था और उसका चेहरा सफेद पड़ गया था। उसने श्री ट्राटमैन से कहा कि बांड गलतीसे कहीं रखे गये हैं, जो

इस समय मिल नहीं रहे, इसलिए वे अगले दिन सुबह आयें, उनका काम हो जायगा।

श्री ट्राटमैन एक चालाक व्यापारी थे और उन्हें दिखावा पसंद नहीं था। वे अपने तौर पर संतुष्ट होकर चले गये और आधे घंटे में वे बैंक के डायरेक्टरों के बोर्ड के तीन सदस्यों से मिले। साढ़ें तीन बजे बोर्ड की खास बैठक हुई। जिसमें कुछ शोरगुल हुआ और शाम के कुछ पहले एक राष्ट्रीय बैंक के निरीक्षक के हाथ में बैंक की हिसाब किताबें की सारी किताबें 'चली गयीं। मंगलवार के दिन बैंक नहीं खुला।

शनिवार के दिन साढ़े बारह बजे ज्योंही दिनका काम समाप्त हुआ, बैंक के खजांची श्री जान बैले ने अपना हैट उठाया और चला गया। दोपहरके बाद वह बोर्ड के एक सदस्य श्री आरन्सन से मिला और उससे कहा कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है, इसलिए वह एक या दो दिन बैंक में नहीं आ सकेगा। उसे इजाजत मिल गयी। सोमवार की रात को उसने अपने आप को पुलिसके हवाले कर दिया। शनिवार से सोमवार की रात तक वह कहाँ था और क्या करता रहा था, इसके बारेमें अधिक जानकारी प्राप्त नहीं हुई। हाँ, शनिवार को एक बजे के बाद वह 'वेस्टर्न यूनियन' के दफ्तर में दाखिल हुआ और उसने दो तार भेजे थे। शनिवार की रात को वह ग्रीनवूड कन्ट्री क्लब में था और कुछ बदला हुआ सा लग रहा था। समाचारपत्र में आखिर में यह लिखा था कि वह मंगलवार के दिन किसी समय बहुत बड़ी जमानत पर छूटेगा।

लेख के अंतमें लिखा था कि निरीक्षक के अपना काम समाप्त कर लेने तक बैंक के अधिकारियों ने कोई बात करने से इन्कार कर दिया था। लगभग साढ़े बारह लाख की सिक्यूरिटीज गायब थीं। तब खूब आलोचना होने लगी कि आखिर ऐसी घटना संभव कैसे हो सकती है? एक ही व्यक्ति का बैंक होना कितनी बड़ी गलती है और बोर्ड के ये डाइरेक्टर कैसे हैं, जो केवल भोजन पर ही एक दूसरे से मिलते हैं और खजांची से संक्षिप्त-सी रिपोर्ट सुनकर संतोष कर लेते हैं। सरकार की भी यह कितनी कमजोर नीति है कि वह सालमें केवल दो बार तीन चार दिन के लिये बैंक के निरीक्षण का प्रबन्ध करती है। यह भी कहा गया कि खजांची के पकड़े जाने से ही यह रहस्य नहीं खुल जायेगा। इसके पहले छोटे कर्मचारियों को ऊपरी बड़े अफसरों की करतूतों पर पर्दा डालने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा था। पकड़े जाने के बाद जान बैले के अंतिम शब्द को "यथाशीघ्र श्री आर्मस्ट्रांग को बुलाया जाये" यह संदेश जब तार

द्वारा ट्रेडर्स बैंक के अध्यक्ष श्री आर्मस्ट्रॉंग तक पहुँचा, जो कि केलिफोर्निया के कस्बे में रह रहा था, तो उसका उत्तर डाक्टर वाकरने दिया, जो कि आर्मस्ट्रांग के परिवार के साथ ही रह रहा था। उस उत्तर में उसने कहा कि मिस्टर आर्मस्ट्रांग सख्त बीमार हैं और उनकी हालत सफर करने के लायक नहीं है।

यह थी उस मंगलवार की शाम की स्थिति। ट्रेडर्स बैंकने रुपये देने बन्द कर दिये थे और जान बैले बैंक को फेल करने के इल्जाम में पकड़ा गया था। पाल आर्मस्ट्रांग केलिफोर्निया में सख्त बीमार था और उसके इकलौते बेटे की दो दिन पहले हत्या हो गई थी। मैं हैरान-परेशान सी बैठी थी। बच्चों का धन जाता रहा था। यह बहुत बुरा हुआ। यद्यपि मेरे पास काफी धन था, पर शायद वे उसे लेने से इन्कार कर दें। पर गर्टरूड का जो दुख था, उसे मैं किसी प्रकार भी दूर नहीं कर सकती थी। जिस व्यक्ति को उसने अपने लिए चुना था, उस पर इतने बड़े गबन का इल्जाम लगा हुआ था। उस क्षण मुझे ऐसा प्रतीत हुआ, मानो जान बैले आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग के हत्यारे के रूप में जाल में फँस गया है।

आखिर गर्टरूडने अपना सिर उठाया और मेज की दूसरी ओर बैठे हाल्से की ओर देखा।

"उसने यह क्यों किया?" उसने सिसक कर कहा। "क्या तुम उसे रोक नहीं सकते थे हाल्से? पुलिस के पास वापस जाना अपनी मौत लाने वाली बात थी।"

हाल्से कमरे की खिड़कियों में से एक टक बाहर देख रहा था, परंन्तु प्रकट था कि वह कुछ नहीं देख रहा था।"

"यही एक चीज थी, जो वह कर सकता था टूड!" आखिर उसने कहा, "चाची, जब गत शनिवार की रात को मैंने जैक को ग्रीनवुड क्लब में देखा, तो उसकी पागलों की सी हालत थी। मैं आपको कुछ भी नहीं बता सकता जब तक कि जैक मुझे इजाजत न दे दे। पर वह इस मामले में बिलकुल निर्दोष है। मेरा ख्याल था--मेरा और गर्टरूड का ख्याल था कि हम उसकी सहायता कर रहे हैं, पर यह गलत तरीका था। वह वापस आ गया। क्या वह एक निर्दोष व्यक्ति का काम नहीं है।

"तब वह गया ही क्यों?" मैंने विश्वास न करते हुए पूछा-"क्या कोई निर्दोष व्यक्ति यहाँ से सुबह तीन बजे भाग सकता है? क्या उसके लौट आने का यह कारण नहीं है कि उसे भागकर बचने का कोई रास्ता नहीं दीख रहा था?"

गर्टरूड गुस्से से उठ खड़ी हुई, "आप कुछ नहीं सोच सकतीं!" उसने भड़क कर कहा, "इसके बारे में कुछ नहीं जानतीं और व्यर्थ ही उस पर दोष लगा रही हैं।

"मैं तो यह जानतीं हूँ कि हम काफी बड़ी पूँजी से हाथ धो बैठे हैं।" मैंने कहा, "मैं भी बैले को तब निर्दोष मानूँगी जब उसका दोषी न होना साबित हो जायेगा। तुम असली बात जानती हो, लेकिन मुझे नहीं बताती। आखिर मैं और क्या सोच सकती हूँ?"

हाल्से ने झुक कर मेरा हाथ थपथपाया।

"आपको हम पर विश्वास करना चाहिये," उसने कहा, "जैक बैले के पास एक पैनी भी ऐसी नहीं हैं, जो उसकी अपनी कमायी की न हो। दोषी का एक-दो दिन में पता लग जायगा।"

"जब पता लग जायगा, तब मैं मानूँगी," मैंने गंभीरता से कहा, "इस बीच में मैं किसी पर विश्वास नहीं कर सकती। इनेस परिवार का कोई व्यक्ति इस प्रकार विश्वास नहीं कर सकता।"

गर्टरूड खिड़की के पास खड़ी थी, वह अचानक मुड़ी। "लेकिन हाल्से, जब बॉंड बेंचे जायँगे, तो क्या चोर उसी समय पकड़ा नहीं जा सकेगा?"

हाल्से मुस्कराया।

"ऐसा नहीं होगा।" उसने कहा "वे किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा निकाले गये हैं, जिसकी उन तक पहुँच थी और अब वे किसी दूसरी बैंक में ऋण लेने के लिए इस्तेमाल किये जायँगे। उनकी अस्सी प्रतिशत कीमत मिलने की संभावना है।"

"नकद?"

"नकद।"

"लेकिन जिस व्यक्ति ने यह किया है, क्या उसका पता लग जायेगा?"

"हाँ, मैं पूर्ण विश्वास के साथ कह सकता हूँ। मेरा ख्याल है कि पाल आर्मस्ट्रॉंग ने अपने ही बैंक को लूटा है। इसके परिणाम स्वरूप उसके पास इस समय दस लाख डालर होंगे। लेकिन अब तो वह चलता बना है। मैं इस समय एक भिखारी से भी गया बीता हूँ। मैं लूई को नहीं कह सकता कि वह मेरी हालत की हिस्सेदार बने और जब मुझे उसकी इस अपमान-जनक स्थिति का ख्याल आता है, तो लगता है कि मैं जैसे पागल हो जाऊँगा।"

उस दिन लगा कि जीवन की साधारण सी साधारण घटनाओं में भीं संभावनायें छिपी होती हैं और जब फोन की घंटी बजने पर हाल्से वहाँ गया, तो मैंने

भोजन करना छोड़ दिया। जब वह फ़ोन से वापस आया तो उसका चेहरा बता रहा था कि कोई खास बात हुई है। खैर, जब तक थामस उस कमरे से चला नहीं गया, वह चुप रहा। थामस के जानेपर उसने बतया।

"पाल आर्मस्ट्राँग का देहांत हो गया है," उसने गंभीरता पूर्वक कहा, "आज सुबह केलिफोर्निया में उसका देहांत हुआ। उसने जो कुछ भी किया है, अब वह कानून के पंजे से बाहर है।"

गर्टरूड का चेहरा पीला पड़ गया।

"और एक ही व्यक्ति जो जैक को इस फंदे से छुड़ा सकता था, अब कभी नहीं छुड़ा पायेगा!" उसने निराश होकर कहा—

"और," मैंने कहा "श्री आर्मस्ट्राँग को अब किसी भी हालत में अपना बचाव नहीं करना पड़ेगा। अब जब तुम्हारा जैक अपने हाथमें दो लाख डालर लिये हुए मेरे पास आयेगा, जो कि तुम्हारे नाम पर बैंक में जमा थे, तो मैं उसे निर्दोष मानूँगी।"

हाल्से ने अपनी सिगरेट फेंक दी और मेरी ओर मुड़ा।

"क्या कह रही हैं आप!" उसने कहा "अगर उसने धन चुराया होता तो वह निःसन्देह वापस कर सकता था। मगर वह निर्दोष है, तो उसके पास उस धन का दसवाँ भाग भी नहीं है। क्या औरतों की सी बात की है।"

गर्टरूड का चेहरा जो शुरू में निराश और पीला दीख रहा था, अब अचानक गुस्से से लाल हो उठा। वह उठी और उसने मेरी ओर घृणा से देखा।

"मेरे लिए आप ही माँ के स्थान पर हैं," उसने कहा- "मैं ने आपको वह सब कुछ दिया है, जो मैं अपनी माँ को देती, अगर वे आज जीवित होतीं—अपना प्यार और अपना विश्वास। और अब जब मुझे आपकी इतनी जरूरत है, तो आप मुझे निराश कर रही हैं। मैं कहती हूँ कि जान बैले एक सज्जन पुरुष है, एक ईमानदार व्यक्ति! अगर आप कहती हैं, वह ईमानदार नहीं तो—तो—"

"गर्टरूड!" हाल्से ने तीखी आवाज में टोका। वह मेज़के पास बैठ गयी और बाहों में आपना सिर छिपा कर बेतहाशा रोने लगी।

"मैं उसे प्यार करती हूँ।" उसने इस प्रकार हार मानकर सिसकते हुए कहा जो कि उसके बिलकुल प्रतिकूल था। "मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह सब भी होगा।" उसकी भावुकता के सामने हाल्से और मेरी कुछ न चली। मैं उसे सांत्वना देती, परन्तु उसने मुझे परे हटा दिया था और वह अकेली ही अपने दुख

में डूबी रही। यह दुख उसके लिए एक नये और विचित्र प्रकार का दुख था। अन्त में जब उसका उबाल कम हुआ और वह एक थके हुए बच्चे की तरह हौले-हौले सिसकियाँ भरने लगी, तो उसने बिना सिर ऊपर उठाये अपना एक हाथ आगे बढ़ाया, मानो किसी वस्तु को टटोल रही हो।

"चची!" उस अपनी धीमी आवाज़ में कहा। दूसरे क्षण मैं अपने घुटनों पर झुकी हुई उसके पास बैठी थी। उसकी बाँह मेरी गर्दन में थी और उसका गाल मेरे बालों को छू रहा था।

"मैं इस सारे मामले में कहाँ हूँ?" हाल्से ने अचानक कहा और हम दोनों को अपनी बाहों में लेने की कोशिश करने लगा। इस पर गर्टरूड फिर अपनी पहली हालत में आ गयी। इस छोटे से तूफ़ान ने हवा को साफ़ कर दिया था। फिर भी मेरी राय बदली नहीं। इसके पहले कि मैं जान वैले पर विश्वास करती, बहुत सी बातों की स्पष्टता ज़रूरी थी। हाल्से और गर्टरूड भली भाँति जानते थे कि मैं आसानी से विश्वास करने वाली नहीं थी।

११

हाल्से का चोर को पकड़ना

लगभग साढ़े आठ बजे होंगे, जब हम खाने के कमरे से उठ कर गये। अभी तक हम बैंक के फेल हो जाने और उसके नतीजों के बारे में सोच रहे थे। हाल्से और मैं सैर करने के लिए मैदान में गये। कुछ देर के बाद गर्टरूड भी हमारे पीछे पीछे आयी। शेक्सपियर के शब्दों में गोधूलि के समय का प्रकाश धुँधला पड़ रहा था और अब एक बार फिर झिंगुरों की आवाज़ से रात भरी हुई थी। चारों ओर के सौंदर्य के बावजूद वहाँ एक विचित्र सा अकेलापन था और उस रात अपने शहर की याद में मेरे दिल में एक तीखी टीस उठी—वहाँ के पक्के रास्तों पर घोड़ों के दौड़ने की आवाज़, वहाँ की रोशनियाँ, आवाज़ें, खेलते हुए बच्चों का शोर—हर वस्तु मुझे अपनी ओर खींचती हुई प्रतीत हुई। अंधेरा हो जाने पर गाँव के वातावरण से मुझे डर लगता है। तारे, जो शहर में बिजली के प्रकाश में धुँधले से पड़ जाते हैं, वे यहाँ खूब तेज़ी से चमकते हैं।

जब गर्टरूड हमारे साथ हो ली, तो हमने हत्यारे के बारे में बात न करने की कोशिश की। मुझे विश्वास है कि मेरी तरह ही हाल्से के दिमाग में भी एक रात पहले हुई बातचीत का खयाल मंडरा रहा था। जब हम वहाँ रास्ते पर सैर कर रहे थे, तो जेमिसन वृक्षों की छाया में से निकलकर हमारे सामने प्रकट हुआ।

उसने हमें अभिवादन किया। गर्टरूड कभी भी उसके प्रति नर्मी से पेश नहीं आयी थी और उसने उसके अभिवादन का कुछ रूखा-सा जवाब दिया। खैर, हाल्से उससे काफी अच्छी तरह पेश आया। उस समय हम सबकी मानसिक अवस्था में एक तनाव सा था। फिर हाल्से और गर्टरूड साथ-साथ चलने लगे। जासूस मेरे साथ हो लिया। जब वे कुछ दूर आगे निकल गये, तो जासूस मेरी ओर मुड़ा।

"क्या आप जानती हैं मिस इनेस," उसने कहा, "कि मैं इस मामले में जितनी ही गहरायी में जाता हूँ, मुझे उतनी ही हैरानी होती है। मुझे मिस गर्टरूड के लिये वहुत अफसोस है। ऐसा लगता है कि मिस्टर वैले, जिसे बचाने के लिए इतनी कोशिश की है, बहुत बड़ा बदमाश है। उसके लिए गर्टरूड चाहे कुछ भी करे, बात बननी कठिन है।"

मैंने धुँधलाहट में से कुछ दूर गर्टरूड के लिबासको वृक्षों में चमकते हुए देखा। उसने सचमुच बड़ा साहसभरा संघर्ष किया था। बेचारी! उसे कुछ भी करना पड़ा, उसके लिए मेरे दिल में एक गहरी सहानुभूति थी। काश, वह सारी बात मुझे सच-सच वता देती!"

"मिस इनेस," जेमिसन कह रहा था, "पिछले तीन दिनों में क्या आपने मैदानके आसपास कोई रहस्यमय व्यक्ति देखा है?—कोई—स्त्री?

"नहीं," मैंने उत्तर दिया, "मेरा घर नौकरनियों से भरा हुआ है। यदि कोई व्यक्ति आता तो नौकरानियों ने उसे ज़रूर देखा होता। लेकिन घर के पास कोई विचित्र स्त्री नहीं आयी। वरना लिड्डी तो उसे ज़रूर देख लेती। आप विश्वास कीजिये कि उसकी आँखें दूरबीन से कम नहीं हैं।"

जेमिसन कुछ सोच रहा था।

"इसका भले कोई अर्थ न निकले," उसने धीमे से कहा, "यहाँ आस-पास की चीज़ों से कुछ अंदाज लगाना मुश्किल है, क्योंकि गाँव में हर व्यक्ति विश्वास के साथ कह रहा है कि उसने हत्या होने के पहले या बाद में हत्यारे को देखा है। और उन व्यक्तियों में से आधे तो सबूत देने के लिए थी तैयार हैं। पर वह व्यक्ति जो वहाँ घोड़ागाड़ी चलाता है, ऐसी कहानी बताता है, जो संभवतः महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।"

"मेरा ख़्याल है, मैंने वह कहानी सुनी है। क्या यह वही तो नहीं है, जो कल नौकरानी बता रही थी—एक भूत जो छत पर खड़ा हाथ हिला रहा था? या शायद यह वह है जिसे दूध देने वाले लड़के ने सुनाया था कि एक भिखारी खून से लथपथ अपनी मैली कमीज़ पुल के नीचे पानी की धारा में धो रहा था।"

जेमिसन मुस्कराया तो मैं उसके दांतों की चमक देख सकी।

"इनमें से कोई नहीं," उसने कहा, "पर दोस्त मैथ्यू जीस्ट का कहना है कि शनिवार की रात को साढ़े नौ बजे घूँघट में मुँह छिपाये एक स्त्री —"

"मैं जानती हूँ वह स्त्री घूँघट में मुँह छिपाये ही होगी।"

"हाँ, घूँघट में मुँह छिपाये एक स्त्री," उसने दोहराया, "जो देखने में जवान और सुंदर लगती थी, उसकी घोड़ागाड़ी में बैठी और उसे सनीसाइड की ओर चलने के लिए कहा। फाटक के नज़दीक आकर उसने उसे रोका और कहा कि वह घर तक पैदल ही जाना पसंद करेगी। उसने उसे पैसे दिये और वह उसे वहीं छोड़कर चला गया। अब मिस इनेस आपके यहां तो कोई ऐसी स्त्री नहीं आयी?"

"कोई नहीं!" मैंने आश्चर्यपूर्वक कहा।

"जीस्ट का विचार है कि वह नौकरानी थी। और उस दिन आपके यहां आयी भी थी, पर उसका कहना है कि उसका फाटक के पास आकर गाड़ी में से उतर जाना समझ में नहीं आया। खैर, इस समय हमारे पास एक तो यह घूँघट वाली स्त्री है, और दूसरा शुक्रवार की रात को घर में घुसनेवाला चोर है! इन्हीं में से हत्यारा होगा।"

"यह सचमुच एक रहस्य है," मैंने कहा, "यद्यपि मेरे पास इसका संभव विश्लेषण भी है। ग्रीनवुड क्लब से गांव जाने वाला रास्ता लांज के फाटक के पास से सड़क से मिलता है। वह स्त्री जो छिपकर कन्ट्रीक्लब जाना चाहती थी, वही ऐसा तरीका अख़्तियार कर सकती थी। वहाँ बहुत सी स्त्रियां हैं।"

मेरे ख़याल में इस पर वह कुछ विचार करना चाहता था, क्योंकि कुछ ही देर में उसने मुझसे विदा ली और चला गया। पर मुझे संतोष नहीं हुआ। और एक बात का मैंने पक्का फैसला कर लिया था कि यदि मेरा शक सच था, तो मैं अपने लिये स्वयं अन्वेषण कार्य करूँगी और जेमिसन को केवल उसी बात के बारे में बताऊँगी, जो उसके लिए फायदेमंद होगी।

हम वापस घर गये और गर्टरूड जो हाल्से से बातें करने के पश्चात् अब अच्छी हालत में थी, पत्र लिखने के लिए मेज़ पर बैठ गयी। हाल्से पूर्वी भाग में चुपचाप इधर उधर घूमता रहा। कभी वह ताश खेलने वाले कमरे में जाता और

कभी बिलियर्ड खेलनेवाले कमरे में वह बैठक के गुलाबी और सुनहले रंग के पर्दों में सिगरेट के धुएँ छोड़ता रहा। कुछ देर के बाद बिलियर्ड के कमरे में मैं उसके साथ हो ली और हम साथ-साथ चलते हुए आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग के बारे में बातें करने लगे।

ताश खेलने वाला कमरा बिलकुल अंधेरा था। बिलियर्ड के कमरे में जहाँ हम बैठे थे, केवल एक ही ओर प्रकाश था और हम स्थान एवं समय को देखते हुए बहुत धीमी आवाज़ में बातें कर रहे थे। जब मैंने उस आकृति के बारे में बताया जिसे कि लिड्डी और मैंने शुक्रवार की रात को ताश खेलने वाले कमरे में से बरामदे में देखा था, तो हाल्से अंधेरे कमरे में निरर्थक ही घूमता रहा। फिर हम दोनों ही वहां साथ साथ खड़े हो गये जैसे कि लिड्डी और मैं एक रात वहाँ खड़े थे।

उस अंधकार में खिड़की उसी प्रकार धुँधली-सी दीख रही थी। वहाँ से कुछ ही कदम दूर वह स्थान था जहाँ हमने आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग का मृत शरीर देखा था। मैं कुछ घबरायी हुई थी और मैंने हाल्से की बाँह पकड़ ली। अचानक सीढ़ियों के ऊपर से सम्भल-सम्भलकर रखे जा रहे कदमों की आहट आयी। पहले मुझे विश्वास न हुआ, पर हाल्से के रवैये से मैंने जाना कि उसने वह आहट सुनी थी और अब भी सुन रहा था। ऐसा लग रहा था, जैसे कोई धीमे-धीमे, माप-माप कर बहुत सावधानी से कदम रख रहा था। अब वह आवाज़ और निकट आ गयी थी। हाल्से ने मेरे हाथ की अँगुलियों को ढीला करने की कोशिश की। मैं इतनी घबरायी हुई थी कि मेरे हाथ-पाँव जवाब दे रहे थे।

गोल घूमती हुई रेलिंग से किसी के शरीर के सरसरने की आवाज़ बहुत स्पष्ट थी और वह जो भी कोई था, अब सीढ़ियाँ उतरता हुआ नीचे आ गया था। उसने बिलियर्डवाले कमरे के दरवाज़े में हमारी आकृतियां देख ली थीं। हाल्से मुझे एक ओर हटाकर आगे बढ़ा।

"कौन है ?" हाल्से ने उंची आवाज़ में कहा और उसने सीढ़ी की ओर जल्दी जल्दी पाँच-छः कदम उठाये। उसी समय किसी के गिरने की आवाज़ आयी। बाहर का दरवाज़ा जोर से बन्द हुआ और एक क्षण भर के लिए सब शांत हो गया। मेरा ख्याल है कि मैं चिल्लायी। तब मुझे याद है कि मैंने बत्तियाँ जलायीं और हाल्से को देखा। उसका चेहरा डर के कारण सफेद-सा हो गया था और वह एक सफेद कम्बल में से अपने आपको छुड़ाने की कोशिश कर रहा था, जैसे कि वह उसमें फँसा हुआ हो। गिरने से उसके माथे पर थोड़ी-सी चोट

आयी थी और उस समय वह बड़ा भयंकर दीख रहा था। उसने वह कम्बल मेरी ओर फेंका और बाहर के दरवाजे को झटके से खोलकर अंधकार में दौड़ा।

आवाज सुनकर गर्टरूड आ गयी थी और अब हम एक दूसरे को एकटक देखती हुई खड़ी थीं। हमारे सामने वह सफ़ेद रंग का रेशम और ऊन का बना कम्बल था। वह बहुत ही सुन्दर था। उसकी हल्के पीले रंग की किनारी थी और उसमें से भीनी-भीनी सुगंधि आ रही थी। आखिर गर्टरूड बोली—

"कोई इसे ले जा रहा था?" उसने पूछा।

"हाँ, कोई उसे ले जा रहा था, हाल्से ने उसे रोकने की कोशिश की और गिर पड़ा। गर्टरूड यह कम्बल मेरा नहीं है। मैंने पहले इसे कभी नहीं देखा।"

उसने कम्बल उठाया और उसे देखने लगी। तब वह बरामदे में खुलनेवाले दरवाजे के पास गयी और उसने उसे खोल दिया। घर से लगभग सौ फुट दूर दो आकृतियां धीमे-धीमे हमारी ओर आ रही थीं। जब वे निकट आ गयीं तो मैंने देखा कि उनमें से एक हाल्से था और उसके साथ श्रीमती वाटसन थीं।

१२

एक के बाद दूसरा रहस्य

यदि परिस्थितियाँ असाधारण बन जायें तो साधारण से साधारण घटना भी नया रूप धारण कर लेती है। ऐसा कोई कारण नहीं था कि श्रीमती वाटसन जरूरत पड़ने पर कम्बल न ले जाती। परन्तु रात के ग्यारह बजे कम्बल ले कर जाना और इस सावधानी से कि कहीं जाने की आहट कोई सुन न ले और फिर पता लग जाने पर उसे हाल्से पर फेंक कर दौड़ पड़ना— इसने इस घटना को अधिक महत्त्वपूर्ण बना दिया।

वे आहिस्ता-आहिस्ता चलते हुए मैदान को पार कर सीढ़ियाँ चढ़ने लगे। हाल्से धीमे-धीमे बात कर रहा था और श्रीमती वाटसन नीचे देखती हुई सुन रही थी। उस स्त्री में कुछ अंशों तक गर्व भरा हुआ था और मेरी दृष्टि में वह बहुत ही योग्य स्त्री थी, यद्यपि लिड्डी के लिए उसमें नुक्स निकालना बड़ी बात न थी। परन्तु इस समय श्रीमती वाटसन का चेहरा एक पहेली बना हुआ था।

इस प्रकार पकड़े जाने पर भी वह निडर दिख रही थी, यद्यपि उसके मुख पर अभी तक घबराहट के चिन्ह थे।

" श्रीमती वाटसन, " मैंने सख्ती से कहा, " क्या यह जो असाधारण घटना हुई है, इसके बारे में ठीक ठीक बताओगी ? "

" मैं इसे असाधारण नहीं समझती मिस इनेस, " उसकी आवाज़ गंभीर और स्पष्ट थी। " मैं कम्बल नीचे थामस के लिए लेकर जा रही थी। वह कुछ अस्वस्थ है। और मैं इस सीढ़ी के रास्ते नीचे आयी, क्योंकि इधर से लाज का रास्ता नज़दीक पड़ता है। जब मिस्टर इनेस ने मुझे बुलाया और वे मुझ पर झपटे तो मैं—मैं घबरा गयी। मैंने कम्बल उन पर फेंक दिया। "

हाल्से दीवाल पर लगे छोटे-से शीशे में अपने माथे पर के घाव को देख रह था। घाव बहुत बड़ा नहीं था, परन्तु खून काफ़ी बह गया था। और उसका चेहरा कुछ भयानक दिख रहा था।

" थामस बीमार है ? " हाल्से ने कुछ मुड़कर देखते हुए कहा। " मेरा ख्याल है मैंने थामस को उस समय वहाँ खड़े देखा था, जब तुम दरवाज़े में से निकल कर बरामदे की ओर भागी थीं। "

" क्या यह किसी नौकर का कम्बल है श्रीमती वाटसन ? " मैंने उसे प्रकाश में देखते हुए पूछा।

" और तो सब चीज़ें ताले में बन्द हैं, " उसने उत्तर दिया।

अगर थामस बीमार है, " हाल्से ने कहा, " तो घर के किसी व्यक्ति को उसे देखने वहाँ जाना चाहिए। तुम चिन्ता न करो श्रीमती वाटसन, मैं कम्बल ले जाता हूँ। "

वह जल्दी से मानो विरोध में तनकर खड़ी हो गयी, पर कुछ न बोली और फिर वह वहाँ खड़ी अपने काले लिबास की सिलवटों को ठीक करने लगी। उसका चेहरा बिलकुल सफ़ेद पड़ गया था। तब जैसे उसने किसी बात का निश्चय किया।

" अच्छी बात है मिस्टर इनेस, " उसने कहा, " आप जाइये। मैं जो कुछ कर सकती थी, वह मैंने किया है। "

और तब वह मुड़ी और आहिस्ता—आहिस्ता बड़े गर्व से ऊपर गोल सीढ़ी की ओर गयी। नीचे हम तीनों एक दूसरे की ओर देख रहे थे।

" मैं कहता हूँ, " हाल्से ने कहा, " यह घर नहीं, एक भयानक किस्म का चलता-फिरता भूतखाना है। मुझे लगता है कि इन हम तीनों, जो शहर से

भूतों के घर में रहने आये हैं और काफ़ी बड़ी रकम खर्च की है, भयंकर स्थान में रह रहे हैं। दिन-दिन हमें यहाँ अजीब-अजीब चीजें देखनी पड़ रही हैं, हालांकि हमारा उनसे कोई वास्ता नहीं है।"

"क्या तुम्हारा ख्याल है," गर्टरूड ने संदेह प्रकट करते हुए पूछा, "कि वह थामस के लिए ही कम्बल लेकर जा रही थी?"

"जब मैं श्रीमती वाटसन के पीछे भागा," हाल्से ने कहा, "तो थामस मैगनोलिया के वृक्ष के पास खड़ा था। इसका यह मतलब है चची कि रोज़ी की टोकरी और श्रीमती वाटसन का कम्बलदोनों एक ही चीज़ की ओर संकेत करते हैं कि लाज में कोई व्यक्ति छिपा हुआ है या उसे छिपाया गया है। इसमें संदेह नहीं कि अब हमें सारी स्थिति को समझने का सूत्र मिल गया है। खैर, मैं लाज में पता लगाने जा रहा हूँ।"

गर्टरूड भी जाना चाहती थी, पर वह इतनी घबरायी हुई थी कि मैंने उसे न जाने के लिए मजबूर किया। मैंने लिड्डी को बुलाया, ताकि वह गर्टरूड को बिस्तर पर ले जाये। और तब हाल्से और मैं लाज की ओर चल पड़े। घास ओस से भीगी हुई थी और हाल्से ने बड़ी निडरता से मैदान में से जाने वाला छोटा रास्ता चुना। आधे रास्ते में जाकर वह रुक गया।

"हम रास्ते से चलें तो अच्छा रहेगा," उसने कहा, "यहा मैदान नहीं है, यह खेत है। आजकल माली कहाँ है?"

"माली तो कोई नहीं है," मैंने कहा। "इतना ही काफी है कि हमारा भोजन बन जाता है और दूसरा छोटा-मोटा काम हो जाता है। यहाँ जो माली था, वह क्लब में काम करता है।"

"कल मुझे याद कराना, मैं कस्बे में से आदमी भेजूँगा।" उसने कहा। "मैं एक बहुत अच्छे माली को जानता हूँ।"

मैं इस बात का इसलिए उल्लेख कर रही हूँ कि दूसरे दिन हाल्से ने जो माली भेजा, उसने निकट भविष्य में होने वाली घटनाओं में महत्त्वपूर्ण भाग लिया और उन घटनाओं मे चारों-ओर हलचल मचा दी। खैर, उस समय तो मैं इन चीजों से बचने की कोशिश कर रही थी और उस समय जो साधारण-सी बात लग रही थी, उसकी ओर मैंने लगभग कोई ध्यान नहीं दिया।

रास्ते पर चलते हुए मैंने हाल्से को वह स्थान दिखाया, जहाँ मुझे रोज़ी की टोकरी मिली थी, जिसमें टूटी हुई प्लेटों के टुकड़े भरे पड़े थे। उसे कुछ संदेह था।

"शायद वार्नर होगा," मेरी बात खत्म होने पर उसने कहा। "उसने रोज़ी के साथ मज़ाक किया होगा और अन्त में सड़क पर से प्लेटों के टुकड़े उठा डाले होंगे कि कहीं आने-जाने वाली मोटरों के टायर न फट जायँ।" इससे पता लगता है कि कई बार आदमी सचाई के कितना निकट आ जाता है और फिर भी उसे पा नहीं सकता।"

लाज में हर चीज़ शांत थी। नीचे बैठक में रोशनी जल रही थी। ऊपर के कमरों में एक धुँधला-सा प्रकाश था। हाल्से रुका और उसने बड़े ध्यान से लाज को देखा।

"चची, मैं कह नहीं सकता," उसने कुछ संदेह से कहा, "कि यह किसी स्त्री के करने लायक काम है। अगर कोई भी बात हुई तो आप यहाँ से भाग जाइये।" इससे प्रकट है कि हाल्से को मेरी कितनी चिन्ता थी।

"मैं यहीं रहूँगी," मैंने कहा और उस छोटे-से बरामदे को पार किया, जिस पर छायी हुई फूलों की बेल महक रही थी। आखिर मैंने दरवाजा खटखटाया।

थामस ने स्वयं दरवाज़ा खोला! थामस बिलकुल स्वस्थ था और पूर्णरूप से वस्त्रोंसे सुसज्जित था। मैंने कम्बल बाँह पर रख लिया था।

"मैं कम्बल लायी हूँ थामस!" मैंने कहा, "मुझे अफसोस है, तुम बीमार हो।"

वह बूढ़ा आदमी वहाँ खड़ा मेरी ओर एकटक देखता रहा और फिर कम्बल की ओर। अन्य परस्थितियों में उसकी यह व्याकुलता और घबराहट हास्यास्पद होती।

"क्यों, बीमार नहीं हो!" हाल्से ने कहा। "थामस, मुझे लगता है तुमने काम से बचने के लिए यह बीमारी का बहाना किया है।"

थामस जैसे दुविधा में पड़ा हुआ था। अब वह बरामदे में आ गया और उसने अपने पीछे धीरे से दरवाज़ा बन्द कर दिया।

"बेहतर है, आप अन्दर आ जाइये मिस इनेस," उसने कहा। "एक दिन तो इसका पता लगना ही है।"

तब उसने दरवाज़ा खोला और मैं कमरे के अन्दर गयी। हाल्से भी मेरे पीछे था। बैठक में जाकर बूढ़ा थामस शांत भाव से हाल्से की ओर मुड़ा।

"आप यहाँ बैठिये!" उसने कहा। "यह स्थान स्त्रियों के लिए है।"

जैसा कि हाल्से ने सोचा था, बात वैसी नहीं दिख रहीं थी। वह मेज़ के पास बैठ गया। उसके हाथ जेबों में थे और वह मुझे थामस के पीछे-पीछे उस तंग-सी सीढ़ी पर चढ़ते हुए देख रहा था। ऊपर एक स्त्री खड़ी थी और जब मैंने उसे ध्यान से देखा, तो लगा वह रोज़ी थी। वह कुछ पीछे हट गयी, पर मैंने कुछ न

कहा। और तब थामस ने थोड़े-से खुले हुए एक दरवाज़े की ओर संकेत किया और अन्दर चला गया।

लाज में ऊपर तीन सोने के कमरे थे, जो पूर्ण रूप से सुसज्जित थे। इस कमरे में जो सबसे बड़ा और खूब हवादार कमरा था, उसमें एक लैंप जल रहा था। उसके प्रकाश में लोहे की सादी सी सफ़ेद रंग की चारपाई मैं देख रही थी। एक लड़की उस पर सोयी हुई थी या शायद बेहोशी की हालत में थी, क्योंकि वह किसी किसी समय कुछ बड़बड़ा रही थी। रोज़ी ने अन्दर आनेका साहस किया और आते ही लौ तेज़ कर दी। केवल तब मैं ठीक तरह से देख पायी। मैंने बुखार के कारण लेटी हुई लुई आर्मस्ट्राँग को पहचान लिया।

मैं आश्चर्यचकित उसे एकटक देखती रही। यहाँ लाज में बीमारी की हालत में और वह भी अकेले लुई का छिपे होना! आखिर इसका क्या कारण था? रोज़ी बिस्तर के पास आयी और चद्दर की सिलवटें निकालने लगी।

"आज लुई की हालत नाज़ुक है," आखिर उसने कहा। मैंने लुई के माथे पर अपना हाथ रखा। वह बुखार के कारण तप रहा था। और मैं दूसरे कमरे की ओर मुड़ी जहाँ थामस बैठा था।

"क्या मुझे बता सकते हो थामस, कि इस बात को मुझसे गुप्त रखने का क्या कारण था?" मैंने गुस्से से पूछा।

थामस भय से कांपने लगा।

"मिस लुई ने मुझे मना किया था," उसने सच सच बता दिया। "मैं तो बताना चाहता था। जिस रात वह आयी, उसकी हालत बहुत खराब थी। उसे उसी समय डाक्टर को दिखाना चाहिए था। पर वह न मानी। क्या उसकी— उसकी हालत बहुत खराब है मिस इनेस?"

"काफी खराब है," मैंने धीरे से कहा। "मिस्टर इनेस को ऊपर बुलाओ।"

हाल्से धीमे-धीमे सीढ़ियां चढ़कर ऊपर आया। ऐसे लग रहा था मानो वह काफी दिलचस्पी ले रहा था। एक क्षण के लिए वह उस अंधेरे कमरे में स्पष्ट रूप से कुछ न देख सका। वह रुका। उसने रोज़ी और मेरी ओर देखा और तब उसकी दृष्टि लुई के चेहरे पर पड़ी। मेरा ख़्याल है, उसे देखने के पहले ही वह जान गया था कि यह कौन है। कुछ कदमों में ही वह बिस्तर के पास आया और उस पर झुक गया।

"लुई!" उसने नर्मी से कहा। उसने कोई उत्तर न दिया। उसको आँखों ने जैसे उसे पहचाना नहीं था। हाल्से अभी कम उम्र का था और बीमारी उसके

लिए नयी थी। वह आस्ताहि—आहिस्ता सीधा खड़ा हुआ। वह अभी तक उसे देख रहा था। उसने उसकी बाँह पकड़ ली।

"यह मर रही है चची!" उसने घबराहट-भरे स्वर में कहा। "मर रही है। यह मुझे क्यों नहीं पहचानती!"

"होश से काम लो!" मैंने कहा। जब भी कोई मेरे अंतर की सहानुभूतिक ! जगाता है, तो मैं खीझ उठती हूँ। "इसे कुछ नहीं हो रहा है। और मेरी बाँह को मत दबाओ। यदि तुम कुछ करना ही चाहते हो तो जाओ और जाकर थामस का गला घोंटो।"

परन्तु उसी क्षण लुई अपनी बेहोशी त्याग कर खाँसी और खाँसी रुकने पर उसने हमें पहचान लिया। हाल्से यही चाहता था। लुई के होश में आ जाने पर उसने समझा कि उसे आराम हो गया है। वह बिस्तर के पास घुटनों के बल झुक कर उसे बताने लगा कि वह बिलकुल ठीक है और वह बहुत सुन्दर लग रही है। इसके आगे वह कुछ न कह सका और चुप हो गया। उसी समय मैंने उसे जाने को कहा।

"इसी समय," उसके हिचकिचाने पर मैंने उसे आज्ञा दी, "और रोजी को यहां भेजो।"

वह दूर नहीं गया। वह सीढ़ी के ऊपरी डंडे पर बैठ गया। फिर वह केवल डाक्टर को टेलीफोन करने के लिए ही उठा। आखिर मैंने उसे वहाँ से भेज दिया। मैंने उसे मोटर का प्रबन्ध करने के लिए कहा, ताकि अगर डाक्टर की सलाह हो, तो हम लुई को यहां से ले जा सकें। वह चला गया और उसने वहां से गर्टरूड को लाज में भेजा। गर्टरूड आयी, तो बहुत-सी चीजें लायी। उनमें कई तौलिये थे और एक लेप का डिब्बा था। गर्टरूड और लुई का पहले से एक दूसरे से परिचय था, इसलिए गर्टरूड को देखकर लुई का चेहरा चमक उठा।

कैसानोवा के डाक्टर वाकर के उपस्थित न रहने से एंग्लवुड से एक डाक्टर सनीसाइड के लिए चल पड़ा था। उसके आने तक मैंने थामस से देर तक बातें की और उससे मुझे कुछ बातों का पता चला।

शनिवार की शाम को लगभग दस बजे जब वह नीचे बैठक में पढ़ रहा था, तो किसी ने दरवाजा खटखटाया। वह अकेला ही था। वार्नर अभी नहीं आया था। पहले तो वह दरवाजा खोलने के बारे में फैसला न कर सका। अन्त में उसने दरवाजा खोला आर लुई आर्मस्ट्रांग को देखकर वह हैरान रह गया। थामस

ही रहा था। वह लुई को देखकर बेहद खुश हुआ। उसने देखा कि लुई घबराई हुई और थकी हुई थी। वह उसे बैठक में ले आया और वहाँ उसे बैठाया। कुछ देर के बाद वह घर गया और भीतर ही वाटसन को बुलाकर लाया। वे देर रात गये तक बातें करते रहे। थामस ने बताया कि लुई किसी मुसीबत में हैं और डरी हुई लग रही है। श्रीमती वाटसन ने चाय बनायी और लाज में लेकर गयी। लुई ने दोनों से वादा लिया कि वे उसके बारे में किसी से कुछ न बतायेंगे। उसे पता न था कि सनीसाइड किराये पर चढ़ा हुआ था। इससे मामला कुछ पेचीदा बन गया। वह उलझन में पड़ गयी। उसके पिता और उसकी मां अभी तक कैलेफोर्निया में ही थे। उसने उनके बारे में बस इतना ही बताया। वह क्यों भाग कर आयी थी, इसका कारण कोई न जान पाया। इस समय मिस्टर आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग ग्रीनवुड क्लब में था। और अन्त में थामस, जिसे कुछ पता नहीं था कि अब क्या किया जाय, क्लब की ओर चल पड़ा। आधी रात का समय था। कुछ दूर जाने पर स्वयं आर्नल्ड उससे मिला और उसे लाज में ले आया। श्रीमती वाटसन विस्तर के लिए चद्दर लाने घर चली गयी थी, क्योंकि यह फैसला हुआ था कि इन परिस्थितियों में अच्छा यही होगा कि सुबह होने तक लुई लाज में रहे। आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग और लुई में काफी देर तक बात-चीत होती रही। आखिर आर्मस्ट्रांग बहुत गर्म हो गया और ऊँची आवाज में बोलने लगा। जब वह गया तो दो बज चुके थे। वह घर गया था। थामस इसका कारण नहीं जानता था और तीन बजे गोल सीढ़ी के पास उसे गोली मार दी गयी थी।

अगली सुबह लुई बीमार थी! उसने आर्नल्ड के बारे में पूछा था और उसे बताया गया था कि वह कस्बा छोड़कर चला गया है। थामस में इतना साहस नहीं था कि उसके पास हत्या का जिक्र करे। उसने डाक्टर को बुलाने से इन्कार कर दिया और कहा कि उसके बारे में किसीको पता न लगे। श्रीमती वाटसन और थामस के लिए मुश्किल बन गयी थी और अन्त में उन्होंने रोजी की सहायता चाही थी। वह जरूरी चीजें लाज में लायी और उसने लुई के बारे में किसी से नही बताया। थामस ने मुझे साफ तौर से बताया कि वह लुई के बारे में किसीको बताना नहीं चाहता था, क्योंकि उसी रात आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग की हत्या हुई थी और वैसे भी अर्नल्ड के प्रति उसके अच्छे विचार नहीं थे। मेरी तरह ही उसे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी कि लुई कैलेफोर्निया से क्यों भाग आयी है और वहाँ आने पर वह फिट्सुग या कस्बे में अपने अन्य संबंधियों के यहाँ

क्यों नहीं गयी। उसके पिता की मृत्यु हो जाने और अब परिवार के यहाँ लौट आने की संभावना के कारण हालत और भी खराब हो गयी थी। मुझे लगा कि बदलती हुई स्थिति को देखकर मेरी तरह थामस ने भी सुख की साँस ली। लुई को अपने पिता या भाई में से किसी की भी मृत्यु का पता नहीं था।

एक रहस्य खुलता था, तो उसके स्थान पर दूसरा रहस्य आ जाता था। इस बात का तो पता लग गया था कि रोजी क्यों प्लेटों की टोकरी उठाये लिये जा रही थी। पर इस बात का पता नहीं लगा था कि रास्ते में उसे किसने बुलाया था और फिर उसका पीछा किया था। यदि मुझे लुई के लाज में होने का पता लग गया था, तो यह पता नहीं लग रहा था कि हत्या के एक रात पहले आर्नल्ड आर्मस्ट्राँग ने लाज में कुछ समय बिताया था, तो भी यह एक भेद ही था कि उसकी हत्या क्यों की गयी। उस आधी रात के समय घर में घुसने वाला व्यक्ति कौन था, जिसने लिड्डी को और मुझे चौंका दिया था? लांड्री में कौन गिरा था? क्या गर्टरूड का प्रेमी निर्दोष था। समय ही इन प्रश्नों के उत्तर दे सकता था।

१३

लुई

एगल वुड से डाक्टर बहुत जल्दी आ गया और मैं उसके साथ ऊपर लुई के पास गयी। हाल्से चला गया था, ताकि कार में जो गद्दियाँ आदि लगाने का काम हो रहा था, उसका निरीक्षण करे और गर्टरूड घर में लुई के कमरे की खिड़कियाँ आदि खोल रही थी। उसकी बैठक, सोने का कमरा और सिंगार-कमरा आदि जिस हालत में हमारे आने पर थे, उसी हालत में अब भी थे। वे घर के पूर्वी भाग में गोल सीढ़ी के दूसरी ओर थे और हमने उन्हें खोला भी नहीं था।

लुई की हालत इतनी खराब थी कि उसे कुछ नहीं पता था कि क्या हो रहा है। जब डाक्टर की सहायता से हम उसे घर में ले गये और फिर सीढ़ियाँ चढ़कर उसे बिस्तर पर लिटा दिया गया, तो वह बुखार की बेहोशी में ही सो गयी और सुबह तक न उठी। डाक्टर का नाम स्टीवर्ट था। घर में उसकी अपनी बेटियाँ थीं। उसने लुई के साथ उसे बेटी समझ कर ही व्यवहार किया। वह रात भर उसके

पास बैठा रहा, उसे स्वयं दवाई देता रहा और बहुत सावधानी से उसकी देख भाल करता रहा। बाद में उसने मुझे बताया कि लुई बड़ी मुश्किल से निमोनिया से बची है। मैंने उसको धन्यवाद दिया और वह गंभीरता से मुस्कराया।

नाश्ते के पश्चात वह यह कह कर चला गया कि अब खतरे की कोई बात नहीं है और लुई को पूरे आराम की जरूरत है।

"मेरे ख्याल में दो मौतों के धक्के के कारण ही इसकी यह हालत हुई है।" उसने अपनी पेटी उठाते हुए कहा। "वास्तव में यह दुःख असह्य है।"

मैंने उसे असलियत बताते हुए कहा, "उसे दोनों में से किसी की भी मौत का पता नहीं है डाक्टर! कृपया उससे इनका ज़िक्र न करें।"

उसने हैरानी से देखा।

"मैं इस परिवार को नहीं जानता," उसने अपनी बग्घी में बैठने की तैयारी करते हुए कहा। "कैसानोवा में जो डाक्टर वाकर है, उसका इनके घर आना-जाना था। ख्याल है कि वह इस लड़की से शादी करने वाला है।"

"आपने गलत सुना है," मैंने कहा। "मिस आर्मस्ट्रांग मेरे भतीजे से शादी कर रही है।"

डाक्टर घोड़े की लगाम हाथ में लेते हुए मुस्कराया।

"आजकल लड़कियों की मर्जी का कुछ पता नहीं चलता," उसने कहा। "मेरा ख्याल था कि शादी जल्दी ही होने वाली है। अच्छा तो मैं दोपहर के बाद अपने मरीज़ को देखने आऊँगा।"

तब वह चला गया और मैं वहाँ खड़ी उसे देखती रही। वह पुराने ढंग का डाक्टर था। उसकी किस्म के डाक्टर अब दिन प्रति दिन कम होते जा रहे हैं। वह एक विश्वसनीय सज्जन पुरुष था, जो मरीज़ों के लिए केवल डाक्टर ही नहीं था, उनकी समस्याओं को सुलझाने के लिए विश्वसनीय सलाहकार भी था। जब मैं लड़की थी, तो हमने अपने यहाँ डाक्टर को छोटी चेचक निकलने पर बुलाया था और उस समय भी बुलाया था, जब मेरी मौसी का देहाँत हो गया था। वह गले में बढ़ी हुई गिल्टियाँ (टान्सल) भी काटता और उसी आत्मविश्वास से बच्चे के जन्म के समय उसकी माँ की देखभाल भी करता। आजकल तो इन विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग विशेषज्ञों की आवश्यकता पड़ती है। जब बच्चे रोते तो वह बूढ़ा डाक्टर, जिसका नाम वेनराट था, उन्हें खाने की गोलियाँ देता और साथ में उनके कानों में गर्म करके मीठा तेल भी डालता और उसे पूर्ण विश्वास होता कि अगर यह पेट दर्द नहीं है,

तो कान का दर्द ज़रूर होगा। जब साल के अन्त में पिताजी उसे अपनी बग्घी में जाते हुए मिलते और दवाओं के बिल के बारे में पूछते तो डाक्टर घर जाता, ज़बानी ही हिसाब-किताब करता और जितनी रकम बनती, उसका आधा कर लेता। तब वह एक कागज़ पर वह रकम लिखकर पिताजी के पास भेज देता। खुशी और गमी के हर मौके पर उसे बड़े सन्मान से बुलाया जाता था। किसी की मृत्यु होने पर जब अंतिम संस्कार के समय उसे बुलाया जाता, तो सब जानते होते कि बीमार को बचाने के लिए उसने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की है। वैसे विधाता के सामने किसका ज़ोर चला है। आह, डाक्टर वेनराइट अब नहीं रहा और अपनी इस उम्र में अब मेरा ऐसा स्वभाव बन गया है कि मैं अपने बीते दिनों में ही खोयी रहती हूँ। हमारे परिवार के डाक्टर और कैसानोवा के इस डाक्टर वाकर में अन्तर है। इसे देख मुझे हमेशा गुस्सा आता है।

उस दिन बुधवार को दोपहर के समय श्रीमती ओग्डेन फिटज़ुग ने मुझे टेलीफ़ोन किया। उससे मेरा बहुत कम परिचय है। 'वृद्ध महिला गृह' (ओल्ड लेडीज़ होम) की समिति में वह किसी न किसी तरह चुनी गयी है और वह हर छुट्टी के दिन घर-घर में आइस्क्रीम और केक भेजकर लोगों के पाचन को खराब करती है! या फिर ताश में 'ब्रिज' खेलने में उसकी चर्चा मैंने सुनी है कि उस जैसी बुरी ताश और कोई नहीं खेलता। इसके अतिरिक्त उसके बारे में मैं और कुछ नहीं जानती। इसीने आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग के अंतिम संस्कार क्रिया की ज़िम्मेदारी अपने ऊपर ली थी। सो मैं उसी समय टेलीफोन पर गयी।

"हाँ," मैंने कहा, "मैं मिस इनेस हूँ।"

"मिस इनेस," उसने ऊँचे स्वर में कहा, "अभी मुझे अपनी चचेरी बहन श्रीमती आर्मस्ट्रॉंग की ओर से एक बहुत विचित्र प्रकार का तार आया है। उनके पति का कल कैलेफोर्निया में देहांत हो गया है और—ज़रा ठहरिये, मैं आपको तार पढ़कर सुनाती हूँ।"

मैं जानती थी कि क्या होने वाला है। और उस समय मैंने एक बात का निश्चय कर लिया कि यदि लुई के पास अपने घर वालों को छोड़कर यहाँ आनेका उचित और पर्याप्त कारण है, ऐसा कारण कि जिसने उसे श्रीमती ओग्डेन फिटज़ुग के यहाँ जाने से रोका और वह वहाँ जाने के बजाय यहाँ लॉज में आयी, तो मैं उसे धोखा नहीं दूंगी। लुई को स्वयं ही अपने घर वालों को अपने बारे में सूचित करना होगा। इस समय मैं स्वयं को निर्दोष नहीं ठहराती, पर

मुझे याद है कि उस समय मैं आर्मस्ट्रॉंग परिवार को देखते हुए विचित्र स्थिति में फँसी हुई थी। इस भयंकर हत्या के साथ मेरा नाम जुड़ा हुआ था और प्रकट या अप्रकट रूप से मेरी भतीजी और भतीजा अपनी पूँजी से हाथ धो बैठ थे।

श्रीमती फिटजुग को तार मिल गया था।

"पाल का देहांत हो गया। दिल की बीमारी!" उसने पढ़ा, "यदि लुई आपके यहाँ है, तो तार से पता दें।' देखा मिस इनेस लुई जरूर कैलेफोर्निया से इस तरफ आयी है और फैनी उसके लिए घबरायी हुई है।"

"हाँ," मैंने कहा।

"लुई यहाँ नहीं है," श्रीमती फिटजुग ने फिर कहा, "और न ही उसकी सहेलियों ने जो कुछ एक अभी यहाँ हैं, उसे देखा है। मैंने आपको फोन किया है, क्योंकि जब वह यहाँ से गयी थी, तो सनीसाइड को किराये पर नहीं दिया गया था और हो सकता है कि लुई वहाँ गयी हो।"

"मुझे अफसोस है श्रीमती फिटजुग, मैं आपकी कोई सहायता नहीं कर सकती," मैंने कहा और उसी समय मैं बहुत पछतायी। मान लो लुई की हालत ज्यादा खराब हो जाती है। मुझे बीच में पड़ने की क्या जरूरत है? उसकी चिन्तातुर माँ को यह जरूर पता लगना चाहिए कि उसकी बेटी सुरक्षित है। सो जब श्रीमती फिटजुग मुझ से कष्ट के लिए माफी माँग रही थीं तो मैंने बीच में ही कहा, "श्रीमती फिटजुग, मैं आपको यह बता रही थी कि मुझे लुई आर्मस्ट्रॉंग के बारे में कुछ नहीं पता। पर अब मैंने अपना इरादा बदल लिया है। लुई यहाँ है, मेरे पास। वह बीमार है और डाक्टर ने उसका उठना बैठना बन्द किया है और फिर वह किसी से मिलना नहीं चाहती। मेरे ख्याल में आप उसकी माँ को तार कर दें कि वह मेरे पास है और चिंता की कोई बात नहीं है। नहीं, मुझे नहीं पता कि वह कैलिफोर्निया से यहाँ क्यों आयी!"

"पर मिस इनेस," श्रीमती फिटजुग ने फिर कहना शुरू किया। पर मैंने उसे बीच में ही काट दिया।

"मैं आपको उसी समय खबर दे दूँगी, जब लुई आपसे मिलना चाहेगी," मैंने कहा। "नहीं, उसकी हालत अब इतनी खराब नहीं है, पर डाक्टर का कहना है कि उसे पूरा आराम करना चाहिए।"

जब मैंने फोन बन्द किया तो बैठकर सोचने लगी। सो लुई अपने घरवालों को छोड़कर कैलेफोर्निया से यहाँ भाग आयी है और अकेली ही आयी है। यह कोई नयी बात नहीं थी, पर उसने ऐसा क्यों किया? मुझे लगा कि इसमें डाक्टर

वाकर का हाथ होगा । शायद उसीने उसे तंग किया हो और उसे भागना पड़ा हो। पर मुझे लगा कि ऐसी परिस्थिति में लुई जैसी लड़की के लिए घर से भागकर कहीं शरण लेना संभव नहीं है । वह हमेशा ही निडर लड़की रही है । वह उन लड़कियों में से नहीं है जो घर की चारदीवारी में ही जीवन बिताती रहें । यह उसके स्वभाव के बहुत अनुकूल होता, यदि वह बड़ी हिम्मत से डाक्टर वाकर का मुकाबला करती । मेरे ख्याल से तो ऐसीं स्थिति में बजाय लुई के डाक्टर को वहाँ से भागना चाहिए था ।

आधे घंटे तक सोचने पर भी उलझन सुलझी नहीं । मैंने सुबह के समाचार-पत्र उठाये जो कि अभी तक ट्रेडर्स बैंक संबन्धी समाचारों से भरे हुए थे और पाल आर्मस्ट्रॉंग की मृत्यु के कारण अब बैंक सम्बन्धी दिल्चस्पी फिर से बढ़ गयी थी । बैंक के निरीक्षक हिसाब देखने में लीन थे और उन्होंने प्रकाशन के लिए कोई वक्तव्य नहीं दिया था । जान बैले जमानत पर छूट गया था, पाल आर्मस्ट्रॉंग का शव इतवार के दिन यहाँ पहुँचने वाला था और उसके घर से ही उसे दफनाने के लिए ले जाना था । यह भी अफवाहें थीं कि आर्मस्ट्रॉंग की जायदाद बहुत बड़ी नहीं है । अंतिम पैरा महत्वपूर्ण था ।

मैरी बैंक के वाल्टर पी. ब्राडहर्स्ट ने दो सौ अमेरिकन ट्रैक्शन बॉंड पेश किये थे, जो कि मैरीन बैंक में एक लाख साठ हजार डालर के ऋण के बदले सिक्यु-रिटी के रूप में रखे गये थे । यह ऋण उस समय पाल आर्मस्ट्रॉंग को दिया गया था, जब कि अभी वह कैलेफोर्निया नहीं गया था । जो बॉंड ट्रेडर्स बैंक से गायब हो चुके थे, वह बॉंड उन्हीं में से थे । यद्यपि इससे आर्मस्ट्रॉंग फँसता था, पर इससे किसी प्रकार भी जैक बैले का मामला साफ नहीं होता था ।

जिस माली का हाल्से ने जिक्र किया था, वह दोपहर के बाद दो बजे आ गया। मुझ पर उसका बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा । वह ब्रेस नामक परिवार में काम करता था और जब वह परिवार यूरोप चला गया, तो उसकी नौकरी छूट गयी । वह नवयुवक था और साहसी लगता था। उसने अपने लिए एक सहायक की माँग की और मैंने आसानी से उसे एक ऐसे व्यक्ति का प्रबन्ध कर दिया । वह काले बालों और नीली आँखोंवाला प्रसन्नमुख व्यक्ति था । उसका नाम अलेक्जेंडर ग्राहम था । मैं उसका खास तौर पर ज़िक्र कर रही हूँ, क्योंकि जैसा कि मैंने पहले कहा है, बाद में जो कुछ हुआ, उसमें उसका महत्वपूर्ण भाग रहा है ।

उस शाम को मैंने पाल आर्मस्ट्रॉंग के चरित्र के सम्बन्ध में कुछ नयी बातों का पता लगाया । मैंने पहली बार लुई के साथ बातचीत की । उसके बुलाने पर मैं

उसके पास गयी। कई ऐसी चीजें थीं, जो उसे उस कमज़ोर हालत में बतायी नहीं जा सकती थीं, इसीलिए उससे मिलने से मैं डरती थी। पर उसके मिलने पर यह डर जाता रहा, क्योंकि उसने मुझसे कोई सवाल नहीं पूछा।

गर्टरूड रातभर जगने के बाद सोने चली गयी थी और हाल्से गायब था। ज्यों ज्यों समय बीतता गया, उसका इस प्रकार गायब रहना बढ़ता गया था और दस जून की रात को तो वह ऐसा गायब हुआ था कि हद हो गयी थी। लिड्डी लुई की देखभाल के लिए उसके कमरे में थी। वहाँ कुछ अधिक काम नहीं था, सो वह बिस्तर पर चद्दर की सिलवटें निकालने में अपना समय बिता रही थी। लुई पीछे सहारा लिये लेटी हुई थी। और रह रह कर इधर-उधर करवटें ले रही थी।

लिड्डी मेरी आहट सुनकर मुझसे मिलने बाहर आयी। जब भी वह मुझसे बातें करती, तो उसकी आदत थी कि वह मेरे कन्धों पर से मेरी पृष्ठभूमि में देखती, जैसे वहाँ उसे कुछ दिख रहा हो। इस पर मैं स्वयं अपने कन्धों पर से पीछे की ओर देखती कि वह किस चीज़ को देख रही है और मुझे झुंझलाहट होती।

"वह जाग गयी है," लिड्डी ने कुछ घबराहट में मेरे पीछे गोल सीढ़ी की ओर देखते हुए कहा। "वह नींद में बहुत भयानक किस्म की बातें कर रही थी—मरे हुए आदमियों और उनके जनाज़ों की बातें!"

"लिड्डी," मैंने सख़्ती से कहा "क्या तुम यहाँ बैठी उससे बातें करती रही हो?"

लिड्डी की दृष्टि घूम कर लांड्री के दरवाज़े की ओर गयी, जिसमें अब ताला लगा दिया गया था।

"नहीं," उसने कहा, "मैंने उससे एक दो सवाल ही पूछे थे। इसमें तो कोई बुराई नहीं है। उसका कहना है कि यहाँ कभी भूत नहीं था।"

मैंने उसे एकटक देखा। मैं कुछ न बोली और लुई के कमरे का दरवाज़ा बन्द कर, जिसे देखकर लिड्डी को निराशा हुई। मैं सोने के कमरे में चली गयी।

पाल आर्मस्ट्रांग जैसा भी रहा हो वह अपनी इस सौतेली बेटी के प्रति बहुत उदार था और दिल खोल कर धन खर्च करता था। घर में गर्टरूड के कमरे हमेशा बहुत सुन्दर रहे थे, पर सनीसाइड के पूर्वी भाग के तीन कमरे, जो कि आर्मस्ट्रांग ने अपनी बेटी के लिए रखे थे, बहुत ही शानदार थे। दीवारों से लेकर फर्श पर बिछे कालीनों तक, फर्नीचर से लेकर गुसलखाने की छोटी-छोटी चीज़ों तक, जिसमें कि नहाने के लिए बजाय साधारण किस्म के 'टब' के, फर्श में एक छोटा-सा तालाब बना हुआ था, हर वस्तु वैभवशाली थी। लुई लेटी हुई

मुझे देख रही थी । उसकी हालत काफी सुधर गयी थी । उसके चेहरे पर लालिमा आ रही थी और गत रात उसे जो सांस लेने में कठिनाई हो रही थी, वह अब नहीं थी । वह साधारण तौर पर सांस ले रही थी।

उसने अपना हाथ बढ़ाया और मैंने उसे दोनों हाथों में ले लिया!

"मैं आपको क्या कहूँ, मिस इनेस ! " उसने कहा । "आप यहाँ आयी हैं–"

मुझे लगा कि वह रोयेगी, पर वह रोयी नहीं ।

"तुम्हे स्वस्थ होने के अतिरिक्त और कुछ नहीं सोचना चाहिए, " मैंने उसके हाथ को थपथपाते हुए कह । "जब तुम ठीक हो जायेगी, तो मैं तुम्हें डाटूंगी कि तुम सीधे ही यहाँ क्यों नहीं आयी । यह तुम्हारा घर है और फिर दूसरों की अपेक्षा इस बूढ़ी चाची को ही तुम्हारा स्वागत करना चाहिए था । "

वह उदासी में हल्की–सी मुस्करायी ।

"मैं हाल्से से नहीं मिलना चाहती, " उसने कहा । "मिस इनेस कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें आप कभी नहीं समझ सकतीं । मैं आपकी सहानुभूति के योग्य नहीं हूँ क्योंकि मैं–मैं यहाँ रह रही हूँ और आपको मेरे लिए इतना कष्ट उठाना पड़ रहा है, जब कि मैं यह भी जानती हूँ कि अन्त में आप मुझसे घृणा करेंगी ।

"मूर्ख कहीं कीं ! " मैंने कुछ तीखेपन से कहा । "यदि मैने ऐसा सोचा भी तो हाल्से क्या कहेगा ? वह डीलडौल का इतना बड़ा और मजबूत है कि यदि मैंने तुम्हारे साथ कोई भी बुरा व्यवहार किया, तो वह मुझे उठा कर खिड़की से बाहर फेंक देगा । हाँ, यह उसके लिए बड़ी बात नहीं है ।"

उसने जैसे मेरे इस मज़ाक पर ध्यान नहीं दिया । उसकी भूरी आँखें कुछ कहना चाह रहीं थीं और अब उनमें जैसे किसी दुख की छाया थी ।

"आह ! हाल्से, " उसने धीमे से कहा । "मिस इनेस, मैं उससे विवाह नहीं कर सकती और मैं उसे यह कहने से डरती हूँ । मैं डरपोक हूँ—डरपोक ! "

मैं बिस्तर पर एक ओर बैठ गयी और उसे एकटक देखने लगी । वह इतनी बीमार थी कि उससे बहस करना उचित नहीं था । और फिर बीमार आदमी अजीब–अजीब बातें सोचता है ।

"जब तुम ठीक हो जाओगी, तो हम इसके बारे में बात करेंगे, " मैंने नर्मी से कहा ।

"लेकिन कुछ ऐसी बातें हैं जो मैं आपको जरूर बताना चाहती हूँ । " उसने ज़ोर देकर कहा । "आपको आश्चर्य होगा कि मैं यहाँ कैसे आयी और क्यों

लाज में छिप कर रही। मुझे देखकर थामस तो हैरान ही रह गया। मुझे नहीं पता था कि सनीसाइड किराये पर दे दिया गया है। यह मैं जानती थी कि माँ की उसे किराये पर देने की इच्छा थी और वे इसे मेरे पिताजी से गुप्त रखना चाहती थीं। जब मैं यहाँ के लिए रवाना हुई तो मेरी एक ही इच्छा थी कि कुछ समय के लिए मैं अकेली ही यहाँ रहूँ और अपने बारे में सोचू तब मुझे—गाड़ी में सर्दी लग गयी।"

"तुम जिन वस्त्रों में आयी थी वे कैलेफोर्निया के मौसम में ही पहनने लायक हैं, यहाँ की सर्दी के लायक नहीं," मैंने कहा। "और मेरा ख़्याल नहीं था कि आज-कल की सभी नवयुवतियों की तरह तुम फ्लैनल के कपड़े पहनती होगी।"

पर वह सुन नहीं रही थी।

"मिस इनेस," उसने कहा, "क्या मेरा भाई आर्नल्ड यहाँ से चला गया है?"

"क्या मतलब है तुम्हारा!" मैंने कुछ चौंककर पूछा।

"वह उस रात लौटा नहीं," उसने कहा, "और उससे मुझे बहुत ही ज़रूरी काम से मिलना था।"

"मेरा विश्वास है वह यहाँ से चला गया हैं," मैंने निश्चित भाव से कहा। "क्या वह काम हम उसके बिना नहीं कर सकतीं?"

उसने अपना सिर हिलाया। "मैं स्वयं ही करूंगी," उसने अलसायी हुई आवाज़ में कहा "मेरी माताजी ने जरूर मेरे पिताजी को बताये बिना ही सनीसाइड को किराये पर दे दिया होगा। और मिस इनेस क्या आपने कभी सुना है कि कोई व्यक्ति ऐश्वर्य में रहते हुए भी बेहद गरीब हो सकता है? क्या कभी आपकी लालसा हुई कि आपके पास धन हो जिसे अप अपनी मर्जी के अनुसार खर्च कर सकें और उसे पूछने वाला कोई न हो। वर्षों से मेरी माताजी और मैं बहुत बड़े ऐश्वर्य में घिरी हुई हैं, पर हमारे पास खर्च करने के लिए कभी धन नहीं रहा, मिस इनेस! शायद इसीलिए मेरी माताजी ने यह घर किराये पर दिया है। मेरे पिताजी स्वयं ही हमारे बिल अदा करते हैं। इस प्रकार का जीवन बहुत ही हीन और असह्य है। इससे तो मैं उस गरीब को पसंद करूँगी, जिसमें ईमानदारी है।"

"चिंता न करो," मैंने कहा "जब तुम्हारा और हाल्से का विवाह हो जायेगा, तो तुम जितना चाहो ईमानदारी का जीवन बिताना और निःसंदेह तुम गरीब तो होगी ही।"

उस समय हाल्से दरवाजे पर आया और मैं सुन रही थी कि वह लिड्डी को बीमार के कमरे में जाने के लिए फुसला रहा था।

"क्या मैं उसे अन्दर लाऊँ?" मैंने लुई से पूछा। मुझे सूझ नहीं रहा था कि क्या करूँ। उसकी आवाज सुनते ही लुई जैसे तकिये में सिकुड़ गयी। मुझे उस पर खीझ हुई। हाल्से जैसे बहुत कम नवयुवक होंगे—स्पष्ट, ईमानदार और किसी एक लड़की पर जान तक दे देने वाले। तीस वर्ष से अधिक समय बीत गया है, मैं एक ऐसे ही व्यक्ति को जानती थी। उसे मरे हुए एक लम्बा अर्सा हो गया है। कभी कभी मैं उसका चित्र निकालकर देखती हूँ—हाथ में छड़ी लिये और सिरपर विचित्र-सा रेशमी हैट पहने। परन्तु अब वर्षों से उसे देखकर मेरे अन्दर एक गहरी टीस उठती है। वह हमेशा ही एक युवक दीखता है—और मैं एक बूढ़ी स्त्री हूँ। मैं अब उसे कभी वापस नहीं ला सकती।

शायद इस प्रकार की कोई स्मृति थी कि मैंने तीखे स्वर में पुकारा—"आ जाओ हाल्से!" और तब मैं अपनी सीने पिरोने की चीजें उठाकर साथ के कमरे में चली गयी। उनकी बातें सुनने का प्रयत्न मैंने नहीं किया, पर खुले दरवाजे में से उनका हर शब्द स्पष्ट रूप से मेरे कानों में पड़ता रहा। हाल्से लुई के बिस्तर के पास चला गया था और मेरा ख्याल है उसने उसका चुंबन लिया। एक क्षण के लिए कोई आवाज न आयी, मानो शब्दों की कोई आवश्यकता नहीं थी।

"लुई, मैं तो पागल हो गया था," हाल्से की आवाज थी। "तुमने मुझ पर विश्वास क्यों नहीं किया और पहले ही क्यों नहीं बुला भेजा?"

"इसलिए कि मुझे स्वयं पर विश्वास न था," उसने धीमी आवाज में कहा। "आज मैं इतनी कमजोर हूँ कि कुछ कर नहीं सकती। और हाल्से, मैं तुमसे मिलने के लिए कितनी इच्छुक थी।"

कुछ बातें हुई, जो मैं नहीं सुन सकी। फिर हाल्से की आवाज आयी।

"चलो हम यहाँ से कहीं चलें," वह कह रहा था। "बस हम कभी न बिछुड़ें। हमेशा साथ-साथ रहें—इसी प्रकार एक दूसरे का हाथ थामे हुए। नहीं लुई, यह न कहो कि यह संभव नहीं है। मैं यह नहीं मान सकता।"

"तुम नहीं जानते, तुम नहीं जानते!" लुई ने थकी हुई आवाज में कहा। "हाल्से मुझे तुम्हारा बहुत ख्याल है। तुम जानते हो, पर-पर यह संभव नहीं, कि मैं तुमसे शादी करूं।"

"यह गलत है लुई," उसने सख्ती से कहा। "तुम अपने दिल पर हाथ रखकर यह बात नहीं कह सकती।"

"मैं तुम से शादी नहीं कर सकती," उसने बड़े दुखित स्वर में दुहराया। "यह बुरा है, है न? इसे और बुरा न बनाओ। कभी, कुछ समय बाद तुम्हें इसकी खुशी होगी।"

"तब इसका अर्थ हुआ कि तुमने कभी मुझसे प्यार नहीं किया," उसकी आवाज़ में एक ऐसा गर्व था, जिसे बहुत बड़ी चोट पहुँची हो। "तुम जानती हो, मैं तुम्हें कितना प्यार करता हूँ और तुम कह रही हो कि तुम्हें मेरा बस ख्याल था और वह भी कुछ समय के लिए। नहीं, यह तुम्हारे अनुकूल नहीं, लुई! यह बात तुमने मुझ से पहले कभी नहीं कहा? क्या कोई और व्यक्ति है, जिसे तुम चाहती हो?"

"हाँ," लुई ने बहुत ही धीमी आवाज़ में कहा।

"लुई, मुझे विश्वास नहीं है।"

"यह सच है," उसने उदासी से कहा। "हाल्से, अब तुम मुझसे मिलने की कोशिश न करना। जितना जल्दी हो सके, मैं यहाँ से जा रही हूँ। यहाँ तुम सब मेरे प्रति इतने अधिक दयालु हो, लेकिन मैं इसके योग्य नहीं हूँ। और मेरे बारे में जो कुछ भी तुम सुनो, उससे मुझे ठीक ठीक समझने की कोशिश करना। मैं एक और व्यक्ति से शादी कर रही हूँ। तुम्हें मुझसे घृणा करनी चाहिए, घृणा!"

हाल्से खिड़की के पास गया। तब कुछ रुक कर वह फिर उसके पास गया। मेरे लिए शांति से बैठना कठिन था। मैं चाहती थी कि अन्दर जाकर उसे अच्छी तरह समझाऊँ।

"तब सारा मामला खत्म होता है," वह लम्बी आह भर कर कह रहा था। "वे योजनाएँ जो हमने एक साथ बनायी थीं, वे सपने—सब कुछ खत्म होता है। खैर मैं बच्चा नहीं हूँ कि तुम्हारे इतना भर कहने से ही तुम्हें छोड़ दूँ कि तुम मुझे प्यार नहीं करती और किसी और को चाहती हो।"

"मैं यह नहीं कह सकती," उसने कहा, "लेकिन बहुत जल्द मैं किसी और व्यक्ति से शादी कर रही हूँ।"

किसी विजय की भावना से भरी हाल्से की धीमी-सी हँसी मैं सुन सकी।

"मुझे इसकी कोई परवाह नहीं है!" उसने कहा, "प्रिये, जब तक तुम मुझे चाहती हो, मुझे कोई डर नहीं है।"

उसी समय दोनों कमरों के बीच के दरवाज़ों को हवा ने बन्द कर दिया और मैं अधिक कुछ न सुन सकी, यद्यपि मैं अपनी कुर्सी बिलकुल निकट ले आयी

थी। कुछ समय के पश्चात् मैं कमरे में गयी। वहाँ लुई अकेली ही थी। वह उदास आँखों से छत पर चित्रित एक सुन्दर बालक के चित्र को देख रहीं थी और वह थकी हुई प्रतीत हो रही थी, मैंने उसे बुलाया नहीं।

१४

एग्नाग और तार

मंगल की रात को हमने लाज में लुई को पाया। और बुधवार को मैंने उससे बातचीत की। गुरु और शुक्र को कोई खास बात नहीं हुई। हाँ, इन दो दिनों में लुई की हालत में काफी सुधार हुआ। गर्टरूड ने लगभग सारा समय ही उसके पास बिताया और दोनों बहुत अच्छी सेहलियाँ बन गयीं। परन्तु कुछ बातें लगातार मेरे दिमाग में उठ रही थीं। आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग की मृत्यु सम्बन्धी शनिवार के दिन होने वाला कोरोनर द्वारा अन्वेषण पाल आर्मस्ट्रांग के शव को लेकर श्रीमती आर्मस्ट्रांग और डाक्टर वाकर के आगमन के सम्बन्ध में मैं बार-बार सोच रही थी। उसने लुई से न उसके पिता की मृत्यु का जिक्र किया था, न उसके भाई की मृत्यु का।

और फिर मैं हाल्से और गर्टरूड के लिए भी चिंतित थी। बैंक में जमा की गयी उनकी माँ की पूँजी की बरबादी और उनके प्रेम सम्बन्धों को नाजुक हालत में देखकर मुझे लगा कि अब इससे और अधिक बुरा क्या हो सकता है। इतना ही नहीं, लुई के लिए चाय के प्रश्न पर बावर्ची से लिड्डी का झगड़ा हो गया और अखिर बावर्ची घर छोड़ कर चला गया।

मेरे ख्याल में श्रीमती वाटसन काफी खुश थीं कि लुई हमारी देखरेख में थी और थामस सुबह और शाम दोनों समय अपनी छोटी मालकिन का अभिवादन करने ऊपर जाता था। बेचारा थामस! जैसा कि अभी भी कुछ पुराने हब्शी नौकरों में गुलामी का संस्कार पाया जाता है, थामस भी अपने मालिक के दुःख-सुख को अपना दुःख-सुख समझता था। मुझे उसकी बहुत याद आती है—तम्बाकू पीने वाला, आज्ञाकारी, विश्वस्त, और दयालु बूढ़ा थामस!

गुरुवार को श्री आर्मस्ट्राँग का वकील श्री हार्टन कस्बे में आया। उसने बताया कि श्रीमती आर्मस्ट्राँग अपने पति के शव के साथ यहाँ सोमवार को आ रही हैं,

इसलिए उससे कहा गया है कि वह मुझे सनीसाइड खाली करने के लिए कहे, क्योंकि श्रीमती आर्मस्ट्रॉंग सीधे वहीं आना चाहती हैं।

मैं अवाक् रह गयी।

"यहाँ पर," मैंने कहा, "आप जरूर ही गलती पर हैं श्री हार्टन! मेरा ख्याल है कि कुछ दिन पहले यहाँ जो कुछ हुआ है, उसे देखते हुए वे कभी यहाँ वापस आना नहीं चाहेंगी।"

"नहीं," उसने कहा, "वे आने के लिए बहुत उत्सुक हैं। उन्होंने कहा है कि मैं सनीसाइड को खाली कराने का हर संभव प्रयत्न करूँ, ताकि वे अति शीघ्र यहाँ आ सकें।"

"श्री हार्टन!" मैंने कुछ तीखेपन से कहा, "मैं मकान खाली नहीं करूँगी। इस परिवार के हाथों हमने काफी मुसीबत उठायी है। मैंने काफी बड़ी रकम देकर यह मकान किराये पर लिया है और मैं यहाँ गर्मियों के अन्त तक के लिए आयी हूँ। शहर में मेरा जो मकान है, उसकी मरम्मत हो रही है। मुझे यहाँ आये हुए एक सप्ताह ही हुआ है और इस एक सप्ताह में एक रात भी ऐसी नहीं आयी, जिसमें मैं सुखकी नींद सो सकी हूँ। अब मैं यहाँ तब तक रहूँगी, जब तक मेरा नुकसान पूरा नहीं हो जाता। और फिर यदि दिवालिया होने की हालत में मिस्टर पाल आर्मस्ट्रॉंग का देहान्त हुआ है, तो श्रीमती आर्मस्ट्रॉंग को खुशी होनी चाहिए कि इतनी बड़ी जायदाद की चिंता से उन्हें छुटकारा मिल गया है।"

वकील ने अपना कंठ साफ किया।

"आपके इस फैसले पर मुझे बहुत अफसोस है," उसने कहा "मिस इनेस, श्रीमती फिटजुगने मुझे बताया है कि लुई आर्मस्ट्रांग आपके पास है।"

"हाँ, वह है।"

"क्या उसे अपने पिता और भाई की मृत्यु का पता है?"

"अभी नहीं," मैंने कहा। "वह बहुत बीमार रही है। शायद आज रात उसे इसके बारे में बताया जा सकेगा।"

"यह बहुत ही दुःख की बात है, बहुत ही दुख की बात है," उसने कहा। "मेरे पास उसके नाम का एक तार है। क्या मैं उसे दे सकता हूँ?"

"अच्छा हो, यदि इसे पहले खोलकर पढ़ लिया जाय," मैंने सलाह दी। "यदि वह जरूरी होगा, तो फिर देखा जायगा।"

जब हार्टन तार का कागज खोल रहा था, तो हममें से कोई न बोला। तब उसने धीमे से उसे पढ़ा।

"नीना कारिंगटन की प्रतीक्षा करो । सोमवार घर पर । हस्ताक्षर-फ. ल. व."

"हूँ !" मैंने कहा, "नीना कारिंगटन की प्रतीक्षा करो, सोमवार घर पर ।" अच्छी बात है, श्री हार्टन, मैं उसे बता दूँगी, पर उसकी हालत इतनी अच्छी नहीं है।"

"अच्छा मिस इनेस ! अगर आप मकान छोड़ने का फैसला करें, तो मुझे खबर दीजियेगा," वकील ने कहा ।

"मैं इसे नहीं छोड़ूँगी," मैंने उत्तर दिया और जिस ढंग से उसने टेलीफोन रखा उससे मैंने उसकी झुंझलाहट का अंदाजा लगाया ।

इस डर से कि कहीं भूल न जाऊँ, तार में जो कुछ लिखा था, मैंने अक्षरशः उसे एक कागज़ पर लिख लिया और फैसला किया कि डाक्टर स्टीवर्ट से पूछूँगी कि लुई को कब इन दोनों मौतों के बारे में बताना चाहिए । उसे बैंक के बन्द हो जाने के बारे में बताना मैंने जरूरी नहीं समझा । पर उसके पिता और भाई की मौतों के बारे में उसे जल्दी ही बताना चाहिए, वरना हो सकता है, उसे यह खबर किसी मौके पर बड़े भयानक रूप से मिले ।

डाक्टर स्टीवर्ट लगभग चार बजे आया । वह बड़ी सावधानी से अपना चमड़े का बैग लिये हुए आया और उसे सीढ़ियों के पास ही खोलकर उसने मुझे पीले रंग के एक दर्जन अंडे दिखाये जो दवाओं की बोतलों के साथ रखे हुए थे ।

"असली अंडे !" उसने गर्व से कहा "दूकानों में के बासी अंडे नहीं, बल्कि असली ताजा अंडे ! इनमें से कुछ तो अभी तक गर्म हैं । हाथ लगाकर देखिये ! मिस लुई के लिए एग्नाग (अंडों और शराब की पेय) !"

उसके चेहरे पर संतोष की झलक थी और जाने के पहले उसने कहा कि वह रसोई में जाकर स्वयं इन अंडों का एग्नाग बनायेगा । जब वह बना रहा था, तो मुझे डाक्टर विलोबी का ख्याल आया, जो कि शहर में स्नायु सम्बन्धी मेरी बीमारी का विशेष डाक्टर था । मैंने सोचा कि क्या उसने भी कभी किसी मरीज़ को ऐसी स्वादिट वस्तु खाने की सलाह दी होगी । डाक्टर स्टीवर्ट अंडों को फेंटते समय बातें कर रहा था । "उस दिन जब मैं घर गया तो मैंने अपनी श्रीमती से पूछा कि वाकर और मिस लुई के बारे में जो कुछ कहा है क्या उस पर तुम विश्वास करोगी? वास्तवमें बात यह है कि मुझे यह जानकारी घर के रसोईघर से प्राप्त हुई । वाकर का ड्राइवर हमारे यहाँ नौकरानी से मिलने आता है और उसने उसे सारा किस्सा सुनाया है । मैंने सोचा

कि यह शायद सच ही होगा, क्योंकि पिछली गर्मियों में जब कि आर्मस्ट्रांग परिवार यहाँ था, तो वाकर काफी समय तक यहाँ रहता था और फिर वाकर के ड्राइवर ने, जिसका नाम रिग्ज़ है, बताया कि डाक्टर वाकर यहाँ पहाड़ी के नीचे घर बनाना चाहता था। कृपया शक्कर दीजिए।"

एग्नाग तैयार हो गया था। वह सुनहरे और सफेद रंग का था। डाक्टर ने उसे सूँघा।

"असली अंडे, शुद्ध दूध और थोड़ी-सी केन्टकी व्हिस्की, बस फिर क्या कहना है!" उसने कहा।

उसने स्वयं ही उसे ऊपर ले जाना चाहा। कुछ ऊपर सीढ़ियों के पास वह रुका।

"रिग्ज़ ने बताया था कि घर का एक नक्शा तैयार हो गया था," उसने फिर पहले हो रही बात के सूत्र को पकड़ते हुए कहा। यह नक्शा कस्बे में हस्टन ने बनाया था। इसलिए स्वाभाविक रूप से मैंने उस पर विश्वास कर लिया।"

जब डाक्टर नीचे आया तो मैं उससे प्रश्न पूछने के लिए तैयार थी।

"डाक्टर," मैंने पूछा, "क्या पड़ोस में कारिंग्टन नाम का कोई व्यक्ति रहता है? नीना कारिंग्टन?"

"कारिंग्टन?" उसने माथा सिकोड़ कर कुछ याद करते हुए कहा। "कारिं-ग्टन?" नहीं मुझे ऐसे किसी व्यक्ति का नहीं पता। हाँ, काविंग्टन नाम का एक परिवार नीचे खाड़ी में रहता था।"

"नहीं, कारिंगटन नाम है," मैंने कहा और बात वहीं समाप्त हो गयी।

उस शाम गर्टरूड और हाल्से लम्बी सैर के लिए गये और लुई सो गयी।

समय बिताना बहुत भारी लग रहा था और जैसा कि कुछ समय से मेरी आदत बन गयी थी, मैं बैठ गयी और जो कुछ हुआ था, उसके बारे में सोचने लगी। मेरे इस सोच-विचार का एक नतीजा यह निकला कि मैं अचानक उठी और टेलीफोन पर गयी। इस डाक्टर वाकर के प्रति मुझे बहुत सख्त घृणा हो गयी थी। मैंने उसे देखा नहीं था। गाँव में उसके लुई के प्रेमी होने की चर्चा थी।

मैं साम हस्टन को अच्छी तरह जानती थी। एक समय था जब साम हस्टन बहुत छोटा-सा था। उस समय उसका एनी ऐडिकॉट से विवाह नहीं हुआ था। उस समय मैं उसे और भी अच्छी तरह जानती थी। इसलिए अब उससे फोन पर बात करने में मुझे कोई हिचकिचाहट न हुई।

"ओह, रैचेल, कैसी हैं आप?" सामने अपनी गूँजती हुई आवाज में कहा। "क्या राक व्यू पर अपना घर बनवा रही हैं?" यह उसका बीस वर्ष पुराना मजाक था।

"शायद कभी," मैंने कहा, "इस समय तो मुझे आपसे एक ऐसी चीज़ के बारे में प्रश्न पूछना है, जिससे मेरा अपना सम्बन्ध कोई नहीं है।"

"मैं देखता हूँ, पच्चीस वर्ष बीत जाने पर भी आप बिलकुल वैसी की वैसी हैं, रत्ती भर भी नहीं बदलीं।" यह उसका दूसरा मज़ाक था। "हाँ, तो पूछिये। सिवाय मेरी घरेलू बातों के और आप सब कुछ पूछ सकती हैं।"

"मज़ाक छोड़िये," मैंने कहा, "और मुझे बताइये कि क्या आपकी कंपनी ने इन दिनों कैसानोवा में डाक्टर वाकर के लिए किसी मकान का नक्शा बनाया है?"

"हाँ, तो!"

"वह घर कहाँ बनना था? विशेष कारण से पूछ रही हूँ।"

"मेरे ख्याल में जहाँ आर्मस्ट्रांग की ज़मीन है, वहाँ बनना था।" मिस्टर आर्मस्टांग ने स्वयं मुझसे बात-चीत की थी और मुझे विश्वास है कि उस घर में मिस्टर आर्मस्टांग की बेटी को रहना है, जिसकी मिस्टर वाकर से शादी होने वाली है।"

जब वह मेरे परिवार के विभिन्न व्यक्तियों के बारे में पूछ चुका और उसने फोन रख दिया तो मुझे एक बात का निश्चय था। लुईं हाल्से से प्रेम करती थी और उसका विवाह डाक्टर वाकर के साथ हो रहा था। और फिर यह विवाह की बात नयी नहीं थी। कुछ समय से इसके बारे में बात चीत चल रही थी। इसका जरूर ही कोई कारण होगा। पर वह कारण क्या था?

उस दिन मैंने लुई को, तार में जो लिखा था, पढ़कर सुनाया। उसने जैसे समझने की कोशिश की। पर उससे बढ़कर दुखी चेहरा मैंने आज तक नहीं देखा। वह एक अपराधी की भाँति लग रही थी

१५

लिड्डी का चौंकना

दूसरे दिन शुक्रवार को गर्टरूड ने लुई को उसके पिता के देहान्त की खबर सुनायी। उसने यह खबर बड़ी ही सावधानी से सुनायी। पहले उसने आर्मस्ट्राँग की सख्त बीमारी का ज़िक्र किया और फिर देहांत हो जाने के बारे में बताया।

लुई को इस समाचार की बिलकुल ही आशा नहीं थी। और जब गर्टरूड मुझे बताने बाहर आयी कि उस पर इस समाचार का क्या प्रभाव पड़ा है, तो मुझे लगा कि उसे बहुत बड़ा धक्का लगा है।

"चची, वह बस लेटी रही और मेरी ओर एकटक देखती रही," गर्टरूड ने कहा। "मेरे ख्याल में उसे खुशी हुई है, खुशी! और वह इतनी ईनामदार है कि अपने भावों को छिपा नहीं सकी। वैसे पाल आर्मस्ट्रांग किस किस्म का व्यक्ति था?"

"वह झगड़ालू और मूर्ख था, गर्टरूड," मैंने कहा। "पर मुझे एक बात का निश्चय है कि अब लुई हाल्से को बुलायेगी और वे मिलकर कोई फैसला करेंगे।"

पर लुई सारा दिन हाल्से से मिलने से इन्कार करती रही। और हाल्से की पागलों की सी हालत थी।

उस शाम को हाल्से को और मुझे एक घंटे भर के लिए शांति मिली और मैंने उसे बहुत-सी बातें बतायीं—सनीसाइड छोड़ने के लिए मुझसे की गयी फरमाइश, लुई के नाम तार, डाक्टर वाकर और लुई के होने वाले विवाह की अफवाहों के बारे में और अन्त में एक दिन पहले उसके साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में।

वह एक बड़ी कुर्सी पर पीछे सहारा लेकर बैठ गया। उसका चेहरा छाया में था और मेरे दिल में उसके प्रति एक टीस उठ रही थी। वह इतना बड़ा हो गया था और अभी लड़का-सा था। मेरी बात समाप्त होने पर उसने एक लम्बी साँस ली।

"लुई जो भी कर रही है," उसने कहा, "मुझे बिल्कुल विश्वास नहीं हो रहा चाची, कि वह मुझे नहीं चाहती। अभी दो महीने पहले तक जब वह और उसकी माँ यहाँ से गये, तो मेरी खुशी का कोई अन्दाजा नहीं था। उस समय मुझसे ज्यादा खुश व्यक्ति भला और कौन हो सकता था। तब इसमें अड़चन पड़ी। उसने मुझे लिखा कि उसके घरवाले हमारे विवाह के विरुद्ध हैं। यद्यपि उसकी दृष्टि में मैं वही हूँ, जो पहले था; पर कुछ ऐसी बातें हो गयी हैं, जिनके कारण भविष्य-सम्बन्धी उसके विचार बदल गये हैं। उसने लिखा था कि जब तक वह न लिखे, मैं उसे पत्र न लिखूँ और भविष्य में जो कुछ भी हो, मैं उसे किसी प्रकार गलत न समझूँ। मैं उलझन में पड़ गया। जब कल मैं उससे मिला, तो वही बात थी, शायद उससे भी बुरी।"

"हाल्से," मैंने पूछा, "क्या तुम्हें उस बातचीत के बारे में कुछ पता है, जो लुई और आर्मस्ट्रांग में उस रात हुई, जिस रात वह मारा गया?"

"वह बातचीत बहुत गर्म थी। थामस का कहना है कि एक-दो बार तो उसे दौड़कर कमरे में जाना पड़ा कि कहीं लुई को कुछ हो न जाये। उसे लुई की बहुत चिंता थी।"

"एक और बात है, हाल्से" मैंने कहा, "क्या तुमने कभी लुई को कारिंग्टन नाम की स्त्री का नाम लेते हुए सुना है? नीना कारिंग्टन?"

"कभी नहीं!" उसने निश्चयपूर्वक कहा।

हम जितना भी प्रयत्न करते, हमारे विचार अन्त में घूम फिर कर शनिवार की भयानक रात को हुई हत्या पर आकर केन्द्रित हो जाते। हर बातचीत का अन्त इसी हत्या पर आकर होता। हम सब अनुभव कर रहे थे कि जेमिसन बैले के विरुद्ध ही सारी गवाहियाँ इकट्ठी कर रहा था। इस समय वह कस्बे में किसी बात का पता लगा रहा होगा या लौट गया होगा।

तब समाचार-पत्रों ने बताया कि ट्रेडर्स बैंक का खजांची निकर ब्रोकर में बीमार पड़ा है। परिस्थितियों को देखते हुए उसकी यह बीमारी आश्चर्यजनक नहीं थी। बैंक के अध्यक्ष का जो दोष था, उसके बारे में अब कोई संदेह नहीं रह गया था। जो बांड गायब थे, उनके विवरण छप गये थे और उनमें से कुछ मिल भी गये थे। हर हालत में बहुत बड़े ऋण के लिए उनका उपयोग किया गया था और यह निश्चित था कि पन्द्रह लाख डालर से अधिक रकम वसूल की गयी है। बैंक से संबन्धित हर व्यक्ति गिरफ्तार कर लिया गया था और बहुत बड़ी ज़मानत पर छूटा था।

क्या इस मामले में अकेले पाल आर्मस्ट्रांग का ही हाथ था या खजांची जान बैले भी उसका साथी था? धन कहाँ था? पाल आर्मस्ट्रॉंग की जायदाद बहुत बड़ी नहीं थी बस शहर में एक घर था, यह सनीसाइडवाला मकान था और कुछ व्यक्तिगत चीज़ें थीं। यही सब कुछ था। एक बात थी, जो बैले के हक में नहीं जाती थी। उसने और पाल आर्मस्ट्रॉंग ने मिलकर न्यू मोक्सिको में एक रेल-रोड कंपनी में पूँजी लगायी थी और यह अफवाह थी कि दोनों ने काफी बड़ी रकम वहाँ खर्च की थी। दोनों व्यक्तियों के इस व्यापारिक गठबन्धन के कारण कहा जाने लगा था कि बैले को बैंक के इस प्रकार लूटे जाने का ज्ञान था। सोमवार के दिन अचानक ही बैंक में न आने से उसके बारे में जो शक था, वह और बढ़ गया। विचित्र बात यह थी कि उसने स्वयं ही अपने आपको पुलिस के हवाले कर दिया था। मुझे लगा कि यह किसी चालाक दुष्ट का नाप-तोल कर उठाया गया कदम है। मैं जानबूझ कर गर्टरूड के इस प्रेमी के विरुद्ध नहीं थी,

पर मैं चाहती थी कि किसी न किसी तरह मुझे उसके निर्दोष होने का विश्वास दिलाया जाये। बिना किसी प्रमाण के विश्वास कर लेना मेरे लिए कठिन था।

उस रात सनीसाइड का भूत फिर चलने-फिरने लगा। लिड्डी लुई के सिंगार कमरे में सोयी हुई थी। सुबह का धुँधलापन छाया हुआ था। गोल सीढ़ी के उस पार स्थित होने पर वह अंधेरे में किसी उत्तेजनावश ही उसे पारकर गयी होगी। मैं यह स्वयं मानती हूँ कि वह स्थान मुझे बहुत मनहूस-सा लगता है, पर हमने उस भाग में बत्तियाँ जलाकर रखीं और जब तक कि आधी रात के समय बत्तियाँ बुझ नहीं गयीं, तब तक सचमुच वहाँ किसी प्रकार का भय दिखाई नहीं देता था, बशर्ते कि कोई उसका पुराना इतिहास न जानता हो।

शुक्रवार की रात को मैं सोने चली गयी थी और मैंने निश्चय किया था कि लेटते ही सो जाऊँगी। वे विचार, जो बार-बार दिमाग में आ रहे थे, मैंने उन्हें पीछे धकेल दिया और मैंने अपने हर अंग को सुस्ताया। जल्दी ही मैं सो गयी और सपने में मैंने देखा, डाक्टर वाकर मेरी खिड़कियों के सामने अपना नया घर बना रहा था। मैं हथोड़ों की ठकठक की आवाज सुन रही थी और जब किसी ने मेरे दरवाजे को खटखटाया तो मैं जाग पड़ी।

झट मैं उठ बैठी। दरवाज़े पर जो खटखट की आवाज़ हो रही थी, वह फ़र्श पर मेरे कदमों की आवाज के होते ही बन्द हो गयी। और उसी समय ताले में चाबी लगाने का जो छेद था, उसमें से किसी की धीमी-सी आवाज़ मैंने सुनी।

"मिस रैचेल!" कोई रह-रह कर पुकार रहा था!

"क्या तुम हो लिड्डी?" मैंने पूछा।

"ईश्वर के लिए मुझे अन्दर आने दीजिये!" उसने धीमी आवाज़ में कहा।

वह दरवाज़े का सहारा लिये खड़ी थी और जब मैंने दरवाज़ा खोला, तो वह गिर पड़ी। उसका चेहरा फ़क था और फ्लैनल के बने लाल और काले रंग का पेटीकोट उसके कंधों पर था।

"सुनिये!" उसने कमरे के अन्दर आकर मुझे पकड़ कर कहा, "ओह, मिस रैचेल, यह उस मृत व्यक्ति का भूत है, जो अन्दर आने के लिए दरवाज़ा खट-खटा रहा था।"

निःसंदेह किसी निकटवर्ती स्थान से ठक-ठक की धीमी-धीमी आवाज़ आ रही थी। वह ऐसी थी कि सुनने की अपेक्षा उसे अनुभव किया जा सकता था और यह पता लगाना कठिन था कि वहाँ कहाँ से आ रही है।

"यह भूत नहीं है," मैंने निश्चयपूर्वक कहा। "यदि वह भूत होता तो खटखट की आवाज़ न करता, बल्कि ताले में चाबी लगाने का जो छेद है, उसमें से होकर अन्दर आ जाता।" लिड्डी ने उस छेद की ओर देखा। "पर यह तो ऐसे लग रहा है, जैसे कोई घर में घुसने की कोशिश कर रहा है।"

लिड्डी पूरी तरह काँप रही थी। मैंने उसे अपने स्लीपर लाने के लिए कहा और वह उनके स्थान पर दस्ताने ले आयी। इसलिए अपनी चीजें मैंने स्वयं ही लीं और हाल्से को बुलाने के लिए तैयार हुई। पहले की भाँति ही बत्तियाँ बुझ गयीं। हाल्से के कमरे में जब मैं गयी तो हाल में अंधकार था। पता नहीं मुझे किस चीज़ का भय लग रहा था, पर हाल्से को वहाँ पाकर मैंने सुख की सांस ली! वह बहुत गहरी नींद में सोया हुआ था और उसके दरवाजे में ताला नहीं लगा हुआ था।

"उठो हाल्से!" मैंने उसे हिलाते हुए कहा।

वह कुछ हिला। लिड्डी आधी दरवाजे के अन्दर थी और आधी बाहर। वह डर रही थी कि कहीं वह अकेली ही न रह जाये, पर उसका अन्दर आने का भी साहस न हो रहा था। एकदम उसका संकोच जाता रहा। उसने एक दबी हुई चीख मारी, कमरे में आयी और चारपाई को कसकर पकड़कर खड़ी हो गयी। हाल्से धीमे-धीमे जाग रहा था।

"मैंने उसे देखा है," लिड्डी ने चीखकर कहा। "नीचे हाल में सफेद लिबास में एक स्त्री है।"

मैंने उसकी ओर ध्यान नहीं दिया।

"हाल्से," मैंने उसे फिर उठाते हुए कहा, "कोई घर में घुसा हुआ है, जल्दी उठो।"

"यह हमारा घर नहीं है," उसने नींद की सी हालत में कहा। और तब वह हौले हौले उठा। "अच्छी बात है चाची," उसने जम्हाई लेते हुए कहा, "अगर आप चाहती हैं कि मैं —"

लिड्डी को कमरे से बाहर निकालने के लिए मैं यही कर सकी, परन्तु इसका उस पर असर न हुआ। उसने दृढ़ता से कहा कि उसने भूत को देखा है और वह हाल में नहीं जायेगी। अन्त में मैं उसे अपने कमरे में ले जा सकी। उसकी हालत मरे हुए व्यक्ति जैसी थी। मैंने उसे बिस्तर पर लिटा दिया।

खटखट की आवाज़ जो कुछ समय के लिए रुक गयी थी, फिर शुरू हो गयी। परन्तु इस बार वह आवाज़ पहले से धीमी थी। कुछ देर में ही हाल्से

आ गया और वह उस आवाज को सुनता हुआ अनुमान लगाने लगा कि वह कहाँ से आ रही होगी।

"मुझे रिवाल्वर दीजिए चाची," उसने कहा। मैंने उसे रिवाल्वर ला दी—वही जो मुझे फूलों की क्यारी में पड़ी मिली थी। उसने जब लिड्डी को देखा तो सोचा कि लुई अकेली ही रह गयी थी।

"आप मुझे इस व्यक्ति से निबटने दीजिये चाची और आप लुई के पास जाइये। वह जागने पर घबरा जायेगी।"

सो लिड्डी के विरोध करने पर भी मैंने उसे वहाँ अकेले छोड़ दिया और पूर्वी भाग की ओर गयी। गोल सीढ़ी के पास जो अन्धकार था, शायद वहाँ से मैं कुछ तेज चलकर गयी और सीढ़ियों पर से सावधानी से उतरती हुई हाल्से के कदमों की आवाज मैं सुन सकती थी। खटखट की आवाज बन्द हो गयी थी और उस समय जो स्तब्धता छायी हुई थी उससे डर लग रहा था। और तब अचानक, जहाँ मैं खड़ी थी, वहाँ नीचे एक स्त्री के चीखने की आवाज आयी। एक ऐसी भयानक आवाज, जो उठी और खत्म हो गयी। मैं जड़वत् खड़ी रही। जैसे मेरे खून का हर बूँद मेरे दिल के इर्द गिर्द जमा हो गया है। उस मौत की सी स्तब्धता में दिल इस प्रकार धड़क रहा था, मानो फट जायगा। मुझमें जैसे जान नहीं रही थी। मैं लड़खड़ाती हुई लुई के कमरे में गयी। वह वहाँ नहीं थी।

१६

प्रातःकाल

मैं वहाँ खड़ी खाली बिस्तर को देखती रह गयी। ऊपर ओढ़ने की चद्दरें एक ओर फेंक दी गयी थीं और लुई का गुलाबी रंग का रेशमी गाउन वहाँ नहीं था, जहाँ कि वह रखा रहता था। लैंप धुँधला-सा जल रहा था और स्थान की रिक्तता को और बढ़ा रहा था। मैंने उसे उठाया पर मेरा हाथ काँप रहा था, इसलिए मैंने उसे रख दिया और किसी तरह दरवाजे तक आयी।

हाल में आवाजें आ रही थीं और गर्टरूड दौड़ी-दौड़ी मेरे पास आयी।

"क्या बात है?" वह चीखी। "यह आवाज कैसी थी? लुई कहाँ है?"

"वह अपने कमरे में नहीं है।" मैंने कहा, "मेरे ख्याल में वह वही थी, जो चिल्लायी थी।"

अब लिझी हमारे पास आ गयी थी। उसके हाथ में लैंप था। गोल सीढ़ी के पास हम एक दूसरे के साथ सटकर खड़े थे और उसकी परछायीं में देख रहे थे। वहाँ देखने योग्य कुछ भी नहीं था और पूर्ण स्तब्धता छायी थी। तब हमने मुख्य सीढ़ियाँ चढ़ते हुए हाल्से के कदमों की आवाज सुनी। वह जल्दी जल्दी हाल में आया, जहाँ हम खड़ी थीं।

"कोई भी तो अन्दर घुसने की कोशिश नहीं कर रहा। अभी मैंने किसी की चीख सुनी थी। कौन चिल्लाया था?"

हमारे भयभीत चेहरों ने उसे असलियत बता दी।

"कोई वहाँ चिल्लाया था," मैंने कहा, "और–और लुई अपने कमरे में नहीं है।"

एक झटके से हाल्से ने लिझी के हाथ से लैंप लिया और गोल सीढ़ी पर से नीचे गया। मैं आहिस्ता–आहिस्ता उसके पीछे गयी। ऐसा लग रहा था, मानो मेरा शरीर जवाब दे जायगा। मैं बड़ी कठिनाई से कदम उठा रही थी। सीढ़ियाँ उतर कर हाल्से ने आश्चर्य प्रकट किया और लैंप नीचे रख दिया।

"चाची!" उसने बुलाया।

सीढ़ी के नीचे लुई एक गठरी के समान पड़ी हुई थी। उसका सिर नीचे की सीढ़ी पर था। वह बेजान सी पड़ी थी। उसका रंग सफेद पड़ गया था। उसके काले बाल उसके सिर के ऊपर की सीढ़ियों पर फैले हुए थे। ऐसा लगता था, जैसे वह फिसल कर गिरी हो।

वह मरी नहीं थी। हाल्से ने उसे फर्श पर लिटा दिया और उसके ठंडे हाथों को मलने लगा। गर्टरूड और लिझी कोई दवा लेने दौड़ीं, जिससे उसकी बेहोशी दूर हो सके। मैं उस भयानक सीढ़ी के पास बैठ गयी, क्योंकि मेरी टाँगें जवाब दे रही थीं। मैं हैरान बनी सोच रही थी कि आखिर इस सब का अन्त क्या होगा? लुई अभी तक बेहोश थी, परन्तु पहले की अपेक्षा आसानी से साँस ले रही थी। मैंने राय दी कि होश में आने के पहले ही उसे वापस बिस्तर पर ले जाया जाय। यह देखकर मुझे डर लगने लगा कि वह उसी स्थान पर और उसी हालत में लेटी हुई थी, जहाँ उसके भाई का मृत शरीर पाया गया था। और फिर उसी समय हाल की घड़ी में तीन बजे की घंटी बजी।

चार बजे के पहले लुई को होश आ गया था और वह बोल सकती थी। प्रातःकाल की पहली किरणें खिड़कियों में से अन्दर आ रही थीं। जैसा कि लुई ने बताया, मैं वैसा ही उल्लेख कर रही हूँ। वह बिस्तर पर लेटी थी और हाल्से उसके पास बैठा हुआ था। लुई का हाथ उसके हाथ में था और वह बता रही थी।

"मुझे ठीक तरह से नींद नहीं आ रही थी," उसने कहा, "कुछ इसलिए कि मैं दोपहर के बाद सो चुकी थी। दस बजे लिड्डी मेरे लिए गर्म दूध लायी और मैं बारह बजे तक सोयी रही। तब मैं जागी और—मैं कुछ चीजों के बारेमें सोचने लगी। मैं चिंतित-सी थी, इसलिए मुझे नींद नहीं आ सकी।

"मुझे आश्चर्य था कि उस रात लाज में मिलने के पश्चात् आर्नेल्ड क्यों नहीं आया था। मुझे डर था कि वह कहीं बीमार न हो गया हो, क्योंकि—क्योंकि उसे मेरा एक काम करना था और वह वापस नहीं आया था। तीन बजे होंगे जब मैंने खटखट की आवाज़ सुनी। मैं बैठ गयी और सुनने लगी कि क्या कोई सचमुच ही दरवाजा खटखटा रहा है? वह आवाज़ जारी रही। मैं चौकन्नी हो गयी थी और लिड्डी को बुलाने ही वाली थी। तब अचानक मैंने सोचा कि मुझे पता है यह कैसी आवाज़ है। देर से आने पर आर्नेल्ड हमेशा पूर्वी भाग के रास्ते से गोल सीढ़ी चढ़ कर आता था और कभी जब वह अपनी चाबी भूल जाता था, तो दरवाज़ा खटखटाता था। तब मैं नीचे दरवाज़ा खोलती थी। मैंने सोचा कि वह मुझसे मिलने आया है। मुझे डर था कि कमज़ोरी के कारण मैं शायद सीढ़ियाँ न उतर सकूँ। खटखट की आवाज़ जारी रही और मैं लिड्डी को बुलाने ही वाली थी कि वह कमरे में से दौड़ी—दौड़ी हाल में आयी। तब मैं उठी। मुझे कमज़ोरी महसूस हो रही थी और जैसे चक्कर आ रहे थे। मैंने अपना गाउन पहना। अगर यह आर्नेल्ड है तो मुझे उससे मिलना चाहिए।

"चारों ओर अंधेरा था, लेकिन मुझे रास्ते का पता था। मैं जितना जल्दी हो सकता था, सीढ़ियाँ उतर कर नीचे गयी। खटखट की आवाज़ बन्द हो गयी थी और मुझे डर था कि बहुत देर हो गयी है। मैं सीढ़ियाँ उतर कर पूर्वी भाग के दरवाज़े तक गयी। दरवाज़े के पास पहुँचने तक मुझे निश्चय था कि यह आर्नेल्ड ही होगा, परन्तु दरवाज़े का ताला बन्द नहीं था और दरवाज़ा थोड़ा-सा खुला था। हर वस्तु अंधकारमय थी। बाहर भी पूर्ण अंधकार था। मुझे बहुत अजीब-सा लगा और मैं काँपने लगी। तब मैंने सोचा कि शायद आर्नेल्ड ने अपनी चाबी से ताला खोला हो। मैं वापस मुड़ी। ज्यों ही मैं सीढ़ियों के पास पहुँची, मैंने किसी के आने की आहट सुनी। मुझे उस अंधेरे में डर लगने लगा। मेरे लिए

खड़ा रहना बहुत कठिन था। मैं तीन या चार सीढ़ियाँ चढ़ी और मुझे लगा कि कोई मेरे पीछे सीढ़ियाँ चढ़ रहा है। दूसरे ही क्षण किसीके हाथ ने मेरे हाथ को पकड़ा। कोई मेरे पास से गुज़रा और मैं चीख पड़ी। तब मैं बेहोश हो गयी हूँगी।"

यह थी लुई की कहानी। इसकी सचाई पर शक नहीं किया जा सकता था। और जो बात मुझे सबसे विचित्र और भयानक लगी, वह यह थी कि बेचारी लड़की अपने उस भाई को अन्दर लाने गयी थी, जो इस संसार में नहीं था। अब तक दो बार बिना किसी विशेष कारण के कोई पूर्वी दरवाज़े के घर में धुसा था, बिना किसी विघ्न-बाधा के घर में घूमा था और फिर जैसे आया था, वैसे ही चला गया था। क्या यही व्यक्ति उस रात तीसरी बार भी आया था, जब कि आर्नल्ड की हत्या हुई थी? या चौथी बार जब कि मिस्टर जेमिसन ने किसी को लॉंड्री में बंद कर दिया था?

हममें से किसी को भी नींद आनी असंभव थी। आखिर हम नहाने और कपड़े आदि बदलने चले गये। लुई वहीं रही। पर मैंने निश्चय किया कि उसे परिस्थितियों का सही ज्ञान होना चाहिए। एक और फैसला मैंने किया और मैंने उसी समय नाश्ते के बाद उस पर अमल करना शुरू किया। मेरे पास पूर्वी भाग में एक सोने का कमरा था, जिसे मैं अपने लिए उपयोग में नहीं लाती थी। उसमें माली अलैक्स सोता था। जब कि घर में यह सब कुछ हो रहा था, तो घर के उस भाग में किसी व्यक्ति का अकेले रहना ठीक नहीं था। मैंने अलैक्स से वह कमरा छोड़ देने के लिये कहा और उसे इस पर कोई एतराज़ नहीं था।

अगली सुबह भी हाल्से और मैंने गोल सीढ़ी का, उसके सामने के दरवाज़े का और ताश खेलने वाले कमरे का पूरी तरह निरीक्षण किया। वहाँ कोई असाधारण बात दिखाई न दी। यदि हमने स्वयं वह खटखट की आवाज़ न सुनी होती तो लुई ने जो कुछ बताया था, उसके आधार पर मैं कहती कि उसका दिमाग खराब हो गया है। बाहर का दरवाज़ा बन्द था और उसमें ताला लगा हुआ था और गोल सीढ़ी बस साधारण सीढ़ियों जैसी ही थी।

लिड्डी ने और मैंने जो पहली रात बरामदे में किसी व्यक्ति को देखा था, हाल्से ने इसके बारे में कभी गंभीरतापूर्वक नहीं सोचा था। पर अब वह काफी गंभीर दिख रहा था। उसने अच्छी तरह सीढ़ी से ऊपर और नीचे देख-भाल की। वह किसी गुप्त द्वार की खोज कर रहा था और अचानक मुझे उस कागज के टुकड़े का ख्याल आया, जो मिस्टर जेमिसन को आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग की चीज़ों

में मिला था। मैंने हाल्से को जहाँ तक हो सका ठीक-ठीक उसमें की बातें बतायीं। हाल्से ने उन्हें नोट बुक में लिख लिया।

"अच्छा होता अगर आप यह मुझे पहले बता देतीं," उसने कहा। "घर में हमें कुछ नहीं मिला है और न ही ड्योढ़ी या मैदान में हमें कुछ मिलने की आशा थी। पर ज्यों ही हमने बाहर का दरवाजा खोला, कोई वस्तु खड़खड़ की आवाज करती हुई नीचे गिरी। यह बिलियर्ड के कमरे में का डंडा था।

हाल्से ने बड़े आश्चर्य से उसे उठाया।

"कैसी लापरवाही है!" उसने कहा। "नौकर खेलते रहे होंगे।"

मुझे विश्वास नहीं हुआ। कोई भी नौकर घर के उस भाग में नहीं जा सकता जब तक कि उसे कोई खास काम न पड़े। और बिलियर्ड खेलने का डंडा! इसे अपने बचाव या किसी पर वार करने का हथियार समझना गलती थी। हाँ, यदि लिड्डी की भूतवाली बात मान ली जाय तो ऐसा सोचा जा सकता था। पर हाल्से के कथनानुसार बिलियर्ड खेलने वाले भूत की बात तो आज के जमाने में बहुत ही नयी बात होगी।

उस दिन दोपहर के बाद हम — गर्टरूड, हाल्से और मैं—कस्बे में कोरनोनर के अन्वेषण को देखने गये। डाक्टर स्टीवर्ट को भी बुलाया गया था। इतवार की सुबह जब मैं और गर्टरूड अपने कमरों में चली गयीं थी, तो इस डाक्टर स्टीवर्ट को मृत शरीर की जाँच के लिए बुलाया गया था। हम गाड़ी में जाने की बजाय मोटर में ही गये। कैसानोवा के आधे लोग हमें देख रहे थे और रास्ते में हमने फैसला किया कि वहाँ जाकर लुई और उसकी अपने भाई से हुई मुलाकात का हम बिलकुल जिक्र नहीं करेंगे। उसकी पहले ही काफी नाजुक हालत थी।

१७

रहस्य का एक सूत्र

अन्वेषणमें क्या हुआ, इसका संक्षिप्त रूप में मैं इसलिए उल्लेख कर रही हूँ, ताकि आर्नल्ड आर्मस्ट्राँग की हत्यावाली रात को जो घटनाएँ हुईं उन पर प्रकाश पड़े। कई ऐसी चीजें हुई थीं, जिनका अन्वेषण में जिक्र नहीं हुआ और कुछ

ऐसी चीजों का जिक्र वहाँ हुआ, जो मेरे लिए नयी थीं। कोरोनर की जूरी में छ: व्यक्ति थे, जो कोने में बैठे हुए थे। उन्हें देखकर लगता था, मानो वे सर्व शक्तिमान कोरोनर की कठपुतलियाँ हों।

गर्टरूड और मैं पीछे बैठी थीं और हमारे चेहरों पर घूँघट थे। वहाँ कई व्यक्तियों को मैं जानती थी। बारबरा फिटजुग अपने काले लिबास में बहुत गमगीन लग रही थी। जर्विस भी वहाँ था। हार्टन वहाँ बैठा बहुत अधीर दीख रहा था, परन्तु वह हर गवाही के प्रति सचेत दिख रहा था। एक कोने में बैठा जेमिसन सारी कार्यवाही को देख रहा था।

सबसे पहले डाक्टर स्टीवर्ट को बुलाया गया। उसने संक्षेप में अपनी गवाही दी। उसने बताया कि गत इतवार की सुबह पौने पाँच बजे उसे टेलीफोन पर बुलाया गया। यह जर्विस का टेलीफोन था, और उसे उसी समय सनीसाइड आने के लिए बुलाया गया था, क्योंकि वहाँ दुर्घटना हो गयी थी और आर्नल्ड आर्मस्ट्राँग की हत्या हो गयी थी। उसने जल्दी से कपड़े पहने, अपना सामान लिया और सनीसाइड की ओर चल पड़ा।

उससे जेमिसन की मुलाकात हुई और उसे उसी समय सनीसाइड के पूर्वी भाग की ओर ले जाया गया। वहाँ फर्श पर पड़ा हुआ आर्नल्ड आर्मस्ट्राँग का शरीर था। उसे अपने यंत्रों का उपयोग नहीं करना पड़ा, क्योंकि आर्नल्ड मरा पड़ा था। कोरोनर के प्रश्न के उत्तर में उसने बताया कि मृत शरीर को वहाँ से हटाया या हिलाया नहीं गया था। वह सीढ़ियों के पास पड़ा था। हाँ, उसका ख्याल था, कि मौत उसी क्षण हो गयी थी। शरीर अभ तक कुछ गर्म था। उसे विश्वास था कि यह आत्महत्या नहीं थी। वहाँ कोई हथियार नहीं पाया गया था।

डाक्टर का बयान खत्म हो गया, पर उसने कुछ हिटकिचाहट में अपना गला साफ किया।

"मिस्टर कोरोनर", उसने कहा, "आपका कीमती समय लेते हुए मैं एक घटना का वर्णन करना चाहता हूँ, जो शायद इस हत्या की दुर्घटना पर कुछ प्रकाश डाले।"

सुनने वाले झट चौकन्ने हो गये।

"हाँ, बताइये डाक्टर," कोरोनर ने कहा।

"मेरा घर ईगल में है, जो कैसानोवा से दो-तीन मील दूर है," डाक्टर ने कहना शुरू किया। "डाक्टर वाकर की अनुपस्थिति में कैसानोवा के कुछ निवासी मेरे पास दवा लेने आया करते थे। एक महीना पहले—सही तौर पर

देखा जाय तो सवा महीना पहले—एक स्त्री मेरे पास आयी। इस स्त्री को मैंने पहले कभी नहीं देखा था। वह मुझे बहुत गमगीन दिख रही थी और उसके चेहरे पर घूँघट था। वह मुझे दिखाने के लिए एक छः वर्ष के लड़के को लायी। उसे टायफायड लगता था। उसकी माँ बहुत व्याकुल थी। वह उस लड़के को कस्बे में बच्चों के अस्पताल में दाखिल करवाने के लिए मुझसे चिट्ठी चाहती थी, क्योंकि मैं अस्पताल के स्टाफ का सदस्य हूँ। मैंने उसे चिट्ठी दे दी। एक विचित्र बात के कारण यह घटना मुझे याद है। आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग की हत्या के दो दिन पहले मुझे कन्ट्री क्लब जाने के लिए बुलावा आया। किसी को गोल्फ खेलने की गेंद लगने से चोट आ गयी थी। जब मैं चला तो देर हो गयी थी। मैं पैदल ही जा रहा था और क्लब से अभी मील भर दूर था। क्लेसबर्ग नामक सड़क पर मुझे दो व्यक्ति मिले। वे बुरी तरह झगड़ रहे थे और मैंने बड़ी आसानी से पहचान लिया कि उनमें से एक आर्मस्ट्रॉंग था और वह जो स्त्री थी, वह वही थी जो लड़के को दिखाने के लिए मेरे पास लायी थी।"

यह सुनकर श्रीमती ओग्डेन फिटजुग बिलकुल तनकर बैठ गयी। जेमिसन कुछ निराश-सा लग रहा था और कोरोनरने कुछ लिखा।

"बच्चों का अस्पताल बताया आपने डाक्टर?" उसने पूछा।

"हाँ, पर वह लड़का जो लूसियन वालेस के नाम से वहाँ दाखिल किया गया था, उसे दो सप्ताह पहले उसकी माँ वहाँ से ले गयी थी। मैंने उनका पता लगाने की कोशिश की है, पर सफल नहीं हो पाया।"

एकदम मुझे उस तार का ख्याल आया, जो किसी एक एल. डब्लू. की ओर से लुई के नाम भेजा गया था—शायद डाक्टर वाकर की ओर से। क्या यह घूँघट वाली स्त्री नीना कारिंग्टन हो सकती है? पर यह केवल अनुमान ही था। मेरे पास इसका पता लगाने का कोई रास्ता नही था और अन्वेषण का कार्य चलता रहा।

इसके पश्चात् कोरोनर के डाक्टर की रिपोर्ट आयी। पोस्टमार्टम होने पर यह पता चला कि गोली छाती में से होकर दिल और फेफेड़ों को चीरती हुई पीछे की ओर से निकली थी। बायां फेफड़ा फट गया था। इस प्रकार का जख़्म आत्महत्या करने पर नहीं हो सकता था। और चूंकि गोली छाती में से होकर नीचे की ओर गयी थी, इससे पता चलता था कि गोली किसी ऊंचे स्थान से चलायी गयी थी। दूसरे शब्दों में चूंकि मृत शरीर सीढ़ियों के पास नीचे पाया

गया था, इससे अनुमान लगता था कि किसी ने सीढ़ियों पर खड़े होकर ऊपर से गोली चलायी थी। ३८ कैलीबर की गोली आर्नल्ड के कपड़ों में पायी गयी थी। वह जूरी को दिखायी गयी।

इसके पश्चात् जेमिसन को बुलाया गया। पर उसकी गवाही बहुत साधारण सी थी। उसे फोन पर सनीसाइड बुलाया गया था। वह उसी समय स्टीवर्ट और विन थ्राप के साथ वहाँ गया। उन्होंनें वहाँ जाकर मृत शरीर को सीढ़ी के पास पड़े पाया। उसने देखभाल की कि वहां कोई हथियार तो नहीं है। पर वहाँ आस पास कोई हथियार नहीं था। पूर्वी भाग में बाहर का दरवाजा थोड़ा-सा खुला था।

मेरी घबराहट अधिकाधिक बढ़ती जा रही थी। कोरोनर ने जान बैले को बुलाया तो कमरे में एक दबी हुई उत्तेजना भर गयी। जेमिसन आगे बढ़ा और उसने पुलीस अधिकारी से कुछ कहा, जिसने सुनकर सिर हिलाया। तब हाल्से को बुलाया गया।

"मिस्टर इनेस," पुलीस अधिकारी ने कहा, "क्या आप बता सकते हैं कि किन परिस्थितियों में आपने उस रात आर्मस्ट्राँग को देखा, जिस रात उसकी हत्या हुई?"

"पहले मैंने उसे कन्ट्री क्लब में देखा," हाल्से ने शांत भाव से कहा। उसका चेहरा कुछ पीला पड़ गया था, पर वह संभला हुआ था। "मैंने वहां पेट्रोल लेने के लिए अपनी मोटर को रोका। आर्मस्ट्राँग ताश खेल रहा था। जब मैंने उसे वहाँ देखा तो वह ताश खेलने वाले कमरे के बाहर आ रहा था और जान बैले से बातें कर रहा था।"

"वह बातचीत किस प्रकार की थी — क्या वह शांतिपूर्ण थी?" हाल्से हिचकिचाया।

"वे झगड़ रहे थे," उसने कहा। "मैंने बैले से क्लब छोड़ कर इतवार के लिए अपने साथ आने के लिए कहा।"

"क्या यह सचाई नहीं है मिस्टर इनेस, कि आप बैले को क्लब से इसलिए ले गये कि आपको डर था कि कहीं ये आपस में लड़ने न लगें?"

"स्थिति अच्छी नहीं थी," हाल्से ने कुछ बच कर कहा।

"क्या उस समय आपको किसी प्रकार का संदेह था कि ट्रेडर्स बैंक लूटा गया है?"

"नहीं।"

"फिर क्या हुआ?"

"बैले और मैं बिलियर्ड के कमरे में ढाई बजे तक बातें करते रहे।"

"और आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग वहाँ आया, जब आप बातें कर रहे थे।"

"हाँ, वह लगभग ढाई बजे आया। उसने पूर्वी भाग के दरवाज़े पर दस्तक दी और मेरे दरवाजा खोलने पर वह अन्दर आया।"

कमरे में मौत की सी स्तब्धता थी। मिस्टर जेमिसन की आँखें लगातार हाल्से के चेहरे पर गड़ीं हुई थीं।

"क्या आप हमें उसके आने का कारण बता सकते हैं?"

"वह एक तार लाया था, जो बैले के नाम क्लब में आया था"

"क्या उस समय वह शांत था?"

"बिलकुल, वह उस समय पूरी तरह शांत था।"

"क्या उसका यह दिखावे के तौर पर मित्रताभरा व्यवहार पहले की अपेक्षा कुछ बदला हुआ नहीं था?"

"हाँ, पर मैं इसका कारण नहीं समझ सका।"

"वह कितनी देर वहाँ रहा?"

"लगभग पाँच मिनट। तब वह पूर्वी दरवाज़े से बाहर चला गया।"

"तब क्या हुआ?"

"हमने कुछ देर बातें कीं, एक योजना पर विचार किया, जो कि बैले के दिमाग में थी। तब मैं अस्तबल में गया, जहाँ मैंने अपनी कार रखी थी और उसे बाहर निकाला?"

"आप बैले को बिलियर्ड के कमेर में अकेले छोड़कर गये?"

हाल्से हिचकिचाया?

"मेरी बहन वहाँ थी?"

श्रीमती ओग्डेन फिटजुग ने हिम्मत से मुड़कर गर्टरूड को देखा।

"और तब?"

"मैं नीचे की सड़क से कार लेकर गया, ताकि घरवालों की नींद में विघ्न न पड़े? बैले मैदान को पार कर झाड़ियों में से होता हुआ नीचे आया और सड़क पर मेरी कार में बैठ गया?"

"तब आपको कुछ नहीं पता कि घर छोड़ने पर आर्मस्ट्रांग कहाँ गया?"

"नहीं, मैंने उसकी मृत्यु के बारे में सबसे पहले सोमवार की शाम को पढ़ा।"

"क्या बैले ने मैदान में से जाते हुए उसे नहीं देखा?"

"मेरे ख्याल में नहीं देखा। अगर देखा होता वह मुझ से जिक्र करता!"

" मेहरबानी। और, बस मिस्टर इनेस ! "

गर्टरूड के जवाब हाल्से के जवाबों की तरह ही संक्षिप्त थे। श्रीमती फिटजुग ने उसे सिर से लेकर पाँव तक बड़े ध्यान से देखा। मुझे प्रसन्नता हुई कि उसे गर्टरूड के न तो गाउन में और न तौरतरीके में कोई नुक्स दिखा। पर बेचारी गर्टरूड की गवाही इतनी अच्छी नहीं रही। उसने बताया कि आर्मस्ट्राँग के चले जाने पर उसे उसके भाई ने बुलाया। वह बैले के साथ बिलियर्ड के कमरे में तब तक प्रतीक्षा करती रही, जब तक कि कार तैयार नहीं हो गयी ? तब उसने सीढ़ी के नीचे के दरवाज़े को ताला लगाया और वह लैंप लेकर बैले के साथ घर के मुख्य द्वार तक आयी और उसने बैले को मैदान पार करते हुऐ देखा। उसी समय अपने कमरे में जाने की बजाय वह लौटकर बिलियर्ड के कमरे में कोई चीज लेने गयी, जो वहाँ छूट गयी थी। ताश खेलने वाले कमरे और बिलियर्ड के कमरे में अंधेरा था। उसने इधर उधर टटोला और उसे वह चीज़ मिल गयी जिसे वह खोज रही थी। और अभी वह अपने कमरे की ओर लौट ही रही थी कि उसने इसी भाग के बाहरी दरवाज़े पर किसी को ताले में चाबी लगाते हुए सुना। उसने सोचा कि शायद उसका भाई होगा। वह वहाँ जाने ही वाली थी कि उसने उसे खुलते हुए देखा। उसी क्षण गोली चलने की आवाज़ आयी। वह भयभीत बनी बैठक में से होकर भागी और उसने घर में सबको जगा दिया।

" आपने कोई और आवाज़ नहीं सुनी ? " कोरोनर ने पूछा। " क्या जब आर्मस्ट्राँग अंदर आया तो उसके साथ कोई नहीं था ? "

" वहाँ बिलकुल अंधेरा था और स्तब्धता थी। मैंने किसी की आवाज़ नहीं सुनी। बस दरवाज़ा खुला, गोली चली और किसी के गिरने की आवाज़ आयी। "

" तब जब आप बैठक में से होकर ऊपर गयी और घर वालों को जगाया तो हत्यारा पूर्वी दरवाज़े से भाग गया होगा ? "

" हाँ। "

" धन्यवाद। इतना काफी है। "

मुझे खुशी है कि कोरोनर मुझसे अधिक कुछ नहीं पा सका। मैंने जेमिसन को अपने आप में मुस्कराते हुए देखा और कुछ देर के पश्चात् पुलिस अधिकारी ने मुझे छुट्टी दे दी। मैंने स्वीकार किया कि मैंने मृत शरीर को देखा था और जेमिसन के बताने तक मुझे यह पता नहीं था कि वह कौन है। मैंने बारबार फिटजुग की ओर देखते हुए कहा कि यह मकान लेते समय मैंने आशा नहीं की थी कि मैं इस प्रकार की मुसीबत में फँसूँगी। इस पर उसका चेहरा सुर्ख हो गया।

जूरी ने निर्णय में कहा कि आर्मस्ट्रॉंग की मृत्यु किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के हाथों हुई, जिन्हें हम जानते नहीं। आखिर सब जाने के लिए उठे। उसी समय बारबरा फिटजुग बात करने के लिए मेरे पास आयी और तभी हर्टन भी आया। मुझे पता था कि वह आयेगा।

"आशा है, आपने घर छोड़ने का निर्णय कर लिया होगा, मिस इनेस!" उसने कहा, "श्रीमती आर्मस्ट्रॉंग ने मुझे फिर तार भेजा है"

"मैं नहीं छोड़ूँगी," मैंने कहा, "जब तक कि यह मुसीबत दूर नहीं हो जाती। जिस दिन हत्यारे का पता लग जायगा, मैं घर छोड़ दूँगी।"

"तब जो कुछ मैंने सुना है, उसके आधार पर कह सकता हूँ कि आप जल्दी ही वापस शहर चली जायेंगी," उसने कहा। मुझे पता था, वह जान बैले पर शक कर रहा था। जब मैं जाने को तैयार हुई तो जेमिसन मेरे पास आया।

"आपके मरीज़ की क्या हालत है?" उसने होंठों पर अपनी विचित्र प्रकार की हल्की-सी मुस्कराहट लाकर पूछा।

"मेरा कोई मरीज़ नहीं है।" मैंने कुछ घबराकर उत्तर दिया।

"तब मैं इसे दूसरी तरह कहता हूँ। मिस आर्मस्ट्रॉंग कैसी हैं?"

"वह—वह ठीक हो रही है," मैंने रुक कर कहा।

"बहुत अच्छा," उसने खुश होकर कहा। "और भूत? उसका पता चला?"

"मिस्टर जेमिसन," मैंने अचानक कहा, "मैं चाहती हूँ कि आप एक काम करें। आप सनीसाइड आयें और वहाँ कुछ दिन रहें। भूत का पता नहीं चला है। मैं चाहती हूँ कि आप कम से-कम एक रात गोल सीढ़ी पर निगरानी रखें। आर्नल्ड आर्मस्ट्रॉंग की हत्या आरंभ है, अन्त नहीं है।"

वह गंभीर दिख रहा था।

"शायद मैं यह कर सकूँ," उसने कहा। "मैं कुछ और काम कर रहा हूँ। पर अच्छा, मैं आज रात को आऊँगा।"

वापस सनीसाइड जाते हुए हम बिलकुल शांत थे। मैंने गर्टरूड को ध्यान से और कुछ उदासी से देखा। उसकी बतायी कहानी में एक बहुत बड़ी खामी थी, जिसे कोई भी समझ सकता था। आर्नल्ड के पास चाबी नहीं थी और फिर भी वह कहती है कि पूर्वी दरवाजे में ताला लगा हुआ था। उसे घर में से ही किसी ने अन्दर आने दिया होगा। मैं बार बार यही सोच रही थी।

उस रात जितनी सावधानी से मैं बता सकती थी, मैंने लुई को उसके भाई की मृत्यु के बारे बताया। वह बड़ी-सी कुर्सी में, जिसमें गद्दे रखे हुए थे, बैठी थी। उसने चुपचाप मेरी सारी बात सुनी। स्पष्ट था कि उसे बहुत बड़ा धक्का लगा था। उसके चेहरे के भाव से कुछ जानने की आशा करनी व्यर्थ थी। वह भी उसी प्रकार अन्धकार में थी, जैसे कि हम थे।

१८

दीवार में एक छेद

मेरा जासूस को सनीसाइड में ले आना गर्टरूड और हाल्से को अच्छा नहीं लगा। उन्होंने उसका ऐसा विरोध किया जिसकी मुझे आशा नहीं थी। मैं इसके लिए तैयार नहीं थी और न ही मुझे इसका कारण समझ में आ रहा था। मुझे अपनी आखों के सामने जेमिसन की स्थिति कम भयंकर लग रही थी, क्योंकि उसे जो कुछ करना था, वह मेरे सामने ही होना था। शहर में तो वह परि-स्थितियों को तोड़-मोड़कर अपने मनोरथ के अनुकूल बना सकता था और यह भी संभावना थी कि उसे यहाँ हुई घटनाओं के बारे में गलत जानकारी मिले। उसे घर में लाकर मुझे खुशी हुई।

जो कुछ हुआ, उसमें एक नयी बात होने की संभावना थी। सोमवार या अधिक से अधिक मंगलवार तक डाक्टर वाकर को गाँव में बने अपने हरे और सफेद रंग के मकान में आ जाना था। तब उसके प्रति निकट भविष्य में लुई का जो रवैया होना था, उसी पर हाल्से की खुशी या गमी निर्भर थी। और फिर उसकी माँ के लौटने पर लुई को हमसे अलग होना था। उसके प्रति मेरा मोह इतना बढ़ गया था कि यह सोच कर कि वह हमसे अलग हो जायेगी, मुझे दुख हो रहा था।

जिस दिन से जेमिसन सनीसाइड आया था, मेरे प्रति गर्टरूड के व्यवहार में एक हल्का-सा परिवर्तन आना शुरू हो गया था। उसे समझना या उसका विश्लेषण करना कठिन था। पर उसे अनुभव किया जा सकता था। वह मुझसे कुछ बातें छिपाकर रखने लगी थी, यद्यपि मेरे ख्याल में उसका मेरे प्रति मोह कभी कम नहीं हुआ। उस समय यह परिवर्तन शायद

इसलिए था कि मैंने उसे जान बैले से किसी प्रकार का भी सम्बन्ध रखने से रोक दिया था और उन दोनों की सगाई को मानने से इन्कार कर दिया था। गर्टरूड अपना अधिकांश समय बाहर घूमने फिरने या लम्बी सैर करने में ही बिताती। हाल्से रोज़ कन्ट्री क्लब में गोल्फ खेलता। और अगले सप्ताह लुई के चले जाने के पश्चात् जेमिसन और मैं अधिकतर साथ-साथ रहने लगे। तांश खेलते समय 'ब्रिज' में तो वह ईमानदारी से खेलता, परन्तु 'सोलिटेयर' में धोखा दे जाता।

शनिवार की रात को जब जासूस वहाँ पहुँचा, तो मैंने उससे बात-चीत की। मैंने उसे लुई आर्मस्ट्राँग के साथ जो घटना हुई थी, उसके बारे में बताया और उस व्यक्ति के बारे में भी बताया, जिसने रास्ते में रोज़ी को डराया था। मैंने देखा कि उसे यह जानकारी महत्त्वपूर्ण प्रतीत हुई और मेरे यह सुझाने पर कि पूर्वी भाग के दरवाज़े में एक और ताला लगा दिया जाये, उसने विरोध किया।

"मेरा ख्याल है," उसने कहा, "कि हमारा मेहमान फिर आयेगा। हमें चीज़ों को पहले की तरह ही रहने देना चाहिए, ताकि उसे किसी किस्म का शक न हो। तब मैं हर रात कुछ समय के लिए निगरानी करूँगा और शायद मिस्टर इनेस मेरी सहायता करेंगे। मैं थामस को इसके बारे में अधिक नहीं बताऊँगा। वास्तव में वह कई बातें जानता है, जो हमें बताने को तैयार नहीं है।"

मैंने सलाह दी कि माली अलैक्स मदद करने को शायद तैयार होगा। जेमिसन ने सारा प्रबन्ध अपने जिम्मे लिया। खैर, पहली रात जेमिसन ने अकेले ही निगरानी करनी चाही। उस रात कोई खास बात नहीं हुई। सीढ़ी के निचले डंडे पर जेमिसन पूर्ण अन्धकार में बैठा बीच-बीच में ऊँघता रहा, जिसके बारे में उसने बाद में बताया। किसी भी ओर से कोई व्यक्ति नहीं आया और सुबह होने पर दरवाज़े में उसी प्रकार ताला लगा हुआ था। फिर भी उसी रात एक ऐसी घटना हुई जिस पर विश्वास नहीं किया जा सकता।

इतवार की सुबह लिड्डी मेरे कमरे में आयी। उसका चेहरा लटका हुआ था। उसने प्रति दिन की भाँति ही काम किया, पर वह ज्यादा नहीं बोली, जो उसकी आदत के खिलाफ था। उसने न नये बावर्ची की शिकायत की कि उसने ज़रूरत से ज्यादा अंडे खर्च किये हैं और न ही उसने जेमिसन के बारे में अपनी घृणा ही प्रकट की जिसकी उपस्थिति उसे हमेशा खलती थी।

"क्या बात है, लिड्डी?" मैंने पूछा। "क्या तुम रात में सोयी नहीं?"

"नहीं," उसने रुखाई से कहा।

"क्या खाने के साथ तुम्हें काफी के दो कप मिले थे?" मैंने पूछा।

मैं बैठ गयी और मेरे हाथ में जो गर्म पानी का कप था, उसमें से पानी उछला—उठने से पहले मैं हमेशा थोडा-सा नमक डालकर गर्म पानी पीती हूँ, जो कि पेट के लिए लाभदायक है।

"लिड्डी एलेन" मैंने कहा, "ठीक ठीक बताओ, आखिर बात क्या है?"

"मिस रैचल, मैं आपके साथ लड़कपन से ही अपना अच्छा-बुरा स्वभाव लिये रहती आ रही हूँ। पचीस वर्ष हो गये हैं। पर अब मुझसे और सहन नहीं हो सकता। मेरे कपड़ों का ट्रंक तैयार पड़ा है।"

"उसे किसने तैयार किया है?" मैंने पूछा। मैं आशा कर रही थी कि वह कहेगी कि जब वह सुबह उठी तो किसी भूत ने ट्रंक में कपड़े रखकर उसे तैयार कर दिया होगा।

"मैंने, मिस रैचल। आपको मुझ पर विश्वास नहीं होता कि इस घर में भूत है। वह कौन था, जो लांड्री में गिरा था? वह कौन था जिसने मिस लुई को इतना डरा दिया था कि वह मरने से बची?"

"सामान रखने वाले कमरे की दीवार में एक छेद है, जो कि कल रात ही किया गया है। उसमें से हाथ जा सकता है और इधर उधर प्लस्तर गिर पड़ा है।"

"क्या बेवकूफी है!" मैंने कहा। "प्लस्तर तो गिरता ही रहता है।" पर लिड्डी अपनी बात पर अटल रही।

"अलैक्स से पूछ लीजिये" उसने कहा। "जब उसने नये बावर्ची का ट्रंक कल रात वहाँ रखा तो दीवार में कोई छेद नहीं था। सुबह देखा तो वहाँ छेद किया हुआ था और बावर्ची के ट्रंक पर प्लस्तर गिरा पड़ा है। मिस रैचल, आप एक दर्जन जासूस मँगा कर उन्हें घर की हर सीढ़ी पर निगरानी रखने के लिए कह सकती हैं, पर आप किसी को नहीं पकड़ पायेंगी। भूत को आप कभी हथकड़ी नहीं लगा सकतीं।"

लिड्डी की बात ठीक थी। जितनी जल्दी हो सका, हम ऊपर उस कमरे में गयीं, जो मेरे सोने के कमरे के बिलकुल ऊपर था। ऊपरी मंजिल के कमरों की योजना मुख्यतः दूसरी मंजिल के कमरों की तरह ही थी। पूर्वी भाग का एक सिरा अभी कुछ-कुछ अधूरा छूटा हुआ था। ऐसा लगता था कि भविष्य में उसे नाचघर में बदलने का विचार था। नौकरानियों का कमरा सामान रखने का कमरा और ऐसे दूसरे कई कमरे थे, जो एक लम्बे बरामदे की ओर खुलते थे।

सामान रखने वाले कमरे में जैसा कि लिड्डी ने कहा था, दीवार पर का प्लस्तर ताज़ा ही उखड़ा हुआ था और वहाँ छेद था।

"क्या तुम्हें विश्वास है कि यह छेद कल यहाँ नहीं था?" मैंने लिड्डी से पूछा। उसके चेहरे पर एक संतोष और आश्चर्य का मिलाजुला भाव था। जवाब में उसने नये बावर्ची के ट्रंक की ओर संकेत किया। उस पर प्लस्तर का बारीक़ चूरा पड़ा हुआ था। यही चूरा फर्श पर भी था, पर सीमेंट के बड़े परत वहाँ नहीं थे। जब मैंने लिड्डी से इसका ज़िक्र किया, तो उसने अपनी पलकें उठायीं। उसे विश्वास था कि यह छेद अपशकुन भरा है; इसलिए उसने सीमेंट आदि के परतों की परवाह नहीं की।

नाश्ते के पश्चात् मैं जेमिसन को दीवार का छेद दिखाने के लिए ऊपर ले गयी। जब उसने उसे देखा तो उसके चेहरे पर एक विचित्र प्रकार का भाव था। उसने सबसे पहले यह देखना चाहा कि ऐसे छेद में क्या वस्तु हो सकती है। उसने मोमबत्ती ली और छेद के उस पार देखने का प्रयत्न किया। पर कोई खास चीज़ नहीं दीखी। वह कमरा यद्यपि बाकी घर की तरह ही भाप से गर्म किया गया था, पर उसमें एक अंगीठी और उसके चारों ओर बैठने की जगह थी। धुआँ निकलने के मार्ग और घर की बाहरी दीवार के बीच में छेद किया हुआ था। ध्यान से देखने पर एक ओर चिमनी की ईंट और दूसरी ओर घर की दीवार ही दिखाई दी। छेद फर्श से लगभग चार फुट ऊपर किया गया था। भूत ने खास ढंग से काम किया था।

इसे देखकर काफी निराशा हुई। मुझे आशा थी कि कम से कम कोई गुप्त कमरा होगा और मुझे लगा कि जेमिसन भी सोच रहा था कि इस रहस्य का कोई सूत्र मिलेगा। इससे अधिक वहाँ और कुछ नहीं था। लिड्डी ने बताया कि जब यह छेद किया जा रहा था, तो नौकरों में से किसीने भी कोई आवाज़ नहीं सुनी। सबसे ज्यादा उलझन में डालनेवाली बात तो यह थी कि रात के समय जो व्यक्ति घर में आया था, उसके लिए घर में आने के एक से अधिक रास्ते थे और उस रात हमने दरवाज़े और खिड़कियों पर और भी अच्छी तरह निगरानी रखने का प्रबन्ध किया था।

हाल्से इस सारी घटना के प्रति गंभीर नहीं दीख रहा था। वह उसे मज़ाक़ में ही ले रहा था। उसका कहना था कि हो सकता है कि कई महीने पहले ही प्लस्तर टूट चुका हो और उसकी ओर किसी ने ध्यान न दिया हो। आखिर हमें इस चीज़ को यहीं छोड़ देना पड़ा, पर हमारे लिए इतवार का दिन शांति का

दिन न था। गर्ट्रूड गिरजाघर गयी और हाल्से ने सुबह लम्बी सैर की। लुई बैठने के योग्य हो गयी थी और वह शाम के समय हाल्से और लिड्डी की सहायता से सीढ़ियाँ उतर कर नीचे गयी। पूर्वी बरामदे में अंगूरों की हरी बेलों और पाम के वृक्षों की छाया थी। वहाँ आराम कुर्सियाँ और गद्दे पड़े हुए थे। हमने लुई को एक कुर्सी पर बैठा दिया और वह हाथ में हाथ लिये बड़े आराम से वहाँ बैठी रही।

हम चुप थे। हाल्से 'पाइप' पीता हुआ एकटक लुई को देख रहा था। लुई जैसे कुछ सोचती हुई घाटी के उस पार पहाड़ियों को देख रही थी। उसकी आँखों में एक व्याकुलता झलक रही थी और हाल्से के चेहरे पर जो लड़कपन की चंचलता थी, वह हौले हौले मंद पड़ती गयी। उसके चेहरे पर एक गंभीरता छा गयी थी। उस समय वह अपने पिता के समान लग रहा था।

दोपहर ढलने पर बहुत देर तक हम वहाँ बैठे रहे। हाल्से अधिकाधिक गंभीर बनता जा रहा था। छः बजे के पहले वह उठा और घर में गया और कुछ ही देर में आया। उसने मुझे टेलीफोन पर जाने के लिए कहा। फोन पर कस्बे से अन्ना ह्विटम्ब बोल रही थी। वह बीस मिनट तक मुझसे बातें करती रही और बताती रही कि बच्चों को खसरा निकला हुआ है और किस प्रकार माडाम स्वीनी ने अपने नये गाउन को पैवन्द लगाये हैं।

जब मैंने फोन रखा तो लिड्डी मेरे पीछे खड़ी थी। उसके चेहरे पर एक उदासी थी।

"चेहरे पर जरा हँसी लाने की कोशिश करो, लिड्डी," मैंने कहा, "यह कैसा मनहूस चेहरा बनाया है तुमने।" पर, लिड्डी मेरे इस चिढ़ाने पर कुछ न बोली। उसने अपने होंठ और कस कर मींच लिये।

"हाल्से ने अन्ना को फोन किया था और उसे कहा था कि वह आपको कुछ देर फोन पर व्यस्त रखे, ताकि वह मिस लुई से बात कर सके। एक कृतघ्न बच्चा साँप से भी बुरा होता है।"

"क्या बेवकूफी है!" मैंने तीखेपन से कहा, "उन्हें छोड़ने के लिए मुझे बहुत कुछ जानना चाहिए। लिड्डी, अर्सा हो गया है, जब तुम्हारा और मेरा प्यार था और — हम उसे भूल रही हैं।"

लिड्डी ने नाक सिकोड़ा। "किसी आदमी ने मुझे आज तक मूर्ख नहीं बनाया है," उसने उत्तर दिया।

"लेकिन किसीने तो बनाया है," मैंने कहा।

१९

थामस के बारे में

"जेमिसन," जब रात भोजन के पश्चात हम दोनो अकेले थे, तो मैंने कहा, "कल जो अन्वेषण हुआ है, उसमें उन बातों को बस दोहराया भर गया है, जिनका हमें पहले से ज्ञान था। डाक्टर स्टीवर्ट की कहानी के अतिरिक्त उसमें कोई नयी बात नहीं थी और वह भी डाक्टर ने स्वयं बताने की इच्छा प्रकट की थी।"

"अन्वेषण केवल एक जरूरी रस्म है, मिस इनेस!" उसने उत्तर दिया। "जब तक कि हत्या खुलेआम न की गयी हो, अन्वेषण में गवाहों से गवाहियाँ लेने के अतिरिक्त और कुछ नहीं हो सकता। पुलीस बाद में आती है। आप और मैं दोनों जानते हैं कि किस प्रकार कई महत्त्वपूर्ण बातें सामने नहीं आयीं। उदाहरणार्थ, मृत व्यक्ति के पास चाभी नहीं थी और फिर भी गर्टरूड का कहना है कि कोई ताला खोल रहा था। डाक्टर स्टीवर्ट की कहानी का जो आप जिक्र कर रही हैं, वह एक ऐसी चीज है जिस पर हमें खास तौर पर ध्यान देना होगा। डाक्टर की मरीज—वह स्त्री काला लिबास पहने हुए है और अपना घूँघट नहीं उठाती। क्या यह वही रहस्यमयी स्त्री नहीं है? तब डाक्टर आर्मस्ट्रांग से मिलता है, जो उस स्त्री के साथ होता है। बाकी क्या बचा? और, वह उस स्त्री के साथ झगड़ता होता है। डाक्टर के कहने के अनुसार उन दोनों का आपस में सम्बन्ध है।"

"अन्वेषण के समय बैले क्यों उपस्थित नहीं था?"

जासूस के चेहरे पर विचित्र प्रकार का भाव था।

"क्योंकि उसके डाक्टर का कहना है कि वह बीमार है और बिस्तर पर से उठने लायक नहीं है।"

"बीमार है!" मैंने आश्चर्य से कहा, "न हाल्से और न ही गर्टरूड ने मुझे इसके बारे में बताया है।"

"इससे भी अधिक कुछ बातें हैं, मिस इनेस, जो उलझन में डाले हुए हैं। बैले का कहना है कि उसे बैंक के फेल होने का कोई ज्ञान नहीं था। इसके बारे में उसने केवल सोमवार की रात को ही समाचार-पत्र में पढ़ा। तब वह वापस आया और उसने अपने आपको पुलिस के हवाले कर दिया। मुझे इस पर

विश्वास नहीं है। ट्रेडर्स-बैंक का चपरासी जोन्स और ही कहानी सुनाता है। उसका कहना है कि पिछले गुरुवार की रात को लगभग साढ़े आठ बजे बैले वापस बैंक गया। जोन्स ने उसे अन्दर जाने दिया। उस समय उसकी हालत ऐसी थी, मानो अभी गिर पड़ेगा। बैले आधी रात तक काम करता रहा। तब उसने कमरा बन्द किया और चला गया। यह घटना इतनी असाधारण थी कि चपरासी बाकी रात इसके बारे में सोचता रहा। उस रात बैले निकर बोकर में जब वापस गया, तो उसने क्या किया? उसने उस समय जाने के लिए सूटकेस में कपड़े रखे। पर, वह काफी देर तक रुका रहा। वह किसी की प्रतीक्षा करता रहा। मेरा अपना ख्याल है कि वह देश छोड़ने के पहले मिस गर्टरूड से मिलने की प्रतीक्षा कर रहा था। तब जब उसने उस रात आर्नल्ड आर्मस्ट्राँग की हत्या की तो उसे दो गुनाहों में से एक को चुनना था! उसने वह काम किया, जिससे तत्क्षण लोगों की राय उसके हक में हो जाये। उसने एक निर्दोष व्यक्ति के रूप में स्वयं को पुलिस के हवाले कर दिया। उसके विरुद्ध जानेवाली सबसे बड़ी चीज यह है कि वह भागने की तैयारी कर रहा था, पर आर्नल्ड आर्मस्ट्राँग की हत्या के पश्चात् वह लौट आया। उसने काफी चालाकी से काम लिया, ताकि उस पर लगने वाला जो ज्यादा भयानक अभियोग था, उसकी ओर लोगों का ध्यान न जाये।

हौले-हौले शाम हुई। श्रीमती वाटसन मेरे सोने से पहले मेरे कमरे में आयी और उसने पूछा कि क्या मेरे पास टिंक्चर है? उसने मुझे अपनी बाँह दिखाई जो बहुत बुरी तरह सूजी हुई थी। उसने बताया कि एक सप्ताह पहले जब हत्या हुई थी, तो उस रात उसकी इस बाँह पर चोट लगी थी और तब से उसे अच्छी तरह नींद नहीं आ रही है। मुझे लगा कि उसकी बाँह की हालत काफी खराब थी। सो मैंने उसे राय दी कि डाक्टर स्टीवर्ट इसे देखें तो अच्छा होगा।

अगली सुबह श्रीमती वाटसन ग्यारह बजे की गाड़ी से कस्बे के लिए रवाना हुई। वहाँ उसे धर्मार्थ अस्पताल में दाखिल कर लिया गया। उसके खून में जहर घुल गया था। मैंने बहुत चाहा कि वहाँ जाकर उसे देखूँ, पर कई और चीजों में ऐसी फँसी कि जा न सकी। खैर, उस दिन मैंने अस्पतालवालों से फोन करके कहा कि उसे अलग कमरे में रखा जाये और अन्य सभी सुविधाएँ उसे दी जायें।

श्रीमती आर्मस्ट्राँग अपने पति के शव के साथ सोमवार की शाम को आयीं। अगले दिन शव का अंतिम संस्कार होना था। कस्बे में चेस्टनट-स्ट्रीट पर जो घर

था, उसमें वह रहने गयी और मंगलवार की सुबह लुई भी हमारे यहाँ से वहाँ चली गयी। जाने के पहले उसने मुझे बुला भेजा और मैंने देखा वह रो रही थी।

"मैं आपको धन्यवाद कैसे दूँ मिस इनेस?" उसने कहा, "आपने मुझ पर पूर्ण विश्वास किया और—आपने मुझ से कोई प्रश्न नहीं पूछा। कभी शायद मैं आपको बता सकूँगी। और, जब वह समय आयेगा तो आप लोग मुझे घृणा करेंगे—हाल्से भी।"

मैंने उसे बताने का प्रयत्न किया कि उसके आने से मुझे बहुत प्रसन्नता हुई है। पर कोई बात थी, जो वह मुझसे कहना चाहती थी। आखिर जब उसने कुछ विवशता की अवस्था में हाल्से को अलविदा कही और दरवाजे पर कार तैयार थी, तो उसने वह बात कह ही दी।

"मिस इनेस," उसने मंद स्वर में कहा, "यदि वे—यदि आपसे यह घर लेने का कोई भी प्रयत्न किया गया, तो सम्भव हो तो इसे छोड़ दीजिएगा। मुझे यहाँ आपके रहने में खतरा दीख रहा है।"

और, बस! गर्टरूड उसके साथ कस्बे में गयी और सुरक्षित रूप से पहुँचा आयी। उसने बताया कि लुई और उसकी माँ के मिलने में कोई जोश-खरोश नहीं था और डाक्टर वाकर वहीं था। मिस्टर आर्मस्ट्रॉंग के अंतिम संस्कार का सारा प्रबंध उसके हाथ में था। लुई के जाने के कुछ ही देर बाद हाल्से घर चला गया और रात को नौ बजे लौटा। वह कीचड़ से सना और बहुत थका हुआ था। थामस निराश और उदास-सा इधर-उधर आ जा रहा था और मैंने देखा कि जासूस भोजन के समय बड़े ध्यान से उसे देख रहा था। इस समय भी मैं आश्चर्य से सोचती हूँ कि आखिर थामस को किस बात का पता था? उसे किस चीज पर संदेह था?

दस बजे घर के हर व्यक्ति ने अपना काम समाप्त कर लिया था। लिड्डी जो श्रीमती वाटसन का स्थान ले रही थी, कमरे के कोनों का निरीक्षण कर चुकने पर अब सोने चली गयी थी। माली अलैक्स गोल सीढ़ी पर चढ़ते समय, कदमों की भारी आवाज करता हुआ अपने कमरे में चला गया था। और, जेमिसन खिड़कियों के तालों का निरीक्षण कर रहा था। हाल्से कमरे में कुर्सी पर बैठा हुआ था और गंभीरता से सामने देख रहा था। एक बार वह उठा।

"यह वाकर देखने में किस किस्म का आदमी है गर्टरूड?" उसने पूछा।

"काफी लम्बा है, गहरा रंग, दाढ़ी बिलकुल साफ। देखने मे बुरा नहीं लगता।" गर्टरूड ने पुस्तक देखते हुए कहा जिसे कि वह पढ़ने का बहाना कर रही थी।

"यह गाँव सर्दियों में रहने के लिए बहुत सुंदर स्थान होगा," उसने अकारण ही कहा। "एक लड़की यहाँ जिन्दा दफन हो सकती है।"

उसी समय किसी ने मुख्य द्वार खटखटाया। हाल्से धीमे से उठा और उसने दरवाजा खोला। वार्नर अन्दर आया। दौड़ने के कारण वह हाँफ रहा था और कुछ घबराया हुआ था।

"माफ कीजिए, मैंने आपके काम में विघ्न डाला," उसने कहा, "पर, मेरे लिए कोई चारा नहीं था। यह थामस के बारे में है।"

"थामस के बारे में?" मैंने पूछा। जेमिसन हाल में आ गया था और हम सब वार्नर को एकटक देख रहे थे।

"वह अजीब-सी बातें कर रहा है," वार्नर ने कहा। "वह वहाँ बरामदे में कोने में बैठा हुआ है और कह रहा है कि उसने भूत देखा है। उस बूढ़े आदमी की हालत अच्छी नहीं है। वह मुश्किल से बोल पा रहा है।"

"वह बेहद शकी और अंधविश्व.सी आदमी है," मैंने कहा। "हाल्से कुछ ह्विस्की लाओ, हम वहाँ नीचे चलेंगे।"

गर्टरूड ने मेरे कंधो पर शाल डाली और हम सब पहाड़ी के नीचे की ओर चले। मैं यहाँ कई बार घूमी थी, इसलिए मुझे ठीक रास्ते का पता था। हम वहाँ पहुँचे। पर, वहाँ थामस बरामदे में नहीं था। सब ने एक दूसरे की ओर देखा और वार्नर लालटेन लाया।

"वह दूर नहीं गया होगा," उसने कहा "जब मैं उसे छोड़ कर गया तो वह इस तरह काँप रहा था कि उसके लिए खड़ा होना मुश्किल था।"

जेमिसन और हाल्से ने लाज के इर्द-गिर्द चक्कर लगाया और बीच-बीच में उन्होंने नाम लेकर उसे पुकार भी। पर कोई उत्तर न आया। उस अंधकार में वह थामस न आया, जो दाँत निकाले झुका हुआ आया करता था। मुझे पहली बार अजीब-सी बेचैनी होने लगी। गर्टरूड अंधेरे में बिलकुल नहीं घबरायी। वह अकेली ही नीचे रास्ते पर फाटक तक गयी और वहाँ खड़ी सड़क की पीली-सी रेखा को देखने लगी। मैं बरामदे में उसकी प्रतीक्षा करने लगी।

वार्नर उलझन में पड़ा हुआ था। वह बरामदे के पास आया और वहाँ खड़ा होकर उसे देखने लगा, मानो उसे थामस के बारे में ज्ञान हो कि वह कहाँ गया है।

"वह घर में कहीं ठोकर खाकर गिर पड़ा होगा," उसने कहा। "पर वह सीढ़ियाँ नही चढ़ सकता था। खैर, यह मैंने देख लिया है कि वह न घर में है, न बाहर गया है।"

बाकी लोग भी अब आ गये थे। कोई भी थामस का पता नहीं लगा सका था। उसका 'पाइप' जो अभी तक गर्म था एक तरफ पड़ा हुआ था और अन्दर उसकी मेज पर उसका भूरे रंग का पुराना हैट बता रहा था कि थामस कहीं दूर नहीं गया होगा।

हाँ, वह दूर नहीं था। मेज पर से हट कर मेरी दृष्टि कमरे में से होती हुई गुप्त कोठरी के दरवाजे पर गयी। पता नहीं किस प्रवृत्ति के अधीन मैं वहाँ गयी और मैंने दरवाजे का हैंडल घुमाया। वह इस प्रकार खुला जैसे उसके पीछे कोई वजनदार चीज हो और सचमुच कोई चीज एक गठरी की तरह आगे फर्श पर गिर पड़ी। यह थामस था। उसके शरीर पर किसी प्रकार की चोट नहीं थी। वह मरा हुआ था!

२०

डाक्टर वाकर की चेतावनी

उसी क्षण वार्नर घुटनों के बल बैठ गया और उसने थामस के कालर को ढीला किया, पर हाल्से ने उसका हाथ पकड़ लिया।

"इसे रहने दो," उसने कहा। "तुम कुछ नहीं कर सकते, यह मरा हुआ है।"

हम वहाँ खड़े थे और अपनी नजरें एक दूसरे की नजरों से बचा रहे थे। हमारे सामने मौत थी और हम उसके सामने धीमी एवं गंभीर आवाज़ में बोल रहे थे। हर किसी के मनमें संदेह था; पर हम बड़ी होशियारी से उसका जिक्र करने से बच रहे थे। जब जेमिसन ने अपना निरीक्षण समाप्त किया, तो वह उठा और उसने अपनी पतलून के घुटनों पर की धूल झाड़ी।

"चोट का कोई निशान नहीं है," उसने कहा, और मैंने सुख की लम्बी साँस ली। "जो कुछ बार्नर ने बताया है, और फिर थामस के कोठरी में छिपने को देखते

हुए मैं कहूँगी कि यह भय के कारण मरा है। भय और साथ में कमजोर दिल, दोनों उसकी मौत का कारण बने हैं।"

"पर, इसका क्या कारण हो सकता है?" गर्टरूड ने पूछा। "रात के समय भोजन पर अच्छा-भला था। वार्नर, जब तुम इससे डयोढ़ी में मिले तो इसने क्या कहा था?"

"यही जो मैंने आपसे बताया है मिस इनेस! वह नीचे अखबार पढ़ रहा था। मैंने कार अन्दर रख दी थी और चूँकि मुझे नींद आ रहीं थी, मैं नीचे लाज में सोने के लिए आया। ज्यों ही मैं सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर गया, थामस ने अखबार रख दिया और अपना पाइप निकाल कर डयोढ़ी में गया। तब मैंने उसकी घबरायी हुई आवाज सुनी।"

"उसने क्या कहा?" जेमिसन ने पूछा।

"मैं सुन नहीं सका, पर उसकी आवाज अजीब किस्म की थी। उसमें घबराहट थी। मैं प्रतीक्षा करने लगा कि वह फिर बुलायेगा। पर, कोई आवाज न आयी। इसलिए मैं नीचे आया। वह डयोढ़ी की सीढ़ी पर बैठा हुआ था और एकटक सामने देखे जा रहा था, मानों उसे सड़क के उस पार वृक्षों में कोई चीज दीख रही हो और बड़बड़ा रहा था कि उसने भूत देखा है। वह अजीब-सा लग रहा था और मैंने उसे अन्दर लाने का प्रयत्न किया; पर वह हिल नहीं रहा था। तब मैंने सोचा कि घर में जाकर आप लोगों को खबर दे दूँ।"

"क्या उसने कोई ऐसी बात नहीं की, जिसे तुम समझ पाये हो?"

"उसने ऐसा कुछ कहा था कि कब्रों में से मुर्दे निकल रहे हैं।"

जेमिसन थामस की देखभाल कर रहा था और गर्टरूड उसकी बाहों को ठीक करती हुई, उन्हें उसकी छाती पर टिका रही थी।

जेमिसन ने मेरी ओर देखा।

"आपने मुझ से क्या कहा था मिस इनेस, कि घर में आर्मस्ट्राँग की हत्या आरंभ है, अन्त नहीं। सचमुच आपने ठीक ही कहा था।"

थामस की जेबों की देखभाल करते हुए जासूस अब उसकी काली कोट की अंदरूनी जेब को देख रहा था। यहाँ उसे कुछ चीजें मिलीं, जिसमें उसे दिलचस्पी हुई। उसमें एक छोटी सी चपटी चाबी थी, जिसके साथ एक लाल धागा बँधा हुआ था। थामस के हाथ का लिखा हुआ एक सफेद कागज का टुकड़ा था। जेमिसन ने उसे पढ़ा। तब उसने वह मुझे दिया। यह ताजी स्याही से लिखा हुआ एक पता था—लूसियन वालेस, १४ एल्म स्ट्रीट, रिचफील्ड।

जब-वह कागज़ वहाँ खड़े बाकी व्यक्तियों के हाथों में गया, तो जेमिसन और मैंने यह देखना चाहा कि उसका क्या प्रभाव पड़ता है। पर, सिवाय आश्चर्य के उनके चेहरेपर और कोई भाव नहीं था।

"रिचफील्ड," गर्टरूड ने आश्चर्य से कहा, "एल्म स्ट्रीट तो मुख्य सड़क है? क्य तुम्हें याद नहीं है हाल्से?"

"लूसियन वालेस!" हाल्से ने कहा, "यह उस बच्चे का नाम है, जिसका डाक्टर स्टीवर्ट ने अन्वेषणवाले दिन जिक्र किया था?"

वार्नर ने चाबी का पता लगा लिया था कि वह किस ताले का है? आखिर तो वह मैकनिक था? उसने जो बताया वह आश्चर्यजनक नहीं था। उसने कहा, "यह शायद पूर्वी द्वार के ताले की चाबी है?"

ऐसा कोई कारण नहीं था कि थामस-जैसे पुराने और विश्वसनीय नौकर के पास पूर्वी भाग के दरवाजे की चाबी न हो, यद्यपि नौकरों के आने-जाने का रास्ता पश्चिमी भाग में ही था? पर, मुझे इस चाबी का पता नहीं था और इससें नये अनुमान की संभावना उत्पन्न हुई? खैर, इस समय बहुत-सी चीजें करने को थीं और वार्नर को मृत शरीर के पास छोड़कर हम सब वापस घर गये। जेमिसन मेरे साथ--साथ चल रहा था? हाल्से और गर्टरूड हमारे पीछे-पीछे थे?

"मेरा ख़्याल है कि मुझे श्रीमती आर्मस्ट्रांग को सूचना देनी चाहिए," मैंने कहा, "उसे पता होगा कि थामस के सगे-संबन्धी कहाँ हैं औंर उनसे कैसे मिला जा सकता है। वैसे थामस को दफनाने का खर्च मेरे जिम्मे ही होगा? पर, उसके सम्बंधियों को सूचना तो मिलनी ही चाहिए। तुम्हारा क्या ख्याल है, जेमिसन? उसके डर का क्या कारण होगा?"

"यह कहना मुश्किल है?" उसने धीमे-से कहा, "पर, मेरे ख्याल में यह निश्चित है कि यह किसी चीज का डर ही था और वह उससे बचने की कोशिश कर रहा था। मुझे उसकी मौत का कई कारणों से अफसोस है! मैंने हमेशा सोचा था कि थामस कुछ जानता था या उसे किसी चीज पर संदेह था और इसके बारे में वह बताने को तैयार नहीं था। क्या आप जानती हैं कि उसकी उस फटी हुई थैली में कितनी पूँजी थी? लगभग सौ डालर! दो महीने की तनख्वाह! और, प्रायः इन लोगों के पास एक पैनी नहीं होती। खैर, जो कुछ थामस जनता था, वह अब उसके साथ ही दफन हो जायगा।"

हाल्से ने सलाह दी कि मैदान की तलाशी ली जाये। पर, जेमिसन ने इनकार कर दिया।

"आपको वहाँ कोई नहीं मिलेगा," उसने कहा। एक व्यक्ति जो इतना होशियार है कि मेरी निगरानी रखने के बावजूद सनीसाइड में आ सकता है और दीवार में छेद कर सकता है, वह हमारे लालटेन लेकर झाड़ियों में ढूँढ़ने से नहीं मिलेगा।"

"थामस की मृत्यु के साथ मैंने सोचा कि सनीसाइड में जो कुछ हो रहा था, उसकी चरम सीमा आ गयी थी। उस दिन रात काफी शांति से बीती। हाल्से सीढ़ी के नीचे बैठा हुआ निगरानी करता रहा और दूसरे दरवाजों को जो पेचीदा किस्म की सिटकनियाँ लगी हुई थीं, वे काफ़ी फायदेमंद साबित हुईं।

रात में एक बार मेरी आँख खुली और मुझे लगा कि कोई दरवाजा खटखटा रहा है। पर, चारों ओर शांति थी और मैं उस अवस्था को पहुँच चुकी थी, जहाँ मैं साधारण-सी बात पर चौंकने वाली नहीं थी।

श्रीमती आर्मस्टांग के यहाँ थामस की मृत्यु का समाचार भेज दिया गया और फलस्वरूप मैंने पहली बार डाक्टर वाकर से बातचीत की। वह दूसरे दिन जल्दी ही आया। हमने अभी नाश्ता खत्म किया ही था। मैंने उसे लम्बे-लम्बे डग भरते हूए कमरे में आते देखा और उसके प्रति जो मेरी पहले से ही घृणा थी, उसके बावजूद मुझे मानना पड़ा कि वह दर्शनीय युवक था। जैसा कि गर्टरूड ने बताया था, वह ऊँचे कद और गहरे रंग का व्यक्ति था। वह सीधा तनकर खड़ा था और उसकी मुखाकृति प्रभावशाली थी। देखने में वह खूब बना-ठना हुआ था और उसके व्यवहार में बहुत ही नम्रता थी।

"इतनी जल्दी आने पर मुझे आपसे दोहरी माफी माँगनी होगी, मिस इनेस," उसने बैठते हुए कहा। कुर्सी उसकी आशा से कुछ नीची थी। जब वह बैठ गया, तो उसका व्यक्तित्व प्रभावशाली लग रहा था। उसने कहा, "अपने पेशे को देखते हुए मेरा यहाँ आना बहुत जरूरी था। सो अब मृत शरीर का कुछ करना चाहिए।"

"हाँ," मैंने कुर्सी के एक किनारे पर बैठते हुए कहा। "मैंने थामस के घर वालों का केवल पता चाहा था। शायद आपने फोन किया हो।"

वह मुस्कराया।

"मैं आपसे किसी और काम से मिलना चाहता था," उसने कहा। "जहाँ तक थामस का सवाल है, श्रीमती आर्मस्ट्रांग की इच्छा है कि आप उन्हें इसका खर्च अपने ऊपर लेने दें। उसके संबन्धियों में से मैंने गाँव में उसके भाई को

खबर कर दी है। मेरे ख्याल में यह दिल की बीमारी थी। थामस का दिल हमेशा ही कमजोर रहा है।"

"दिल की बीमारी और भय," मैंने कहा। मैं अभी तक कुर्सी के एक सिरे पर ही बैठी थी। पर, डाक्टर की जैसे जाने की इच्छा नहीं थी।

"मैंने सुना है कि आपके यहाँ कोई भूत है और आपने उसका पता लगाने के लिए घर को जासूसों से भर रखा है।" उसने कहा।

"आपको गलत बताया गया है," मैंने कहा।

"तो क्या भूत नहीं है?" उसने उसी प्रकार मुस्करा कर कहा। "गाँव वालों के लिए कितनी निराशा है।"

मैंने उसके इस मजाक को बुरा माना। हमारे लिए यह मजाक की बात नहीं थी।

"डाक्टर वाकर," मैंने तीखेपन से कहा, "मुझे इसमें मजाक की कोई बात दिखाई नहीं देती। जब से मैं यहाँ आयी हूँ, एक व्यक्ति मारा गया है और दूसरा भय के कारण मर गया है। घर में कोई व्यक्ति घूमा करता है और घर में से विचित्र प्रकार की आवाजें आती हैं। यदि सचमुच इसमें कोई मजाक की बात हो; तो जरूर मुझमें कोई नुक्स है, जो मैं समझ नहीं सकती।"

"आप मेरे कहने का मतलब नहीं समझीं," उसने कहा। उसके चेहरे पर अभी तक मुस्कराहट थी। "जो बात मुझे अजीब लग रही है वह यह है कि आप ऐसी परिस्थितियों में अभी तक यहाँ रहने पर तुली हुई हैं। मेरी राय में आपको घर छोड़ देना चाहिए।"

"आप गलती कर रहे हैं। जो कुछ भी हो रहा है, वह मेरे इस निश्चय को और भी दृढ़ कर रहा है कि मैं तब तक यहीं रहूँ, जब तक कि इस रहस्य का पता नही लग जाता।"

"मैं आपके लिए संदेश लाया हूँ, मिस इनेस," उसने आखिर उठते हुए कहा। "श्रीमती आर्मस्ट्रांग ने मुझसे कहा है कि लुई के प्रति आपने जो सद्व्यव-हार किया है, उसके लिए मैं उनकी ओर से आपको धन्यवाद दूँ। लुई पर जो सनक सवार हुई थी, उसके फलस्वरूप वह काफी कठिनाई में फँस गयी थी। आप न होतीं तो उसे काफी कष्ट झेलना पड़ता। और फिर—यह नाजुक मसला है। उन्होंने यह भी कहला भेजा है कि लुई के प्रति जो आपकी स्वाभाविक सहा-नुभुति है, उसको देखते हुए मैं आपसे कहूँ कि यदि आप यह घर छोड़ सकें तो

बड़ी कृपा होगी। सनीसाइड उनका घर है। वे इसे बहुत चाहती हैं। और, इस समय वे यहाँ सुख और चैन से रहना चाहती हैं।"

"उनका इरादा बदल गया होगा," मैंने काफी रुखाई से कहा। "लुई ने मुझे बताया था कि वे इस स्थान से घृणा करती हैं। इसके अतिरिक्त, यह स्थान ऐसा है कि इन दिनों यहाँ सुख और चैन से नहीं रहा जा सकता। खैर, डाक्टर इस पर ज्यादा बहस न करते हुए मैं यहाँ कुछ समय तक तो जरूर रहूँगी।"

"कितने समय तक?"

"मैंने इसे छः महीने के लिए लिया है। मैं यहाँ तब तक रहूँगी, जब तक कि कुछ चीजों का रहस्य नहीं खुल जाता। मेरा अपना परिवार इस समय फँसा हुआ है और आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग की हत्या के पीछे जो रहस्य छिपा है, उसका जरूर पता लगाऊँगी।"

डाक्टर नीचे की ओर देखता हुआ खड़ा हो गया। वह कुछ सोचते हुए अपने दस्ताने दूसरे हाथ की हथेली पर रगड़ रहा था।

"आप कह रही थीं कि घर में कोई व्यक्ति आता रहा है?" उसने पूछा। "क्या आपको इस बात पर विश्वास है मिस इनेस?"

"बिलकुल।"

"किस भाग में?"

"पूर्वी भाग में।"

"क्या आप बता सकती हैं कि किस समय यह व्यक्ति घर में आता रहा है? और उसके आने का क्या कारण रहा है? क्या वह चोरी करने आता था?"

"नहीं," मैंने निश्चयपूर्वक कहा, "जहाँ तक समय का प्रश्न है, वह एक सप्ताह पहले शुक्रवार को रात के समय आया और फिर दूसरी रात को आया, जब कि आर्मस्ट्रांग की हत्या हुई और फिर इस शुक्रवार की रात को आया।"

डाक्टर गंभीर दीख रहा था। वह जैसे किसी प्रश्न पर मन-ही-मन वाद–विवाद करता हुआ किसी निर्णय तक पहुँचने का प्रयत्न कर रहा था।

"मिस इनेस," उसने कहा, "मैं अजीब उलझन में फँसा हूँ। मैं निस्संदेह आपकी स्थिति समझता हूँ, पर क्या आप समझती हैं कि ऐसा कहने में बुद्धिमानी है? जब से आप यहाँ आयीं हैं, आपके और आपके परिवार के विरुध्द घृणा बढ़ती जा रही है। मैं कहना तो नहीं चाहता, पर आप सावधान रहिये। इसके पहले कि कोई ऐसी बात हो जाये, जिससे आपको जीवन भर पछताना पड़े, अच्छा होगा कि आप यहाँ से चली जायें।"

" मैं सब कुछ झेलने को तैयार हूँ, " मैंने शांत भाव से कहा।

आखिर उसने इस बात पर बहस करनी छोड़ दी और उसने मुझे वह स्थान दिखाने के लिए कहाँ जहाँ आर्नल्ड का मृत शरीर पाया गया था। मैं उसे वहाँ ले गयी। उसने बड़े ध्यान से सीढ़ियों और ताले को देखते हुए उस स्थान का निरीक्षण किया। जब वह रस्मी तौर पर अलविदा कह कर चला गया, तो मुझे एक बात का निश्चय था कि डाक्टर वाकर मुझे सनीसाइड से निकालने के लिए सब कुछ करेगा।

१४
एल्म स्ट्रीट

थामस का मृत शरीर हमने सोमवार की शाम को देखा। उस रात कोई विशेष घटना नहीं हुई। घर में शांति रही और जिन विचित्र परिस्थितियों में थामस की मृत्यु हुई थी, उनकी जानकारी नौकरों से खास तौर पर छिपा कर रखी गयी थी। बावर्ची की अनुपस्थिति में रोजी ने खाने के कमरे और भंडार-घर की देखभाल का काम अपने जिम्मे लिया। और, सब शांति थी। केवल कैसानोवा के डाक्टर ने हमें जो सावधान रहने को कहा था, वही दिमाग में खटक रहा था।

ट्रेडर्स-बैंक का मामला हौले-हौले आगे बढ़ रहा था। उसके फेल हो जाने से छोटे-छोटे शेयर-होल्डरों को कड़ी चोट लगी थी। उन्हींमें कैसानोवा के छोटे गिरजे का ' मिनिस्टर ' भी था। उसे अपने चाचा से विरासत में ट्रेडर्स-बैंक के कुछ शेयर मिले थे। शेयर मिलने की खुशी अब गम में बदल गयी थी। उसका जो कुछ था, लुट गया था और मृत पाल आर्मस्ट्रांग के प्रति उसके हृदय में बहुत ही कटु भावना थी। जब पाल आर्मस्ट्राँग का शव कैसानोवा गिरजे में लाया गया, तो उसे प्रार्थना आदि करने के लिए कहा गया। पर, वह चुप रहा और तब उसके स्थान पर किसी और को बुलाया गया।

इसके कुछ दिनों पश्चात् वह मुझसे मिलने आया। वह एक छोटे-से कद का व्यक्ति था। उसका चेहरा बड़ा दयालु दिख रहा था। उसने बहुत भद्दे कपड़े पहने थे। मेरे ख्याल में उसे संदेह था कि पता नहीं आर्मस्ट्राँग परिवार के साथ मेरे सम्बन्ध अच्छे हैं या बुरे और आर्मस्ट्राँग की मृत्यु पर मुझे खुशी हुई है या गमी, पर उसका संदेह शीघ्र ही दूर हो गया।

मुझे वह व्यक्ति पसंद आया। वह थामस को अच्छी तरह जानता था और उसने 'अफ्रीकी जिओन गिरजे' में उसके लिए प्रार्थना करने का वादा किया। उसने मुझे अपने बारे में बहुत-कुछ बताया। और, जाने के पहले जब मैंने उसे गिरजे के लिए नया कालीन देने का वादा किया तो उसे और स्वयं मुझे भी आश्चर्य हुआ। उस पर इसका बहुत प्रभाव पड़ा और मुझे लगा कि वह अपने उस खस्ता हालत वाले गिरजे को अच्छे रूप में देखने के लिए उतना ही इच्छुक था जितनी एक माँ अपने अधनंगे बच्चे के प्रति होती है कि वह सुन्दर वस्त्रों से सुसज्जित हो।

"आप उस खजाने में अपनी पूँजी जमा कर रही हैं, मिस इनेस," उसने भरी हुई आवाज में कहा, "जहाँ न कीड़ों का डर है न जंग लगने का डर है और न वहाँ चोरों की पहुँच है।"

"हाँ, वह निश्चित ही सनीसाइड की अपेक्षा सुरक्षित स्थान है," मैंने स्वीकार किया। और, वह कालीन को देख कर मुस्कराया। वह दरवाजे में थोड़ा-सा अंदर की ओर खड़ा था। वह घर के वैभव और सुंदरता को देख रहा था।

"धनवानों को सज्जन पुरुष होना चाहिए!"

उसने कुछ सोचते हुए कहा, "उनके पास बहुत कुछ है, जो सुन्दर है और सुन्दरता मनुष्य को सज्जन पुरुष बना देती है। और, फिर भी यद्यपि मुझे मृत आर्मस्ट्रांग के बारे में मुहँ से कोई बुरी बात नहीं निकालनी चाहिए, मैं कहूँगा कि मिस्टर आर्मस्ट्रांग ने इसके बारे में कभी विचार नहीं किया। उसके लिए ये वृक्ष और घास के मैदान ईश्वर की बनाई हुई वस्तुएँ नहीं थीं। इन्हें वह अपनी जायदाद समझता था। उसे धन से प्यार था, मिस इनेस। उसने इस धन के लिए सब कुछ बलिदान कर दिया। उसके लिए धन एक देवता था।" तब उसने अपना उपदेश बन्द किया और मेरी ओर मुड़कर मुस्कराते हुए कहा, "इस सारे ऐश्वर्य के बावजूद यहाँ गाँव के लोगों में मशहूर है कि पाल आर्मस्ट्रांग ने धर्म के नाम पर कभी किसी को कुछ नहीं दिया था। यहाँ जो लोग गर्मियाँ बिताने आते हैं, उनके विपरीत उसने कभी गरीबों या गिरजे के नाम पर एक डालर खर्च नहीं किया था। वह धन को धन की खातिर चाहता था।"

"और, कफन में जेबें नहीं होतीं कि आदमी उनमें धन भर कर अपने साथ ले जाये," मैंने कहा।

मैंने उसे मोटर में घर भेजा और उसके हाथ उसकी पत्नी के लिए गुलाब के फूलों का गुलदस्ता भी। वह बहुत ही खुश हुआ। मेरे दिल में जो खुशी थी, उसके सामने जो मैंने गालीचा दिया था, उसकी कीमत कुछ भी नहीं थी।

इतनी खुशी मुझे उस समय भी नहीं हुई थी और न ही मेरे प्रति इतनी कृतज्ञता प्रकट की गयी थी जब मैंने सेंट बारनाबास गिरजे को भोजन करने का चाँदी का सेट भेंट किया था।

उन दिनों मुझे बहुत-सी बातों के बारे में सोच-विचार करना था। मैंने प्रश्नों और उनके संभव उत्तरों की एक सूची तैयार की। पर, मैं एक गोल चक्करमें ही घूम कर वहीं आ जाती थी। वह सूची इस प्रकार थी :

जिस रात हत्या हुई, उसके एक रात पहले घर में कौन घुसा था ?

थामस का कहना था कि वह बैले था, जिसे उसने सड़क के किनारे देखा था और जिसकी कफ की जंजीर उसे वहाँ मिली थी।

जिस रात आर्नल्ड की हत्या हुई, उस रात क्यों वह घर छोड़ कर जाने के पश्चात् लौट आया था ?

कोई उत्तर नहीं। क्या उसे लुई ने जो काम बताया था, वह उसके सिलसिले में आया था ?

उसे किसने अन्दर आने दिया ?

गर्टरूड का कहना है कि उसने पूर्वी दरवाजे में ताला लगा दिया था। न ही मृत व्यक्ति के पास और न तो ताले में चाभी थी। उसे घर में से ही किसी ने अन्दर आने दिया होगा।

लांड्री में किसे बन्द किया गया था ?

शायद कोई ऐसा व्यक्ति ही वहाँ बन्द होगा, जो घर से अपरिचित होगा। रोजी या गर्टरूड ? रोजी लाज में थी। इसलिए क्या वह वही रहस्यमय व्यक्ति नहीं था जो पहले भी घर में आया था ?

रास्ते में वह कौन था, जिसने रोजी को बुलाया था ?

फिर, शायद वह घरमें घुसने वाला व्यक्ति ही था। बहुत संभव है कि यह ऐसा व्यक्ति हो जिसे लाज में के रहस्य के बारे में शक था। क्या लुई पर किसी की निगरानी थी ?

गोल सीढ़ी पर लुई के पास से कौन गुजरा था ?

क्या वह थामस था ? पूर्वी दरवाजे की चाभी उसके पास होने के कारण यह संभव हो सकता है। पर यदि वह थामस ही था, तो वह वहाँ क्यों गया था ?

कमरे की दीवार में छेद किसने किया था ?

यह गुंडागिरी नहीं थी। यह बहुत शांतिपूर्वक और किसी विशेष उद्देश्य से किया गया था। काश मैं यह उद्देश्य समझ पाती !

लुई क्यों अपने घरवालों को छोड़कर आयीं थी और लाज में छिपी थी ?

अभी तक किसी भी प्रश्न का कोई उत्तर नहीं मिल रहा था।

लुई और डाक्टर वाकर दोनों ने हमें घर छोड़ने की राय क्यों दी थी ?

लूसियन वालेस कौन था ?

जिस रात थामस मरा उस रात मैंने अंधकार में क्या देखा था ?

गर्टरूड के रवैये में जो साधारण-सा परिवर्तन आया था, उसका क्या कारण था।

ट्रेडर्स-बैंक को लूटने में जैक बेले ने केवल सहायता ही की थी या हाथ भी रंगे थे ?

वह कौन-सा इतना बड़ा कारण था, कि लुई ने डाक्टर वाकर के साथ विवाह करने का निश्चय किया था ?

ट्रेडर्स-बैंक की पुस्तकों की अभी तक जाँच हो रही थी और संभव था कि इसमें कई हफ्ते और लग जायँ। हिसाब-किताब देखनेवाले विशेषज्ञों की जिस फर्म ने दो सप्ताह पहले बैंक की पुस्तकों की जाँच की थी, उसकी रिपोर्ट के अनुसार बैंक के सभी जरूरी कागज ज्यों-के-त्यों पूर्ण रूप से सुरक्षित थे। उनकी इस जाँच के कुछ ही समय पश्चात् बैंक का अध्यक्ष आर्मस्ट्राँग, जिसका स्वास्थ्य ठीक नहीं था, कैलेफोर्निया चला गया था। बेल [illegible] बीमार था और गर्टरूड का जो रवैया था, वह मुझे उलझन में डाले हुए था। उसने बैंक-सम्बन्धी किसी भी समस्या के बारे में बात करने से इन्कार कर दिया था। और मेरे ख्याल में उसने उसे कभी पत्र नहीं लिखा था और न ही उससे मिलने गयी। हौले-हौले मैं इस नतीजे पर पहुँची कि गर्टरूड भी और लोगों के समान अपने प्रेमी को दोषी समझ रही थी और यद्यपि यह मैं स्वयं भी मान रही थी, मुझे उसकी लापरवाही से चिढ़ थी। मेरे जमाने में लड़कियाँ अपने प्रेमी के बारे में लोगों के फैसले को चुपचाप नहीं मान लेती थीं।

पर, एक ऐसी बात हुई, जिसने मुझे सोचने पर बाध्य कर दिया कि गर्टरूड बाहरी तौर पर जिस शांति का दिखावा कर रही थी, उसके नीचे भावों की बाढ़ थी।

मंगलवार की सुबह जासूस ने मैदान का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया, पर उसे कुछ न मिला। दोपहर के बाद वह गायब हो गया और काफी रात गये घर आया। उसने कहा कि उसे अगले दिन वापस शहर जाना होगा और उसने हाल्से और अलैक्स के जिम्मे घर की निगरानी काम का सौंपा।

बुधवार की सुबह लिड्डी मेरे पास आयी। उसने अपने काले रेशमी दामन (एप्रन) को थैले की तरह पकड़ा था। उसकी आँखों में गुस्सा था। उस दिन थामस को गाँव में दफनाया जाना था। मैं और अलैक्स बाग में थामस के लिए फूल तोड़ रहे थे। लिड्डी का मुँह लटका हुआ था, पर उसकी आँखों में जैसे विजय की चमक थी।

"मैंने हमेशा कहा है कि हमारी आँखों के बिलकुल सामने बहुत-सी ऐसी चीजें होती हैं, जिन्हें हम देख नहीं सकते," उसने अपना दामन पकड़ते हुए कहा।

"आखिर बात क्या है?" मैंने कहा।

लिड्डी ने 'जिरेनियम' के फूलों के आधे दर्जन गमलों को एक तरफ धकेला और वहाँ जो स्थान खाली हुआ, वहाँ उसने दामन की चीजें नीचे गिरायीं। वे कागजों के छोटे-छोटे टुकड़े थे।

अलैक्स कुछ पीछे हट गया था। पर वह आश्चर्यपूर्वक लिड्डी को देख रहा था।

"जरा ठहरो लिड्डी," मैंने कहा, "तुम यह कागज फिर लायब्रेरी की रद्दी की टोकरी से उठा लायी हो!"

लिड्डी कागज के टुकड़ों को एक दूसरे के साथ जोड़ कर रख रही थी और उसने मेरी ओर कोई ध्यान नहीं दिया।

"क्या तुम्हें कभी सूझा है," मैंने उन टुकड़ों पर हाथ रखते हुए कहा, कि जब लोग अपने पत्रों को फाड़ डालते हैं, तो इसलिए फाड़ते हैं कि कोई उन्हें पढ़ न ले?"

"अगर उन्हें किसी बात का डर न हो, तो उन्हें फाड़ने का कष्ट न करना पड़े मिस रैचेल!" लिड्डी ने कहा। "और, फिर जब कि रोज नयी-नयी घटनाएँ हो हो रही है, तो मैं इसे अपना कर्तव्य समझती हूँ। यदि आप इनमें लिखा हुआ नहीं पढ़ेंगी, तो मैं यह कागज जेमिसन को दे दूँगी और मैं दावे से कहती हूँ कि वह आज शहर नहीं जायेगा।"

इस पर मैं चौंकी। इन टुकड़ों का घर में होने वाली घटनाओं से जरूर कोई सम्बंध होगा। लिड्डी ने टुकड़ों को आपस में जोड़कर रखा, जैसे कि बच्चे चित्रों के टुकड़ों को जोड़ते हैं। उन्हें जोड़ते हुए लिड्डी में बच्चों की सी उत्सुकता थी। जब वे सही तौर पर जुड़ गये, तो वह एक तरफ हटी और मैंने पढ़ा।

"बुधवार की रात। नौ बजे। पुल (ब्रिज)।" मैंने जोर से पढ़ा। तब अलैक्स की टकटकी को देख कर मैं चौंकी और मैंने लिड्डी की ओर मुड़कर उसे घूर कर देखा।

लिझी ने मुझे देखा तो समझ गयी । वह अभी कुछ कहने वाली ही थी कि मैंने टुकड़ों को इकट्ठा किया और वहाँ से चल दी ।

आखिर बाहर जाने पर मैंने कहा, "तो अब मुझे बताओगी कि क्यों तुमने अलैक्स पर विश्वास किया ? वह मूर्ख नहीं है । क्या तुम समझती हो कि आज रात को ९ बजे कोई ब्रिज खेलने के लिए आने वाला है ? मेरा ख्याल है कि तुमने इसे रसोईघर में दिखाया था और बजाय इसके कि मैं चुपचाप ठीक समय पर पहुँच कर यह देखती कि कौन ब्रिज (पुल) पर आ रहा है, अब सारा घर जुलूस निकाल कर वहाँ जायगा ।"

"नहीं, मैंने किसी को कुछ नहीं बताया," लिझी ने नम्रतापूर्वक कहा, "मैंने ये टुकड़े गर्टरूडके सिंगार-कमरे की टोकरी में पाये हैं । इसके पीछे की ओर देखिए, मैंने कुछ टुकड़ों को उलटा किया और सचमुच वह ट्रेडर्स बैंक का कागज था । तो गर्टरूड जैक वैले से रात के समय मिल रही है ! और, मैं सोच रही थी कि वह बीमार है ! यह किसी निर्दोष व्यक्ति का काम नहीं है—दिन के बजाय रात के समय मिलना और वह भी अपनी प्रेमिका के घर वालों से छिपा कर । मैंने उस रात 'ब्रिज' पर जाकर इसका निश्चय करना चाहा ।

दोहपर के भोजन के पश्चात जेमिसन ने कहा कि मैं उसके साथ रिचफील्ड चलूँ और मैंने मान लिया ।

"जब से मैंने वह कागज थामस की जेब में पाया है," उसने कहा, "मुझे डाक्टर स्टीवर्ट की कहानी पर अधिक भरोसा हो रहा है । इससे पता चलता है कि बच्चे वाली स्त्री और आर्मस्ट्रॉंग से झगड़ने वाली स्त्री वास्तव में एक ही स्त्री है ? लगता है कि थामस को इस मामले का पता था, पर आर्मस्ट्रांग-परिवार का ख्याल करते हुए उसने इसके बारे में किसी को नहीं बताया था । इसे देखते हुए तो खिड़की के पास जिस स्त्री का आपने जिक्र किया था, उसमें असलियत दिखती है । अब तक हमें जो कुछ पता लगा है, शायद यही सचाई के कुछ निकट है ।"

वार्नर हमें कार में रिचफील्ड ले गया । सड़क से लगभग पच्चीस मील का फासला था, पर ऊँचे-नीचे कई छोटे रास्तों से होते हुए हम वहाँ बहुत जल्दी पहुँच गये । नदी के किनारे यह छोटा-सा कस्बा था और उसके पीछे पहाड़ी पर मैं मार्टन का बड़ा-सा घर देख सकती थी, जहाँ कि गर्टरूड और हाल्से आर्नल्ड की हत्या होने से पहले रह रहे थे ।

एल्म स्ट्रीट बस एक ही सड़क थी और उस पर १४ नम्बर का मकान हमें आसानी से मिल गया। यह एक छोटा-सा सफेद रंग का घर था जो अब खस्ता हालत में था। उसकी एक नीची-सी खिड़की थी और बहुत छोटी–सी ड्योढ़ी। रास्ते में खड़ी एक बच्चा गाड़ी थी और एक ओर जो झूला लटका हुआ था, वहाँ से झगड़ने की आवाजें आ रही थीं। तीन छोटे-छोटे बच्चे बुरी तर झगड़ रहे थे और एक उदास से चेहरेवाली स्त्री उनमें सुलह-सफाई कराने की कोशिश कर रही थी। जब उसने हमें देखा, तो वह अपना दामन ठीक करती हुई ड्योढ़ी में आयी।

मैंने अभिवादन किया। जेमिसन ने बिना बोले ही अपना हैट ऊपर उठाया। मैंने कहा, "मैं लूसियन वालेस नाम के बच्चेके बारे में पता लगाने आयी हूँ।"

"मुझे खुशी है, आप आये हैं," उसने कहा। "दूसरे बच्चों के होने पर भी यह बच्चा अकेलापन महसूस करता है। मेरा ख्याल था कि इसकी माँ शायद आज यहाँ आयेगी।"

जेमिसन कुछ आगे बढ़ा।

"आप श्रीमती टेट हैं?" मुझे हैरानी थी कि जासूस को इसका पता कैसे लग गया था।

"जी हाँ!"

"श्रीमती टेट हम कुछ जाँच करना चाहते हैं। अच्छा हो यदि अन्दर —"

"हाँ, घर में चलिये," उसने आदरपूर्वक कहा। और, जल्दी ही हम छोटे-से गन्दे बरामदे में खड़े थे। श्रीमती टेट कुछ बेचैन-सी बनी बैठ गयीं।

"लूसियन यहाँ कब से है?" जेमिसन ने पूछा।

"एक सप्ताह पहले, शुक्रवार से! इसकी माँ ने एक सप्ताह का खर्च पेशगी दे दिया था। दूसरे सप्ताह का अभी नहीं दिया।"

"क्या यह बीमार था, जब यहाँ आया?"

"नहीं, बीमार नहीं था। टाईफाइडके बाद वह स्वस्थ हो रहा था। और, अब तो इसकी सेहत काफी सुधर रही है।"

"क्या आप मुझे इसकी माँ का नाम और पता बतायेंगी?"

"यही तो मुश्किल है," उसने जैसें कुछ सोचते हुए भौंहें सिकोड़ कर कहा। "उसने अपना नाम श्रीमती वालेस बताया था और कहा था कि उसका कोई पता नहीं है। वह कस्बे में रहने के लिए किसी मकान की खोज में थी। उसने बताया था कि वह किसी डिपार्टमेंट–स्टोर में काम करती है। इसलिए अपने बच्चे की पूरी देख–भाल नहीं कर पाती और उसके

बच्चे को ताजी हवा और दूध की आवश्यकता है। मेरे अपने तीन बच्चे हैं। एक और बच्चे के आ जाने से मेरे काम में कोई खास फर्क नहीं पड़ता था—पर मैं चाहती हूँ कि वह इस सप्ताह का खर्च दे जाये।"

"क्या उसने स्टोर का नाम बताया था?"

"नहीं, पर लड़के के सभी कपड़े 'किंग्ज-स्टोर' से आते हैं। यह इतने सुन्दर कपड़े हैं कि गाँव में शायद ही किसी और के हों।"

दरवाजे से चीखने-चिल्लाने और शोर मचाने की आवाजें आयीं। और, फिर दूसरे क्षण बच्चों के कदमों की आवाजें आयीं। फिर, कमरे में दो हृष्ट-पुष्ट बच्चे आये, जिनमें से एक लड़का था और एक लड़की। ऐसा लगता था, जैसे वे किसी बग्घी में जुते हुए दो घोड़े हो। घोड़ों की तरह उन्हें लगामें पड़ी हुई थीं, जिन्हें एक सात साल का हँसता हुआ लड़का पकड़े हुए हाँक रहा था। मेरी दृष्टि झट उस बच्चे की ओर गयी। वह सुन्दर बालक था। यद्यपि अभी तक वह बीमारी के प्रभाव से मुक्त नहीं हो पाया था, पर वह अब स्वस्थ दीख रहा था।

जब वह उन्हें हाँकता हुआ, चिल्लाता हुआ अंदर आया, तो जेमिसन ने उसे नीली और पीली धारियों वाली पेंसिल दिखाकर अपने पास आने का लालच दिया।

जब लड़के ने पेंसिल ले ली और वह जासूस के कफ पर उससे लिखने लगा तो जेमिसन ने कहा, "तुम्हें अपना नाम तो मालूम ही नहीं। क्या जानते हो अपना नाम?"

"हाँ," लड़के ने कहा, "लूसियन वालेस।"

"बहुत अच्छा! और तुम्हारी माँ का क्या नाम है?"

"मेरी माँ का है ममी! आपकी माँ का क्या नाम है?" और उसने मेरी ओर संकेत किया। मुझे शर्म-सी महसूस हुई। तब मैंने निश्चय किया कि मैं काला लिबास पहनना छोड़ दूँगी। इससे स्त्री की आयु दुगनी लगती है।

"और, यहाँ आने के पहले तुम कहाँ रहते थे?" जासूस ने नर्मी से पूछा।

"ग्रास मटर" उसने कहा। और मैंने मिस्टर जेमिसन की भौंहो को ऊपर चढ़ते हुए देखा।

"जर्मन बालक!" उसने कहा, "तो तुम अपने बारे में और कुछ नहीं जानते?"

"मैंने पूरा सप्ताह पता लगाने की कोशिश की है," श्रीमती टेट ने कहा, "पर इसे यह नहीं पता कि यह कहाँ रहता था और न ही अपने बारे में यह कुछ जानता है।"

जेमिसन ने कार्ड पर कुछ लिख कर उसे दिया।

"श्रीमती टेट," उसने कहा "मैं चाहता हूँ कि आप एक कष्ट करें। यह टेलीफोन करने के लिए कुछ रकम है। जब भी इस लड़के की माँ यहाँ आये, उसी समय फोन पर जाकर यह नम्बर घुमाइये और इस कार्ड पर जिसका नाम लिखा है, उसे बुलाइये। आप दवाओं के स्टोर पर जाकर यह काम चुपचाप कर सकती हैं। बस इतना कहिये कि महिला आ गयी है।"

"महिला आ गयी है," श्रीमती टेट ने दोहराया। "अच्छी बात है। और मेरा ख्याल है कि यह जल्दी ही होगा। केवल दूध की रकम ही पहले से दुगनी है।"

"बच्चे के खाने-पीने आदि का कितना खर्च आता है?" मैंने पूछा।

"एक सप्ताह के तीन डालर, जिसमें उसके कपड़ों की धुलाई भी शामिल है।"

"अच्छी बात है," मैंने कहा, "श्रीमती टेट, मैं इस सप्ताह का खर्च दे रही हूँ और एक सप्ताह का पेशगी भी। यदि इसकी माँ आये तो उसे हमारे आने का कुछ पता नहीं लगना चाहिए। बिल्कुल ही नहीं! यदि आपने कुछ नहीं बताया तो बाद में आप यह रकम अपने लिए रख सकती हैं—अपने बच्चों के लिए।"

उसका थका हुआ उदास चेहरा चमक उठा और मैंने देखा, वह अपने बच्चे के नन्हें-नन्हें पैरों की ओर देख रही थी। जूते—मैंने सोचा—गरीब बच्चों के जूतों का खर्च उनके भोजन के खर्च से कम नहीं है।

जब हम वहाँ से लौटे तो जेमिसन ने केवल एक सवाल पूछा। मेरे ख्याल में उसे बहुत निराशा हुई थी।

"क्या किंग्ज-स्टोर बच्चों के कपड़ों का स्टोर है?" उसने पूछा।

"नहीं, खास बच्चों के कपड़ों का नहीं। वह एक साधारण डिपार्टमेंट-स्टोर्स है।"

इसके पश्चात् वह चुप हो गया। पर, जब हम घर पहुँचे तो वह उसी समय टेलीफोन पर गया और शहर में किंग एण्ड कंपनी के नाम फोन किया।

कुछ समय के पश्चात वह जनरल मैनेजर से बात करने लगा। कुछ देर तक बातें होती रहीं। जब जेमिसन ने फोन बन्द किया तो वह मेरी ओर मुड़ा।

"बात उलझ रही है," उसने होंठों पर मुस्कराहट लाकर कहा। उस स्टोर से सामान खरीदने वाली वालेस नाम की चार स्त्रियाँ हैं। उनमें कोई भी विवाहित नहीं है। और, किसी की भी आयु बीस साल से अधिक नहीं है। मैं सोचता हूँ कि

आज रात शहर जायें, पर इसके पहले कि मैं जाऊँ, मिस इनेस! मैं चाहता हूँ कि आप मुझे वह रिवाल्वर दिखायेंगी, जो आपने क्यारी में से उठाया था!"

तो उसे पता लग गया था!

"वह रिवाल्वर था जेमिसन," मैंने स्वीकार किया, "पर मैं वह आपको दिखा नहीं सकती। वह मेरे कब्जे में नहीं है।"

२२

सीढ़ी का स्थानान्तरण

रात के भोजन के लिए जब बैठे तो जेमिसन ने सलाह दी कि उसके स्थान पर रात के समय घर की निगरानी के लिए किसी व्यक्ति को दो दिनों के लिए बुला लिया जाये। पर हाल्से ने कहा कि इसकी जरूरत नहीं है, अलैक्स और वह दोनों ही काफी हैं। जेमिसन शाम को जल्दी ही चला गया। हाल्से गोफ खेल रहा था, ताकि उसका मन किसी और तरफ लगे। आखिर जब नौ बजे तो वह कमरे में गहरी नींद में सोया हुआ था।

मैं बैठी कसीदे का काम करती रही। जब गर्टरूड उठी और बाहर चली गयी, तो मैंने उसकी ओर न देखने का बहाना किया। जब मुझे विश्वास हो गया कि वह चली गयी है, तो मैं सावधानी से बाहर निकली। छिपकर बातें सुनने की मेरी इच्छा नहीं थी, पर मैं देखना चाहती थी कि क्या वह बैले ही था जिससे वह मिल रही थी। बहुत-सी ऐसी चीजें थीं, जिनमें गर्टरूड फँसी हुई थी या ऐसे लगता था कि वह फँसी हुई है।

मैं मैदान में से होती हुई हौले-हौले गयी। मैंने लाज के पास झाड़ियों को पार किया और खुली सड़क पर आ गयी। बायें हाथ लगभग सौ फुट तक रास्ता घाटी में से होता हुआ कंट्री क्लब की ओर जाता था और उससे कुछ ही दूर कैसानोवा की खाड़ी पर पुल था। पर, अभी मैं रास्ते की ओर मुड़ने ही वाली थी कि मैंने अपनी ओर आते हुए कदमों की आवाज सुनी और मैं एक तरफ झाड़ियों की ओट में हो गयी। यह गर्टरूड थी, जो जल्दी-जल्दी घर की ओर वापस जा रही थी!

मुझे आश्चर्य हुआ ! मैं तब तक वहाँ खड़ी प्रतीक्षा करती रही, जब तक कि वह घर नहीं पहुँच गयी। आखिर मैं चली। और, उसी समय मैं फिर छाया में हो गयी। मैंने देखा, चाँदनी में पुल पर झुका हुआ माली अलैक्स 'पाईप' पी रहा था। स्पष्ट था कि गर्टरूड क्यों विना मिले ही वापस चली गयी थी। मेरे दिल में आया कि लिड्डी का गला घोट दूँ कि उसने क्यों इस प्रकार लापरवाही से उन कागजों के टुकड़ों पर लिखी हुई बात को अलैक्स के सामने प्रकट की और मैं अलैक्स का भी गला घोंट देना चाहती थी कि उसने क्यों सुना था।

पर इसका कोई लाभ नहीं था। मैं मुड़ी और धीमे-धीमे घर की ओर चल पड़ी। घर में प्रायः किसी के आने से अँधेरा होते ही हमारी शांति जाती रही थी। हमने और भी सावधानी से सिटकिनियों और खिड़कियों के तालों को बन्द करना शुरू कर दिया। पर, जैसा कि जेमिसन ने कहा था, हमने पूर्वी भाग के दरवाजे को ज्यों का त्यों रहने दिया। उसमें वही ताला लगा हुआ था। बस, अब यही एक तरीका था कि घर में आने के लिए एक ही रास्ता खुला रखा जाय और गोल साढ़ी के पास अंधेरे में बैठकर पूरी निगरानी की जाय कि घर में कौन घुसता है !

जासूस की अनुपस्थिति में अलैक्स और हाल्से ने बारी-बारी से निगरानी रखने की योजना बनायी। दस से दो बजे तक हाल्से और दो से छः बजे तक अलैक्स को निगरानी करनी थी, दोनों के पास रिवाल्वर थे। और, उनमें से जिसे अपनी निगरानी पूरी कर सोना होता, वह पास के कमरे में सोता था। इस कमरे का दरवाजा खुला रहता था।

यह योजना नौकरों से छिपाकर रखी गयी। वे रात होते ही सोने चले गये। उन्होंने अपने कमरों के दरवाजे बन्द कर लिये और उनके कमरों में रात भर लैंप जलते रहे।

बुधवार की रात को घर में शांति रही। जिस दिन लुई से कोई व्यक्ति सीढ़ियों पर मिला था, तब से सप्ताह भर हो गया था, उसको भी चार दिन हो गये थे। कैसानोवा के गिरजे के आंगन में आर्नल्ड और पाल आर्मस्ट्रांग की साथ-साथ कब्रें थीं और पहाड़ी पर जिओन अफ्रीकी गिरजे के पास थामस की कब्र थी।

लुई अपनी माँ के साथ कस्बे में थी। उसने मुझे धन्यवाद का एक छोटा-सा पत्र लिखा था। इसके अतिरिक्त मैंने उसकी तरफ से कुछ नहीं सुना। डाक्टर वाकर ने फिर से प्रैक्टिस (डाक्टरी) करनी शुरू कर दी थी। हम उसे प्रायः सड़क पर से मोटर में जाते हुए देखते। वह हमेशा तेज रफ्तार से जाया करता था। आर्नल्ड के हत्यारे का

अब तक पता नहीं लगा था। और, इस रहस्य का भेद खुल तकने मैंने सनीसाइड में ही रहने का निश्चय किया था।

फिर भी पूर्ण शांति होने पर भी, बुधवार की रात को ही घुसने की शायद सबसे बड़ी कोशिस की गयी। गुरुवार की शाम को धोबिन ने मुझे कहला भेजा कि, वह मुझसे बातें करना चाहती है। मैं उसे अपनी निजी बैठक में मिली। यह कमरा सिंगार कमरे के दूसरी ओर था।

मेरी ऐन घबरायी हुई थी। उसने अपने आस्तीन उतार दिये थे और अपनी कमर के इर्दगिर्द एक सफेद कपड़ा बाँध लिया था और वहीं खड़ी वह उसे अपनी अंगुलियों से चुन रही थी। उसकी अंगुलियाँ कपड़े धोने के कारण लाल और चमकदार हो गयी थीं।

"हाँ, तो मेरी," मैंने उसे धीरज देते हुए कहा, "क्या बात है? क्या यह तो नहीं कहने आयी कि साबुन खत्म हो गया है?"

"नही, मिस इनेस," उसकी आदत थी कि वह घबरायी हुई पहले मेरी एक आँख को देखती, फिर दूसरी को। और उसकी पुतलियाँ दायें-बायें घूमती रहतीं। "नहीं, मैडम, मैं पूछना चाहती थी कि आप सीढ़ी को लांड्री में ही रहने देना चाहती हैं?"

"क्या?" मैंने चीख कर कहा और दूसरे ही क्षण मुझे अपने पर अफसोस हुआ। यह देखकर कि उसे जो शक था, उस पर मैं चौकीं थी, मेरी ऐन का चेहरा सफेद पड़ गया और वह आँखें फाड़े वहाँ खड़ी रही।

"लांड्री में एक सीढ़ी है, मिस इनेस," उसने कहा, "वह मुझसे हिल नहीं रही। बिना आपके बताये मैंने किसी से मदद भी नहीं माँगी कि उसे वहाँ से हटाऊँ।

अब बात को छिपाना व्यर्थ था। मेरे समान ही मेरी ऐन जानती थी कि उस सीढ़ी का वहाँ कोई काम नहीं था। फिर भी मैंने कुछ संभल कर बात की।

"तो तुमने पिछली रात लांड्री में ताला नहीं लगाया?"

"लगाया था, और ताले की चाभी मैंने रसोईघर में कील में टाँग दी थी।"

"अच्छी बात है, तब तुम खिड़की को बन्द करना भूल गयी होगी।"

मेरी ऐन हिचकिचायी।

"हाँ," उसने अंत में कहा, "मेरा ख्याल था कि मैंने सब खिड़कियाँ बन्द कर दी हैं, आज सुबह एक खुली थी।"

मैं कमरे से बाहर निकली और हाल में गयी। मेरे पीछे मेरी ऐन आयी। लांड्री में खुलने वाले दरवाजे में ताला लगा हुआ था और जब मैंने उसे खोला तो मैंने देखा कि मेरी ऐन ठीक ही कह रही थी अस्तबल के पास जो सीढ़ी पड़ी थी, उसे वहाँ से लाकर यहाँ पहली और दूसरी मंजिल के बीच दीवार से लगाकर खड़ा किया गया था।

मैं मेरी ऐन की ओर मुड़ी।

"यह तुम्हारी लापरवाही का नतीजा है!" मैंने कहा। "यदि हम सभी अपने बिस्तरों पर सोये हुए मारे जाते, तो इसकी जिम्मेदारी तुम पर होती।" वह काँपी। "अब घर में इसका बिलकुल जिक्र न हो और अलैक्स को मेरे पास भेजो।"

जब मैं इस बीते समय पर दृष्टिपात करती हूँ तो बहुत सी चीजों को मैं स्पष्ट रूप से देख सकती हूँ और मुझे आश्चर्य होता है कि उस समय मैं उन्हें क्यों न इस प्रकार देख सकी। अब कोई बात मुझसे छिपी नहीं है। फिर भी यह सारी घटना ऐसी आश्चर्यजनक थी कि उस समय जिस प्रकार मैं मूर्ख बनी हुयी थी, शायद उसे माफ किया जा सके।

अलैक्स लांड्री में गया और उसने सावधानीपूर्वक सीढ़ी का निरीक्षण किया।

"यह फँसी हुई है," उसने कहा। उसके होंठों पर एक गंभीर मुस्कराहट थी। "मूर्ख अपनी निशानी छोड़ गये! मिस इनेस, दुःख है कि अब वे कुछ समय के लिए वापस नहीं आयेंगे।"

उस शाम को बहुत देर तक हाल्से और अलैक्स लांडी में काम करते रहे। आखिर उन्होंने सीढ़ी वहाँ से हटायी और दरवाजे में एक नया ताला लगाया। मैं बैठकर सोचती रही कि आखिर मेरा ऐसा कौन दुश्मन है, जो मेरा सर्वनाश करने पर तुला हुआ है।

मेरी घबराहट अधिकाधिक बढ़ती जा रही थी। लिड्डी भी बेहद डरी हुई थी और वह मेरे सिंगार-कमरे में ही 'कोच' पर सोती थी और सोते समय अपने तकिये के नीचे बाइबल और रसोईघर की छुरी रख लेती थी। यह थी गुरुवार की रात की स्थिति, जब कि इस संघर्ष में मैंने स्वयं भाग लिया।

२३

अस्तबल में आग

उस रात लगभग नौ बजे लिड्डी मेरे कमरे में आयी और उसने बताया कि घर की एक नौकरानी कहती है कि उसने दो व्यक्तियों को अस्तबल के पास देखा है। गर्टरूड उसके सामने बैठी उसे एकटक देख रही थी और वह हर आवाज पर चौंककर उछल पड़ती थी। अब वह लिड्डी पर बरस पड़ी।

"मैं कहती हूँ लिड्डी," उसने कहा, "तुम्हारे जैसी डरपोक स्त्री मैंने नहीं देखी। क्या हुआ अगर एलिज़ा ने कुछ व्यक्तियों को अस्तबल के पास देखा है। शायद यह दोनों व्यक्ति वार्नर और अलैक्स हों।"

"वार्नर रसोईघर में है मिस," लिड्डी ने गर्व से कहा। "अगर आपके साथ वह सब कुछ बीता होता, जो मेरे साथ बीता है, तो आपकी भी मेरी जैसी हालत होती। मिस रैचेल, आपकी बहुत कृपा होगी, अगर आप मुझे कल मेरी तनख्वाह दे दें। मैं अपनी बहन के पास जा रही हूँ।"

"अच्छी बात है!" मैंने कहा, और उसे आश्चर्य हुआ। "मैं चेक लिख दूंगी। वार्नर तुम्हें दोपहर की गाड़ी पर छोड़ आयगा।"

लिड्डी का चेहरा देखने योग्य था।

"अपनी बहन के यहां तुम्हारा समय अच्छा बीतेगा," मैंने फिर कहा। "उसके पाँच बच्चे हैं न?"

"हाँ," लिड्डी ने कहा और उसी समय वह रोने लगी। "इतने सालों के बाद अब आप मुझे छोड़ रही हैं और आपकी नयी शाल अभी आधी ही बुनी गयी है और घर में कोई नहीं जानता कि आपके नहाने के लिए किस प्रकार का प्रबन्ध करना चाहिए।"

"मैं अपने नहाने का प्रबन्ध स्वयं कर लूंगी" मैंने कहा, और मैं चुपचाप कसीदा काढ़ती रही। पर गर्टरूड उठी और उसने लिड्डी के काँपते हुए कंधों पर अपने हाथ रखे।

"आप दोनों बस बच्चियों ही हैं!" उसने सान्त्वना देते हुए कहा। "दोनों में से कोई भी तो एक दूसरी के बिना नहीं रह सकती। इसलिए झगड़ा छोड़ो। लिड्डी ऊपर जाओ और चाची का बिस्तर ठीक से लगाओ। वे जल्दी सोने जायेंगी

लिड्डी के जाने के बाद मैं उन व्यक्तियों के बारे में सोचने लगी जिनका लिड्डी ने जिक्र किया था। मेरी उत्सुकता बढ़ती गयी। हाल्से विलियर्ड के कमरे में अन्यमनस्क सा खेल रहा था। मैंने उसे बुलाया।

"हाल्से" मैंने कहा, "क्या कैसानोवा में कोई पुलीस का आदमी है?"

"कान्स्टेबल है," उसने संक्षेप में कहा। "लड़ाई से लौटा हुआ, एक बाँह वाला। क्यों?"

"क्योंकि आज रात मैं बेचैन सी हूँ।" और मैंने उसे लिड्डी की बात बतायी। "क्या तुम्हारी दृष्टि में कोई ऐसा व्यक्ति है, जो विश्वस्तरूप से आज रात घर के बाहर पहरा दे सके?"

"हम क्लब से साम बोहानन को बुला सकते हैं," उसने कुछ सोचते हुए कहा। "यह अच्छा ही रहेगा। वह बड़ा चुस्त आदमी है। बातूनी नहीं है और उसकी सफेद कमीज को देखकर उसे अन्धेरे में पहचाना जा सकता है।"

हाल्से ने अलैक्स से बात की और एक घंटे में साम वहाँ आ गया। उसे स्पष्ट रूप में बताया गया कि कोई घर में घुसने की कई बार कोशिश कर चुका है। उसे पकड़ना होगा। अगर उसे बाहर कोई ऐसा व्यक्ति दिखे, जिस पर उसे शक हो, तो वह पूर्वी भाग के दरवाजे को खटखटाये, जहाँ पर कि हाल्से और अलैक्स निगरानी कर रहे होंगे।

जब मैं सोने गयी तो बहुत शांत थी और मुझे अपने सुरक्षित होने का आभास था। गर्टरूड और मेरे कमरे के बीच का दरवाजा खोल दिया गया था। वे दरवाजे जो हाल में खुलते थे, बन्द थे। हम पूर्ण रूप से सुरक्षित थीं, यद्यपि लिड्डी का विचार था कि घर में घुसने वाला व्यक्ति दरवाजों के बन्द होने पर भी घर में आ जायेगा।

पहले की भाँति ही हाल्से ने पूर्वी भाग के दरवाजे पर दस से दो तक निगरानी रखी। वह एक बड़ी-सी कुर्सी में आराम से बैठा हुआ था। हम कुछ जल्दी ही ऊपर चली गयीं और दरवाजा खुला होने के कारण गर्टरूड और मैं लगातार बातें करती रहीं। लिड्डी मेरे बाल साफ कर रही थी और गर्टरूड स्वयं अपने बाल साफ कर रही थी। बाल साफ करते हुए मैं उसकी गोल मजबूत बाहों को देख रही थी।

"क्या आप जानती हैं कि श्रीमती आर्मस्टांग और लुई गाँव में ही हैं," उसने कहा।

"नहीं," मैंने कुछ चौंक कर कहा। "तुम्हें कैसे पता है?"

मैं डाक्टर स्टीवर्ट की बड़ी लड़की से आज मिली थी। उसने मुझे बताया कि वे आर्मस्ट्रांग को दफनाने के बाद वापस कस्बे में नहीं गयीं। वे सीधे उस छोटे से पीले रंग के मकान में गयी, जो डाक्टर वाकर के मकान के साथ है। अब वे वहीं रहने लगी हैं। उन्होंने वह मकान गर्मियों के लिए लिया है।"

"वह तो बैंड बाक्स है," मैंने कहा। "मुझे आश्चर्य है कि फैनी आर्मस्ट्रांग वहाँ कैसे रहेगी।"

"खैर, वह वहाँ गयी हैं। एला स्टीवर्ट का कहना है कि श्रीमती आर्मस्ट्रांग पर पति की मृत्यु का बहुत गहरा असर हुआ है और ऐसे लगता है, जैसे अब वह बिना सहारे के चल-फिर नहीं सकती।"

मैं लेटी हुई आधी रात तक इन में से कुछ–एक चीजों के बारे में सोचती रही। तब बिजलीकी बत्तियाँ बुझ गयीं। पहले वे मद्धम पड़ीं, यहाँ तक कि क्लब में एक लाल बिन्दु दिखने लगा और तब वह भी बुझ गया और हमारे चारों ओर रात का सघन अंधकार छा गया।

कुछ ही मिनट बीते होंगे। अब अंधकार इतना सघन नहीं रहा था। तब मैंने देखा कि खिड़कियों में हल्के से गुलाबी रंग का प्रकाश प्रतिबिम्बित हो रहा है। उसी समय लिड्डी ने भी देखा और मैंने उसके उठने की आवाज़ सुनी। उसी क्षण कहीं नीचे से साम की भारी आवाज़ सुनायी दी।

"आग!" वह चीखा, "अस्तबल में आग लग गयी है।"

उस प्रकाश में मैं उसे रास्ते पर इधर-उधर जाते हुए देख सकती थी और एक क्षण पश्चात् हाल्से उसके साथ था। अलैक्स जाग रहा था और जल्दी-जल्दी सीढ़ियाँ उतर रहा था। आग का पता लगने के पाँच मिनट बाद तीन नौकरानियां रास्ते में अपने-अपने ट्रंकों पर बैठी हुई थीं। यद्यपि आग वहां से सौ गज़ की दूरी पर थी और वहां तक कुछ चिनगारियां ही उड़कर आ रही थीं।

गर्टरूड कभी अपन होश-हवाश नहीं खोती। वह टेलीफोन पर गयी। पर इसके पहले कि कैसानोवा से आग बुझाने वाले आदमी पहाड़ी चढ़कर आते, अस्तबल भस्म हो चुका था। हाल्से की कार यद्यपि बच गयी थी और सड़क पर खड़ी थी, फिर भी उसका कुछ भाग जल गया था। आग बुझाने वाले जब वहाँ आये, तो पेट्रोल विस्फोट से उनका हृदय और वह जलता हुआ अस्तबल काँप उठा: पहाड़ी पर होने के कारण उस आग ने चारों ओर से लोगों के ध्यान को अपनी ओर आकर्षित किया था। अफवाह यह थी कि सनीसाइड जल रहा है और बहुत से लोग अपने रात के वस्त्रों में ही दौड़े दौड़े वहाँ आये। मेरा ख्याल है कि

कैसानोवा में आग लगने की घटनाएँ कम ही हुई होंगी। तभी तो जलते हुए अस्तबल को देखकर लोग इस प्रकार उत्तेजना से भरे हुए थे।

अस्तबल घर के पश्चिमी भाग से दूर था। मैं कह नहीं सकती कि उस समय किस प्रकार मुझे गोल सीढ़ी और साथ ही उस दरवाजे का ख्याल आया, जहाँ इस समय किसी की निगरानी नहीं थी। लिङ्गी चद्दरों से मेरे कपड़े बाँध रही थी, ताकि उन्हें खिड़की के रास्ते बाहर फेंका जा सके। मैं उसे बड़ी मुश्किल से रोक पायी।

"मेरे साथ आओ, लिङ्गी," मैंने कहा, "एक मोमबत्ती और दो कम्बल लेती आओ।"

वह मुझसे काफी पीछे रह गयी थी। जब उसने मुझे पूर्वी भाग में मुड़ते हुए देखा, तो सीढ़ी के ऊपर आकर उसने दृढ़ता से कहा, "मैं वहाँ नहीं आऊँगी।'

"वहाँ दरवाजे पर कोई निगरानी करने वाला नही हैं," मैंने समझाते हुए कहा। "क्या पता आग लगा कर यह चाल चली गयी हो कि घर के इस भाग में कोई व्यक्ति न रहे और अन्दर घुसा जा सके।"

मैंने यह कहा और उसी क्षण मुझे लगा कि वास्तव में यह चाल ही चली गयी थी! मैं सोच रही थी कि कहीं देर न हो गयी हो। तभी मुझे लगा कि मैंने पूर्वी ड्योढ़ी में किसी के कदमों की आवाज सुनी है। पर बाहर इतना शोर मच हुआ था कि उस आवाज के बारे में मैं ठीक तरह से नहीं कह सकती कि कहाँ से आ रही थी! लिङ्गी लौटने ही वाली थी।

"अच्छी बात है," मैंने कहा, "तब मै अकेली ही जाऊँगी। दौड़कर हाल्से के कमरे में जाओ और उसका रिवाल्वर लाओ। अगर कोई आवाज सुनो तो सीढ़ियों को ही गोली नहीं मार देना। मैं वहाँ नीचे हूँ। जल्दी जाओ।"

सीढ़ी के ऊपर फर्श पर मैंने मोमबत्ती रखी और अपने स्लीपर उतारे। तब मैं बहुत आहिस्ता आहिस्ता सीढ़ियों से उतरी। उस समय मुझे बिलकुल भय न लगा। मेरी अवस्था, उस व्यक्ति जैसी थी, जो फाँसी लगने के पहले रात को खाना खाता है और सोता है। मुझे इस बात का बिलकुल भय न था कि आगे क्या होने वाला है। सीढ़ी से नीचे उतरकर हाल्से की बड़ी कुर्सी के साथ मेरा पाँव टकराया और उँगली में सख्त चोट आयी। जब तक कि चोट की पीड़ा कम नहीं हो गयी, मैं एक पाँव के बल खड़ी रही और तब मुझे लगा मैं ठीक ही थी। किसी ने ताले में चाभी लगायी थी और अब वह उसे घुमा रहा था। किसी कारणवश ताला न खुला और चाभी निकाल ली गयी। बाहर से बोलने की कुछ धीमी-सी आवाजें आयीं।

बस एक क्षण का समय था। दूसरी बार चाभी लगने पर दरवाजा खुल जाना था। कुएँ के समान गहरी गोल सीढ़ी में से ऊपर रखी मोमबत्ती की फीकी-सी लौ दिख रही थी और उसी क्षण मुझे एक तरकीब सूझी।

मैंने भारी कुर्सी को लुढ़का कर दरवाजे के सामने किया। दूसरी तरफ उसकी टाँगे सीढ़ी के साथ लगी हुई थीं। मैंने लिड्डी की मध्दम सी चीख सुनी और तब वह सीढ़ियाँ उतर कर दौड़ी हुई आयी। उसने रिवाल्वर मेरी ओर बढ़ा दिया।

"शुक्र है ईश्वर का!" उसने काँपती हुई आवाज में कहा। मैंने दरवाजे की ओर संकेत किया। वह समझ गयी। "घर के दूसरी ओर जाकर खिड़कियों में से आवाज दो," मैंने बहुत धीमे से उसे कहा। "दौड़ो, उनसे कहो कि फौरन आयें!"

उस पर वह एक साथ दो-दो सीढ़ियाँ चढ़ती हुई ऊपर गयी। जल्दी में वह मोमबत्ती से टकरायी और वह बुझ गयी। मैं अंधकार में रह गयी।

मैं बेहद शांत थी। मुझे याद है, मैंने कुर्सी पर चढ़ कर अपना कान दरवाजे के साथ लगाया। बाहर से दरवाजे को धकेला जा रहा था। पर कुर्सी ने उसे रोके रखा, यद्यपि उसी समय उसकी एक टांग के टूटने की आवाज मैंने सुनी। और तब अचानक ताश खेलने वाले कमरे की खिड़की आवाज करती हुई टूटी। मेरी उँगली रिवाल्वर के घोड़े पर थी और ज्यों ही मैं कुर्सी पर से कूदी, वह चल गया। गोली सीधे दरवाजे में से होती हुई गयी। बाहर किसी ने कुछ कहा और पहली बार मैंने उसे ठीक से सुना।

"बस जरा-सी खरोंच लगी है... लोग घर के दूसरी ओर हैं..." फिर उसने एक गन्दी गाली दी। इसके अतिरीक्त और भी कई गन्दी बातें कहीं गयीं, जिनका उल्लेख करना उचित नहीं है। अब ये आवाजें टूटी हुई खिड़की के पास से आ रही थीं और यद्यपि मैं बुरी तरह काँप रही थी, मैंने निश्चय कर लिया था कि मैं उन्हें तब तक रोके रखूंगी, जब तक कि मदद नहीं आ जाती। मैं कुछ सीढ़ियाँ चढ़ कर ऊपर गयी और ताश खेलने वाले कमरे में, से खिड़की को देखा। मैंने देखा कि एक छोटा सा आदमी खिड़की में से अन्दर आया। वह एक क्षण के लिए खिड़की के पर्दे के साथ उलझा रहा, तब वह बिलियर्ड के कमरे कि ओर मुड़ा। मैंने फिर गोली चलायी और काँच टूट कर नीचे गिरा। तब मैं सीढ़ियां चढ़ कर बरामन्दे में से होती हुई मुख्य सीढ़ी की ओर दौड़ी? गर्टरूड वहाँ खड़ी अनुमान लगा रही थी कि गोली कहाँ चली है और अपनी उस स्थिति में वह अजीब-सी

लग रही थी। मेरे बाल उड़ रहे थे, मेरा गाउन उड़ रहा था, मेरे पांव नंगे थे और मैंने रिवाल्वर को कस कर पकड़ा रखा था। मेरे पास बात करने का समय नहीं था। नीचे के हाल में से कदमों की आवाज आ रही थी और कोई सीढ़ियाँ चढ़ रहा था।

मेरी पागलों की सी हालत थी। मैंने सीढ़ी पर से झुक कर फिर गोली चलायी।

नीचे से हाल्से चिल्लाया।

"आप यहाँ क्या कर रही हैं ?" उसने चीख कर कहा। "मैं बाल-बाल बचा हूँ !"

और तब मैं गिर पड़ी और बेहोश हो गयी। जब मैं होश में आयी तो लिड्डी मेरी कनपटियों पर यू डी कोलोन की मालिश कर रही थी और घर में पूरी तरह खोज हो रही थी।

खैर, वह आदमी भाग गया था। अस्तबल जलकर गिर रहा था और जब उसका कोई शहतीर गिरता तो लोग खुशी से चीखते। आग बुझाने वाले उस पर बगीचे की पानीवाली नाली से पानी डाल रहे थे और घर में अलैक्स और हाल्से नीचे की मंजिल में हर जगह खोज कर रहे थे; पर वहाँ उन्हें कोई व्यक्ति न मिला।

टूटी हुई खिड़की और उल्टी पड़ी कुर्सी मेरी कहानी की सचाई के प्रमाण थे। यह सोचना गलत था कि कोई घर से अपरिचित व्यक्ति ऊपर गया है। वह मुख्य सीढ़ी के रास्ते ऊपर नहीं गया था। पूर्वी भाग में ऊपर जाने का कोई और रास्ता नहीं था और लिड्डी पश्चिमी भाग में उस खिड़की के पास खड़ी थी, जहाँ पर नौकरों के ऊपर आने जाने की सीढ़ी थी। उस समय हम सो न सके। साम ब्रोहानन और वार्नर चोर को खोजने में हाल्से की सहायता कर रहे थे। कोई स्थान उनकी दृष्टि से नहीं छूटा, यहाँ तक कि तहखानों की भी पूरी तरह खोज की गयी। पर कोई परिणाम न निकला। पूर्वी भाग में जो दरवाजा था, उसमें ऐक छेद पड़ गया था। वह छेद मेरी गोली का था। छेद नीचे की ओर तिरछा था और गोली ड्योढ़ी में गयी थी। कुछ लाल निशान बता रहे थे कि गोली किसी व्यक्ति को लगी थी।

"कोई व्यक्ति लँगड़ा कर चलेगा" हाल्से ने गोली के रास्ते का अध्ययन करने के पश्चात् कहा। "यह दरवाजे में उतने नीचे से होकर निकली है कि किसी की टाँग में ही लगी होगी।"

तब से मैंने हर व्यक्ति को देखना शुरू किया कि कहीं वह लँगड़ा कर तो नहीं चल रहा और आज भी मैं किसी को लँगड़ा कर चलते हुए देखती हूँ तो मुझे उस

पर शक होती है। पर कैसानोवा में कोई लँगड़ा व्यक्ति नहीं था। हाँ, एक व्यक्ति था जो रेल के फाटक पर रहता था। पर उसकी तो दोनों टाँगे लकड़ी की लगी हुई थीं। जिस व्यक्ति का हम पता लगा रहे थे वह गायब हो गया था और बड़े आकार का इतना कीमती अस्तबल सुलगती हुई लकड़ियों का एक ढेर बन गया था जिसमें से धुँआ उठ रहा था। वार्नर का कहना था कि आग जान बूझ कर लगायी गयी थी और यह देख कर कि कोई व्यक्ति घर में घुसने कोशिश कर रहा था, वार्नर के कथन में कोई संदेह नहीं रह जाता था।

२४

फ्लिंडर्स नाम का घोड़ा

यदि हाल्से केवल मुझे अपने विश्वास का पात्र बना लेता तो बात बहुत आसान हो जाती। यदि वह जैक बैले के बारे में कोई बात छिपा न रखता और यदि अस्तबल में आग लगने के दूसरे दिन वह मुझे बता देता कि उसे किस पर सन्देह है तो हम सब के लिए समय इतना भारी न होता। पर नवयुवक अपनों से बड़ों के अनुभव से लाभ उठाना नहीं चाहते और कभी कभी उनकी अपेक्षा बड़ों को ही नुकसान सहना पड़ता है।

आग लगने की घटना के पश्चात् मैं काफी थक गयी थी और गर्टरूड मुझे बाहर चलने के लिए ज़ोर दे रही थी। कार खराब हो चुकी थी और बग्घी के घोड़े खेतों में काम करने के लिए भेज दिये गये थे। आखिर गर्टरूड ने कैसानोवा के एक व्यक्ति की गाड़ी मंगवायी और हम चल पड़ीं। जब हम रास्ता छोड़कर सड़क की ओर चले तो हमने वहां एक स्त्री को देखा। उसने कपड़ों से भरा अपना थैला नीचे रखा दिया था और बड़े ध्यान से सनीसाइड को देख रही थी। शायद मेरा उसकी ओर ध्यान न जाता, पर उसका चेहरा चेचक के दागों से इतना भयानक रूप से विकृत हो गया था कि उसने मेरा ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया।

जब हम उसके पास से गुज़रीं तो गर्टरूड ने कहा, "ओह, क्या चेहरा है! आज रात मुझे यह सपने में दिखेगा। चलो फ्लिंडर्स।"

"फ्लिंडर्स ?" मैंने पूछा। "क्या यह घोड़े का नाम है ?"

"हां," उसने चाबुक से घोड़े की टूटदार अयाल को हिलाया। "घोड़े के मालिक ने बताया था कि इसे उसने आर्मस्ट्रांग परिवार के यहां से खरीदा था, जब कि आर्मस्ट्रांग ने दो मोटरें खरीद ली थीं और अस्तबल को समाप्त कर दिया था। क्या अच्छा घोड़ा है!"

फ्लिंडर्स, किसी घोड़े के लिए असाधारण सा नाम था और फिर भी उसके मालिक ने अपने इस उछलने-कूदनेवाले घुंघराले बालों वाले छोटे से घोड़े का नाम फ्लिंडर्स रखा था। इस पर मैं सोच में पड़ गयी।

मेरे कहने पर हाल्से ने उस एजेंट को अस्तबल जल जाने का समाचार भेज दिया था, जिससे हमने मकान प्राप्त किया था। उसने टैलीफोन पर जेमिसन को बुलाया और कुछ सावधानी से उसे गत रात की घटना के बारे में बताया। जेमिसन ने उस रात आने का वादा किया और कहा कि उसके साथ एक और व्यक्ति भी आयेगा। मैंने गाँव में श्रीमती आर्मस्ट्रांग को समाचार भेजना जरूरी नहीं समझा। उसे आग लगने का पता लग गया था। परन्तु मैंने जो घर छोड़ने से इन्कार कर दिया था, उसे देखते हुए मेरा उससे मिलना ठीक नहीं था। मिलने पर कटुता बढ़ती ही। परन्तु जब हम डाक्टर वाकर के सफेद और हरे रंग के घर के पास से गुजरे तो मैंने एक बात सोची।

"यहाँ रुको, गर्टरूड," मैंने कहा। "मैं जरा उतर रही हूँ।"

"लुई को देखने के लिए?" उसने पूछा।

"नहीं, मैं इस वाकर से कुछ पूछना चाहती हूँ।"

उसे आश्चर्य हुआ, पर मैं उसे पूरी बात समझाने के लिए रुकी नहीं। मैं चल कर घर के पास गयी, जिसमें एक ओर दफ्तर था। मैं दफ्तर में दाखिल हुई। वह खाली था, पर उस के साथ जो मरीजों को देखने का कमरा था, उसमें से दो व्यक्तियों की बातें कहने की आवाजें आ रही थीं, जिनमें कुछ कटुता सी थी।

"यह बहुत बड़ी रकम है!" कोई गुस्से से कह रहा था।

तब डाक्टर की क्लान्त आवाज आयी। ऐसा लगा जैसे वह बहस नहीं कर रहा था, बल्कि सीधे तौर पर कोई बात कह रहा था। परन्तु, मेरे पास इतना समय नहीं था कि मैं किसी मरीज को पैसों के बारे में झगड़ते सुनूँ। सो मैं खांसी। एकदम वे आवाजें बन्द हो गयीं। कहीं से दरवाजे के बन्द होने की आवाज आयी और डाक्टर घर के हाल में से दाखिल हुआ। वह मुझे देख कर काफी हैरान दिख रहा था।

मैंने अभिवादन किया और कहा, "मैं आपका अधिक समय नहीं लूँगी। मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहती हूँ।"

"आप बैठ जाइये।"

"नहीं, कोई बात नहीं। आप मुझे यह बताइये कि क्या आज प्रातःकाल या उसके पश्चात् आपसे मिलने कोई व्यक्ति तो नहीं आया — गोली के घाव की मरहम-पट्टी कराने?"

"नहीं तो," उसने कहा। "गोली का घाव! तो क्या सनीसाइड में अभी तक कुछ हो रहा है?"

"मैंने सनीसाइड का जिक्र नहीं किया। पर जैसा कि वहाँ होता है, वैसा ही हुआ है। यदि कोई ऐसा व्यक्ति आपके पास आये तो क्या आप हमें खबर देने का कष्ट करेंगे?"

"मुझ खुशी होगी," उसने कहा। "मैंने सुना है कि आपके यहां आग लगी है। एक रात ही आग का लगना और गोली का चलना सनीसाइड जैसे शान्त स्थान के लिए बहुत आश्चर्यजनक बात्त है।"

"हां, सचमुच ही वह शान्त स्थान है। ऐसा शान्त जैसा बायलर की दुकान!" मैंने जाने के लिए मुड़ते हुए कहा।

"और आप अभी भी वहां रहना चाह रही हैं?"

"जब तक कि मैं खत्म नहीं हो जाती," मैंने कहा और तब सीढ़ियाँ उतरते हुए मैं अचानक मुड़ी।

"डाक्टर," मैंने साहस करते हुए पूछा, "क्या आपने लूसियन वालेस नाम के किसी बच्चे के बारे में सुना है?"

उसके चेहेरे पर परिवर्तन आया और वह एकदम कठोर बन गया। सचमुच वह चालाक था। वह एक क्षण में ही सम्हल गया।

"लूसियन वालेस?" उसने दोहराया। "नही, में नहीं जानता। यहां वालेस नाम के कई लोग हैं, पर मै किसी लूसियन वालेस को नहीं जानता।"

मुझे पूर्ण विश्वास था कि वह जानता था। वह मेरे सामने झूठ बोल रहा था। पर अब उससे कोई आशा नहीं थी। वह पूर्ण रूप से सम्हल चुका था। मैं पूर्णरूप से उलझन में फँस गयी।

डाक्टर स्टीवर्ट के यहां हमारा स्वागत बिलकुल भिन्न प्रकार का था। हमें अन्दर ले जाया गया। फ्लिडर्स को वहाँ बान्ध दिया गया, जहां वह सड़क के किनारे

घास चरने लगा। गर्टरूड ने और मैंने घर की बनी थोड़ी सी शराब पी और संक्षेप में आग लगने की घटना का जिक्र किया।

उस रात हमारे साथ जो अधिक भयनक घटना हुई थी हमने उसके बारे में कुछ नहीं कहा। पर अन्त में जब हमने उस परिवार से ड्योढ़ी में विदा ली और डाक्टर घोड़े को खोल रहा था तो मैंने उससे वही प्रश्न पूछा जो मैंने डाक्टर वाकर से पूछा था।

"गोली!" उसने कहा। "नहीं तो। आखिर आप उस घर में यह सब क्या कर रही हैं?

"जब आग लगी तो किसी ने घर में घुसने की कोशिश की और वह गोली से मामूली सा जख्मी हुआ," मैंने जल्दी में कहा। "कृपया आप इसका जिक्र न करें। जहां तक सम्भव हो, हम अभी इसे छिपा कर रखना चाहते हैं"

एक और सम्भावना थी और हमने उसे भी आजमाया। कैसानोवा स्टेशन पर मैं स्टेशन मास्टर से मिली और उससे पूछा कि क्या कैसानोवा से रात के एक बजे और सुबह के बीच कोई गाड़ी तो नहीं गयी। पता लगा कि सुबह छः बजे तक कोई गाड़ी नहीं गयी थी। जो दूसरा प्रश्न था उसे पूछने के लिए अधिक चतुराई की आवश्यकता थी।

"क्या आपने छः बजे की गाड़ी पर जाने वाले किसी ऐसे व्यक्ति को देखा है, जो कुछ लंगड़ा कर चलता हो?" मैंने पूछा। "जरा याद कीजिये! हम एक आदमी की खोज में हैं जो कल रात आग लगने के पहले सनीसाइड के इर्द गिर्द चक्कर लगाते देखा गया था।"

"जब आग लगी ई थी तो मैं स्वयं वहां था," उसने कहा।" "मैं आग बुझाने वाली कम्पनी का मेम्बर हूँ। इससे अधिक भयानक आग लगने की घटना हमने केवल तब देखी थी जब 'समर हाउस' में आग लगी थी। अभी उस दिन मेरी पत्नी कह रही थी कि मैंने आग बुझाते समय पहनने के लिए जो खास टोप और कमीज खरीदी थी, उन पर व्यर्थ ही पैसे खर्च किये। उनका उपयोग तो होता नहीं। पर उस रात उनकी जरूरत पड़ ही गयी।"

"और—क्या आपने लंगड़ा कर चलते हुए किसी व्यक्ति को देखा है?" जब वह सांस लेने लिए रुका तो गर्टरूड ने कहा।

"नहीं, गाड़ी पर नहीं," उसने कहा। "ऐसा कोई व्यक्ति यहां नहीं आया। पर मै बता सक्ता हूँ मैंने कहाँ ऐसे व्यक्ति को देखा है। जब आग बुझ गयी तो मैं कम्पनी वालों के साथ वहां रुका नहीं। मुझे

स्टेशन जाना था, क्योंकि पौने पांच बजे वहां से एक मालगाड़ी को गुज़रना था। और फिर आग बुझाने की लिए और कुछ करना भी तो नहीं था। आग काबू में आ ही गयी थी–" यह सुन कर गर्टरूड मेरी ओर देख कर मुस्करायी। "तब मैं पहाड़ी से नीचे उतरा। इधर उधर लोग अपने घरों को जा रहे थे और कण्ट्री क्लब जाने वाले रास्ते पर मैंने दो व्यक्तियों को देखा। उनमे से एक छोटे कद का था। वह एक बड़ी-सी चट्टान पर बैठा हुआ था। उसकी पीठ मेरी ओर थी और उसके हाथों में कोई सफेद चीज़ थी। ऐसा लग रहा था मानो वह अपने पाँव को बांध रहा हो। कुछ आगे जाने पर मैंने मुड़ कर देखा। वह कुछ ठीक से नही चल रहा था—माफ कीजिएगा, वह गन्दी गालियां बक रहा था।"

"क्या वे वहां से क्लब की ओर गये थे?" गर्टरूड ने कुछ आगे झुक कर अचानक पूछा।

" नहीं मिस, मेरे ख्याल मे वे गाँव में गये थे। मैं उनके चेहरे नहीं देख सका, पर यहां बच्चे-बच्चे को जानता हूँ और हर कोई मुझे जानता है। जब वे मुझे उस लिबास में देख कर हँसे नहीं तो मैंने सोचा कि वे अजनबी होंगे।"

सो दोपहर ढलने के वाद स्थिति यह थी—कि दरवाजे में से निकल कर गोली किसी व्यक्ति को लगी थी। वह व्यक्ति अभी गांव में ही था और वह किसी डाक्टर के यहां नहीं गया था। और फिर डाक्टर वाकर जानता था कि लूसियन वालेस कौन था और उसके इन्कार करने पर मुझे निश्चय हो गया था कि हम सही रास्ते पर ही खोज कर रहे। हैं

इस ख्याल से मुझे बहुत खुशी हो रही थी कि रात के समय जासूस वहां आयेगा और मेरा ख्याल है कि इस पर गर्स्टड भी खुश थी: घर लौटते समय उस दिन मैंने कई दिनों के बाद उसे दिन के प्रकाश में स्पष्ट रूप से देखा और देख कर मुझे आश्चर्य हुआ कि उसका चेहरा कितना बदल गया था और किसी बीमार के चेहरे-सा लगता था। वह दुबली हो गयी थी और उसकी रंगत जाती रही थी। उसमें वह स्फूर्ति और उत्साह नहीं रहा था।

"गर्टरूड," मैंने कहा, "मैं बहुत स्वार्थी बनी रही हूँ। तुम आज ही इस भयानक घर से छुटकारा पा जाओगी। अगले सप्ताह एनी मार्टन स्काटलैंड जा रही है और तुम उसके साथ जाओगी।"

मुझे यह देख कर आश्चर्य हुआ कि उस का चेहरा लाल हो उठा।

"मैं नहीं जाना चाहती, चाची," उसने कहा। "आप मुझे यहाँ से जाने के लिए न कहें।"

"तुम्हारी सेहत खराब हो रही है," मैंने निर्णय के स्वर मे कहा, "तुम्हें परिवर्तन की आवश्यकता है।"

"मैं यहां से बिल्कुल नहीं जाऊंगी," उसने भी निर्णय के स्वर मे कहा। फिर कुछ ढीले पड़ कर कहा, "आपको और लिझी को मेरी ज़रूरत है कि रोज़ आप की अनबन होने पर मैं बीच में पड़ कर सुलह-सफाई कराऊं।"

शायद मुझे हर किसी पर शक हो रहा था, पर मुझे लगा कि गर्टरूड की प्रसन्नता बनावटी थी और वह जबर्दस्ती से उसे अपने चेहरे पर ला रही थी। घर तक जाते समय मैंने उसे खूब ध्यान से देखा और उसके पीले कपोलों पर जो गुलाबी रंग के निशान थे, वे मुझे अच्छे नहीं लगे। पर मैंने उसे स्काटलैंड भेजने के बारे में और कुछ न कहा। मैं जानती थी, वह नहीं जायेगी।

२५

लुई की मुलाकात

उस दिन कोई महत्वपूर्ण घटना होनी थी। जब मैंने घर में प्रवेश किया तो मैंने देखा कि एलिज़ा ऊपर के हाल में छिप कर कुर्सी पर बैठी हुई थी। मेरी ऐन अमोनिया सूंघ रही थी और उसका गला रुँधा हुआ था, लिझी अपनी कलाइयों को मल रही थी—पता नहीं इसका उसे क्या फायदा था। मैं जानती थी कि भूत घर में घूमता फिर रहा है और इस बार रात के समय नहीं, बल्कि दिन के समय।

एलिज़ा बेहद डरी हुई थी। जब मैं उसके पास गयी, तो उसने मेरी बाहों को कसकर पकड़ लिया और तब तक न छोड़ा जब तक कि उसने अपनी पूरी कहानी न सुना ली। आग की घटना के पश्चात् घर लौटने पर सभी हतोत्साह थे और मुझे यह देखकर आश्चर्य नहीं हुआ कि अलैक्स और उसका सहायक माली एक भारी ट्रंक उठाये सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे।

"मैं इसे नहीं लाना चाहता था, मिस इनेस," अलैक्स ने कहा, "पर एलिज़ा इतनी घबरायी हुयी थी कि अगर मैं न लाता तो वह स्वयं ही उसे घसीट कर नीचे लाती, जिससे सीढ़ियों पर खराशें पड़ जातीं।"

मैं अपनी टोपी उतार रही थी और नौकरानियों को शांत करने की कोशिश कर रही थी। "अब जाओ, एलिज़ा! मुँह धोकर मेरे कमरे में आओ और जो कुछ हुआ है, मुझे बताओ।" मैंने कहा।

लिड्डी ने बिना कुछ बोले ही मेरी चीजें उठाकर रख दीं, परन्तु उसे देखकर लग रहा था कि वह नाराज है।

"अच्छा," जब वह चुप्पी असह्य हो उठी, तो मैंने कहा, "अब कोई नयी बात होने वाली है?"

"अगर एलिज़ा चली जायगी, तो दूसरा बावर्ची कहाँ से मिलेगा?" मैंने कहा। लिड्डी पहले से भी ज्यादा चुप थी।

"शायद रोजी खाना अच्छा बना ले।" लिड्डी ने नाक सिकोड़ा।

'लिड्डी," आखिर मैंने कहा, "अब तुम्हारी उम्र का भी तकाज़ा है। घबराहट से तुम घूर घूर कर देख रही हो। तुम्हारे लिए यह सब कुछ असह्य है। तुम्हारी हालत दिन-दिन बिगड़ती जा रही है। यह जो कुछ हुआ है, उसे सहना तुम्हारे बस की बात नहीं है।"

"मैं अपने बारे में नही सोच रही," आखिर वह हिचकिचाकर बोली, "आप मेरे बारे में चाहे जो भी कहें, पर इतना मैं कहूँगी कि जब से मैंने आपको सीढ़ी के पास हाथ में रिवाल्वर लिये गोली चलाते देखा है, मैं कभी भी अपनी पहली हालत में नहीं आ सकती।"

"खैर, मैं उस पर खुश हूं—कुछ परिवर्तन तो है।" मैंने कहा। और उसी समय एलिज़ा रोजी और मेरी ऐन को साथ लिये आयी।

उसने बीच-बीच में सिसक-सिसक कर पूरी कहानी सुनायी जिसे बीच-बीच में दोनों स्त्रियों ने सुधारा। उसने बताया कि दो बजे (रोजी ने कहा कि दो बजे नहीं, सवा दो बजे) वह मेरी ऐन को दिखाने के लिए अपने कमरे में एक चित्र लाने गयी। (मेरी ने बताया कि वह एक महिला का चित्र था।) वह नौकरों की आने जाने वाली सीढ़ी चढ़ कर बरामदे में से होती हुई अपने कमरे में गयी, जो सामान रखने वाले कमरे और नाचघर के बीच में है। जब वह बरामदे में से जा रही थी, तो उसने आवाज सुनी जैसे कोई फर्नीचर को एक ओर सरका रहा हो। पर वह घबरायी नहीं। उसने सोचा कि घर का निरीक्षण करने वाले होंगे। उसने सामान रखनेवाले कमरे में देखा। वहाँ कोई न था।

वह शांति से कमरे में गयी। आवाज बन्द हो गयी थी और चारों ओर शांति थी। तब वह अपने बिस्तर के एक ओर बैठ गयीं और कुछ बेहोशी की हालत

में—उस पर किसी जादू का प्रभाव था—उसने तकिये पर अपना सिर रख दिया और—

"सो गयी। अच्छी बात है," मैंने कहा, "आगे कहो।"

"जब मुझे होश आया, मिस इनेस, तो मुझे लगा कि मैं मर जाऊंगी। कोई चीज मेरे चेहरे पर लगी और मैं अचानक उठी। तब मैंने पलस्तर को गिरते हुए देखा—कि लोहे की एक सलाख उस छेद में से होकर बिस्तर पर आकर गिरी। अगर मैं उस समय सोयी होती (लिड्डी ने कहा, सोयी नहीं बेहोश होती) तो वह सलाख मेरे सिर में लगती और मैं मर जाती।"

"नही आपने इसकी चीख सुनी होती।" मेरी ऐन ने कहा। "और जब यह सीढ़ियों पर से लुढ़की तो इसका चेहरा सफेद होगया था।"

"इसका स्वाभाविक कारण है, एलिज़ा!" मैंने कहा, "तुमने इसे अपनी बेहोशी की हालत में सपने में देखा होगा। पर यदि यह सच है तो लोहे की सलाख और दीवार का छेद इसे प्रमाणित करेंगे।"

एलिज़ा कुछ खिसियानी-सी दीखी।

"छेद तो वहाँ हैं, मिस इनेस!" उसने कहा "पर जब मेरी ऐन और रोजी ऊपर गयीं तो वह सलाख वहाँ नहीं थी।"

"यही नहीं," लिड्डी की आवाज़ एक कोने में से आयी, "एलिज़ा ने बताया था कि उस छेद में से एक लाल सुर्ख आँख उसे दीख रही थी।"

"दीवार लगभग छः इंच मोटी होगी," मैंने तीखेपन से कहा, "यदि छेद करने वाला व्यक्ति आँख को एक छड़ी के सिरे पर रखकर छेद में से आगे बढ़ाता तो भी एलिज़ा उसे न देख पाती।"

पर एलिज़ा के कमरे में जाने पर सचाई प्रकट हो गयी। चाहे मैं कितना भी मजाक करूँ, असलियत यह थी कि किसी ने नाच के कमरे में की दीवार में छेद किया था, जो एलिज़ा के कमरे की दीवार के पलस्तर को तोड़कर कमरे में झांकता था। उसमें से फेंकी हुई सलाख एलिज़ा के बिस्तर पर ही गिर सकती थी। मैं उलझन में फँसी हुई थी। दो-तीन स्थानों पर दीवार में छोटे-छोटे छेद किये हुए थे, पर वे इतने गहरे नहीं थे। सबसे बड़ा आश्चर्य तो इस बात का था कि लोहे की वह सलाख, जिससे यह सलाख किया गया था, गायब थी।

मुझे वह कहानी याद आयी, जो मैंने एक बार किसी बौने के बारे में पढ़ी थी, जो किसी पुराने किले की दोहरी दीवारों के बीच के स्थान में रहा करता था। शुरूशुरू में जो मैंने सोचा था, शायद यह सच ही हो कि किसी

छिपे हुए कमरे में कोई गुप्त रास्ता जाता है, जिसमें कि कोई व्यक्ति रहता हो, जो अंधेरे में हमारे साथ खिलवाड़ करता हो और दीवारों में छेद कर हमारी बातें सुनता हो।

उस दिन दोपहर के बाद मेरी ऐन और एलिज़ा चली गयीं, पर रोजी ने रहने का निश्चय किया। लगभग पाँच बजे होंगे, जब स्टेशन से घोड़ागाड़ी उन्हें लेने आयी। गाड़ी में किसी व्यक्ति को देख कर मुझे आश्चर्य हुआ। कोचवान ने मुझे बुलाया और बड़े गर्व से कहा, "मैं आपके लिए एक बावर्ची लाया हूँ मिस इनेस। जब मुझे यहाँ, दो स्त्रियों और उनके सामान को लाने के लिए कहा गया, तो मैंने सोचा कि कोई गड़बड़ होगी और चूँकि यह गाड़ी में बैठी हुई स्त्री गाँव में काम ढूँढ़ रही थी, मैंने सोचा, मैं इसे लेता चलूं।"

नौकरों को परखने की मुझमें इतनी योग्यता हो गयी थी कि मैं विश्वास पर ही उन्हें रख लेती थी। उनसे लिखित रूप में कोई प्रमाणपत्र आदि नहीं माँगती थी। मेरी कुछ आदत हो गयी थी कि यदि दिन के लिए आर्डर लेते समय बावर्ची मेरे कमरे में आराम से बैठा रहता तो मैं उसकी परवाह नहीं करती थी। सो मैंने लिड्डी से उस स्त्री को अन्दर भेजने के लिए कहा। जब वह आयी तो मैं आश्चर्यचकित रह गयी। यह वही स्त्री थी, जिसके चेहरे पर माता के दाग थे।

वह दरवाजे के अन्दर कुछ बेढंगेपन से खड़ी थी और उसके चेहरे पर आत्मविश्वास की झलक थी। हाँ, वह खाना बना सकती थी, यद्यपि बहुत बढ़िया खाना नहीं बना सकती थी, पर यदि कोई सलाद आदि बनाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ले, तो वह शोरबा आदि चीजें अच्छी तरह ना सकती थी। सो अंत में मैंने उसे रख लिया। जब मैंने उसके बारे में हाल्से को बताया तो उसने कहा कि यदि वह साफ सुथरी रहती है तो उसकी चेहरा भद्दा होने से कोई फर्क नहीं पड़ता।

मैं हाल्से की बेचैनी का जिक्र कर चुकी हूँ। उस दिन तो वह इतना बेचैन था कि दोपहर के भोजन के बाद तक बाहर रहा। मेरा ख्याल है कि वह इस आशा में था कि वह लुई को पहाड़ियों पर मोटर से घूमते हुए मिल सकेगा और संभवतः वह उससे मिला भी; पर उसके चेहरे पर जो एक लगातर उदासी थी, उससे मैंने अनुमान लगाया कि उसके प्रति लुई के रवैये में परिवर्तन नहीं हुआ।

मेरा ख्याल है कि बाद का कुछ समय उसने पढ़ने में बिताया। जैसा कि मैंने कहा है, गर्टरूड और मैं बाहर गयी हुई थीं और रात को भोजन पर हम दोनों ने

देखा कि कोई ऐसी बात हुई है, जिससे उसके चेहरे पर घबराहट है। वह कुछ बदला हुआ-सा था और घबराहट में हर पाँच मिनट के बाद अपनी घड़ी को देखता था। उसने नहीं के बराबर खाया। भोजन के बीच में उसने दो बार पूछा कि जेमिसन और दूसरे जासूस किस गाड़ी से आ रहे हैं। कभी कभी वह बड़ी देर तक अपने आप में खो जाता और कांटे को मेजपोश पर गाड़ कर इस तरह बैठा रहता कि बुलाने पर भी न बोलता, मानो उसने सुना ही न हो। वह जल्दी ही मेज पर से उठ कर यह कहकर माफी माँगता हुआ चला गया कि वह अलैक्स से मिलना चाहता है।

अलैक्स कहीं नहीं मिला। आठ बजे के बाद का समय होगा, जब हाल्से ने कार ली और इस तेज रफ्तार से गया कि शायद उसे भी अपनी इस रफ्तार पर हैरानी होती। कुछ देर बाद अलैक्स आया और उसने बताया कि वह घर जा रहा है ताकि रात के समय दरवाजे खिड़कियाँ आदि बन्द कर दे। साम बोहनान पौने नो बजे आया और मैदान में चक्कर लगाने लगा। और फिर दो जासूसों के आ जाने से मुझे किसी प्रकार का भय नहीं रहा।

साढ़े नौ बजे मैंने बाहर रास्ते पर सरपट दौड़ते हुए घोड़ों की टापों की आवाज सुनी। वह घर के सामने आकर रुका और उसी समय मैंने बरामदे में किसी के तेज-तेज कदमों की आवाज सुनी। अब हमारी पहले की सी स्थिति नही थी। अब हमें हर छोटी-छोटी बात पर संदेह होता था। उसी क्षण गर्टरूड और मैं दरवाजे पर थीं। एक क्षण पश्चात लुई दौड़ते हुए कमरे में आकर खड़ी हो गयी। उसका सिर नंगा था और वह जोर जोर से सांस ले रही थी।

"हाल्से कहाँ है?" उसने पूछा। वह काले रंग का सादा-सा गाउन पहने हुए थी और उसकी आँखें बड़ी-बड़ी और गंभीर दीख रही थीं। इतने तेजी से आने पर उसके चेहरे की रंगत में कोई फर्क नहीं पड़ा था। मैं उठी और मैंने एक कुर्सी आगे बढ़ायी।

"वह वापस नहीं आया," मैंने शांतिपूर्वक कहा, "बैठ जाओ, तुम्हारी हालत काफी कमजोर है।"

मेरा ख्याल है, उसने मेरी बात सुनी भी नहीं।

"वह वापस नहीं आया?" उसने मेरी ओर से दृष्टि हटाकर गर्टरूड की ओर देखते हुए पूछा। "क्या तुम जानती हो, वह कहाँ गया है? मैं उससे कहाँ मिल सकती हूँ?"

"ईश्वर के लिए लुई," गर्टरूड फूट पड़ी, "हमें बताओ, आखिर बात क्या है? हाल्से यहां नहीं है। वह जेमिसन को लेने स्टेशन गया है। क्या बात है?"

"स्टेशन गया है, गर्टरूड? तुम्हें निश्चय है?"

"हां," मैंने कहा। "सुनो यह गाड़ी की आवाज आ रही है?"

वह थोड़ा-सा सुस्तायी और कुर्सी पर आराम से बैठ गयी।

"शायद मैं गलत थी," उसने भारी आवाज से कहा। "वह यहां कुछ ही मिनटों में आ जायगा, यदि सब ठीक-ठाक रहा।"

हम तीनों वहाँ बैठी थीं। हमने बात-चीत करने का प्रयत्न नहीं किया। गर्टरूड ने और मैंने लुई से कोई प्रश्न पूछना व्यर्थ समझा। वह जान बूझकर चुप बनी हुई थी। हमारे कान मोटर की आवाज सुनने के लिए उत्सुक थे कि वह कब मोड़ पर से घूम कर रास्ता चढ़ कर सीधे घर की ओर आती है। दस मिनट बीत गये, पन्द्रह, बीस। मैंने देखा लुई के हाथों ने कुर्सी की बाहों को कस कर पकड़ लिया था और अब जैसे वे वहीं जम गये थे। मैंने गर्टरूड के चेहरे की चमक को हौले मंद पड़ते देखा और स्वयं अपने दिल के गिर्द मुझे किसी बहुत बड़े हाथ की पकड़ अनुभव हुई।

पच्चीस मिनट बीत गये और तब एक आवाज आयी। पर यह मोटर की आवाज नहीं थी, यह निश्चय ही कैसानोवा की गाड़ी की आवाज थी। गर्टरूड ने पर्दे को एक ओर हटाया और अन्धकार में देखा।

"यह घोड़ागाड़ी है," उसने जैसे किसी भय से छुटाकारा पाते हुए कहा "मोटर में कुछ खराबी हो गयी होगी और फिर हाल्से जिस तेजी से गया था, मोटर के खराब हो जाने की संभावना भी है।"

ऐसे लगा कि काफी समय बीत गया है। तब दरवाजे के सामने चर—चर करती हुई घोड़ा गाड़ी आकर रुकी। लुई खड़ी होकर देखने लगी। उसका हाथ अपने गले पर था और तब गर्टरूड ने दरवाजा खोला और जेमिसन तथा एक अधेड़ उम्र का गठीले शरीर वाला व्यक्ति अन्दर आये। हाल्से उनके साथ नहीं था। तब दरवाजा बन्द हो गया और लुई ने देखा कि हाल्से नहीं आया है तो उसके चेहरे पर का भाव बदला। अब उस चेहरे पर पहले का सा तनाव नहीं था। अब वह ढीला पड़ गया था और तब फिर उसके चेहरे पर अनंत उदासी थी।

"हाल्से?" मैंने उस नये व्यक्ति की ओर से बेध्यान होकर कहा। "क्या वह आपसे नहीं मिला?"

"नहीं।" जेमिसन को कुछ आश्चर्य हुआ। "बल्कि मेरा ख्याल था कि वह मोटर लायेगा। खैर, हम ठीक से पहुँच गये हैं।"

"आपने उसे बिलकुल नहीं देखा?" लुई ने सांस रोके हुए पूछा।

जेमिसन उसे तत्क्षण पहचान गया, यद्यपि उसने उसे पहले कभी नहीं देखा था।

"नहीं मिस आर्मस्ट्रांग!" उसने कहा, "मैंने कहीं नहीं देखा। क्या बात है?"

"तब हमें उसे ढूँढ़ना होगा," उसने जोर देकर कहा, "हर क्षण बहुत कीमती है, जेमिसन। मैं कह सकती हूँ कि वह खतरे में है। पर मुझे यह नहीं पता कि वह कहाँ है। उसे इसी समय ढूँढ़ना चाहिए।"

दूसरा व्यक्ति कुछ नहीं बोला। पर अब वह जल्दी से दरवाजे की ओर लपका।

"मैं सड़क पर घोड़ागाड़ी को रोकता हूँ।" उसने कहा। "क्या यह महाशय कस्बे में हैं?"

"जेमिसन," लुई ने भावावेश में कहा, "मैं घोड़ागाड़ी में चली जाऊँगी आप मेरा घोड़ा लेकर जाइये, मोटर को ढूँढ़ने की कोशिश कीजिये—उसे खोजना आसान रहेगा। मुझे और कोई रास्ता नहीं सूझता। बस अब रुकिये नहीं।"

नया जासूस चला गया था और दूसरे क्षण जेमिसन घोड़े को सरपट दौड़ाता हुआ चला गया। सड़क पर टकराने से घोड़े के खुरों में से कदम--कदम पर आग निकल रही थी। लुई वहाँ खड़ी देखती रही। जब वह मुड़ी तो उसने गर्टरूड को देखा जो गुस्से से भरी हुई हाल में खड़ी थी।

"क्या तुम्हें पता है कि हाल्से को किस बात का खतरा है लुई?" उसने कोसते हुए कहा, "मेरा ख्याल है, तुम्हें इस सारी भयानक घटना का पता है—इस रहस्य का, जिसका पता लगाने के लिए हम संघर्ष कर रहें हैं। अगर हाल्से को कुछ हो गया, तो मैं तुम्हें कभी माफ नहीं करूँगी।"

लुई ने केवल निराशा में अपने हाथ उठाये और उन्हें फिर नीचे गिरा दिया।

"वह मुझे भी उतना ही प्रिय है, जितना तुम्हें," उसने उदासी से कहा, "मैंने उसे रोकने की कोशिश की थी।"

"क्या मूर्खता है!" मैंने बहुत तीखेपन से कहा। "हम शायद किसी छोटी-सी बात को चढ़ा-बढ़ा कर व्यर्थ में मुसीबत खड़ी कर रहे हैं।

हाल्से को शायद देर हो गयी हो — वह हमेशा देर से आता है। किसी भी क्षण हम कार की आवाज सुन सकती हैं।"

पर आवाज न आयी। आधे घंटे की उत्सुकता के उपरांत लुई चुपचाप चली गयी और वापस नहीं आयी। ग्यारह बजे टेलीफोन की घंटी बजी। यह जेमिसन बोल रहा था।

"मुझे कार मिल गयी है मिस इनेस," उसने कहा, "वह स्टेशन पर एक मालगाड़ी से टकरा गयी है। नहीं, मिस्टर इनेस वहाँ नहीं है। पर हम उसका पता लगा लेंगे। वार्नर को कार के लिए भेजिये।"

पर उन्हें हाल्से का पता नहीं लगा। दूसरी सुबह चार बजे का समय होगा। हम अभी तक हाल्से की प्रतीक्षा कर रहे थे। अलैक्स घर की निगरानी कर रहा था और साम बाहर मैदान की। दिन चढ़ने पर मैं थकी-मांदी सो गयी। हाल्से नहीं लौटा था और न जासूस की ओर से उसकी कोई खबर आयी थी।

२६

हाल्से का गायब होना

अब तक जो कुछ हुआ था, वह इतना बुरा नहीं था। आर्मस्ट्राँग की हत्या और थामस की मृत्यु को हमने दिल पर नहीं लगाया था, पर हाल्से के गायब होने से स्थिति बदल गयी थी। हमारा छोटा-सा घेरा अब टूट गया था। अब हम केवल दर्शक मात्र नहीं रहे थे कि एक ओर खड़े होकर होने वाली चीजों को देखें। अब हम स्वयं घटनाओं का केन्द्र बन गये थे। सच पूछा जाय तो इस प्रकार की आवाज उठाने का समय नहीं रह गया था। तब मेरे दिमाग में एक ही विचार था कि हाल्से किसी के फँदे में फँस गया है और अब प्रत्येक क्षण जो बीत रहा है, घातक सिद्ध हो सकता है।

सुबह लगभग आठ बजे जेमिसन वापस आया। वह धूल से सना हुआ था और उसका हैट गायब था। जब हम नाश्ता करने बैठे तो हम तीनों बहुत उदास दीख रहे थे। किसी ने भी नाश्ता नहीं किया। बिना दूध की काफी पीते हुए जासूस ने हमें गत रात हाल्से की गतिविधियों के बारे में बताया।

उसका पीछा करने में एक हद तक कार ने आसानी पैदा की और बर्न्स नाम के दूसरे जासूस से भी ज्ञात हुआ कि वह प्रातः काल तक मीलों तक इसी प्रकार की कार का पीछा करता रहा, पर बाद में पता लगा कि वह एक 'टूरिंग कार' थी।

"वह यहाँ से आठ बजकर दस मिनट पर गया," जेमिसन ने कहा, "वह अकेला ही गया, और आठ बीस पर वह डाक्टर वाकर के यहाँ रुका। मैं डाक्टर के यहाँ आधी रात के समय गया, पर वह किसी मरीज को देखने के लिये गया हुआ था और चार बजे तक वापस नहीं आया था। ऐसा लगता है कि डाक्टर वाकर के यहाँ से मिस्टर इनेस मैदान को पार कर उस घर में गया जहाँ श्रीमती आर्मस्ट्रॉंग और लुई रह रही हैं। श्रीमती आर्मस्ट्रॉंग आराम कर रही थीं और हाल्से ने लुई से दो-चार बातें कीं। लुई यह बताने को तैयार नहीं कि उसने क्या कहा। पर उसे पता है कि कोई खास बात हुई है—कोई बुरी बात, पर वह यह जानती है कि किस किस्म की है। तब वह सीधे स्टेशन के लिए रवाना हुआ। वह बहुत तेज रफ्तार से जा रहा था। कैरोल स्ट्रीट के फाटक पर जो व्यक्ति रहता है, उसका कहना है कि उसने कार को वहाँ से जाते हुए देखा था। वह उसके हार्न की आवाज पहचानता है। कैरोल स्ट्रीट और डिपो के बीच में जो अंधेरा स्थान था, वहीं कार अचानक एक तरफ को मुड़ी—शायद सामने कोई आदमी था और फिर उस दिशा में उसी तेजी से कार मालगाड़ी की ओर गयी। गत रात कार वहीं मिली।"

"शायद वह धक्का लगने पर लाइन में जा गिरा हो और गाड़ी के नीचे आ गया हो।" मैंने काँपते हुए कहा।

गर्टरूड भी काँप उठी।

"हमने पूरी तरह लाइन की छानबीन की। वहाँ कोई निशान नहीं मिला।"

"पर निश्चय ही वह कहीं जा नहीं सकता!" मैंने चीख कर कहा, "क्या कीचड़ में कोई निशान नहीं मिला? या उसकी कोई वस्तु?"

"वहाँ कीचड़ नहीं है, केवल धूल है। बरसात तो हुई नहीं है। रास्ते पर राख पड़ी हुई है। मिस॰ इनेस, जो कुछ हुआ है, उसकी रोशनी में देखते हुए मुझे लगता है कि वह कहीं फँस गया है। मैं यह नहीं मानता कि उसकी हत्या हुई है।" मैं 'हत्या' शब्द सुन कर सिकुड़ गयी। "दवाओं की दुकान में जो व्यक्ति रात के समय बैठता है उससे एक सूचना मिलने पर बर्न्स वापस गाँव आ गया है। पर दोपहर तक यहाँ दो और व्यक्ति आ जायेंगे और शहर में भी पुलिस खोज कर रही है।"

"खाड़ी में ?" गर्टरूड ने पूछा।

"खाड़ी आजकल छिछली है। अगर वह बरसात से भर गयी होती तब बात और थी। आजकल उसमें पानी है ही नहीं। अब मिस इनेस," उसने मेरी ओर मुड़ते हुए कहा, "मैं आपसे कुछ सवाल पूछना चाहता हूँ। क्या बिना बताये ही हाल्से के इस प्रकार चले जाने का कोई संभव कारण है ?"

"नहीं, कोई नहीं।"

"वह एक बार पहले भी गया था," उसने कहा, "और आपको विश्वास था कि उसके जाने का कोई कारण नहीं है।"

"उस समय उसने अपनी कार को इस प्रकार नहीं छोड़ दिया था।"

"नहीं, वह कार को यहाँ से बहुत दूर एक लोहर की दूकान में मरम्मत के लिए छोड़ गया था। क्या आप उसके किसी दुश्मन को जानती हैं ? कोई ऐसा व्यक्ति, जो उसे अपने रास्ते से हटाना चाहता हो ?"

"नहीं, मेरे ख्याल में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है।"

"क्या उसके पास बड़ी रकम रहा करती थी ?"

"वह कभी बड़ी रकम लेकर दूर नही गया। नहीं, वह साधारण खर्च से ज्यादा रकम जेब में नहीं रखता था।"

तब जेमिसन उठा और कमरे में टहलने लगा।

"तब हम दूसरे पहलू से इसे देखें। उसके भाग जाने का तो कोई कारण नहीं हो सकता। अगर उसे चोट आयी होती तो हमें उसकी जरूर कोई निशानी मिलती। ऐसा लगता है कि उसका अपहरण हुआ है। यह डाक्टर वाकर—क्या आप जानती हैं, हाल्से गत रात वहाँ क्यों गया ?"

"मैं इसका कारण नहीं समझ सकती," गर्टरूड ने सोचते हुए कहा, "मेरा ख्याल है वह डाक्टर वाकर को बिलकुल नहीं जानता और परिस्थितियों को देखते हुए उनके सम्बन्ध अच्छे हो भी नहीं सकते थे।"

जेमिसन के कान खड़े हो गये और आहिस्ता-आहिस्ता उसने हमसे हाल्से की प्रेम-कथा और लुई के डाक्टर वाकर से होने वाले विवाह का पता लगा लिया।

जेमिसन ध्यान से हमारी बातें सुनता रहा।

"कुछ दिलचस्प बातों का पता लगा है," उसने सोचते हुए कहा। "जिस स्त्री ने स्वयं को लूसियन वालेस की माँ बताया था, वह वापस नहीं आयी। आपके भतीजे को यहाँ से दूर कर दिया गया है। व्यवस्थित रूप से इस घर में घुसने का प्रयत्न किया जा रहा है। देखा जाय तो घर में घुसा जा चुका है। कल बावर्ची

के साथ जो घटना हुई उस पर ध्यान दें और मेरे पास बताने के लिए एक नयी खबर है।" उसने सावधानी से गर्टरूड पर से दृष्टि हटायी। "बैले निकर बोकर में नहीं है और मैं नहीं जानता वह कहाँ है। यह एक गोरखधंधा है। घटनाओं का आपस में तब तक सम्बन्ध नहीं जुड़ता जब तक कि बैले और आपका भतीजा फिर से—"

और एक बार गर्टरूड ने फिर से हमें आश्चर्यचकित कर दिया। "वे एक साथ नहीं हैं," उसने गर्म होकर कहा। "मैं जानती हूँ बैले कहाँ है और मेरा भाई उसके साथ नहीं है।"

जासूस मुड़ा और उसने बड़े ध्यान से उसे देखा।

"फिर गर्टरूड," उसने कहा, "अगर आप और मिस लुई मुझे सब कुछ बता दें जो आप जानतीं हैं और जो आपको संदेह है तो मैं कई काम करने के लायक हो सकता हूँ। मैं कुछ और भी चीजें कर सकता हूँ।" पर गर्टरूड की दृष्टि डाँवाडोल न हुई।

"मैं जो कुछ जानती हूँ, उससे आपको हाल्से का पता लगाने में सहायता नहीं मिल सकती," उसने दृढ़ता से कहा। "मैं उसके इस गायब हो जाने के बारे में आपसे अधिक कुछ नहीं जानती और मैं केवल यही कह सकती हूँ कि मुझे डाक्टर वाकर पर विश्वास नहीं है। मेरा ख्याल है कि वह हाल्से से घृणा करता है और अगर उससे बन पड़ा तो वह उसे अपने रास्ते से हटा देगा।"

"शायद आपका कहना ठीक है। वास्तव में मैं खुद भी इसी प्रकार सोच रहा था। पर डाक्टर वाकर गत रात काफी देर से 'समिट विले' नामक मकान में किसी मरीज को देखने गया था, जिसकी हालत खतरनाक थी और वह अभी तक वहीं है। बर्न्स ने वहाँ का पता लगाया है। हमने ग्रीनवुड क्लब में और गाँव में पता लगाया है। रेल की लाइन पर जो पुल है, जहाँ पर कि हमें कार मिली थी, वहाँ एक छोटा-सा घर है। एक बूढ़ी स्त्री और उसकी बेटी, जो बहुत लँगड़ी है, वहाँ रहती हैं। उनका कहना कि जब मोटर गाड़ी से टकरायी थी, तो उन्होंने टकराने की आवाज सुनी थी और उन्होंने अपने बाग में आकर देखा था। वे कार की बत्तियाँ देख सकते थे और उनका ख्याल था कि कोई व्यक्ति जख्मी हो गया होगा। उस समय बहुत अंधेरा था। पर वे दो व्यक्तियों को पास-पास खड़े देख सकती थीं। देखकर उन्हें आश्चर्य हुआ और वे वहाँ आयी। कार अभी तक वहीं थी। उसकी बत्तियाँ टूट गयी थीं और उसका 'बॉनेट' चकनाचूर हो गया था, पर वहाँ कोई व्यक्ति नहीं था।"

उसी समय जासूस चला गया। गर्टरूड और मैं बैठी प्रतीक्षा करने लगीं कि देखें अब क्या होता है। दोपहर तक कुछ पता नहीं लगा था और मेरी हालत पागलों की सी थी। आखिर मैं ऊपर हाल्से के कमरे में गयी, क्योंकि मैं गर्टरूड के सामने और अधिक देर तक बैठकर उसकी भयानक बनी हुई आँखों को नहीं देख सकती थी।

लिड्डी मेरे सिंगारकमरे में थी। उसकी आँखें लाल थीं। वह मेरे कपड़ों को बिलकुल ही उल्टी-सीधी तरह रख रही थी। मेरी ऐसी हालत थी कि मैं उसे डाट तक नहीं सकी।

"इस नयी बावर्चिन ने अपना क्या नाम बताया था?" उसने पूछा।

"ब्लिस, मेरी ब्लिस," मैंने कहा।

"ब्लिस, एम-बी-वेल। पर यह नाम उसके सूटकेस पर नहीं है। उस पर एन-एफ-सी लिखा है।"

इस नयी बावर्चिन और उसके नाम ने मुझे बिलकुल नहीं चौंकाया। मैंने अपनी टोपी पहनी और कैसानोवा से घोड़ागाड़ी मँगवायी। एक बार यह निर्णय करने पर कि मुझे क्या करना होगा मैं पीछे हटने वाली नहीं हूँ। वार्नर घोड़ागाड़ी चला रहा था। वह उकताया हुआ था और वह गाड़ी इस प्रकार चला रहा था मानो वह कार हो। उसका बायाँ पाँव क्लच के लिए आगे बढ़ता और हर बार जब कोई कुत्ता रास्ते में आ जाता तो उसका हाथ हार्न बजाने के लिए उठता।

वार्नर के दिमाग में कोई बात थी और जब हम मुड़ कर सड़क पर हो लिये तो वह बोला, "मिस, इनेस, कल मैंने कुछ बात-चीत सुनी थी, जो समझ नहीं पाया। वैसे उसे समझने की कोई जरूरत नहीं थी। पर मैं दिन भर से सोच रहा हूँ कि आपको बताऊँ। कल दोपहर के बाद जब आप और मिस इनेस बाहर गयी हुई थीं, मैंने कार को ठीकठाक किया और मैं मिस्टर इनेस को बुलाने लायब्रेरी में गया ताकि वे इसे आकर देख लें। लिड्डी ने बताया कि वे अमुक कमरे में हैं। और लायब्रेरी से कुछ ही दूर पर मैंने उन्हें किसी से बातें करते सुना। ऐसा लगता था कि वे इधर उधर चल रहे हैं और गुस्से में हैं।"

"उसने क्या कहा?"

"पहली बात जो मैंने सुनी वह थी—माफ कीजियेगा, मिस इनेस, पर मैं कहे बिना रह भी नहीं सकता—'हरामी कहीं का,' उन्होंने कहा, 'मैं उसे नरक में भेज दूँगा।' तब कोई और बोला। यह एक स्त्री की आवाज थी। उसने कहा—'मैंने उन्हें चेतावनी दी थी, पर उन्होंने सोचा कि मैं डर जाऊँगी।'"

"स्त्री ! क्या तुमने उसे देखा कि वह कौन थी ?"

"मैं जासूसी नहीं कर रहा था, मिस इनेस," वार्नर ने गर्व से कहा, "पर जो दूसरी बात हुई, उसने मेरा ध्यान खींचा। उसने कहा, 'मुझे पता था कि शुरू से ही कुछ गड़बड़ है। एक आदमी एक दिन बीमार पड़ता है और दूसरे दिन अकारण ही उसकी मृत्यु हो जाती है।' मेरे ख्याल में वह थामस के बारे में कह रही थी।"

"और तुम्हें यह नहीं पता वह कौन थी ?" मैंने कहा, "वार्नर तुम्हारे हाथ में इस सारे रहस्य की चाबी थी और तुमने जानने की कोशिश नहीं की ?"

खैर, अब कुछ किया नहीं जा सकता था। घर लौटने पर मैंने इस सम्बन्ध में पूछताछ करने का निश्चय किया और फिर मैं अपने मौजूदा काम में फँस गयी। मैं लुई से मिलना चाहती थी और किसी प्रकार उससे इस बात का पता लगाना चाहती थी कि वह हाल्से के गायब हो जाने के बारे में क्या जानती थी या उसे सन्देह था। पर मैंने जितनी ही कोशिश की, मैं उलझन में पड़ती गयी।

मेरे घंटी बजाने पर एक नौकरानी ने दरवाजा खोला। पर वह दरवाजे में ही खड़ी रही और मेरे लिए यह संभव नहीं था कि मैं उसके एक तरफ से निकल कर अन्दर जाती।

"मिस आर्मस्ट्रांग बहुत बीमार हैं और किसी से मिल नहीं सकतीं।" उसने कहा। मैंने उस पर विश्वास नहीं किया।

"और श्रीमती आर्मस्ट्रॉंग ? क्या वे भी बीमार हैं ?"

"वे मिस लुई के पास हैं और वहाँ से उठना नहीं चाहतीं।"

"उनसे कहो कि मिस इनेस मिलने आयी हैं और बहुत ही जरूरी काम है।"

"इससे कोई फायदा नहीं होगा, मिस इनेस, मुझे यही आज्ञा दी गयी है।"

उसी समय सीढ़ियों पर से किसी के भारी कदमों की आवाज आयी। नौकरानी के कंधे पर से किसी के सिर के जाने-पहचाने सफेद बालों को देख सकी और दूसरे क्षण मैं डाक्टर स्टीवर्ट के सामने थी। वह बहुत ही गंभीर दीख रहा था और उसके हँसमुख चेहरे पर तनाव–सा था।

"मैं आप ही से मिलना चाहता था !" उसने झट कहा, "अपनी गाड़ी भेज दीजिये और मेरे साथ घर चलिये। यह आपके भतीजे के बारे में क्या मामला है ?"

"वह गायब है, डाक्टर ! इतना ही नहीं, यह भी संभावना है कि किसी ने उसका अपहरण किया है या —" मैं वाक्य पूरा न कर सकी। डाक्टर ने बिना

कुछ बोले अपनी बग्घी में बैठा लिया। कुछ दूर तक वह नहीं बोला। तब उसने मुड़ कर मेरी तरफ देखा।

"अब मुझे बताये," उसने कहा। और उसने बिना कुछ बोले मेरी सारी बात सुनी।

"और आपका ख्याल है कि लुई इसके बारे में जानती है?" उसने मेरी बात समाप्त होने पर कहा। "मुझे निश्चय है कि वह जरूर जानती है। इसका प्रमाण यह है कि उसने मुझे पूछा था कि क्या हाल्से के बारे में कुछ पता लगा है या नहीं। वह डाक्टर वाकर को कमरे में आने नहीं देगी। और उसने मुझसे वादा कराया है कि मैं आपसे मिलूँ और कहूँ कि हाल्से की खोज जारी रखें। उसे जल्दी ढूँढ़े। वह जिन्दा है।"

"अच्छा!" मैंने कहा, "यदि वह यह जानती है, तो वह और भी बहुत कुछ जानती होगी। वह बड़ी ही क्रूर और कृतघ्न लड़की है।"

"वह बहुत बीमार लड़की है," उसने गंभीरता से कहा, "आप या मैं तब तक उसके बारे में कोई निर्णय नहीं कर सकते, जब तक हमें सारी बात का पता न लग जाय। इस सबके पीछे—दो मौतों, बैंक की लूट, सनीसाइड में घुसने की कोशिशों और हाल्से के गायब हो जाने के पीछे कोई रहस्य है, जो याद रखें किसी दिन प्रकट होगा। और जब वह प्रकट होगा, तो हम लुई आर्मस्ट्रांग को पीड़ित के रूप में ही पायेंगे; शायद उसकी माँ को भी!"

मैंने ख्याल नहीं किया था कि हम कहाँ जा रहे हैं। पर अब मैंने देखा कि हम रेल की लाइन के पास थे और वहाँ रास्ते के एक ओर जमा हुए आदमियों को देखकर मैंने अनुमान लगाया कि यहीं कार पायी गई है। लकड़ी के कुछ टूटे हुए टुकड़े वहाँ जमीन पर पड़े थे, दुर्घटना का और कोई चिन्ह नहीं था।

"वह मालगाड़ी का डिब्बा कहाँ है, जिससे टक्कर लगी थी?" डाक्टर ने एक दर्शक से पूछा।

"जब गाड़ी चली तो उसे सुबह यहाँ से ले गये थे।"

यहाँ और कुछ जानने लायक नहीं था। उसने उस घर की ओर संकेत किया, जिसमें रहने वाली बूढ़ी स्त्री और उसकी बेटी ने टक्कर लगाने की आवाज सुनी थी और कार के पास खड़े दो व्यक्तियों को देखा था। तब हम आहिस्ता-आहिस्ता घर की ओर चले। डाक्टर ने मुझे फाटक पर उतारा और मैं घर की ओर चली—उस लाज के पास से होकर, जहाँ हमें लुई मिली थी और बाद में मृत थामस मिला था। फिर मैं उस रास्ते पर चलने लगी, जहाँ मैंने एक व्यक्ति को

देखा था, जो लाज को देख रहा था और जहां बाद में रोजी को किसी ने डराया था। फिर मैं घर के उस पूर्वी भाग की ओर से गुजरी, जहां से कुछ ही समय पहले घर में घुसने का जोरदार प्रयत्न किया गया था और जहां दो सप्ताह पहले उस रात लिज्ज़ी और मैंने एक विचित्र स्त्री को देखा था। घर से पश्चिमी भाग से कुछ ही दूर अस्तबल के काले खंडहर पड़े थे। जब मैं घर में दाखिल होने के लिए चौड़े बरामदे में रुकी तो मुझे लगा, मैं भी खंडहर बनी हुई हूँ।

मेरी अनुपस्थिति में दो जासूस वहाँ पहुँच चुके थे और घर की निगरानी उन्हें सौंपते हुए मैंने सुख की साँस ली। उन्होंने बताया कि जेमिसन ने हाल्से की खोज के लिए कुछ और जासूसों की व्यवस्था की है और इस समय उस सारे देश में चारों ओर निगरानी की जा रही है।

उस दोपहर के बाद घर में जो जासूस थे, वे फिर अपने अपने काम पर चले गये। लिज्ज़ी ने मुझे बताया कि नयी बावर्चिन अपना बोरिया-बिस्तार उठाकर तनख्वाह लिये बिना चली गयी है। जिस स्त्री को वानर ने लायब्रेरी में बातें करते सुना था, उसे किसी ने घर में आते नहीं देखा था। शायद बावर्चिन ने देखा हो। मैं फिर उलझन में पड़ गयी।

२७

नीना कारिंग्टन कौन है ?

शनिवार से मंगलवार तक चार दिनों तक हम बहुत ही भयानक स्थिति में रहे। केवल जब लिज्ज़ी खाना लेकर आती तो हम खा लेते और वह भी थोड़ा-सा। जो कुछ हुआ था, समाचारपत्रों में उसकी कहानी फिर शुरू हो गयी और संवाददाता हमारे पीछे लगे रहते। देश के हर भाग से हमें खबरें आती और हमें कुछ आशा बँधती, जो फिर टूट जाती। हर मॉर्ग में हर अस्पताल में हाल्से का पता लगाया गया, पर कोई पता न लगा।

फिर जेमिसन ने इस व्यवस्थित रूप से होनेवाली खोज का काम स्वयं अपने ऊपर लिया और हर शाम को चाहे वह जहाँ भी होता, हमें फोन पर खबर देता। बस रोज वही खबर—"अभी कुछ पता नहीं लगा। एक नया सूत्र हाथ लगा

है। शायद कल भाग्य चमके।" और हम फोन रख देते और फिर निगरानी करने के लिए बैठ जाते।

चुपचाप बैठ रहना खतरनाक था। लिड्डी सारा दिन रोती रहती और चूँकि वह जानती थी कि मैं उसका आँसू बहाना पसंद नहीं करती, वह एक कोने में बैठकर सिसकती रहती।

"ईश्वर के लिए जरा मुस्कराओ!" मैंने उससे कहा। उसने हँसने का व्यर्थ प्रयत्न किया और उसकी सूजी हुई नाक तथा लाल आँखों को देख कर मैं दँग रह गयी और फिर कुछ देर के बाद हम दोनों बैठी रो रही थीं और आँसू पोंछ रही थीं।

इस बीच बहुत-सी चीजें हुईं, पर उनका कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। धर्मार्थ अस्पताल में डाक्टर स्टीवर्ट को बुलाया गया कि श्रीमती वाटसन की हालत नाजुक है। मुझे पता लगा कि मुझ से सनीसाइड छुड़ाने के लिए कानूनी कार्यवाही की जा रही है। लुई अब खतरे से बाहर थी पर अभी तक बहुत कमजोर थी। और एक नर्स उसकी देखभाल कर रही थी। गाँव में अफवाह थी कि लुई और डा. वाकर का विवाह हो चुका है और इस सम्बन्ध में पहली बार मैंने अपना कदम उठाया।

तब मंगलवार को मैंने कार मँगवायी और बाहर जाने के लिए तैयार हुई। जब मैं वार्नर की प्रतीक्षा कर रही थी, तो मैंने सफेद बालों वाले बिचारे सहायक माली को देखा, जो घर के निकट पौधों की काँट-छाँट कर रहा था। जासूस एक तरफ बैठा उसे ध्यान से देख रहा था। जब उसने मुझे देखा तो उठ खड़ा हुआ।

"मिस इनेस," उसने अपना हैट उतारते हुए कहा, "अलैक्स कहाँ है?"

"क्यों? वह यहाँ नहीं है क्या?" मैंने पूछा।

"वह कल दोपहर के बाद से गया हुआ है। क्या आपने उसे काफी समय से काम पर रखा है?"

"केवल दो सप्ताह हुए हैं।"

"क्या वह योग्य व्यक्ति है? होशियार है?"

"मैं कह नहीं सकती," मैंने यों ही कहा। "बगीचा ठीक ही दीखता है। मुझे इन बातों की ज्यादा जानकारी भी नहीं है। मैं गुलाब की झाड़ियों के बजाय गुलाब के गमलों के बारे में अधिक जानती हूँ।"

"यह आदमी," उसने सहायक माली की ओर संकेत करते हुए कहा, "कहता है कि अलैक्स माली नहीं है। वह पौदों के बारे में कुछ नहीं जानता।"

"यह बड़ी विचित्र बात है," मैंने सोचते हुए कहा। "वह ब्रेस परिवार के यहाँ से मेरे पास आया है, जो कि युरोप में है।"

"बिलकुल ठीक," जासूस मुस्कराया। "हर व्यक्ति जो घास काटता है, बागवान नहीं हो सकता मिस इनेस, और इस समय हमारी नीति यह है कि हम यहाँ हर व्यक्ति को दुष्ट समझें, जब तक कि वह अपने आपको इसके विपरीत सिद्ध नहीं कर देता।"

वार्नर कार लेकर आ गया और हमारी बातचीत वहीं समाप्त हो गयी। जब जासूस ने कार में बैठने में मेरी सहायता की तो उसने फिर कहा।

"अगर अलैक्स लौट आये तो उसे इसके बारे में कुछ भी न कहें," उसने सावधान हो कर कहा।

पहले मैं डाक्टर वाकर के यहाँ गयी। मैं पता लगा लगा कर थक गयी थी और मैं जानती थी कि जेमिसन के सिद्धांतों के बावजूद हाल्से का पता यहीं कैसानोवा से ही लग सकता है।

डाक्टर घर में ही था। वह उसी समय मरीजों को देखने वाले कमरे में आया। उसके व्यवहार में मैत्री भाव का दिखावा नहीं था।

"आईये," उसने संक्षेप में कहा।

"बस यहीं ठीक है, डाक्टर," मैंने कहा। मुझे न तो उसका चेहरा पसंद आया, न उसका व्यवहार। दोनों में एक हल्का-सा परिवर्तन था। उनमें मैत्री भाव नहीं था और मुझे लगा कि वह कुछ चिंतित और कमजोर-सा दिख रहा था।

"डाक्टर वाकर," मैंने कहा, "मैं आपके पास कुछ प्रश्न पूछने आयी हूँ। मुझे आशा है आप उत्तर देंगे। आप जानते ही हैं कि मेरे भतीजे का अभी तक पता नहीं लगा।"

"यह मैंने सुना है," उसने संभलकर कहा।

"मुझे विश्वास है कि यदि आप चाहें तो हमारी सहायता कर सकते हैं। सो मेरा पहला प्रश्न है कि क्या मुझे उस बातचीत के बारे में बतायेंगे, जो आपके और उसके बीच हुई थी, जिस रात कि उस पर हमला हुआ था और उसका अपहरण कर दिया गया था ?"

"हमला ? अपहरण ?" उसने बनावटी आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा। "सचमुच मिस इनेस, आप बढ़ा-चढ़ा कर तो नहीं कह रहीं ? मेरा ख्याल है कि यह पहला मौका नहीं है, जब हाल्से गायब हुआ है ?"

"आप बात को टाल रहे हैं, डाक्टर ! मेरे लिए यह जीवन और मौत का प्रश्न है। क्या आप मेरे प्रश्न का उत्तर देंगे !"

"क्यों नहीं ! उसने आकर कहा कि उसे कुछ घबराहट और कमजोरी-सी है और मैंने उसे दवा लिखकर दी। इतना बताते हुए भी मैं अपने पेशे के उसूल के ख़िलाफ़ काम कर रहा हूँ।"

मैं उसे यह नहीं कह सकी कि वह झूठ बोल रहा है। मैंने असलियत भाँप ली थी। सो मैंने एक और तीर चलाया।

"मेरा ख्याल है," मैंने उसे ध्यान से देखते हुए कहा, "शायद नीना कारिंग्टन का कोई मामला हो।"

एक क्षण के लिए मुझे लगा जैसे वह मुझ पर हाथ उठाने वाला है। उसका रंग नीला पड़ गया और उसकी कनपटी के स्थान पर एक छोटी-सी खून से भरी हुई गिलटी विचित्र प्रकार से फूलने और सिकुड़ने लगी। तब उसने जबर्दस्ती हँसने का प्रयत्न किया।

"नीना कारिंग्टन कौन है?" उसने पूछा।

"मैं उसका पता लगाने ही वाली हूँ," मैंने उत्तर दिया और वह एकदम शांत हो गया। यह अनुमान लगाना कठिन नहीं था कि वह नीना कारिंग्टन से इतना डरता था कि वह शायद भूत से भी इतना न डरता हो। मैंने उससे विदा ली। विदा लेते समय हमने एक-दूसरे को केवल एक टक देखा। तब मैं मुड़ी और बाहर आ गयी।

"रिचफील्ड चलो!" मैंने वार्नर से कहा और रास्ते भर मैं विचारों में लीन रही।

"नीना कारिंग्टन, नीना कारिंग्टन," पहियों की आवाज मानो रह-रह कर यह शब्द कह रही थी। नीना कारिंग्टन, एन. सी. और तब मुझे लगा जैसे मैंने सारी घटना को स्पष्ट रूप से देख लिया है। उस स्त्री के सूटकेस पर एन. सी. अक्षर थे—वह स्त्री जिसके चेहरे पर माता के दाग थे। सारा मामला कितना सीधा-सादा दीख रहा था। मेरी ब्लिस ही नीना कारिंग्टन थी। उसी को वार्नर ने लायब्रेरी में बातें करते सुना था। उसने हाल्से से क़ोई ऐसी बात कही थी, जिस पर वह गर्म होकर डाक्टर वाकर के यहाँ गया था और वहाँ से शायद अपनी मौत के यहाँ। यदि हम इस स्त्री का पता लगा सकें, तो ज्ञात हो सकता है कि हाल्से का क्या हुआ।

अब हम रिचफील्ड के निकट आ गये थे। उस समय मेरा मन वहाँ नहीं था। वह उस न भुलाई जानेवाली रात के समय हाल्से के साथ था। उसने लुई से क्या

कहा था कि वह सनीसाइड गयी थी और उसके प्रति उसका मन भय से भरा हुआ था? जब कार टेट नामक मकान के सामने पहुँची तो मैंने निश्चय किया कि मैं लुई से जरूर मिलूँगी, चाहे मुझे रात के समय चोरी से ही घर में क्यों न जाना पड़े।

वहाँ वही दृश्य था, जो मैंने पिछली बार आने पर देखा था—श्रीमती टेट, रास्ते में खड़ी गाड़ी, झूला झूल रहे बच्चे—सभी कुछ वही था।

वह मुझसे मिलने आगे बढ़ी और मैंने देखा कि उसके चेहरे पर की चिंता की रेखाएँ अब मिट गयी थीं। उसका चेहरा स्वस्थ और सुन्दर लग रहा था।

"मुझे खुशी है कि आप वापस आयी हैं," उसने कहा। "मुझे वह रकम आपको देनी है, जो आप मुझे दे गयी थीं।"

"क्यों?" मैंने पूछा "क्या उस लड़के की माँ आयी थी?"

"नहीं, पर कोई और स्त्री आयी थी और वह महीने भर का खर्च दे गयी है। वह बहुत देर तक उससे बातें करती रही थी। पर जब बाद में मैंने उससे पूछा तो उसे उसका नाम नहीं मालूम था।"

"छोटी उम्र की स्त्री थी वह?"

"नहीं, छोटी उम्र की नहीं थी। मेरे ख्याल में चालीस के लगभग होगी। वह कद की छोटी थी और उसके बाल चमकदार थे। कुछ-कुछ सफेद-से। वह बहुत उदास थी। जब वह आयी, तो उसी समय चली जाना चाहती थी। पर लूसियन ने उसे बातों में लगाये रखा। वह बहुत देर तक उससे बातें करता रहा। जब वह गयी तो, काफी खुश दीख रहा था।"

"क्या आपको विश्वास है कि वह उसकी असली माँ नहीं थी?"

"नहीं, उसे तो यह भी पता नहीं था कि तीनों बच्चों में से लूसियन कौन था। मैंने सोचा कि वह आपकी परिचिता होगी, पर मैंने उससे पूछा नहीं।"

"उसके चेहरे पर माता के दाग तो नहीं थे?" मैंने पूछा।

"नहीं, बिलकुल नहीं। उसकी चमड़ी बच्चों जैसी मुलायम थी। पर शायद आप उसके नाम के अक्षरों से उसे पहचान पायें। उसने लूसियन को एक रूमाल दिया था और फिर जाते समय उसी के पास भूल गयी। वह बहुत सुन्दर था, काली धारीवाला और उसके एक कोने में हाथ से काढ़े हुए तीन अक्षर थे—एफ. बी. ए.।"

"नहीं," मैंने कहा, "वह मेरी परिचिता नहीं है।" एफ. बी. ए. निस्सन्देह फैनी आर्मस्ट्रांग थी!

फिर श्रीमती टेट से किसी से कुछ न बताने के बारे में कह कर हम वापस सनी-साइड की ओर चल पड़े। सो फैनी आर्मस्ट्रांग को लूसियन वालेस का पता था और वह उसे मिलने और उसका खर्च देने आयी थी। पर इस बच्चे की माँ कौन थी? नीना कारिंग्टन कौन थी? क्या इनमें से किसी को पता है कि हाल्से कहाँ है या उसके साथ क्या बीती है?

घर लौटते समय हम उस छोटे-से कब्रिस्तान के पास से गुजरे, जहाँ थामस दफ़नाया गया था। यदि थामस जीवित होता तो शायद वह हाल्से को ढूँढ़ने में हमारी सहायता कर सकता। उससे कुछ दूर पर वह स्थान था, जहाँ आर्नल्ड और पाल आर्मस्ट्रॉंग दफनाये गये थे। तीनों में से मेरे ख्याल में थामस ही था, जिसकी मृत्यु पर सबको हार्दिक शोक था।

२८

भिखारी और दाँत का दर्द

समय बीतने पर ट्रेडर्स बैंक के अध्यक्ष के प्रति कटुता बढ़ने लगी। जिन व्यक्तियों का बैंक में कोई नुकसान नहीं हुआ था, वे भी उसके बारे में उसके बेहद लालची होने की नयी कहानियाँ सुनते तो घृणा से भर जाते। यह बैंक छोटे-छोटे व्यापारियों को बहुत पसंद था। वे लोग, जिनका अच्छी तरह निर्वाह हो रहा था और जिन्होंने दो-दो, तीन-तीन सौ डालर बैंक में जमा किये थे, अब अपनी इस रकम से हाथ धो बैठे थे। खैर, अब बैंक के डाइरेक्टर लोगों को उनकी बैंक में जमा रकम का २० प्रतिशत देने का वादा कर रहे थे।

पर उन दिनों गर्टरूड और मैं अन्य चीजों के साथ बैंक के फेल हो जाने को भी भूला हुई थीं। हमने आपस में जैक बैले का जिक्र नहीं किया। उसके दोषी होने के बारे में जो मेरी धारणा थी, वह अभी बदली नहीं थी और गर्टरूड इसे जानती थी। जहाँ तक आर्नल्ड की हत्या का प्रश्न था, मेरी दो धारणाएँ थीं। कभी मैं सोचती कि गर्टरूड जानती थी या कम से कम उसे संदेह था कि यह हत्या जैक बैले ने की है। फिर मुझे शक होता कि यह हत्या शायद स्वयं गर्टरूड ने की है, क्योंकि उस रात वह अकेली ही वहाँ गोल सीढ़ी पर थी। तब लूसियन वालेस की माँ बीच में आ जाती और मुझे उस पर संदेह होने लगता। कभी ऐसा समय भी

आता कि मैं किसी पर भी संदेह नहीं करती और किसी अज्ञात व्यक्ति को ही इसका जिम्मेदार ठहराती।

नीना कारिंग्टन का पता लगाने में मुझे सबसे अधिक निराशा हुई। उसका पता लगाने का कोई सूत्र हाथ नहीं लग रहा था। उसके चेहरे पर दाग होने के कारण उसे आसानी से पहचाना जा सकता था। पर वह कहीं मिल नहीं रही थी। घर पहुँचने पर जब मैंने एक जासूस से उसके चेहरे का वर्णन किया, तो उसने कुछ आशा बँधायी। पर रात होने तक उसका कोई पता नहीं लगा। तब मैंने गर्टरूड को लुई के नाम आये उस तार के बारे में, अपने डाक्टर बाकर के यहाँ जाने के बारे में और इस अनुमान के बारे में बताया कि नीना कारिंग्टन और मेरी ब्लिस एक ही स्त्री है। वह मेरे विचार से करीब-करीब सहमत थी।

जासूस को जो अलैक्स के बारे में संदेह था, मैंने उसके बारे में गर्टरूड को कुछ न बताया। छोटी-छोटी चीजें, जिनकी ओर मेरा पहले ध्यान नहीं गया था, अब मेरे सामने आयीं। मुझे यह सोचकर कुछ चिंता-सी हुई कि अलैक्स शायद जासूस है और उसे घर में रखकर मैंने स्वयं को दुश्मनों के हाथ में सौंप दिया है, पर उस रात आठ बजे अलैक्स स्वयं आ गया और उसके साथ एक विचित्र प्रकार का व्यक्ति था, जिसे देखकर घृणा होती थी। दोनों अजीब से लग रहे थे। अलैक्स भी उसीके समान अस्त-व्यस्त दशा में दीख रहा था और उसकी एक आँख बुरी तरह सूजी हुई थी।

गर्टरूड अन्यमनस्क-सी बैठी शाम के समय जेमिसन की ओर से आनेवाले समाचार की प्रतीक्षा कर रही थी। पर जब वे दोनों व्यक्ति बिना पूछे आगे बढ़ आये, तो वह झट उठी और उन्हें एकटक देखने लगी। विण्टर्स नाम का जासूस, जो रात के समय घर की निगरानी करता था, उनके पीछे था। उसकी पैनी दृष्टि अलैक्स के साथी पर थी। यही नयी स्थिति थी।

वह एक लम्बा और दुबला-पतला-सा व्यक्ति था; फटेहाल और गन्दा और इस समय वह घबराया हुआ-सा, भयभीत लग रहा था। मैंने आज तक अलैक्स से यह नहीं पूछा कि वह बिना इजाजत लिये ही क्यों चला गया था।

"मिस इनेस," अलैक्स ने अचानक कहा, "यह आदमी हमें मिस्टर इनेस के गायब हो जाने के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बातें बता सकता है। मैंने इसे यह घड़ी बेचते हुए पाया है!"

उसने अपनी जेब में से एक घड़ी निकाल कर मेज पर रखी। यह हाल्से की घड़ी थी। मैंने यह उसे उसके इक्कीसवें जन्मदिवस पर दी थी। मैं देखकर अवाक् रह गयी।

"इसका कहना है कि इसके पास कफ की जंजीर की जोड़ी भी थी, पर इसने बेच दी है।"

"डेढ़ डालर में," उस व्यक्ति ने जासूस की ओर देखते हुए भारी आवाज़ में कहा।

"वह जीवित है?" मैंने पूछा। भिखारी ने अपना गला साफ किया।

"हाँ," उसने कर्कश आवाज़ में कहा। "उसे बहुत सख्त चोट आयी थी, पर वह बच गया है। वह होश में आ ही रहा था, जब मैंने—" वह रुका, उसने जासूस की ओर देखा। "मैंने इसे चुराया नहीं है, विण्टर्स," उसने कहा। "यह मुझे सड़क पर मिली है। ईश्वर की कसम खाकर कहता हूँ।"

विण्टर्स ने उसकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया। वह अलैक्स को देख रहा था।

"बेहतर है, मैं बात थोड़े में खत्म कर दूँ," अलैक्स ने कहा। "जब जेमिसन-जब मिस्टर जेमिसन आयें, तो हम इससे निपट लेंगे। मिस्टर विण्टर्स, मैंने इस व्यक्ति को पाँचवीं सड़क पर यह घड़ी बेचते हुए पाया। इसने मुझे यह तीन डालर में देनी चाही।"

"तुम्हें इस घड़ी का कैसे पता था कि यह मिस्टर इनेस की है?" विण्टर्स ने पूछा।

"मैंने इसे कई बार देखा है। जब मैं रात के समय सीढ़ी के पास घर की निगरानी करता था, तो मैं इसमें समय देखा करता था।" जासूस को संतोष हो गया। "जब इसने यह घड़ी मुझे दिखाई, तो मैंने इसे पहचान लिया और मैंने इसे खरीदने का बहाना किया। हम एक गली में गये और मैंने यह इससे ली।" भिखारी काँप उठा। प्रकट था कि अलैक्स ने घड़ी कैसे प्राप्त की थी। "तब मैंने इससे सारी बात का पता लगाया। इसका कहना है कि इसने पूरी घटना अपनी आखों से देखी है। यह मालगाड़ी के खाली डिब्बे में था—उस डिब्बे में, जिससे मोटर टकरायी थी।"

यहाँ से भिखारी ने अपनी कहानी सुनानी शुरू की। बीच-बीच में अलैक्स और विण्टर्स के टोकने से उसे रुकना पड़ता। वह अजीब खिचड़ी भाषा का प्रयोग कर रहा था, जिसमें जाने हुए शब्दों का भी भिन्न अर्थ था, किन्तु धीरे-धीरे बात स्पष्ट हो गयी।

उस रात भिखारी कैसानोवा के पास मालगाड़ी के एक खाली डिब्बे में पड़ा हुआ था। गाड़ी पश्चिम की ओर जानेवाली थी। उसे सुबह चलना था। भिखारी और ब्रेकमैन में दोस्ती थी और सब कुछ ठीक ही चल रहा था। लगभग दस बजे,

शायद कुछ पहले ही, डिब्बे के एक ओर किसी चीज के टकराने की भयानक आवाज आयी और वह जग गया। उसने दरवाजा खोलने की कोशिश की, पर उसे खोल न पाया। वह दूसरी ओर से बाहर निकला और बाहर निकलते ही उसने किसी के कराहने की आवाज़ सुनी।

वह चौकन्ना हो गया। उसने डिब्बे के एक ओर से झांक कर देखा। एक मोटर डिब्बे से टकरायी थी और अब दो पहियों के बल खड़ी थी। उसके पीछे की बत्तियाँ जल रही थीं और आगे की बुझ गयीं। दो आदमी किसी व्यक्ति पर झुके हुए थे, जो नीचे पड़ा हुआ था। तब उनमें से जो लम्बे कद का आदमी था, वह गाड़ी के साथ दौड़ता हुआ कोई खाली डिब्बा ढूँढ़ने लगा। चार डिब्बे आगे जाने पर उसे एक खाली डिब्बा मिल गया और वह दौड़कर वापस आया। दोनों ने मिलकर उस बेहोश व्यक्ति को उठा कर खाली डिब्बे में रखा और फिर स्वयं उस डिब्बे में तीन–चार मिनट तक कुछ करते रहे। जब वे बाहर आये तो उन्होंने डिब्बे का दरवाजा बन्द किया और रेलवे लाइन को पार कर कस्बे की ओर चल पड़े। उनमें से जो छोटे कद का व्यक्ति था, वह लंगड़ाता प्रतीत हो रहा था।

यह देखकर भिखारी सावधान हो गया। वह लगभग दस मिनट तक वहीं खड़ा रहा। कुछ स्त्रियाँ सड़क पर से वहाँ आयी और उन्होंने मोटर का निरीक्षण किया। जब वे चली गयीं, तो वह डिब्बे में चढ़ा और दरवाजा बन्द कर लिया। उसने दियासलाई जलायी। वह बेहोश आदमी, जिसके मुँह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और जिसके-हाथपाँव बँधे हुए थे, एक कोने मे पड़ा था। भिखारी ने उसी समय उसकी जेबें टटोलीं। उसे कुछ रकम और कफ की जंजीरें मिलीं। तब उसने उसके मुँह में से ठूंसा हुआ कपड़ा निकाला और दरवाजा बन्द कर चलता बना। बाहर सड़क पर उसे घड़ी मिली। वह कुछ देर बाद पूर्व की ओर जाने वाली मालगाड़ी में बैठा और शहर पहुँच गया। उसने कफ की जंजीरें बेंच दी थीं और जब अलैक्स को घड़ी दिखा रहा था, तो पकड़ गया था।

क्रूरता की वह कहानी समाप्त हो गयी। मैं अपनी उत्सुकता के बारे में नहीं बता सकती कि वह कम थी या अधिक। इसमें कोई संदेह नहीं था कि वह व्यक्ति हाल्से ही था। उसे कितनी चोट आयी होगी? वह गाड़ी में कहाँ पहुँच गया होगा? ये प्रश्न थे, जिनके उत्तर की उस समय अवश्यकता थी। पर यह जानकारी थी, जो हमें सही रूप में प्राप्त हुई थी। हाल्से की हत्या नहीं हुई थी, पर अब यह डर था कि पता नहीं वह किस अस्पताल में पड़ा होगा और वहाँ उसकी

साधारण मरीजों जैसी ही देखभाल हो रही होगी । यदि हमें यह भी पता लग जाता कि वह कहाँ है, तो इसे हम अपना सौभाग्य समझते। आज भी जब कभी मैं सोकर उठती हूँ, तो यह सोचकर कि तीन दिन तक हाल्से किस भयंकर स्थिति में रहा होगा, मेरे अन्दर भय की एक ठंडी सिहरन दौड़ जाती है।

विण्टर्स और अलैक्स ने भिखारी को डांट-डपट कर छोड़ दिया। प्रकट था कि उसने हमें वह सब कुछ बता दिया था, जो वह जानता था। जब एक दो दिन के पश्चात् वह हमसे अचानक मिला, तो उसने हमको धन्यवाद दिया कि हमने उसे छोड़ दिया था। उस रात जब जेमिसन ने हमें फोन किया तो मैंने उसे सारी बातें बतायीं। उसने कहा कि इतना पता लग जाने पर भी हाल्से को इतनी जल्दी खोज लेना संभव नहीं है। यह मैंने पहले नहीं सोचा था। आज तीन दिन के बाद गाड़ी के डिब्बे पता नहीं कहाँ-कहाँ चले गये होंगे । पर उसने कहा कि हमें निराश नहीं होना चाहिए। यह बहुत ही अच्छा समाचार प्राप्त हुआ है। और इस बीच, जब कि हम चिंता से घिरे हुए थे, घर में कुछ चीजें तेजी से हो रही थीं।

हमें शांति का एक दिन मिला। फिर लिड्डी रात को बीमार हो गयी । जब मैंने उसे कराहते हुए सुना तो मैं अन्दर गयी। वह गर्म पानी के बोतल से अपने चेहरे पर सेंक कर रही थी और उसका दायाँ गाल सूजा हुआ था।

" क्या दाँत दर्द कर रहा है ? " मैंने जरा जोर से पूछा । " तुम इसी के लायक हो। अच्छा हो इसे निकाल दिया जाय। बस एक मिनट का काम है।"

लिड्डी ने बोतल के पीछे से ही विरोध करते हुए इन्कार किया।

मैं रूई और अफीम का सत्त ढूँढ़ रही थी।

" आपका भी इसी प्रकार एक दाँत है, मिस रैचेल ! " उसने रोकर कहा। " और वर्षों से डाक्टर बायल उसे निकलने के लिए कर रहे हैं। "

अफीम का सत्त नहीं मिला और जब मैंने उसके स्थान पर कारबोलिक एसिड लगाने की कोशिश की तो लिड्डी ने बहुत ही विरोध किया, क्योंकि एक बार मैंने वह बहुत ज्यादा लगा दी थी, जिससे उसका मुँह जल गया था। मेरा ख्याल है, उसे कोई स्थायी नुकसान नहीं हुआ था, यद्यपि बाद में डाक्टर ने कहा था कि उसे खाने के लिए केवल द्रव पदार्थ ही लेने चाहिए। पर इस बार वह एसिड लगवाने के लिए तैयार नहीं थी और उसके कराहने के कारण मैं सो न सकी। सो अन्त में मैं उठकर गर्टरूड के कमरे की ओर गयी। मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उसमें ताला लगा हुआ था।

मैं हाल में से उसके सोने के कमरे में गयी। बिस्तर बटोरा हुआ था और उसका गाउन और सोते समय पहनने का लिबास पास वाले छोटे कमरे में था। पर गर्टरूड वहाँ नहीं थी। उसने अपने कपड़े बदल लिये थे।

जब मैं वहाँ खड़ी थी, तो पता नहीं मेरे मन में कैसे भयानक विचार आये, दरवाजे में से लिझी को बुड़बुड़ करते सुन सकती थी और बीच में जब कभी दर्द बढ़ता, तो उसकी चीख सुनाई देती। तब मैंने अफीम का सत्त खोजा और उसके पास गयी।

लगभग आधे घंटे के बाद लिझी का दर्द बन्द हुआ। इस बीच में कई बार हाल में गयी और मैंने बाहर देखा, पर मुझे ऐसी कोई वस्तु दिखायी या सुनायी नहीं दी, जिस पर मुझे संदेह हो सके। अंत में जब लिझी ऊँघने लगी, तो मैं गोल सीढ़ी तक भी गयी, पर वहाँ दरवाजे के पास सोये पड़े विण्टर्स की श्वासों के अतिरिक्त मैं और कुछ न सुन पायी। विण्टर्स वहाँ निगरानी कर रहा था और तब दूर कहीं मैंने वह खटखट की आवाज़ सुनी, जिसे सुनकर एक सप्ताह पहले रात के समय लुई सीढ़ियाँ उतर कर नीचे आयी थी। ऐसा लग रहा था जैसे यह आवाज कहीं मेरे सिर के ऊपर से आ रही है। वह बहुत धीमी-सी थी—तीन या चार बार खटखट की आवाज, फिर चुप और फिर वही आवाज!

विण्टर्स की श्वासों की आवाज़ को सुनते हुए मुझे कुछ सांत्वना-सी थी कि बुलाने पर किसी की सहायता मिल सकती है। किसी कारण से मैंने उसे जगाया नहीं। एक क्षण के लिए मैं अचल बनी खड़ी रही। भूत के बारे में लिझी ने बहुत-सी विचित्र बातें कही थीं। मैं अंधविश्वासिन बिलकुल नहीं हूँ। हाँ, कभी-कभी आधी रात के समय जब चारों ओर अंधकार होता है, तो मेरे मन में शंकाएँ उठती हैं। मेरे बिलकुल निकट लॉड्री थी। मैं उसे अनुभव कर सकती थी, पर मैं देख कुछ नहीं सकती थी। जब मैं वहाँ खड़ी ध्यान से सुन रही थी, तो मैंने अपने निकट ही आवाज़ सुनी। वह अस्पष्ट-सी थी। तब वह बन्द हो गयी। गोल सीढ़ी के नीचे से किसी के चलने—फिरने की आवाज़ आयी और फिर स्तब्धता छा गयी। मैं पूर्णतया अचल बनी खड़ी थी, यहाँ तक कि सांस लेने का भी मुझे साहस नहीं था।

तब मैंने जाना कि मैं ठीक ही थी। कोई अंधेरे में चुपके से सीढ़ी के पास से गुजर कर मेरी ओर आ रहा था। मैं सहारे के लिए दीवार के साथ लग कर खड़ी हो गयी। मेरी टांगें जवाब दे रही थीं। कदमों की आहट अब निकट आ गयी थी और अचानक मुझे गर्टरूड का ख्याल आया। हाँ, वह गर्टरूड ही थी।

मैंने अपना एक हाथ आगे बढ़ाया, पर मैं किसी वस्तु को छू न पायी। मेरी आवाज नहीं निकल रही थी, पर मैंने बड़ी कठिनाई से कहा ही, "गर्टरूड ?"

"बापरे !" मेरे निकट ही एक पुरुष की आवाज आयी और तब मैं बेहोश हो गयी। मुझे लगा कि मैं नीचे जा रही हूँ और किसी ने मुझे पकड़ लिया है। बस, यही मुझे याद है।

जब मुझे होश हुआ तो प्रातःकाल का समय था। मैं लुई के कमरे में बिस्तर पर लेटी हुई थी। छत पर चित्रित बालक मेरी ओर देख रहा था और मेरा अपना कम्बल मेरे ऊपर पड़ा हुआ था। मैं कमजोरी-सी अनुभव कर रही थी और मेरी आँखों के आगे एक धुँध थी। पर मैं किसी प्रकार उठी और दरवाजे तक गयी। नीचे गोल सीढ़ी के पास विण्टर्स अभी तक सोया हुआ था। मेरे लिए खड़ा रहना संभव नहीं था। इसलिए मैं बाहर कमरे में चली गयी। गर्टरूड के कमरे के दरवाजे में अब ताला नहीं लगा हुआ था। वह एक थके हुए बच्चे की तरह सो रही थी और मेरे सिंगार कमरे में लिड्डी पानी की बोतल को बाहों में लिये सोयी हुई बुडबुड़ा रही थी।

"कुछ ऐसी भी चीजें हैं, जिन्हें हथकड़ी नहीं लगायी जा सकती," वह होठों में ही कह रही थी।

२९

कागज का एक टुकड़ा

बीस वर्षों में पहली बार मैं उस दिन बिस्तर पर पड़ी रही। मुझे देखकर लिड्डी की पागलों जैसी हालत हो गयी और उसने नाश्ते के पश्चात् डा. स्टीवर्ट को बुला भेजा। गर्टरूड ने सुबह का समय मेरे संग बिताया। वह कुछ पढ़ती रही, जो मुझे अब याद नहीं। मैं अपने विचारों में इतनी लीन थी कि मैंने उसका पढ़ना न सुना। मैंने दोनों जासूसों से कुछ नहीं बताया था। यदि जेमिसन वहाँ होता तो मैं उससे सब कुछ कह सुनाती। पर मैं इन दोनों व्यक्तियों के पास जाकर अपनी भतीजी के बारे में नहीं बता सकती थी कि वह आधी रात के समय अपने कमरे से गायब थी और वह अपने विस्तर पर गयी ही नहीं थी। और फिर जब घर में

मैं उसे ढूँढ़ रही थी, तो मुझे एक अपरिचित व्यक्ति मिला था, जो मेरे बेहोश होने पर मुझे कमरे में छोड़ गया था।

सारी स्थिति कुछ भयंकर थी। दिन-रात हमारे घर में निजी जासूसों की निगरानी थी और एक व्यक्ति बाहर मैदान की निगरानी कर रहा था। इतना होने पर भी हमें खतरा ही खतरा था।

एक और चीज भी थी। जो व्यक्ति मुझे अंधकार में मिला था, वह मुझसे भी ज्यादा घबराया हुआ था और उसकी आवाज कुछ जानी-पहचानी सी थी। उस सुबह जब गर्टरूड ऊँची आवाज में पढ़ती रही और लिड्डी डाक्टर की राह देखती रही, तो मैं उस आवाज के बारे में सोच रही थी; पर परिणाम कुछ भी नहीं निकला।

कुछ और चीजें भी थीं। मैं हैरान थी कि आखिर गर्टरूड की अनुपस्थिति का इन सब चीजों से क्या सम्बन्ध हो सकता था? मैंने सोचने का प्रयत्न किया कि शायद उसने मुझ से पहले ही खटखट की आवाज सुन ली होगी और पता लगाने चली गयी होगी। पर मैं इतनी डरपोक थी कि उससे कुछ न पूछ सकी।

यह विचार मेरे लिये शायद अच्छा ही था। इससे मेरा ध्यान हाल्से और गत रात हमने जो कहानी सुनी थी, उसकी ओर से हट गया। वैसे दिनभर हम उत्सुकता से प्रतीक्षा करती रहतीं कि कब टेलिफोन की घंटी बजे और कुछ पता लगे। डा. वाकर दोपहर के भोजन के पश्चात् आया और उसने मुझसे मिलना चाहा।

"नीचे जाकर उससे मिलो," मैंने गर्टरूड से कहा। "उससे कहो कि मैं घर में नहीं हूँ। यह बिलकुल न कहना कि मेरी तबीयत ठीक नहीं है। पता लगाओ, वह क्या चाहता है और अब से सभी नौकरों से कह दो कि उसे घर में दाखिल न न होने दें। क्या वाहियात आदमी है!"

गर्टरूड जल्दी ही लौट आयी। उसका चेहरा कुछ लाल था।

"वह हमें घर छोड़ने के लिए कहने आया था," उसने एक झटके से अपनी पुरानी पुस्तक उठाते हुए कहा। "वह कहता है कि लुई यहाँ आना चाहती है, क्योंकि अब उसका स्वास्थ्य सुधर रहा है।"

"और तुमने क्या कहा?"

"मैंने कहा कि हमें बहुत अफसोस है कि हम घर छोड़ नहीं सकेंगे। पर हमें खुशी होगी, यदि लुई यहाँ आकर हमारे साथ रहे। उसने गुस्सेभरी आँखों से मुझे देखा और फिर उसने पूछा कि क्या हम एलिजा की बावर्चिन के तौर

पर सिफारिश कर सकते हैं ? वह कस्बे से एक मरीज को अपने यहाँ लाया है और वह अपनी गृहस्थी बढ़ा रहा है।"

"मैं चाहती हूँ कि वह एलिजा का मजा चखे," मैंने कहा। "क्या उसने हाल्से के बारे में पूछा था ?"

"हाँ, मैंने कहा कि गत रात से हम उसकी खोज में हैं और जल्दी ही उसका पता लग जायगा। उसने कहा कि यह सुन कर उसे खुशी हुई है, यद्यपि उसके चेहरे पर खुशी नहीं थी। उसने कहा कि अधिक आशावादी होने की जरूरत नहीं है।"

"क्या तुम जानती हो, मैं किस नतीजे पर पहुँची हूँ ?" मैंने पूछा। "मेरा दृढ़ विश्वास है कि डा. वाकर हाल्से के बारे में थोड़ा-बहुत जानता है और अगर वह चाहे तो उसके बारे में बता सकता है।"

उस दिन बहुत-सी चीजें थीं, जो मुझे परेशान कर रही थीं। लगभग तीन बजे जेमिसन ने कैसानोवा स्टेशन से फोन किया और वार्नर उसे लेने गया। मैं उठी और मैंने जल्दी-जल्दी कपड़े बदले और तभी जासूस मेरी बैठक में आया।

"कुछ पता लगा ?" उसके अन्दर आने पर मैंने उससे पूछा। यद्यपि उसे सफलता नहीं मिली थी, पर वह उत्साहित दीख रहा था। मैंने देखा कि वह थका हुआ था और धूल से सना हुआ। उसने दो दिन से दाढ़ी भी नहीं बनायी थी।

"अब ज्यादा देर नहीं लगेगी, मिस इनेस," उसने कहा, "मैं यहाँ आपको एक अजीब खबर सुनाने आया हूँ, जिसके बारे में आपको बाद में बताऊँगा। पहले मैं कुछ प्रश्न पूछना चाहता हूँ। क्या कल यहाँ कोई टेलीफोन की मरम्मत करने और छत पर के तार देखने आया था ?"

"हाँ," मैंने झट कहा। "पर वह टेलीफोन के लिए नहीं आया था। उसका कहना था कि शायद तारों के कारण अस्तबल में आग लगी हो। मैं स्वयं उसके साथ ऊपर गयी थी, पर उसने चारों ओर केवल देखा ही।"

"बहुत अच्छी बात है," उसने खुश होकर कहा। "जिस व्यक्ति पर आपको विश्वास न हो, उसे घर में न आने दीजिये और किसी पर विश्वास न कीजिये। जो व्यक्ति हाथों में रबर के दस्ताने पहनते हैं, वे सभी बिजली के काम के कारीगर नहीं हैं।"

उसने इसकी और अधिक व्याख्या करने से इन्कार कर दिया और उसने अपनी नोटबुक में से एक कागज निकाला और उसे बड़ी सावधानी से खोला।

"सुनिये," उसने कहा, "आपने इसे पहले एक बार सुना था और आपने मजाक किया था। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए, मैं चाहता हूँ आप इसे फिर पढ़ें। आप होशियार स्त्री हैं, मिस इनेस। इस घर में कोई ऐसी चीज है जिसे पाने के लिये कुछ आदमी बहुत उत्सुक हैं।"

यह वही कागज था, जो आर्नल्ड की चीजों में मिला था। और मैंने उसे फिर पढ़ा—

—योजना में परिवर्तन करने पर – कमरे, संभव हो सकता है। मेरे ख्याल में सबसे अच्छा तरीका यह होगा कि — योजना — कमरों में से एक में — चिमनी।

"मेरा ख्याल है मैं इसे समझ रही हूँ," मैंने आहिस्ता से कहा। "कोई गुप्त कमरे का पता लगा रहा है और घर में घुसने वाले —"

"और प्लास्तर के छेद — "

"इसका प्रमाण है कि वह आदमी — "

"या स्त्री!"

"स्त्री?" मैंने पूछा।

"मिस इनेस," जासूस ने उठते हुए कहा, "मेरा विश्वास है कि घर की दीवारों में कहीं पर कुछ धन छिपा हुआ है — कम से कम ट्रेडर्स बैंक का धन तो जरूर होगा। मेरा दृढ़ विश्वास है कि डा. वाकर कैलेफोर्निया से इस धन के बारे में कुछ पता लाया है और आपसे घर छुड़ाने में असफल होने पर उसने या उसके किसी विश्वासपात्र ने घर में घुसने की कोशिश की है। मेरा ख्याल है, दो बार उसे सफलता मिली भी है।"

"या शायद तीन बार!" मैंने कहा, और तब मैंने उसे गत रात के बारे में बताया। "मैंने बहुत सोचा है," मैंने कहा, "और मैं नहीं मानती कि गोल सीढ़ी के ऊपर जो व्यक्ति था, वह डा. वाकर था। मैं नहीं समझती कि वह अन्दर आ सका होगा और फिर आवाज उसकी नहीं थी।"

जेमिसन उठा और टहलने लगा। उसके हाथ उसकी पीठ के पीछे थे।

"एक और बात है, जो मुझे उलझन में डाले हुए है," उसने मेरे सामने रुकते हुए कहा। "यह नीना कारिंग्टन कौन है? अगर यह वही है जो मेरी व्लिस नाम की स्त्री के रूप में यहां आयी थी, तो उसने हाल्से से क्या कहा था कि वह उसी समय डा. वाकर के यहाँ गया और फिर मिस आर्मस्ट्रांग के पास? अगर हम उस स्त्री का पता लगा सकें तो सारी बात का पता यहीं लग जायेगा।"

"मिस्टर जेमिसन, क्या आपने सोचा है कि पाल आर्मस्ट्राँग की मृत्यु स्वाभाविक मृत्यु नहीं हो सकती ?"

"यही बात है, जिसका हम पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।" उसने उत्तर दिया। और तब गर्टरुड अन्दर आयी और उसने कहा कि नीचे कोई व्यक्ति जेमिसन से मिलना चाहता है।

उसने कहा, "मिस इनेस, मैं चाहता हूँ कि आप भी मुलाकात के समय मौजूद रहें। यह रिग्स हो सकता है। उसने डाक्टर को छोड़ दिया है और हमसे कुछ कहना चाहता है।"

रिग्ज कमरे में कुछ झिझकता हुआ आया, पर जेमिसन ने उसका डर और संकोच दूर कर दिया। वह बड़े ध्यान से मेरी ओर देख रहा था और जब उसे बैठ जाने के लिए कहा गया, तो वह दरवाजे के पास पड़ी कुर्सी पर बैठ गया।

"आपने वादा किया था कि आप अकेले में सुनेंगे, जेमिसन!" रिग्ज को मुझ पर विश्वास नहीं था। वह जिस प्रकार मुझे देख रहा था उससे साफ प्रकट था कि मुझ पर संदेह था।

"तुम बेफिक्र रहो, पर क्या तुम वह चीज लाये हो, जिसका तुमने वादा किया था ?"

रिग्ज ने अपने कोट के अन्दर से एक गोल किया हुआ कागज निकाला और जेमिसन को दे दिया। जेमिसन ने उसे देखा और फिर मेरी ओर बढ़ा दिया। "सनीसाइड का नक्शा," उसने कहा। "मैंने आपसे क्या कहा था ? अच्छा रिग्ज, अब पूरी बात बताओ।"

"मैं आपके पास कभी न आता, मिस्टर जेमिसन," उसने कहना शुरू किया, "अगर यह मिस लुई की खातिर न होता। जब मिस्टर इनेस यहाँ से गायब हो गये और मिस लुई इसके कारण फिर बीमार पड़ गयी, तो मैंने सोचा कि मामला काफी बढ़ चुका है। इसके पहले मैंने डाक्टर के लिए कई चीजें की थी, लेकिन अब मैं तंग आ गया हूँ!"

"क्या तुमने इसमें उसकी सहायता की थी, रिग्ज!" मैंने आगे झुकते हुए पूछा।

"नहीं, मैडम! मुझे इसके बारे में पता भी नहीं था। जब इसके बारे में कैसानोवा के 'वीकली लेजर' में समाचार छपा, तो मुझे पता लगा। पर मैं ठीक तरह से जानता हूँ, यह किसने किया है। अच्छा मैं शुरू से बताता हूँ।

"जब डा. बाकर आर्मस्ट्रांग परिवार के साथ कैलीफोर्निया चला गया, तो गांव में यह चर्चा थी कि वापस आने पर उसकी लुई से शादी होगी और हमें भी इसकी पूरी आशा थी। मुझे कैलिफोर्निया से उसका पत्र मिला। उसमें लिखा था कि मिस आर्मस्ट्रांग ने अचानक घर लौटने का इरादा कर लिया है। उसने मुझे कुछ रकम भेजी। उसने लिखा था कि मैं यह देखूं कि वह सनीसाइड जाती है या कहीं और। वह जहां भी जाय, मुझे उसका पता लगाना था, जब तक डा. वाकर स्वयं यहां नहीं आ जाता। मैंने पता लगाया कि वह लाज में थी और मेरा ख्याल है, आपको याद होगा कि एक रात रास्ते पर मुझे देखकर आप डर गयी थी, मिस इनेस!"

"और रोजी?" मैंने पूछा।

रिग्ज ने दांत निकाले।

"उससे मैं केवल यह जानना चाहता था कि मिस लुई वहाँ है या नहि रोजी भागने लगी और मैंने उसे रोक कर बताने की कोशिश कीं कि मैं वहाँ क्यों आया हूँ। पर वह रुकी नहीं।"

"और टोकरी में टूटी हुई प्लेटें?"

"टूटी हुई प्लेटों से मोटरों के टायरों को खतरा था," उसने कहा। "मुझे आपसे कोई दुश्मनी तो थी नहीं कि मैं आपकी कार का नुकसान होने देता। और आपकी कार कितनी अच्छी कार है।"

सो रोजी वाली बात स्पष्ट हो गयी।

"हां तो मैंने डाक्टर को तार द्वारा लुई के बारे में बताया कि वहा कहाँ है और मैंने उस पर निगरानी रखी। जब वे आर्मस्ट्रांग के शव के साथ यहाँ आये तो इसके एक या दो दिन पहले मुझे एक और पत्र मिला था, जिसमें मुझसे कहा गया था कि मैं एक स्त्री पर निगाह रखूं, जिसके चेहरे पर माता के दाग हैं। उसका नाम कारिंग्टन था। डाक्टर ने मेरे लिए आफत खड़ी कर दी। उसने लिख था कि अगर इस स्त्री को मैं इधर-उधर घूमते देखूँ तो मैं उसको तब तक एक मिनट के लिए भी आँखों से ओझल न होने दूँ, जब तक कि वह स्वयं वापस नहीं आ जाता।"

"खैर, मैंने उसका पता लगाने की काफी कोशिश की। पर वह कहीं नहीं दिखी, और जब वह दिखी तब डाक्टर स्वयं ही यहाँ आ गया था।"

"रिग्ज," मैंने अचानक पूछा, "क्या जब मैंने यह घर लिया तो उसके एक या दो दिन बाद तुम रात के समय इस घर में आये थे?"

" नहीं, मिस इनेस, मैं इस घर में पहले कभी नहीं आया हूँ। हाँ, तो वह कारिंग्टन नाम की स्त्री मुझे उस रात तक नहीं दिखी, जिस रात कि हाल्से गायब हुए। वह डाक्टर के दफ्तर में देर से आयी। उस समय डाक्टर बाहर गया हुआ था। वह कुछ देर प्रतीक्षा करती रही। वह इधर उधर टहल रही थी और उत्तेजना से भरी हुई थी। जब डाक्टर नहीं आया तो उसकी घबराहट और बढ़ गयी। उसने मुझे डाक्टर का पता लगाने के लिए कहा और फिर भी जब वह काफी देर तक नहीं आया तो उसे बुरा-भला कहने लगी कि वह उसे मूर्ख नहीं बना सकता। किसी की हत्या की जा रही थी और वह डाक्टर को फाँसी पर चढ़वा देगी।

"मुझे वह बहुत घिनौनी लगी और जब वह लगभग ग्यारह बजे वहाँ से आर्मस्ट्रांग के घर की ओर चली तो मैं उसका पीछा कर रहा था। पहले उसने घर का चक्कर लगाया और खिड़कियों को देखा। तब उसने घंटी बजायी और दरवाजा खुलते ही वह अन्दर हाल में गयी।"

" वहाँ कितनी देर रही ?"

" यही तो अजीब बात है!" रिग्ज ने हैरानी से कहा, " वह रात भर वहाँ से बाहर नहीं आयी। सुबह होने पर मैं सोने चला गया और दूसरे दिन तक मुझे उसके बारे में कुछ पता नहीं लगा। दूसरे दिन मैंने उसे स्टेशन पर ट्रक में देखा और उस पर चद्दर पड़ी हुई थी। वह एक्सप्रेस गाड़ी से टकरा गयी थी और उसकी मृत्यु हो गयी थी, जिसका शायद आपको पता भी नहीं। मेरा ख्याल है कि वह रात भर आर्मस्ट्रांग के घर में रही थी, पर बताया यह गया कि जब वह शहर जाने वाली गाड़ी पकड़ने के लिए लाइन पार कर रही थी, तो वह एक्सप्रेस गाड़ी से टकरा गयी।"

" फिर वही चक्कर," मैंने आश्चर्य से कहा। " हम फिर वहीं हैं, जहाँ से चले थे।"

" यह इतना बुरा नहीं है, मिस इनेस!" रिग्ज ने उत्सुकता से कहा। "नीना कारिंग्टन कैलफोर्निया से आयी थी, जहाँ मिस्टर आर्मस्ट्रांग की मृत्यु हुई थी। डाक्टर उससे इतना डर क्यों रहा था ? कारिंग्टन को किस बात का पता था ? मैं डाक्टर वाकर के साथ सात साल रहा हूँ और उसे अच्छी तरह जानता हूँ। कुछ-एक चीजों से वह बहुत डरता है। मेरा ख्याल है, कि उसने कैलिफोर्निया में आर्मस्ट्रांग की हत्या की है। उसने और क्या किया, यह मैं नहीं जानता। पर उसने मुझे नौकरी से जवाब दे दिया और मुझे खूब डाटा कि मैंने

मिस्टर जेमिसन को यह क्यों बताया कि मिस्टर इनेस उस रात उसके दफ्तर में गये थे और मैंने उन्हें झगड़ते हुए सुना था।"

"वार्नर ने लायब्रेरी में स्त्री को मिस्टर इनेस से क्या बातें करते सुना था?" जासूस ने मुझसे पूछा।

उसने कहा, "मैं जानती हूँ, शुरू से ही कोई गड़बड़ थी। एक आदमी एक दिन बीमार पड़ता है और अकारण ही दूसरे दिन मर जाता है।"

कारिंग्टन के बारे में यह कैसा बढ़िया सूत्र था!

३०

कब्रिस्तान में

बुधवार के दिन हमें रिग्ज़ ने अपनी कहानी सुनायी कि किस प्रकार उन कुछ घटनाओं के साथ उसका सम्बन्ध था, जो पहले हमारे लिए रहस्यमय बनी हुई थीं। गत शुक्रवार की रात से हाल्से गायब था और ज्यों-ज्यों दिन बीत रहे थे, मुझे लग रहा था कि उसके मिलने की संभावनाएँ कम होती जा रही हैं। मैं जानती थी कि वह गाड़ी के डिब्बे में बन्द भूखा-प्यासा हजारों मील दूर चला गया होगा। मैंने ऐसे व्यक्तियों के बारे में पढ़ा था, जो इसी प्रकार गाड़ी के डिब्बे में बन्द कर दिये गये थे और कहीं के कहीं पहुँच गये थे। हर क्षण मैं निराश होती जा रही थी।

जिस प्रकार हाल्से अचानक गायब हो गया था, अब उसका पता भी अचानक ही लग गया और यह उस भिखारी की बदौलत हुआ, जिसे अलैक्स पकड़ कर सनीसाइड लाया था। भिखारी छुटकारा पाने पर हमारा कृतज्ञ था और जब उसे अपनी बिरादरी के एक अन्य व्यक्ति से हाल्से के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त हुई तो उसने उसी समय आकर हमें खबर दी।

बुधवार की शाम को जेमिसन, जो श्रीमती आर्मस्ट्रांग के यहाँ लुई से मिलने की कोशिश कर रहा था और सफल नहीं हो पा रहा था, सनीसाइड के फाटक के पास एक व्यक्ति से मिला, जो उस भिखारी के समान ही गंदा और घिनौना था, जिसे कि अलैक्स पकड़ कर लाया था। वह जासूस को जानता था और उसने उसे एक गंदा-सा कागज दिया, जिस पर कुछ शब्द घसीटे हुए थे। 'वह जान्सविले अस्पताल में है।' वह भिखारी सिवाय इसके और कुछ न जानने का बहाना कर रहा था कि यह

कागज जान्सविले से एक अन्य भिखारी के पास से आया है, जिसका ख्याल था कि शायद हमारे लिए यह सूचना फायदेमंद होगी।

जेमिसन ने उस अस्पताल में फोन किया। हम उसके चारों ओर जमा थे और जब यह पता लग गया कि हाल्से वहाँ है, और स्वस्थ हो रहा है, तो हम सब एक साथ ही हँसे और रोये। मैंने आवेश में लिड्डी को चूम लिया और जब मुझे यह याद आता है कि मैंने उसी आवेश में जेमिसेन को भी चूम लिया था तो मैं अजीब सा अनुभव करती हूँ।

खैर, उस रात ग्यारह बजे की गाड़ी से गर्टरूड रोजी को साथ लेकर जान्स-विले के लिए रवाना हो गयी, जो कि वहाँ से ३४० मील दूर था। उस घर का सारा भार लिड्डी पर ही था। हाँ, सहायक माली की पत्नी उसकी सहायता के लिए आती। सौभाग्य से वार्नर और जासूस लाज के हाल में रहते थे। इस ख्याल से कि लिड्डी पर अधिक बोझ न पड़े, वे दिन में एक बार अपनी प्लेटें स्वयं धोते और इस काम में हर कोई अपनी अपनी योग्यता दिखाता और एक अजीब झमेला खड़ा हो जाता। एक बात जरूर थी कि वे नियमित रूप से नाश्ता करते और शेष दिन कपड़े और बाल सँवारने में लगे रहते।

जब गर्टरूड और रोजी रवाना हो गयीं और घर में सब आराम करने चले गये और विण्टर्स सीढ़ी के नीचे पहरा देने लगा, तो जेमिसन ने उस विषय पर बात करनी शुरू की, जिसके बारे में वह पहले से ही तैयार होकर आया था।

"मिस इनेस," जब मैं अपने कमरे में जाने लगी, तो उसने मुझे रोकते हुए कहा, "आज आपकी तबीयत कैसी है?"

"आज मैं ठीक हूँ," मैंने प्रसन्नता से कहा। "हाल्से के मिल जाने से मेरे सारे दुख दूर हो गये हैं।"

"मेरा मतलब है," उसने फिर कहा, "कि आप किसी ऐसी चीज के बारे में सुन सकेंगी जो असाधारण हो?"

"सबसे असाधारण चीज यदि कोई होगी, तो मेरी राय में वह शांतिपूर्ण रात होगी। पर यदि कोई खास बात होने वाली है, तो मुझे जरूर बताइये।"

"हाँ, कुछ होने वाला है," उसने कहा। "और आप ही एक ऐसी स्त्री हैं जिन्हें कि मैं अपने साथ ले जाने के बारे में सोच सकता हूँ।" उसने अपनी घड़ी देखी। "मुझसे कोई प्रश्न नहीं पूछियेगा, मिस इनेस। अपने बड़े बूट और काला लिबास पहन लीजिये और यह निश्चय कर लिजिये कि आप किसी चीज पर हैरान नहीं होंगी।"

जब मैं ऊपर गयी, तो लिड्डी गहरी नींद में सो रही थी और मैंने सावधानी से अपनी चीजें खोजीं। जासूस हाल में प्रतीक्षा कर रहा था और उसके साथ डाक्टर स्टीवर्ट को देखकर मुझे आश्चर्य हुआ। वे आपस में कुछ भेद भरी बातें कर रहे थे, पर मेरे नीचे आने पर उन्होंने बातें बन्द कर दीं। जाने के पहले हमने तालों को फिर से देखा, विण्टर्स को और भी सतर्क रहने को कहा। और आखिर हाल की बत्ती बुझा कर हम अंधेरे में आहिस्ता-आहिस्ता चलते हुए सामने के दरवाजे में से होकर निकल गये!

मैंने कोई प्रश्न नहीं पूछा। मुझे लगा कि अपने साथ सम्मिलित कर वे मुझे सम्मान दे रहे हैं और मैंने चाहा कि उन्हें दिखाऊँ कि मैं किस हद तक चुप रह सकती हूँ। हमने उन झाड़ियों में से होकर खेतों को पार किया जो अस्तबल तक फैली हुई थीं। कहीं हमें सीढ़ियां चढ़नी पड़तीं और कहीं हमें तारों को पार करना पड़ता। केवल एक बार किसी की आवाज आयी। यह डाक्टर स्टीवर्ट के मुँह से निकली एक जोरदार गाली थी, जब कि वह एक तार में फँसकर गिर पड़ा।

पाँच मिनट के पश्चात्, हमारे साथ एक और व्यक्ति आकर मिला, जो शांतिपूर्वक डाक्टर के साथ चलने लगा। वह अपने कंधे पर कुछ लिये हुए था, जिसके बारे में मैं अनुमान नहीं लगा सकी कि वह क्या था। इस प्रकार हम शायद बीस मिनट तक चलते रहे। मुझे कुछ ज्ञान नहीं था, हम किस दिशामें जा रहे हैं। मैं चुपचाप आगे बढ़ती जा रही थी और जिस तरफ मुड़ना होता, जेमिसन मुझे बताता जाता। मुझे पता नहीं था कि क्या होने वाला है। एक बार जब गल्ती से मेरा पाँव एक गड्ढे में पड़ गया, तो वहाँ पानी में खड़े हुए मैंने सोचा कि क्या सचमुच यह मैं ही हूँ और क्या सनीसाइड में आने के पहले मैंने कभी यह जाना भी है कि जीवन क्या है? चलते समय मेरे बूटों में का पानी आवाज कर रहा था और मैं बहुत खुश थी। मैंने जेमिसन से हौले से कहा कि मैंने कभी इतने सुन्दर तारे नहीं देखे और मैं सोचती हूँ कि जब ईश्वर ने इतनी सुन्दर रात बनायी है, तो हमारे लिए रात के समय सोना कितनी बड़ी गल्ती थी।

अंत में जब हम रुके तो डाक्टर कुछ हांफ रहा था। उस समय सनीसाइड तो बहुत सुन्दर दीख रहा था। हम एक समतल स्थान के एक सिरे पर खड़े थे, जहाँ चारों ओर हरे भरे वृक्षों का घेरा था, जिनकी बड़ी सफाई से कांट-छांट की गयी थी। मैंने देखा कि वृक्षों में से होकर तारों का प्रकाश नीचे कब्रों पर लगे सफेद पत्थरों को चमका रहा था। मैंने एक लंबी सांस ली। हम कैसानोवा के गिरजे के मैदान के एक ओर खड़े थे।

अब मैंने उस व्यक्ति को और उसके कंधे पर रखी चीजों को देखा, जो रास्ते में हमारे साथ हो लिया था। वह एलैक्स था, जो दो फावड़ों से लैस था। मुझे गर्व है कि उसे देख कर आश्चर्यचकित होने पर भी मैं शांत रही और कुछ न बोली। हम एक के पीछे एक होकर यहां से गुजरे और चूँकि मैं सबसे पीछे थी, मैं रह रह कर अपने कन्धे पर से पीछे की ओर देख रही थी। आखिर मेरा डर दूर हो गया। रात के समय कब्रिस्तान उसी प्रकार लगता है, जैसे गाँव का कोई और स्थान! जहाँ पर कि विचित्र प्रकार की परछाइयाँ दीखती है और मैंने उस पर विश्वास कर लिया।

पाल आर्मस्ट्रॉंग की कब्र पर जो पत्थर लगा था, उसकी परछायीं के पास हम रुके। मुझे लगा कि डाक्टर मुझे वापस भेजना चाहता था।

"यह स्त्रियों के लिए स्थान नहीं है," मैंने उसे गुस्से में कहते सुना। पर जासूस ने गवाहों के बारे में कोई बात कही और डाक्टर मेरे पास आया और उसने मेरी नब्ज़ देखी।

"वैसे मेरा ख्याल है कि आपके लिए इस स्थान की अपेक्षा सनीसाइड कम भयानक स्थान नहीं है!" उसने अंत में कहा और मेरे बैठने के लिए सीढ़ी पर अपना कोट नीचे बिछा दिया।

कब्र को देखकर एक विचित्र प्रकार का आभास होता है। ऐसा लगता है, जैसे मनुष्य का यहाँ अन्त हो। पाँच तत्वों का वह पुतला, जिसमें आत्मा निवास करती है, अन्त में फिर उन्हीं पाँच तत्वों में मिल जाता है, जिनमें से उसने रूप धारण किया था। ऐसा लगता है कि संसार में कोई वस्तु अमर नहीं है। फिर भी कैसानोवा के गिरजाघर के कब्रिस्तान में उस रात मैं चुपचाप बैठी अलैक्स और जेमिसन को काम करते देखती रही, उस रात बस एक ही डर था कि कहीं पकड़े न जाँय।

डाक्टर निगरानी कर रहा था। पर वहाँ कोई न आया। एक बार वह मेरे पास आया और जैसे आश्वासन देते हुए उसने मेरे कन्धे को थपथपाया।

"मुझे इसकी आशा नहीं थी," उसने एक बार कहा।

"एक बात का मुझे निश्चय है—मुझ पर किसी प्रकार का गलत शक नहीं किया जा सकता। एक डाक्टर के बारे में आम तौर पर कहा जाता है कि वह मुर्दों को कब्र में जाने से रोकने की अपेक्षा उन्हें कब्र में लेटाने में अधिक निपुण होता है।"

वे अद्भुत क्षण थे, जब अलैक्स और जेमिसन ने फावड़ों से घास उखाड़नी शुरू की और मैं मानती हूँ कि उस समय मैंने अपना मुँह छिपा लिया था। जब

भारी शवमंजूषा को उठाया जा रहा था, तो उस समय चारों ओर एक अजीब-सा तनाव था। मुझे लगा कि मेरा धैर्य जवाब दे रहा है और डर के मारे मेरी चीख निकल पड़ेगी। सो मैंने किसी और चीज के बारे में सोचने का प्रयत्न किया। मैं गर्टरूड के बारे में सोचने लगी कि वह किस तरह हाल्से के पास पहुँचेगी...आदि। मैंने भरसक प्रयत्न किया कि मेरे सामने जो भयंकर सत्य था, उसकी ओर मेरा ध्यान न जाये।

और तब मैंने जासूस की हल्की-सी आश्चर्य भरी आवाज सुनी और डाक्टर की अँगुलियों को अपनी बाँह पर अनुभव किया।

"अब मिस इनेस!" उसने कहा, "अगर आप वहाँ चलें—"

मैंने पागलों की तरह उसे पकड़ लिया और किसी प्रकार मैं वहाँ गयी और नीचे देखा। शव–मंजूषा का ढक्कन खुला था और उस पर की चांदी की प्लेट इस बात का प्रमाण थी कि हम गलती पर नहीं थे। पर लालटेन की रोशनी में जो चेहरा हमने देखा, वह ऐसा चेहरा था, जो मैंने पहले कभी नहीं देखा था। वह व्यक्ति जो हमारे सामने लेटा हुआ था, पाल आर्मस्ट्रांग नहीं था!

३१

दो अंगीठियों के बीच में

इस नयी खोज पर मेरे आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा था। तारोंभरे आकाश के नीचे चलती हुई मैं गीले बूट और भीगा हुआ स्कर्ट लेकर घर आयी। ऊपर जाकर बिना लिड्डी को जागाये मैंने कपड़े बदले। मैं बेहद थक गयी थी। मेरे लिए यह सबसे पेचीदा प्रश्न था कि अपने बूटों का क्या करूं क्योंकि घर में कोई ऐसा स्थान नहीं था, जहाँ लिड्डी की दृष्टि न पहुंच सके। आखिर मैंने निश्चय किया कि सुबह होने पर ऊपर जाऊंगी और उन्हें उस छेद में से अन्दर डाल दूँगी, जो कि सामान रखने वाले कमरे में किसी ने किया था।

इस निश्चय के बाद मैं सो गयी और सपनों में मैं फिर रात की घटनाओं को देखने लगी। मैंने फिर देखा कि कुछ व्यक्ति घास पर उस शव के चारों ओर खड़े है और मैंने फिर अलैक्स की विजयभरी आवाज सुनी।

"तो हमने पकड़ लिया," उसने कहा। केवल मेरे सपनों में ही वह बार-बार कह रहा था और अन्त में मुझे लगा कि उसने चीख कर मेरे कान में कहा हो।

अपनी थकावट के बावजूद, मैं सुबह जल्दी जगी और वहीं लेटी हुई सोचने लगी। अलेक्स कौन था? वह कौन व्यक्ति था, जिसका शव हमने कब्र से निकाला था? और पाल आर्मस्ट्रॉग कहां था? शायद किसी अन्य देश में सुरक्षित रूप से चोरी की सारी पूँजी लिये हुए। क्या लुई और उसकी माँ को इस घिनौने और लज्जास्पद धोखे का ज्ञान था? थामस और श्रीमती वाटसन आखिर क्या जानते थे? नीना कारिंग्टन कौन थी?

मुझे लगा कि इस अंतिम प्रश्न का उत्तर मिल गया था। किसी प्रकार इस स्त्री को इस धोखे का पता लग गया था और वह धन प्राप्त करने के लिए इस जानकारी का उपयोग करना चाहती थी। नीना कारिंग्टन की कहानी उसी के साथ समाप्त हो गयी, पर जो भी हुआ, यह स्पष्ट था कि जिस दिन गर्टरूड और मैं उस आदमी का पता लगा रही थीं, जिसे कि मैंने गोली मारी थी, नीना कारिंग्टन हाल्से को असली बात बताने गयी थी। उसकी बात सुनकर हाल्से जैसे गुस्से से पागल हो उठा था। यह प्रकट था कि लुई इस लज्जास्पद घटना को गुप्त रखने के लिए ही अपनी मां की खातिर डाक्टर वाकर से शादी कर रही थी। हाल्से, जो हमेशा लापरवाह—सा था, उसी समय डाक्टर वाकर के यहाँ गया था और उसे भला-बुरा कहा था। झगड़ा काफी हद तक बढ़ गया था। वहाँ से हाल्से स्टेशन गया था ताकि जो कुछ हुआ है, उसके बारे में जेमिसन को बताये। डाक्टर चुप बैठने वाला नहीं था। रिग्ज को साथ लेकर वह रेलवे लाइन की ओर गया था और अचानक हाल्से की कार के सामने आने का साहस किया था, जिससे हाल्से को एक तरफ मुड़ना पड़ा था। बाकी घटनाएँ हम जानते हैं।

यह थी मेरी कहानी, जो मैंने उस दोपहर के बाद सोची और यह काफी हद तक ठीक ही थी।

उस सुबह गर्टरूड की ओर से एक तार आया।

"हाल्से ठीक है और स्वस्थ हो रहा है। शायद एक—दो दिन में घर आ जायेंगे। गर्टरूड!"

यह सूचना मिलने पर कि हाल्से से गर्टरूड मिल गयी है और वह स्वस्थ हो रहा है, मैंने उस दिन नये उत्साह से आगे कदम बढ़ाया। इस बात का हममें से किसी को भी ज्ञान नहीं था कि मैं पकड़ी जाने वाली थी और शायद वहीं मेरा खात्मा हो जाता।

जब मैं उठी तो काफी देर हो चुकी थीं। मैं विस्तर पर लेटी हुई कमरे की दीवारों को देखती हुई सोच रही थी कि उनमें से किस दीवार के पीछे गुप्त कमरा है। वास्तव में दिन के समय सनीसाइड अपने नाम के ही अनुकुल था। ऐसा खुला और प्रकाश से भरा हुआ घर शायद ही कोई होगा। कोई एक कोना भी ऐसा नहीं था जहाँ अंधेरा हो। फिर भी कहीं पर उसकी दीवारों के पीछे, जिन पर सुन्दर कागज लगे हुए थे, मुझे दृढ़ विश्वास था कि कोई गुप्त कमरा है।

मैंने निश्चय किया कि घर की पूरी छान-बीन करूँगी और देखूँगी कि बाहरी और भीतरी दीवारों के बीच कहीं कोई खाली स्थान तो नहीं है। और मैंने उस कागज पर के शब्द फिर दोहराये, जो जेमिसन को मिला था।

उस कागज में एक शब्द था 'चिमनी'। यही एक सूत्र था। पर सनीसाइड जैसा इतना बड़ा घर चिमनियों से भरा पड़ा था। मेरे सिंगार-कमरे में एक खुली अंगीठी थी, पर सोने के कमरे में कोई नहीं थी। और जब मैं वहाँ लेटी हुई चारों ओर देख रही थी, मुझे एक बात सूझी और मैं अचानक उठकर बैठ गयी। मेरे ऊपर जो सामान रखनेवाला कमरा था, उसमें एक खुली अँगीठी थी और ईंटों की बनी एक चिमनी थी। पर मेरे कमरे में ऐसी चिमनी नहीं थी। मैं विस्तर पर से उठी और मैंने सामने की दीवार को ध्यान से देखा। वहां धुआं निकलने का कोई रास्ता न दीखा और मैं जानती थी कि नीचे हाल में भी ऐसा कोई रास्ता नहीं है। घर को भाप से गर्म किया जाता था। बैठक में एक बहुत बड़ी खुली अँगीठी थी, पर यह दूसरी ओर थी।

आखिर सामान रखने के कमरे में एक रेडियेटर और खुली अँगीठी, दोनों ही क्यों थे? इंजीनियर ने कुछ सोचकर ही यह किया होगा। मैं ऊपर गयी। मेरे हाथ में नापने का फीता था। मैं उत्सुक थी कि किसी नयी बात का पता लगाऊँ, ताकि जेमिसन मेरी बुद्धि की दाद दे और मैंने दृढ़ निचय कर लिया कि कि जब तक मुझे कोई प्रमाण नहीं मिल जाता, मैं जेमिसन से अपने सन्देह के बारे में कुछ नहीं बताऊँगी। सामान रखने वाले कमरे की दीवार में छेद वैसा ही था। मैंने उसका फिर से निरीक्षण किया। पर किसी नयी बातका पता न लगा। छेद में से चिमनी का एक भाग ही दिखायी देता था और मैंने सोचा कि 'मैंटल' के दूसरी ओर जो खाली स्थान है, वहाँ क्या है!

मैंने सिरतोड़ कोशिश की। लिड्डी बाजार से चीजें खरीदने गांव गयी थी, क्योंकि उसका कहना था कि स्टोर में से जो चीजें आती हैं, वे वजन में कम होती हैं। मैं जानती थी कि मुझे जो कुछ करना है उसे आने के पहले ही कर लेना चाहिए।

मेरे पास कोई औजार नहीं था। पर इधर-उधर ढूँढ़ने पर मुझे पौधे काटने वाली कैंची और एक कुल्हाड़ी मिली और मैं काम में लग गयी। प्लास्तर आसानी से उखड़ गया, पर लकड़ी में छेद करने में कठिनाई हुई। जब मैं उस पर प्रहार करती तो वह लचक खा जाती। और चूँकि यह काम मैं गुप्त रूप से कर रही थी, इसलिए वह दुगुना मुश्किल बन गया था।

आखिर कुल्हाड़ी बन्दूक जैसे जोर की आवाज करती। हुई गिरी मेरी हथेली में छाला पड़ गया था। मैं एक ट्रंक पर बैठी थी और सुन रही थी कि कहीं लिड्डी के आने की कोई आहट तो नहीं आ रही। मुझे डर था कि कहीं वह घर के सभी व्यक्तियों को अपने पीछे लगाये यहाँ न आ जाये। पर वह न आयी और मैं एक नये उत्साह के साथ फिर काम में लग गयी और उस छेद को बड़ा करने लगी।

कोई परिणाम न निकला। जब मैं मोमबत्ती जला कर छेद में देख सकी तो मैंने चिमनी के उस ओर देखा—दो दीवारों के बीच में सात फुट लम्बा और तीन फुट चौड़ा खाली स्थान था। इसे किसी प्रकार भी गुप्त कमरा नहीं कहा जा सकता था और यह प्रकट था कि जब से यह घर बना था, इस कमरे में कोई नहीं आया था। मुझे बहुत बड़ी निराशा हुई।

जेमिसन का ख्याल था कि गुप्त कमरा, अगर कोई है तो वह गोल सीढ़ी के पास कहीं पाया जायेगा। इस ख्याल से एक बार तो उसने रस्से के साथ लटक कर पूरी लांड्री का निरीक्षण किया था। मैं उसकी इस बात पर विश्वास करने ही वाली थी कि मेरी दृष्टि मैंटल और अंगीठी पर पड़ी। अंगीठी कभी उपयोग में नहीं लायी गयी थी। सामने से वह किसी धातु की चीज़ से बनी थी और जब उसका सामने का भाग हिलाने पर हिला नहीं और यह ज्ञात हुआ कि वह हिलाया नहीं जा सकता तो मेरा उत्साह फिर से लौट आया।

मैं जल्दी-जल्दी दूसरे कमरे में गयी। हाँ, वहाँ भी ऐसा ही मैंटल और अंगीठी थी और इसी प्रकार बन्द थी। दोनों कमरो में चिमनी में से जाने वाला धुआं दीवार पर फैल गया था। मैंने फीते से नापा। मेरे हाथ काँप रहे थे और फीता मेरे हाथ से छूटता जा रहा था।

मैंने गुप्त कमरे के बारे में केवल यही पता लगाया था कि वह कहाँ पर स्थित है। मैं अभी उसके अंदर नहीं जा सकी थी। इस बात का मुझे निश्चय था कि उसमें प्रवेश करने का कोई रास्ता जरूर होगा। पर कहाँ? यदि मैं अन्दर जा सकी तो मुझे क्या मिलेगा? क्या जासूस ठीक कह रहा था और क्या ट्रेडर्स बैंक से चुरायी गयी पूँजी वहीं थी? या क्या हमारा पूरा सिद्धांत ही गलत था? क्या

आर्मस्ट्रॉन्ग यह सारा धन अपने साथ नही ले गया होगा ? यदि वह यह धन यहीं छोड़ गया था और डाक्टर वाकर को इसका ज्ञान था, तो उसे इस कमरे में प्रवेश करने वाले रास्ते का पता लग जाता। तब —— दीवार में वह दूसरा छेद किसने किया था ?

३२

ऐनी वाटसन की कहानी

जब हम दोपहर को खाना खा रहे थे, तो लिड्डी ने सामान रखने वाले कमरे में एक नया छेद देखा और सीढ़ियों से चीखती हुई नीचे आयी। उसने बताया कि जब वह कमरे में गयी तो कोई दीवार को खोद रहा था और उसके अन्दर जाते ही उसने खोदना बन्द कर दिया और उसे ठंडी और सीली वायु का एक झोंका लगा। अपने कथन की पुष्टि के लिए वह मेरे गीले और कीचड़ से सने हुए बूट लायी, जो कि मैं दुर्भाग्य से छिपाना भूल गयी थी और उसने वे बूट मुझे और जासूस को दिखाये।

"मैंने आपसे क्या कहा है ?" उसने नाटकीय अंदाज में कहा। "इन्हें देखिये। यह आपके हैं, मिस रैचेल और कीचड़ से भरे हुए और ऊपर तक भीगे हुए। मैं कहती हूँ कि आप जो भी कहें, कोई आपके बूट पहने हुए था। इनमें से कब्रिस्तान की मिट्टी की गंध आ रही है। हम क्यों न विश्वास करें कि गत रात ये कैसानोवा के गिरजे के पास कब्रों में से गुजरे थे।"

जेमिसन एक क्षण के लिय अवाक् रह गया। "मुझे आश्चर्य नहीं है, लिड्डी, कि वे सचमुच ही कब्रों में घूम रहे थे।" आखिर उसने कहा। "इन्हें देखने से यही लगता है।"

मेरा खयाल है कि जासूस अपनी बनायी किसी योजना के अनुसार चल रहा था। पर हालात इतनी तेजी से बदल रहे थे कि उसे पूर्ण करने का समय नहीं था। पहली चीज यह हुई कि धर्मार्थ अस्पताल से खबर आयी कि श्रीमती वाटसन अपनी अंतिम घड़ियां गिन रही है और मुझसे मिलना चाहती है। मैं वहाँ जाने के लिए अधिक उत्सुक नहीं थी। किसी मर रहे व्यक्ति के पास जाते हुए मुझे भय लगता है। खैर, लिड्डी ने मेरा काला लिबास निकाला, जिसे मैंने ऐसे ही मौके के लिए

रखा था और मैं गयी। उस समय जेमिसन और दूसरे जासूस गोल सीढ़ी की छान-बीन कर रहे थे। मैं मन ही मन में सोच रही थी कि आज रात उन्हें आश्चर्य-चकित कर दूंगी।

मैं रेलगाड़ी से मोटर द्वारा अस्पताल गयी और उसी समय मुझे एक वार्ड में ले जाया गया। वहाँ भूरे रंग की दीवारों वाले एक कमरे में ऊँची सी लोहे की चारपायी पर श्रीमती वाटसन लेटी हुई थी। वह बहुत कमजोर थी और जब मैं उसके नजदीक बैठ गयी, तो उसने अपनी आँखें खोलीं और मुझे देखा। मेरी आत्मा में एक काँटा चुभने लगा। हम इतने व्यस्त थे कि मैंने इस बेचारी को अकेले में ही बिना किसी सहानुभूति के मरने के लिए छोड़ दिया था!

नर्स ने उसे कोई शक्तिवर्धक दवा दी और कुछ ही देर में वह बोलने योग्य हो गयी। उसकी कहानी इस प्रकार टूटी फूटी सी थी कि मैं उसे अपने शब्दों में ही कहूँगी। घंटे भर में उसकी उदास और तरसभरी बातें सुनती रही और आखिर वह बातें करते-करते बेहोश हो गयी – जो कि मौत की पहली निशानी थी।

संक्षेप में उसकी कहानी इस प्रकार थी—

वह लगभग चालीस वर्ष की थी। उसके माता-पिता मर चुके थे और तब से वह अपने भाइयों और बहनों का पालन-पोषण करती आ रही थी। एक-एक कर परिवार के व्यक्ति इस संसार से विदा होते गये और एक छोटे से कस्बे में अपने माता-पिता के निकट उनकी कब्रे बनती गयीं। अब बाकी उसकी एक बहन ही बची थी—लूसी नाम की छोटी सी लड़की। लूसी को वह अत्यधिक प्यार करती थी। जब वह स्वयं बत्तीस वर्ष की थी और लूसी उन्नीस की, तो एक नवयुवक उस कस्बे में आया था। वह कोमिंग नामक स्थान में अपनी गर्मियाँ बिता कर पूर्व की ओर जा रहा था। कोमिंग में धनी व्यक्तियों के आवारा किस्म के लड़के हवाखोरी, शिकार आदि के लिए आया करते थे। दोनों बहनों से उस नवयुवक का कोई परिचय नहीं था, पर उस नवयुवक ने उन्हें अपनी ओर आकर्षित कर लिया। आखिर आज से सात वर्ष पहले लूसी वालेस का उस ऑबरे वालेस नामक युवक से विवाह हो गया।

ऐनी हास्वेल की शादी कस्बे में एक बढ़ई के साथ हुई थी और अब वह विधवा थी। तीन महीने तक दिन अच्छी तरह बीतते रहे। ऑबरे लूसी को लेकर शिकागो गया, जहाँ वे एक होटल में रहे। कस्बे में लूसी की जिस सादगी ने उसे आकर्षित किया था, वही अब शहर में उसे खलने लगी। वह किसी प्रकार भी आदर्श पति नहीं था। वह पहले तीन महीने भी अच्छी तरह नहीं काट सका। और जब वह

लूसी को वहाँ छोड़ कर चला गया, तो ऐनी ने एक तरह से सुख की साँस ली। पर लूसी के लिए यह असह्य था। उस पर इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। कुछ ही समय में उसकी सेहत जवाब दे गयी और जब उसने एक बच्चे को जन्म दिया, तो उसकी अपनी मृत्यु हो गयी। ऐनी ने उस बच्चे को अपनी गोद में लिया और उसका नाम लूसियन रखा।

ऐनी की अपनी कोई सन्तान नहीं थी और उसने लूसियन पर अपनी सारी ममता न्योछावर कर दी। लेकिन एक बात पर वह डटी हुई थी कि ऑबरे वालेस अपने बच्चे की शिक्षा का प्रबन्ध करे। यह बच्चे के प्रति उसका प्यार ही था कि वह उसके लिए इतनी उत्सुक थी और चाहती थी कि उसका पूर्ण रूप से पालन-पोषण हो। इसलिए वह पूर्व की ओर आयी। वह कपड़े आदि सी कर गुजारा करती थी। पर अन्त में उसे ज्ञात हुआ कि वह सीने-पिरोने के काम की अपेक्षा घर का काम ही ठीक तौर पर कर सकती है। सो उसने लूसियन को एक यतीमखाने में रखा और आर्मस्ट्रांग के यहाँ नौकरी कर ली। वहाँ उसे लूसियन का पिता मिला, पर इस बार वह अपने असली नाम के साथ उसके सामने आया। यह आर्नल्ड आर्मस्ट्रांग था।

मैंने देखा कि ऐनी के मन में उस समय कोई शत्रुता की भावना नहीं थी। उसने उससे लूसियन के लिए खर्च माँगा और धमकी दी कि यदि वह उसके पालन-पोषण का खर्च अपने जिम्मे नहीं लेगा, तो वह उसका रहस्य प्रकट कर देगी। खैर, कुछ समय तक वह खर्च देता रहा। तब उसने जाना कि उस अकेली स्त्री के लिए लूसियन ही सब कुछ है, वह उसके बिना रह नहीं सकती, तब उसने बच्चे का पता लगाया और ऐनी को धमकी दी कि वह बच्चे को अपने साथ ले जायेगा। यह सुन कर ऐनी जैसे पागल हो गयी। अब पासा पलट गया था। पहले आर्नल्ड लूसियन का खर्च देता था, पर अब वह ऐनी से उसका खर्च माँगने लगा। यहाँ तक कि ऐनी के पास अब जो कुछ होता, सब आर्नल्ड ले जाता। आहिस्ता आहिस्ता आर्नल्ड की माँग बढ़ती गयी। जब आर्नल्ड की अपने परिवार के साथ अनबन हो गयी, तो हालत और भी बिगड़ गयी। ऐनी लूसियन को यतीमखाने से लेकर कैसानोवाके पास क्लेसबर्ग सड़क पर एक घर में गयी और वहाँ उसके रहने का प्रबन्ध कर दिया ताकि आर्नल्ड को उसका पता न लगे। वहाँ वह कभी-कभी लड़के को देखने के लिए जाती थी। वहीं उसे बुखार हो गया था। उस घर में रहने वाले जर्मन थे और लूसियन

किसान की पत्नी को 'आस मटर' कहकर पुकारता था। वह एक सुन्दर लड़का था और ऐनी के जीवन का एक मात्र सहारा था।

आर्मस्ट्रांग परिवार कलेफोर्निया के लिए रवाना हो गया और आर्नल्ड ने फिर से ऐनी को आड़े हाथों लिया। वह लूसियन के गायब हो जाने पर झल्लाया हुआ था और ऐनी को डर था कि अब वह उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं करेगा। उसने उनका घर छोड़ दिया और लाज में चली गयी। जब मैंने सनीसाइड किराये पर ले लिया, तब उसे लगा कि शायद अब वह आर्नल्ड से बच सकेगी। उसने घर में नौकरी के लिए प्रार्थना की और उसे नौकरी मिल गयी।

यह शनिवार की बात थी। उस रात लुई अचानक आ गयी। थामस ने श्रीमती वाटसन को बुला भेजा और ग्रीन वुड क्लब में आर्नल्ड के पास गया। ऐनी को लुई से बहुत प्यार था। उसे देखकर उसे लुसी की याद आ जाती थी। वह नहीं जानती थी कि लुई क्यों आयी है। लुई बहुत ही घबराई हुई थी। श्रीमती वाटसन ने आर्नल्ड से छिपना चाहा, किन्तु वह दुष्ट था। वह लाज से लगभग ढाई बजे घर गया और कुछ देर अन्दर रह कर जल्दी ही वापस आ गया। कोई खास बात हो गयी थी, पर वह नहीं जानती थी कि क्या बात हुई। जल्दी ही मिस्टर इनेस और एक सज्जन कार में बैठकर वहाँ से चले गये।

थामस और उसने लुई को शांत किया और तीन बजने के कुछ पहले ही श्रीमती वाटसन घर के लिए रवाना हुई। थामस के पास घर के पूर्वी भाग के दरवाजे की चाभी थी, जो उसने उसे दे दी।

मैदान में से गुजरते हुए रास्ते में उसे आर्नल्ड मिला जो किसी कारण से हर हालत में घर के अन्दर जाना चाहता था और इसमें उसकी सहायता चाहता था। उसके हाथ में गोल्फ़ खेलने की छड़ी थी, जो उसने कहीं रास्ते में से उठायी थी। उसके इन्कार करने पर उसने उसे छड़ी से पीटा। उसका एक हाथ बुरी तरह कट गया था और उसमें जहर पैदा हो गया था, जिसके कारण अब उसकी मृत्यु हो रही थी। वह गुस्से और डर के मारे घबरायी हुई वहाँ से भागी और घर में घुस गयी, जब कि जैक बैले और गंटरूड मुख्य दरवाजे के पास खड़े थे। वह ऊपर गयी। वह खुद नहीं जानती थी कि वह क्या कर रही है। गर्टरूड का दरवाजा खुला था और बिस्तर पर हाल्से का रिवाल्वर पड़ा था। उसने उसे उठाया और कुछ सीढ़ियाँ उतर कर नीचे आयी। वह आर्नल्ड को दरवाजे का ताला खटखटाते हुए सुन सकती थी। उसने आहिस्ता से वहाँ जाकर दरवाजा खोला। जब वह अन्दर आया, तो वह फिर सीढ़ियों पर थी।

काफी अंधेरा था, पर वह उसकी सफेद कमीज को देख सकती थी। चौथी सीढ़ी पर से उसने गोली चलायी। गोली लगने पर आर्नल्ड के गिरते ही बिलियर्ड के कमरे में से कोई चीखा और भागा। जब शोर मच गया तो उसके लिए ऊपर जाने का समय नहीं रहा था। वह पश्चिमी भाग में छिपी रही, जब तक कि सभी नीचे नहीं चले गये। तब वह आहिस्ता से सीढ़ियाँ चढ़ कर ऊपर गयी और वहाँ खिड़की में से उसने रिवाल्वर को बाहर फेंक दिया और फिर उसी समय नीचे आयी और ग्रीनवुड क्लब से जो व्यक्ति आये थे, उनके लिए उसने दरवाजा खोला।

यदि थामस को इस पर संदेह था, तो उसने इसे कभी प्रकट नहीं किया था। जब ऐनी ने देखा कि उसके जख्मी हाथ की हालत ज्यादा खराब होती जा रही है, तो उसने थामस को रिचफिल्ड में लूसियन का पता बताया और लगभग एक सौ डालर दिये। यह रकम उसके ठीक होने तक लूसियन के खर्च के लिए थी। उसने मुझे यह कहने के लिए अस्पताल में बुलाया था कि मैं लूसियन के बारे में श्रीमती आर्मस्ट्रांग को बताऊँ और कहूँ कि वह उसकी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ले। जब उसने अपनी हालत ज्यादा खराब होती देखी थी, तो उसने श्रीमती आर्मस्ट्रांग को लिखा था कि आर्नल्ड का बेटा रिचफील्ड में है और उससे कहा था कि वह उससे जाकर मिले, वह मर रही थी—लड़का आर्मस्ट्रांग परिवार का था और उसका अपने पिता की जायदाद पर हक बनता था। सनीसाइड में उसके ट्रंक में कुछ कागज आदि पड़े थे, जिनमें आर्नल्ड के कुछ पत्र थे, जिनसे उसके कथन की पुष्टि हो सकती थी। वह अब इस संसार से जा रही है और अब उसका न्याय किसी दूसरी दुनिया में ही होगा। शायद वहाँ लूसी उसकी वकालत करेगी। हाँ, यह वह स्वयं थी, जो उस रात सीढ़ियां उतर कर नीचे आयी थी, जब कि जेमिसन ने वहाँ किसी की आवाज सुनी थी। पीछा किये जाने पर वह वहाँ से बेतहाशा भागी थी और लाँडी में गिरी थी। नीचे पड़ी टोकरी के कारण वह बच गयी थी। उस समय मुझे लगा जैसे मेरे दिमाग से कोई बोझ उतर गया हो। आखिर, यह गर्टरूड नहीं थी।

यह थी, उसकी कहानी। यद्यपि यह उदास और दुखभरी कहानी थी, पर इसे सुनकर उस मर रही स्त्री को मानों छुटकारा मिल गया। उसे थामस की मृत्यु का ज्ञान नहीं था और न ही मैंने उसे बताया। मैंने उससे वादा किया कि मैं लूसियन की देखभाल करूँगी और वहाँ तब तक बैठी रही, जब तक कि बार-बार बेहोशी के बाद अन्त में उसकी मृत्यु न हो गयी।

३३

सीढ़ियों के नीचे

जब मैं कैसानोवा स्टेशन से घोड़ागाड़ी में घर के लिए तेज रफ़्तार से चली, तो मैंने जासूस बर्न्स को वाकर के घर के पास सड़क पर इधर उधर घूमते हुए देखा। सो जेमिसन अभी तक खोज में लगा हुआ था।

घर शांत था। गोल सीढ़ी की पूरी तरह छान-बीन हो चुकी थी, पर कोई परिणाम नहीं निकला था। गर्टरूड की ओर से दूसरी बार संदेश आया था कि हाल्से घर आने के लिऐ जोर दे रहा है और उस रात घर पहुँच जायेंगे। इसके सिवा और कोई नयी बात नहीं थी। जेमिसन जब गुप्त कमरे का पता लगाने में सफल न हो सका, तो गाँव चला गया था। बाद में मुझे पता लगा कि वह डाक्टर के यहाँ इस बहाने से गया था कि उसे सख्त कब्ज की शिकायत है और आने के पहले उसने शहर जाने वाली शाम की ट्रेनों का पता लगा लिया है। उसने कहा कि इस मामले पर उसने काफी समय खराब किया है और मेरे दिमाग में ही काफी रहस्य है। डाक्टर का ख्याल था कि मकान पर दिन-रात पहरा पड़ता है। शाम के समय वह और जासूस कैसानोवा की मुख्य सड़क पर से होते हुए गाड़ी पकड़ कर शहर चले गये।

उस समय यह ज्ञात नहीं हुआ था कि वे अगले स्टेशन पर उतर कर फिर सनीसाइड की ओर उषाकाल में चल पड़े थे। उस समय मैं अन्य चीजों में इतनी व्यस्त थी कि मुझे इसके बारे में कुछ भी पता नहीं लगा।

जब मैं आराम कर रही थी तो लिड्डी मेरे लिए चाय लायी और साथ में ट्रे पर कैसानोवा लायब्रेरी की एक छोटी सी पुस्तक थी। उसका नाम था—अनसीन वर्ल्ड (अदृश्य संसार) और उसके मुखपृष्ठ पर से खुशी झाँकती थी जिस पर कि कुछ व्यक्ति हाथ पर हाथ लिये कब्र पर लगे एक पत्थर के गिर्द खड़े थे।

जब मेरी कहानी यहां तक पहुँची है तो हाल्से हमेशा कहता है कि उस स्त्री पर विश्वास करो, जो दो और दो का जोड़ छः बताती है। इस पर मैं कहती हूँ कि यदि दो और दो और 'क' मिल कर छः होते हैं तो अज्ञात संख्या 'क' का पता लगाना सबसे आसान काम है। इतने सारे जासूस उसका पता नहीं लगा सके क्योंकि वे इसी को प्रमाणित करने में लगे हुए थे कि दो और दो चार होते हैं।

अस्पताल से लौटने पर मेरा मन काफी खिन्न-सा था, परंतु हाल्से को फिर से देखने की आशा से मुझे में कुछ उत्साह आया। लगभग पाँच बजे होंगे, जब लिड्डी मेरे पास से चली गयी, ताकि मैं रात के भोजन के पहले कुछ देर सो सकूँ। जाने के पहले उसने मुझे भूरे रंग का रेशमी ड्रेसिंग गाउन पहनाया और स्लीपर दिये। मैं उसके कदमों की धीमी पड़ती हुई आवाज सुनती रही और जब सीढ़ियों से नीचे चली गयी तो मैं ऊपर सामान रखने वाले कमरे में गयी। वहां कोई विघ्न नहीं पड़ा था और मैं उसी क्षण गुप्त कमरे में जाने वाले रास्ते का पता लगाने की कोशिश करने लगी। दोनों ओर के खुले स्थान में से सिवाय तीन फुट की दीवार के और कुछ दिखायी न दिया। किसी दरवाजे का कोई निशान नहीं था। न कोई कुंडी थी, न कोई कब्जा। मैंने सोचा कि रास्ता "मैंटल" में होगा या छत में और 'मैंटल' पर आधा घंटा कोशिश करने पर भी जब कोई परिणाम न निकला तो मैंने छत पर रास्ता ढूँढ़ने का फैसला किया।

मुझे ऊँचाई अच्छी नहीं लगती। जब भी मैं लकड़ी की सीढ़ी पर चढ़ी हूँ मुझे गश आ गया और मैंनें हमेशा अपने घुटनों को चढ़ने में कमजोर पाया है। फिर भी मैं बिना किसी हिचकिचाहट के सनीसाइड की छत पर चढ़ गयी। जिस प्रकार कुत्ता गंध सूंघता है या जिस प्रकार रीछ की खाल पहनने वाले हमारे पूर्वज शिकार का पीछा किया करते थे, उसी प्रकार मेरे अन्दर भी रहस्य का पता लगाने की एक उन्मत्त प्रवृत्ति थी। आखिर मैं नाच के कमरे में से खिड़की के रास्ते घर के पूर्वी भाग की छत पर चढ़ गयी जो कि दो मंजिल की ऊँचाई पर थी।

एक बार वहाँ पहुँचने पर घर के बिलकुल ऊपर जाना आसान था—कम से कम आसान दीखता था, क्योंकि वहाँ पर एक लोहे की सीढ़ी थी, जो नाच के कमरे की बाहरी दीवार से बँधी हुई थी और शायद लगभग बारह फुट ऊँची थी। नीचे से बारह फुट की ऊँचाई छोटी सी लगी, पर चढ़ने पर उसकी लम्बाई जैसे और बढ़ गयी। मैंने अपने रेशमी गाउन को अपने गिर्द इकट्ठा किया और अंत में ऊपर जाने में सफल हो गयी। वहाँ पहुँचने पर एक बार तो लगा जैसे मेरे अन्दर सांस है ही नहीं। सीढ़ी के उपरी डंडे पर पाँव रखकर मैं बैठ गयी। मैंने बालों में की पिनों को ठीक किया। हवा मेरे गाउन में लहर पैदा करती हुई, उसे एक बादवान की तरह फुला रही थी। एक तरफ से वह फट गया था।

नीचे से छोटी से छोटी आवाजें विचित्र प्रकार की लग रही थीं और स्पष्ट रूप से ऊपर आ रही थीं। मैंने अखबार वाले लड़के को सीटी बजाते हुए सुना

जो रास्ते पर जा रहा था। और मैंने कुछ और भी सुना। मैंने पत्थर के गिरने की आवाज सुनी और फिर व्योलाह बिल्ली की लम्बी और घबरायी हुई म्याऊँ की आवाज। इतनी ऊँचाई पर आ जाने से जो मेरे भीतर भय था, मैं उसे भूल गयी और बड़े साहस से छत के किनारे तक आगे बढ़ी।

उस समय साढ़े छः का समय था और धुंध फैल रही थी!

"ऐ लड़के!" मैंने पुकारा।

अखबारवाला मुड़ा और उसने इधर-उधर देखा। जब उसे कोई दिखाई न दिया, तो उसने अपनी आँखें उपर उठायीं और दूसरे ही क्षण उसने मुझे देख लिया। एक बार तो वह आश्चर्यचकित-सा मुझे देखता रह गया। तब उसके मुँह से एक भयानक चीख निकली और अपने अखबार वहीं पटक कर वह बिना पीछे देखे मैदान में से होता हुआ सड़क की ओर भाग खड़ा हुआ। एक बार वह गिरा। वह इतनी तेजी से भागा जा रहा था कि गिरते ही वह कलैया खा गया। वह उठा और एक क्षण भी रुके बिना फिर दौड़ पड़ा और एक झाड़ी को छलांग मार कर उसे फांद गया, जो कि साधारणतया किसी व्यक्ति के लिए बहुत साहसभरा काम होता।

मुझे खुशी है कि इस प्रकार 'भूरे रंग की स्त्री' की कहानी मशहूर हुई, जिसका आज भी कैसानोवा में बड़ी दिलचस्पी से जिक्र होता है और इस कहानी से जो शिक्षा मिलती है, मेरे ख्याल मे वह यह है कि किसी काली बिल्ली पर पत्थर फेंकना हमेशा ही दुर्भाग्यपूर्ण होता है।

नीचे सड़क पर धूल का एक बादल-सा दिख रहा था। भोजन का समय निकट आ रहा था। मैं अपनी खोज में और भी तेज हो गयी। सौभाग्य से छत समतल थी और मैं उसका हर कोना देख सकी। पर परिणाम निराशाजनक था। गुप्त कमरे में जाने का कोई रास्ता दिखाई न दिया। बस, वहाँ दो इंच मोटे पाइप थे, जो डेढ़ फुट ऊँचे थे और तीन-तीन फुट एक दूसरे से दूर थे। उन पर एक-एक टोपी थी ताकि वर्षा का पानी अन्दर न जा सके और वे टोपियां उनसे इतनी ऊपर थीं कि उनमें से हवा आ-जा सकती थी। मैंने छत पर से एक कंकड़ उठाया और उसे पाइप में से नीचे गिराया। मैं पाइप को कान लगा कर सुन रही थी। मुझे लगा कि कंकड़ किसी चीज से टकराया है। वह ऐसी आवाज थी मानो वह किसी धातु की चीज से टकराया हो। पर मेरे लिए यह अनुमान लगाना कठिन था कि वह कितनी दूर नीचे गिरा है।

आखिर मैंने प्रयास बन्द कर दिया और मैं उसी रास्ते से नीचे आयी। मुझे किसी ने देखा नहीं था। उसी समय सामान रखने वाले कमरे में गयी और बक्स पर बैठ कर खूब सोचने लगी। यदि छत पर के 'पाइप' गुप्त कमरे के रोशनदान थे और ऊपर कोई दरवाजा नहीं था तो उसके अन्दर जाने का रास्ता उन दोनों कमरों में से एक में होगा, जिसके बीच वह कमरा स्थित था, बशर्ते कि यह कमरा बनाने के बाद उसके दरवाजे को ईंटों की दीवार से बन्द न कर दिया गया हो।

'मैन्टल' (अँगीठी के पास बैठने का स्थान) की ओर मेरा ध्यान आकर्षित हुआ। वह लकड़ी का बना हुआ था और उस पर नक्काशी की हुई थी। ज्यों-ज्यों मैं उसे देखती थी, मुझे आश्चर्य होता था कि पहले कभी मेरा ध्यान इस बात की ओर क्यों नहीं गया कि आखिर ऐसे 'मैन्टल' की ऐसे स्थान में क्या सार्थकता है। उस पर पड़ी हुई झालर लटक रही थी और उसे तख्तों से ढका गया था। आखिर अचानक ही मैंने एक तख्ते को एक ओर हटाया। वह आसानी से एक ओर हट गया और वहाँ मुझे पीतल की बनी एक छोटी-सी गाँठ दिखाई पड़ी।

उस समय मेरे अन्दर जो आशा-निराशा का खेल हो रहा था, उसके सविस्तार वर्णन की यहाँ आवश्यकता नहीं है। बिना इस भय के कि आगे क्या होगा, मैंने गाँठ को ऐंठ कर घुमाया; वह घूमा, पर कोई परिणाम न निकला। फिर मैंने जोर से गाँठ को एक तरह धकेला और पूरा 'मैंटल' दीवार से लगभग एक फुट अलग हो कर झूलने लगा। सामने ऐसा लगा, जैसे वहाँ कोई गुफा हो।

मैंने गहरी साँस ली और कमरे का दरवाजा बन्द किया—शुक्र है ईश्वर का कि मैंने उसमें ताला नहीं लगाया— और 'मैंटल' के द्वार को पूरी तरह खोल कर मैंने उस चिमनीवाले कमरे में पाँव रखा। वहां मैंने धुँधले तौर पर एक छोटी-सी तिजोरी देखी, एक साधारण लकड़ी की मेज और कुर्सी भी वहां थी। तभी 'मैंटल' वाला दरवाजा झूलता हुआ मुझसे टकराया और बन्द हो गया। मैं अंधकार में एक क्षण के लिए अचल और शांत बनी खड़ी रही। मैं समझ नहीं पा रही थी, कि यह क्या हुआ है। तब मैं मुड़ी और अपनी मुट्ठियों से बेतहाशा दरवाजे को पीटा। वह फिर से बन्द हो गया था और उसमें ताला लग गया था। फिर अंधकार में मेरी उँगलियाँ लकड़ी के साफ तख्ते पर रेंगने लगीं, पर वहाँ कोई गाँठ नहीं थी।

मुझे बेहद गुस्सा आया—स्वयं पर, दरवाजे पर और हर चीज पर। मुझे साँस घुटने का डर नहीं था। इसके पहले कि यह विचार मेरे मन में आता, मुझे छत पर

जो दो पाइपों के रौशनदान थे, उनमें से प्रकाश की किरणें अन्दर आती हुई दिखाई दे गयी थीं। उनमें से केवल हवा ही अन्दर आती थी, और कुछ नहीं कमरे में अन्धकार ही अन्धकार था।

मैं कुर्सी पर बैठ गयी और यह सोचने लगी कि आखिर मनुष्य बिना खाये-पिये कितने दिन तक जीवित रह सकता है। जब मैं उकता गयी, तो मैं उठी और अंधेरी कोठरी में बन्द कैदी की तरह इधर-उधर रास्ता टटोलने लगी। वह छोटा-सा कमरा था। जहाँ भी मैं हाथ लगाती वहाँ तख्तों का खुरदरापन ही मैं छूती और फिर जब मैं कुर्सी के पास आने की कोशिश कर रही थी, तो कोई चीज मेरे चेहरे पर लगी और बड़े जोर से धमाका करती हुई नीचे गिरी। जब मैं फिर से होश में आयी तो मैंने जाना कि यह बिजली का बल्ब था, जो छत से लटक रहा था। यदि यह दुर्घटना न होती तो मैं इस अंधेरी कोठरी में ही भूखी प्यासी मर जाती।

शायद मुझे नींद आ गयी थी। मुझे विश्वास है कि मैं बेहोश नहीं हुई थी। इसके पहले मैं कभी इतनी सचेत नहीं हुई थी। मैं सोच रही थी कि यदि मेरा पता न लग सका तो मेरी चीजें कौन-कौन लेगा। एक-दो बार मैंने चूहों के दौड़ने की आवाजें सुनीं। इसलिए मैं मेज पर बैठ गयी और अपने पांव कुर्सी पर रख लिये। घर में जो खोज हो रही थी, उसकी आवाजें मैं वहां बैठी सुन सकती थी। एक बार कोई सामान रखने वाले कमरे में आया। मैं स्पष्ट रूप से उसके कदमों की आवाज सुन सकती थी।

"चिमनी में! चिमनी में"! मैंने पूरी शक्ति लगा कर कहा और उसी समय मैंने लिड्डी की तेज चीख सुनी और फिर कमरे के दरवाजे बन्द होने की आवाज आयी।

इसके पश्चात् मैंने स्वयं को कुछ हल्का-सा पाया, यद्यपि उस कमरे में इतनी गर्मी थी कि तबीयत घबरा रही थी। अब मुझे विश्वास था कि मेरी खोज सही रास्ते पर की जायगी। और कुछ समय के पश्चात् मैं ऊंघने लगी। मैं कह नहीं सकती कि कितनी देर मैं सोती रही।

कई घंटे बीत गये होंगे, क्योंकि मैं दिन भर के काम के पश्चात थक चुकी थी और जब मैं उठी तो मुझे अपनी उस हालत में विचित्र-सा लगा कि मैं कहाँ हूँ और मेरा सिर चकराने लगा। आहिस्ता आहिस्ता मुझे अपनी स्थिति का ज्ञान हुआ और मैंने महसूस किया कि ऊपर रौशनदान होने के बावजूद कमरे की हवा दूषित होती जा रही है। मेरा चेहरा गीला और चिपचिपा बना हुआ था। शायद घर

वाले मुझे घर के बाहर खाड़ी या जंगल में ढूँढ़ रहे हों। मैं जानती थी कि और एक-दो घंटे के पश्चात् मैं बेहोश हो जाऊँगी और बोल न सकने की संभावना के साथ मेरे यहाँ से निकलने की संभावना भी जाती रहेगी। अपने होशहवाश कायम रखने के लिए मैं कमरे में लगातार इधर-उधर चल रही थी; पर अब मुझ में और शक्ति नहीं रही थी और मैं फिर दीवार से टेक लगाकर मेज पर बैठ गयी।

घर में पूर्ण स्तब्धता थी। एक बार मुझे लगा कि मेरे नीचे मेरे अपने कमरे में किसी के कदमों की आहट आयी है। मैंने कुर्सी पकड़ी और उसे जोर जोर से फर्श पर पटकने लगी। पर कुछ नतीजा न निकला। मैंने सोचा कि यदि किसी ने यह आवाज सुनी भी होगी, तो उसने इसे और आवाजों के समान ही समझा होगा, जो कि पिछले दिनों घर में से आती रहती थीं।

उस समय यह निर्णय करना असंभव था कि समय कितना बीत गया है। मैंने अपनी नब्ज पर हाथ रख कर पाँच मिनट के समय का अनुमान लगाया। नब्ज के ७२ बार चलने पर मैं सोचती कि एक मिनट हो गया है। पर अन्त में मैंने इसे छोड़ दिया। मेरा सिर चकरा रहा था।

और तब — मैंने अपने नीचे घर में आवाजें सुनीं। एक विचित्र प्रकार की काँपती हुई आवाज आ रही थी, जो सुनने की अपेक्षा अनुभव ही की जा सकती थी। एक क्षण के लिए मुझे लगा कि घर में आग लग गयी है। मेरे शरीर का सारा खून जैसे सूख गया, तभी मैंने जाना कि यह तो हाल्से की कार के इंजिन की आवाज है। तो हाल्से वापस आ गया है! मेरे अन्दर फिर नये सिरे से आशा चमकी। मेरा पता लगाने में जहाँ बौखलाती हुई लिड्डी और तीन जासूस असफल रहे थे, वहाँ शायद हाल्से का स्पष्ट रूप से सोच सकना और गर्टरूड का अन्तर्ज्ञान मेरे बारे में पता लगा लें।

कुछ देर के पश्चात मुझे लगा कि मेरा इस प्रकार सोचना ठीक ही था। निःस्संदेह नीचे कुछ हो रहा था। दरवाजे के खुलने और बन्द होने की आवाजें आ रही थीं। लोग इधर–उधर आ जा रहे थे और कुछ उत्तेजनाभरी आवाजें मुझ तक पहुँच रही थीं! पहले लगा कि वे निकट आ रही हैं, पर कुछ देर के बाद वे बन्द हो गयीं। मैं फिर गर्मी और स्तब्धता अनुभव करने लगी। ऐसे लगता था, जैसे वह अन्धकार बोझिल होता जा रहा है और दीवारें जैसे सिकुड़ती हुई मेरा दम घोंट रही हैं।

आखिर 'मैंटल' के दरवाजे के ताले पर मैंने खटखट की आवाज सुनी। मैं चिल्लाने ही वाली थी कि मैंने मुँह बंद कर लिया। शायद उस समय मेरी स्थिति ही ऐसी थी या मेरे अन्दर से ही चुप रहने के लिए आवाज आयी थी। कुछ भी हो, मैं चुपचाप अचल होकर बैठ गयी और बाहर की पूर्ण स्तब्धता में कोई 'मैंटल' की नक्काशी पर अपनी अँगुलियाँ फिरा रहा था और अन्त में उसे तख्ता मिल गया।

अब नीचे की आवाजें और ज्यादा हो गयीं थीं और मुझे लगा कि बहुत-से लोग सीढ़ियाँ चढ़कर ऊपर आ रहे हैं। जब वे आवाजें निकट आयीं तो मैं सुन सकती थी कि वे क्या कह रहे थे।

"उस आखिर सीढ़ी पर निगरानी रखना!" जेमिसन कह रहा था, "और यहाँ कोई रोशनी नहीं है।" और तब एक क्षण के पश्चात किसी ने कहा, "सब एक साथ हो जाओ — एक-दो-तीन!"

सामान रखने वाले कमरे का दरवाजा अन्दर से बंद था। उसी समय वह खुल कर दीवार से टकराया और एक आदमी अंदर गिरा। 'मैंटल' पर के दरवाजे के हैंडल को किसी ने घुमाया। दरवाजा खुलकर फिर बन्द हो गया। अब मैं इस गुप्त कमरे में अकेली नहीं थी। अंधेरे में कोई और व्यक्ति भी था, जो जोर-जोर से साँस ले रहा था और मेरे इतना निकट था कि मैं चाहने पर उसे हाथ से छू सकती थी।

मैं भय से जड़वत् बनी हुई थी। बाहर उत्तेजनाभरी आवाजें थीं और जैसे गालियाँ दी जा रही थीं। ट्रंकों को इधर उधर हटाया जा रहा था। खिड़कियाँ खोली जा रही थीं और कमरे में का आदमी मेरे साथ ही 'मैंटल' के दरवाजे के साथ लगकर सुन रहा था। उसका पीछा करने वाले जैसे उलझन में पड़े हुए थे। मैंने उसे एक लम्बी साँस खींचते हुए सुना और वह अंधकार में अपना रास्ता खोजने लगा। तब उसने मेरे ठंडे चिप-चिपे और निर्जीव से हाथ को छुआ।

खाली कमरे में एक हाथ! उसने भय से एक गहरी साँस खींची। सिवाय अपना हाथ खींच लेने के वह बिलकुल हिला-डुला नहीं। भय ने जैसे उसका गला पकड़ लिया था। तब वह बिना मुड़े पीछे हटा और उस भयानक कोने से दूर हटता गया। उसकी साँस जैसे रुकी हुई थी।

तब यह देखकर कि वह मुझसे दूर हो गया है, मैं इस प्रकार पागलों की भाँति बेतहाशा चिल्लायी कि बाहर के लोगों ने मेरी आवाज सुन ली।

[illegible]नी में ! ” मैं चिल्लायी, “ मैंटल के पीछे ! ”

उस आदमी के मुँह से गाली निकली और वह मुझ पर झपटा । मैं फिर चिल्लायी । वह मुझे पकड़ न पाया और दीवार के साथ टकराया । एक बार तो मैं उससे बच गयी । मैं कमरे के दूसरी ओर थी और मेरे पास कुर्सी थी । उसने एक क्षण के लिए खड़े होकर जैसे मेरी आहट ली और फिर दूसरी बार झपटा और मैंने उस पर कुर्सी से वार किया । कुर्सी उसको लगी और मैंने उसे ज़ोर-ज़ोर से साँस लेते हुए सुना । तभी बाहर कोई चिल्लाया ।

“ हम – अन्दर – नहीं – आ सकते । यह कैसे खुलता है ? ”

पर कमरे के व्यक्ति ने अपनी चाल बदल ली थी । मैंने अनुभव किया कि वह आहिस्ता-आहिस्ता मेरी ओर आ रहा था । और तब उसने मुझे पकड़ लिया । उसने अपने हाथ से मेरा मुँह बन्द करना चाहा, पर मैंने उसे काट खाया । मैं उससे छूटने की कोशिश कर रही थी और बाहर कोई ‘ मैंटल ’ को तोड़ रहा था । ‘ मैंटल ’ कुछ हिला और सामने की दीवार पर प्रकाश की पीली-सी किरण पड़ी । जब उस व्यक्ति ने यह देखा तो उसने मुझे छोड़ दिया और तब सामने की दीवार बिना किसी आवाज के खुल गयी और फिर उसी प्रकार बिना किसी आजाज के बन्दी हो गयी । मैं अकेली रह गयी । वह व्यक्ति जा चुका था ।

“ दूसरे कमरे में ! ” मैं पागलों की तरह चिल्लायी, “ दूसरे कमरे में ! ” पर ‘ मैंटल ’ को तोड़ने की आवाजों में मेरी आवाज खो गयी । जब मैं उन तक अपनी आवाज पहुँचा सकी और उन्होंने पूरी बात समझी तो कुछ मिनट गुजर चुके थे । सिवाय अलैक्स के सभी उस व्यक्ति की खोज में दौड़े । अलैक्स मुझे मुक्त करने पर तुला हुआ था । आखिर जब मैं उस कमरे से निकल कर सामान रखने के कमरे में आयी, तो मैंने देखा कि लोग बिलकुल नीचे उस व्यक्ति की खोज कर रहे थे ।

मैं कहूँगी कि यद्यपि अलैक्स मुझे छुड़ाने के लिये इतना चिंतित था, पर उसने उस समय मेरी जो दशा थी, उसकी ओर बिलकुल ही ध्यान नहीं दिया । वह उसी समय गुप्त कमरे के अन्दर गया और वहाँ से तिजोरी उठा लाया ।

“ मैं इसे हाल्से के कमरे में रखता हूँ मिस इनेस ! ” उसने कहा, “ और मैं एक जासूस को इसकी रखवाली के लिए यहाँ भेजता हूँ । ”

मैं उसे सुन नहीं रही थी । मैं एक ही साथ हँसना और रोना चाहती थी और चाहती थी कि बिस्तर पर लेट जाऊँ और चाय पिऊँ और लिड्डी को डाटूँ और

बहुत से वे छोटे-मोटे काम करूँ, जिन्हें करने की आशा मैंने बिलकुल ही छोड़ दी थी। और हवा ! आह, उस रात की ठंडी हवा का मेरे चेहरे पर स्पर्श !

जब मैं और अलैक्स दूसरी मंजिल पर पहुँचे तो जेमिसन हमसे मिला। वह गंभीर और शांत था और जब उसने तिजोरी देखी तो सिर हिलाया।

"आप जरा मेरे साथ आयेंगी, मिस इनेस ?" उसने गंभीरता से कहा और फिर हम पूर्वी भाग की ओर चल पड़े। नीचे बत्तियाँ हिल रही थीं और कुछ नौकरानियाँ वहाँ खड़ी थीं। जब उन्होंने मुझे देखा, तो उनकी चीखें निकल गयीं और वे मेरे लिए रास्ता छोड़कर एक तरफ हट गयीं। उस समय वहाँ एक स्तब्धता-सी थी। अलैक्स मेरे पीछे था और होंठों में कुछ कह रहा था, जो मैं ठीक तरह से सुन न सकी। और फिर वह मेरे पास से होकर गुजर गया। तब मैंने देखा कि एक आदमी सीढ़ियों के नीचे पड़ा हुआ था और अलैक्स उस पर झुका हुआ था।

जब मैं धीरे-धीरे नीचे आयी तो विण्टर्स पीछे हट गया और अलैक्स सीधा खड़ा हो गया। वह मेरी ओर तीखी दृष्टि से देख रहा था। उसके हाथ में भूरे रंग के रूखे बनावटी बालों की टोपी थी और सामने फर्श पर पाल आर्मस्ट्रांग पड़ा था।

विण्टर्स ने थोड़े से शब्दों में सारी बात बतायी। जब कि आर्मस्ट्रांग गोल सीढ़ी से नीचे उतर रहा था और विण्टर्स उसका पीछा कर रहा था, तो एक जगह आर्मस्ट्रांग का पाँव उखड़ा और वह सिर के बल पूर्वी भाग के दरवाजे से टकराया। शायद उसकी गर्दन पर सख्त चोट आयी थी। जब विण्टर्स उसके पास पहुँचा, तो वह मर चुका था।

जासूस के बात खत्म करने पर मैंने हाल्से को ताश खेलने वाले कमरे के दरवाजे में खड़ा देखा। वह बहुत कमजोर हो गया था और उसका चेहरा पीला पड़ गया था। और उस रात पहली बार मैं आपे से बाहर हो गयी। मैंने उसे अपने आलिंगन में लिया और उसने मुझे गिरने से संभाला। एक क्षण के पश्चात् हाल्से के कन्धे पर से मैं देखकर हैरान रह गयी कि ताश खेलने वाले कमरे के धुंधले प्रकाश में गर्टरूड और अलैक्स खड़े थे और असलियत छिपाने की जरूरत नहीं—अलैक्स गर्टरूड को चूम रहा था !

मैं कुछ न बोल सकी। दो बार मैंने मुँह खोला और फिर उनकी ओर संकेत कर हाल्से को दिखाया। वे हमारी ओर से बिलकुल बेखबर थे। गर्टरूड का सिर उसके कन्धे पर था और अलैक्स का चेहरा उसके बालों के साथ लगा हुआ था। आखिर जेमिसन ने चुप्पी तोड़ी।

वह अलैक्स के पास गया और उसने उसकी बाँह को छुआ।

"और अब," उसने शांत भाव से कहा, "कब तक आप और मैं यह खेल खेलते रहेंगे, बैले?"

३४
उपसंहार

उस रात डाक्टर वाकर के दक्षिण अमेरिका भाग जाने और गुप्त कमरे में मिली तिजोरी में नकद और सिक्युरिटी के रूप में दस लाख डालरों से अधिक रकम प्राप्त होने के बारे में लोगों ने समाचार-पत्रों में पढ़ा। गुप्त कमरे का पता लगाने में जो मेरा भाग था, उसके बारे में समाचार-पत्रों में कोई जिक्र नहीं था। असलियत कभी नहीं बतायी गयी। जेमिसन को ही हर प्रकार का श्रेय मिला। यद्यपि वह इस सारे श्रेय का अधिकारी नहीं था, पर कुछ उसे जरूर मिलना चाहिए था। परन्तु यदि अलैक्स के वेश में जैक बैले हाल्से का पता न लगाता और कब्र खोदकर पाल आर्मस्ट्रांग की शव-मंजूषा को निकाला न जाता, तो जासूस क्या कर सकता था?

जब हाल्से को असलियत का पता लगा तो वह अपनी उस कमजोरी की हालत में ही लुई के यहाँ जाने के लिए तैयार हो बैठा। और रात को लुई गर्टरूड की निगरानी में सनीसाइड आ गयी और उसकी माँ बारबरा फिट्जुग के यहाँ चली गयी।

हाल्से ने श्रीमती आर्मस्ट्रांग से क्या कहा, इसका मुझे कुछ ज्ञान नहीं; पर मुझे विश्वास है कि उसने समझदारी और बहादुरी से काम लिया होगा। हाल्से का स्त्रियों से पेश आने का अपना ही तरीका है।

उस रात तक उसकी और लुई की कोई बातचीत न हो सकी। गर्टरूड और अलैक्स—मेरा मतलब है 'जैक बैले'—सैर के लिए चले गये थे और जब नौ बज गये थे और ओस पड़ रही थी, जिससे सर्दी लगने का डर था।

साढ़े नौ बजे तक मैं अकेली बैठी-बैठी उकता गयी और मैं गर्टरूड और जैक बैले से मिलने नीचे गयी। कमरे के दरवाजे पर मैं रुकी। गर्टरूड और जैक वापस आ गये थे और दीवान पर एक साथ बैठे हुए थे। कमरे में एक ही लैंप

जल रहा था। उन्होंने मुझे देखा नहीं और न ही मेरी आहट सुनी। मैं उसी समय लायब्रेरी की ओर चली गयी। पर वहाँ भी मैं अन्दर न गयी। लुई एक कुर्सी पर बैठी हुई थी। उसे इतना खुश मैंने पहले कभी नहीं देखा था। हाल्से उसके पास कुर्सी की बाँह पर उसे अपने साथ लगाये बैठा था।

एक अधेड़ उम्र की स्त्री के लिए वहाँ जाना उचित नहीं था। मैं ऊपर अपनी बैठक में चली गयी। अगले दिन आहिस्ता-आहिस्ता मुझे पूरी कहानी का पता लगा।

पाल आर्मस्ट्रांग की सबसे बड़ी कमजोरी थी – धन का मोह। उसे धन से इसलिए मोह नहीं था कि वह उसका अपने लिए उपयोग करना चाहता था, बल्कि वह धन को धन की खातिर चाहता था। गत वर्ष से जब से जैक बैले खजांची बना था, बैंक के हिसाब-किताब में कोई गड़बड़ नहीं पायी गयी थी। पर उसके पहले पुराने खजांची एण्डर्सन के समय, जिसका देहांत हो चुका है, हिसाब–किताब में काफी गोलमाल दिखता था। न्यू मेक्सिको रेलवे लाइन में पाल आर्मस्ट्रांग की सारी निजी जायदाद खर्च हो गयी और अब उस घाटे को वह एक ही बार में पूरा कर लेना चाहता था। सो उसने बैंक की सिक्यूरिटियाँ चुरायीं, ताकि उन्हें बेंच कर रकम हासिल कर सके और कहीं लापता हो जाय।

पर कानून के हाथ लम्बे होते हैं। पाल आर्मस्ट्रांग ने बड़ी सतर्कता से स्थिति का अध्ययन किया। उसने सोचा कि धन चुराये जाने पर यदि यह पता लग जाये कि उसकी मृत्यु हो गयी है, तो फिर कोई कुछ नहीं कर सकेगा। तब जब मामला ठंडा पड़ जायेगा, वह कहीं भी जाकर उस धन का उपयोग कर सकता है।

इसके लिए जरूरत थी कि कोई उसका साथ दे। उसे डाक्टर वाकर का ख्याल आया, क्योंकि वह लुई से प्रेम करता था। वह इन चीजों के प्रति इतना सचेत नहीं था और फिर लुई से शादी का लालच दिये जाने से वह उसकी चाल में आ गया। जो योजना बनायी गयी थी, वह बहुत सीधी-सादी थी। इस योजना के अनुसार वह वहाँ से पश्चिम की तरफ किसी गाँव में गया, यह घोषित किया गया कि उसे दिल की बीमारी है, सान्फ्रान्सिस्को से डा. वाकर के एक मित्र द्वारा मेडिकल कालेज से एक शव मँगवाया गया और यह कह कर कि आर्मस्ट्रांग की मृत्यु हो गयी है उस शव को दफना दिया गया। इससे सीधी-सादी योजना और क्या हो सकती थी?"

... कारिंगटन नाम की स्त्री उनकी इस चाल में न फँस सकी। हमें कुछ ज्ञान नहीं कि उसे किस बात पर शक था और वह क्या कुछ जानती थी। वह एक होटल में नौकरानी थी और डाक्टर वाकर की किसी कमजोरी का फायदा उठा कर उससे धन प्राप्त करना चाहती थी। उस समय वह उलझन में फँसा हुआ था। इस स्त्री को धन देने का अर्थ था कि वह उस बात को स्वीकार करता है, जो वह स्त्री उसके खिलाफ कह रही है। उसने उसे कुछ भी देने से इन्कार कर दिया और अन्त में वह स्त्री हाल्से से मिली।

नीना के मिलने पर ही हाल्से उस रात डा. वाकर के यहाँ गया था। उसने डा. वाकर पर धोखे का इल्जाम लगाया था और फिर मैदान को पार करते समय उसने लुई को कोई चुभती हुई बात कही थी। तब उसकी ओर से उपेक्षा दिखाये जाने पर वह स्टेशन की ओर गया था। डा. वाकर और पाल आर्मस्ट्रांग, जो कि मेरी गोली चलाने के कारण लँगड़ा कर चल रहा था, जल्दी से लाइन के पार चले गये थे। उन्हें डर था कि कहीं गुप्त कमरे में से धन निकाले जाने के पहले ही हाल्से जासूस को इसकी खबर न दे दे। वे कार को रोकने के लिए सड़क में खड़े हो गये थे और भाग्य ने उनका साथ दिया। कार एक तरफ को मुड़ी और मालगाड़ी से टकरा गयी। उन्होंने हाल्से को बेहोशी की हालत में मालगाड़ी के एक डिब्बे में डाल दिया। तीन दिन तक हाल्से डिब्बे में पड़ा रहा। उसके हाथ-पाँव बँधे हुए थे और प्यास के कारण उसकी जान निकली जा रही थी और कभी कभी वह बेहोश हो जाता था। आखिर जान्सविले में एक भिखारी ने उसे देखा और उसकी जान बचायी।

अन्त में आर्मस्ट्रांग की योजना विफल हो गयी। सनीसाइड, जिसमें उसने अपना लूटा हुआ खजाना छिपाया था, किराये पर दे दिया गया था, और उसे इसका ज्ञान नहीं था। जब मुझे वहाँ से हटाने के प्रयत्न निष्फल रहे तो बाध्य होकर उसे घर में चोरी से घुसना पड़ा। लांड्री में सीढ़ी का रखना, अस्तबल में आग लगाना और ताश खेलने वाले कमरे की खिड़की में से घर में घुसने की कोशिश—यह सभी कुछ गुप्त कमरे में घुसने के लिए किया गया था।

लुई और उसकी माँ शुरू से ही उसके रास्ते के सबसे बड़े रोड़े थे। लुई को बाहर भेजने की योजना बनायी गयी थी, ताकि वह बीच में कोई रुकावट न डाले, पर वह उसी होटल में गलत मौके पर वापस आ गयी। भयानक दृश्य था। लड़की से कहा गया कि उसे वहाँ से जाना होगा, क्योंकि बैंक बन्द होने वाला है

और ऐसे मौके पर पाल आर्मस्ट्रांग अपमान से बचने के लिए या तो पुलिस से छिपने की कोशिश करेगा या आत्महत्या कर लेगा। फैनी आर्मस्ट्रांग कमजोर स्त्री थी, पर लुई को मनाना आसान बात नहीं थी। उसका अपने इस सौतेले पिता के प्रति कोई प्यार नहीं था। पर वह अपनी माँ पर जान देती थी। पिता के बार-बार कहने और तंग करने पर और स्थिति को देखते हुए आखिर वह मान गयी और वहाँ से चली गयी।

कोलोरेडो से उसने ट्रेडर्स बैंक में जैक बैले के नाम एक तार भेजा, जिसमें उसने अपना नाम नहीं लिखा था। वह नहीं चाहती थी कि एक निर्दोष व्यक्ति पुलिस द्वारा पकड़ा जाये। तार गुरुवार को पहुँचा और उस रात जैक बैले पागलों की सी हालत में बैंक गया।

लुई ने सनीसाइड आकर देखा कि घर किराये पर चढ़ा हुआ है। यह फैसला न कर पाने पर कि क्या करे, उसने ग्रीन्सवुड क्लब से आर्नल्ड को बुला भेजा और कुछ बातें बतायीं। उसने उससे कहा कि कुछ गड़बड़ी है और बैंक बन्द होने वाला है। इसके लिए उसके पिता उत्तरदायी हैं। षड्यंत्र के बारे में उसने कुछ न बताया। उसे आश्चर्य हुआ कि आर्नल्ड को उस रात बैले द्वारा पहले से पता लग गया था कि स्थिति अच्छी नहीं है। और फिर उसे यह भी शक था कि धन सनीसाइड में छिपाकर रखा गया है। उसके पास एक कागज था, जिससे पता लगता था कि घर में कहीं पर कोई गुप्त कमरा है।

पिता के विरासत में मिला उसके अन्दर जो धन का मोह था वह जाग उठा। हाल्से और जैक बैले को घर के बाहर निकलने की इच्छा से वह पूर्वी भाग के दरवाजे से ऊपर गया और उसने बैले को कैलेफोर्निया में आर्मस्ट्रांग का पता दिया, जो कि वह पहले देने से इन्कार कर रहा था और एक तार दिया, जो कि डा. वाकर ने जैक बैले के नाम क्लब में भेजा था। यह उस तार के जवाब में था, जो बैले ने उसे भेजा था। उसमें लिखा था कि पाल आर्मस्ट्रांग बहुत बीमार है।

बैले काफी हतोत्साह हो गया था और उससे निश्चय किया कि वह कैलेफोर्निया में पाल आर्मस्ट्रांग से मिले और उससे सारे मामले का पता लगाये। पर उसके अनुमान के साथ ही बैंक की दुर्घटना हो गयी थी। उस समय जब कि वह एन्ड्रूज स्टेशन पर, जहाँ जेमिसन को कार मिली थी, कैलिफोर्निया जाने के लिए तैयार था, उसने बैंक के बन्द हो जाने के बारे में पढ़ा और वापस आकर स्वयं को पुलिस के हवाले कर दिया।

जान बैले पाल आर्मस्ट्रॉंग को बहुत निकट से जानता था। उसे यह विश्वास नहीं हुआ कि बैंक का धन गायब हो गया है। सिक्यूरिटियों के गायब होने के इतने थोड़े अर्से में यह संभव नहं था। वह कहाँ था? कुछ महीने पहले बैले के संग भोजन करते समय आर्नल्ड के मुँह से गुप्त कमरे के बारे में कोई बात निकल गयी थी और बैले को निश्चय हो गया था कि सनीसाइड में कोई गुप्त कमरा है। उसने सनीसाइड के 'आर्किटैक्ट' से इसका पता लगाने की कोशिश की, पर मकान बनाने वाले एक ठेकेदार की तरह ही उसने बताने से इन्कार कर दिया था। यह हाल्से की योजना थी कि बैले माली के भेष में घर में आये और खोज करे। उसने ऐसे कपड़े बदले और गाँव के नाई से इस प्रकार सिर के बाल कटवाये कि उसे पहचानना मुश्किल था।

सो यह अलैक्स, जैक बैले था, जो हमारे घर में भूत के रूप में घूमता था। उसने गोल सीढ़ी पर केवल लुई को ही नहीं डराया था, बल्कि उसने सामान रखने वाले कमरे की दीवार में छेद भी किया था और बाद में एलिजा को भयभीत किया था। वह चिट्ठी जो गर्टरूड की रद्दी कागजों की टोकरी में लिड्डी को मिली थी, बैले की ही थी और यह बैले ही था, जिसने मुझे बेहोश कर दिया था और फिर गर्टरूड की सहायता से मुझे लुई के कमरे में ले गया था। बाद में गर्टरूड रात भर चिंता में डूबी मेरे पास बैठी रही थी।

बूढ़े थामस ने अपने मालिक को ही देखा था और यह समझा था कि उसने भूत देखा है। क्लब और सनीसाइड के बीच में थामस ने जो रात के समय बैले को देखा था, वह ठीक ही था। जिस रात आर्नल्ड की हत्या हुई उसके एक रात पहले जैक बैले ने गुप्त कमरे का पता लगाने की कोशिश की थी। उसने क्लब से आर्नल्ड के कमरे में से उसकी चाबियाँ प्राप्त कीं और घर में आया। उसके हाथ में गोल्फ खेलने की छड़ी थी, जिससे उसने दीवारों को ठोक कर देखा था। सीढ़ी के ऊपर वह टोकरी से टकरा कर गिरा था, जिसमें कि उसके कफ की जंजीर फँस गयी थी और उसके हाथ से छड़ी गिर पड़ी थी। उसी की आवाज़ मैंने सुनी थी। वह खुश था कि वह बचकर निकल गया था और घर में शोर नहीं मचा था और रेल से कस्बे में चला गया था।

मेरे लिए सबसे विचित्र चीज़ यह थी कि कुछ समय से जेमिसन जानता था कि अलैक्स जैक बैले है। पर उस रात बड़े अनोखे ढंग से उसकी असलियत का

पता लगा। जब ताश खेलने वाले कमरे में जासूस ने उसे कहा—"अब कब तक हम यह खेल खेलते रहेंगे, मिस्टर बैले?"

खैर, अब सब खत्म हो गया है। पाल आर्मस्ट्रांग कैसानोवा के गिरजे के कब्रिस्तान में सोया हुआ है और इस बार अपनी कब्र में सचमुच वही है। मैं उसके अंतिम संस्कार पर गयी थी, क्योंकि मैं निश्चित होना चाहती थी कि उसे सचमुच ही कब्र में सुलाया जा रहा है और मैंने कब्र पर लगे उस पत्थर को देखा, जहाँ पर कि एक रात मैं बैठी हुई थी और मुझे आश्चर्य हुआ कि क्या सचमुच यह सब सच है। सनीसाइड बिकने वाला है। पर मैं उसे खरीदूँगी नहीं। नन्हा लूसियन आर्मस्ट्रांग अपनी सौतेली दादी के पास रह रहा है और वह उन मुसीबातों में से आहिस्ता-आहिस्ता निकल रही है, जो उसका दूसरा विवाह होने पर उसके जीवन पर छायी हुई थी। ऐन वाटसन उस व्यक्ति के निकट ही कब्र में सोयी हुई है, जिसकी कि उसने हत्या की थी और जिसने उसे मौत के मुँह में धकेला था। थामस जो इस षड्यंत्र में मरने वाला चौथा व्यक्ति था, पहाड़ी पर दफनाया गया है। इस भयानक षड्यंत्र में नीना कारिंग्टन को मिलाकर पाँच व्यक्तियों की जानें गयीं।

अब कुछ ही समय में दो शादियाँ होने वाली हैं। लिड्डी ने गिरजाघर जाते समय पहनने के लिए मुझसे मेरी हेलियोट्रोम पापलीन मांगी है। मैं जानती थी वह मांगेगी। वह तीन वर्षों से इसे मांग रही है और जब से मुझ से उस पर काफी गिरी है, वह खराब हो गयी है। हम दोनो बहुत शांत हैं। लिड्डी अभी तक भूत का जिक्र करती है और प्रमाण में ऊपर सामान रखने वाले कमर में मेरे गीले और कीचड़ से सने बूटों का जिक्र करती है। मेरे बाल सफेद हो गये है, यह मैं मानती हूँ, पर पिछले दस बारह वर्षों से मैंने कभी ऐसी खुशी महसूस नहीं की। जब कभी मैं ऊब जाती हूँ, तो लिड्डी को बुलाती हूँ और हम पुरानी बातें दोहराती हैं। जब वार्नर ने रोज़ी से शादी कर ली, तो लिड्डी ने नाक चढ़ा कर कहा मैंने रोज़ी को उस पर तरस खाकर ही काम पर रखा था, वैसे वह ईमानदार स्त्री नहीं थी। मुझ पर लिड्डी की इस घृणा का कोई प्रभाव न पड़ा, क्योंकि उनकी शादी पर मैंने उन्हे चाँदी के काँटे और छुरियों का उपहार दिया है।

सो हम बैठकर बातें करती हैं और कभी लिड्डी मुझे छोड़ने की धमकी देती है और मैं कई बार उसे छोड़ने के लिए कहती हूँ; पर हम फिर भी एक साथ ही रह रही हैं। अगले साल मैं किराये पर एक घर लेने के बारे में सोच रही

के लिए मैं केवल विज्ञापन दूँगी और मैं डरती नहीं हूँ, भले ही उस घर में कोई गोल सीढ़ी क्यों न हो !